ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बुधवार, 5 जून 2024
वर्ष 34, अंक 129, पृष्ठ 18
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 5 रुपये

अमृत विचार

लखनऊ
एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

291 सीटों पर आगे राजग

235 सीटों पर इंडिया गठबंधन आगे

272 सीटें चाहिए पूर्ण बहुमत हासिल करने के लिए

41 एनडीए और इंडिया गठबंधन में 37 दल

फिर से... एनडीए

- कई राज्यों में बदले आंकड़े, सीटें घटीं पर सरकार बची
- तीसरी बार बनी एनडीए की सरकार, मिला पूर्ण बहुमत

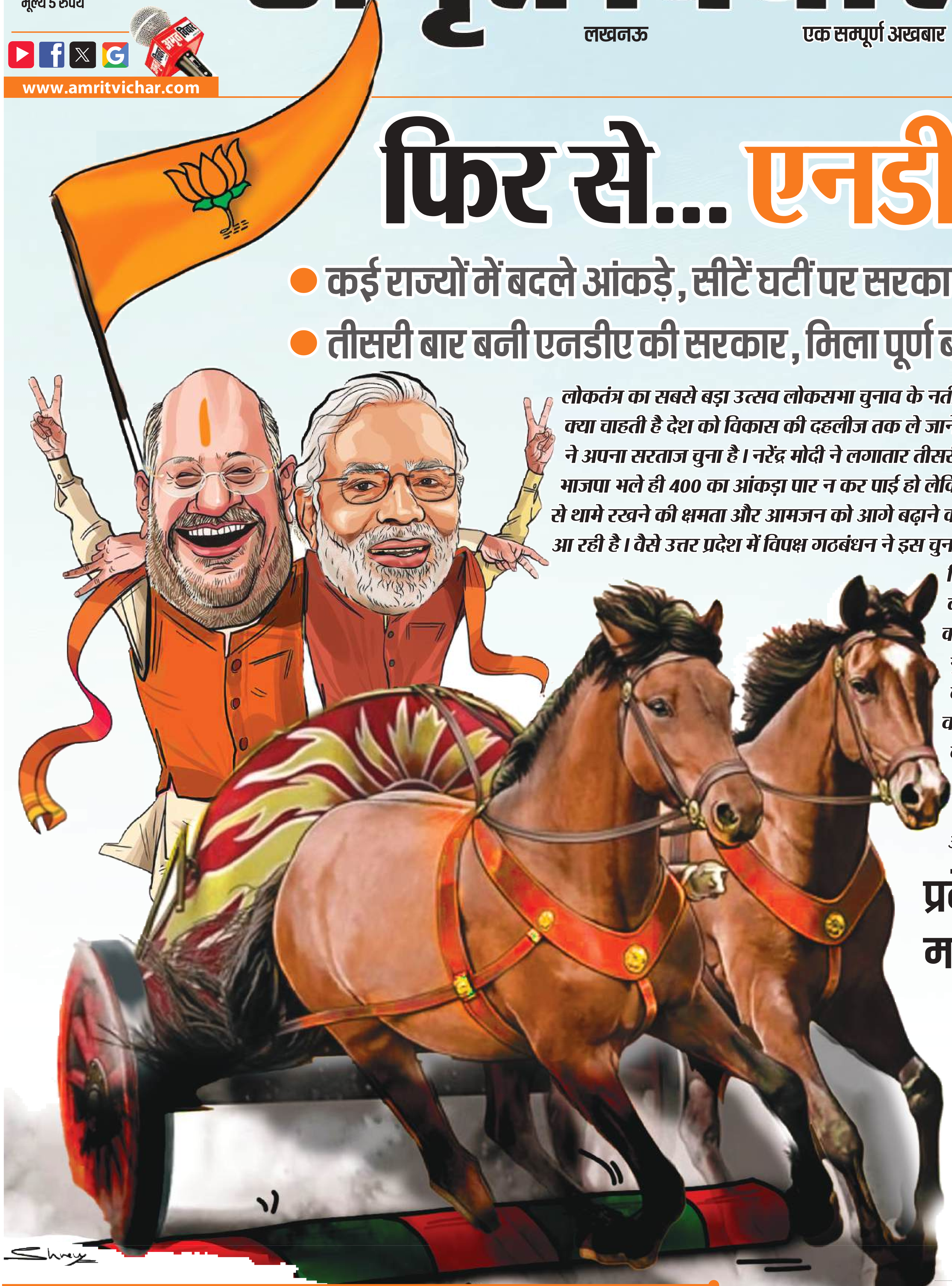

लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव लोकसभा चुनाव के नतीजों ने यह साफ कर दिया कि जनता क्या चाहती है देश को विकास की दहलीज तक ले जाने वाले एनडीए को एक बार फिर जनता ने अपना सरताज चुना है। नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार वाराणसी से जीत दर्ज की है। भाजपा भले ही 400 का आंकड़ा पार न कर पाई हो लेकिन देश की बागडोर उतनी ही मजबूती से थामे रखने की क्षमता और आमजन को आगे बढ़ाने की उम्मीद व उत्साह से ओत-प्रोत नजर आ रही है। वैसे उत्तर प्रदेश में विपक्ष गठबंधन ने इस चुनाव में उलटफेर की हवा को तेज जरूर किया है लेकिन सफलता हासिल नहीं कर पाई। कई राज्यों में भाजपा ने जीत का ध्वज लहराया तो कई राज्यों में भारी नुकसान का सामना भी करना पड़ा। कई दिग्गज प्रत्याशियों को एक लाख वोटों से अधिक की जीत मिली तो कई को अपनी सीट से हाथ धोना पड़ा। कुल मिलाकर एनडीए के हिस्से में सरकार तो आ गई पर सीटों का आंकड़ा मनचाहा न हो सका।

प्रदेश में सपा-कांग्रेस मजबूती से उभरी

नई दिल्ली, ब्यूरो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में तीसरी बार राजग की सरकार बनने जा रही है। मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। भाजपा भले ही 2019 की तरह प्रदर्शन न कर पाई हो, लेकिन इस बार भी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। मतगणना के बाद शाम 10 बजे तक सामने आए रुझानों से तय है कि भाजपा को स्पष्ट बहुमत न मिला हो, लेकिन बहुमत राजग के साथ ही है। आठ बजे तक के परिणामों में एनडीए 291 सीटों पर आगे थी, वहीं इंडिया गठबंधन 235 सीटों पर आगे थी। एनडीए में इस बार 41 तो इंडिया गठबंधन में 37 दलों ने चुनाव लड़ा था। समाचार लिखे जाने तक भाजपा 140, कांग्रेस 55, सपा 21, टीएमसी-14, डीएमके-5, जेडी(यू)- 4 टीडीपी- 3, शिवसेना- 2, एनसीपी शरद पवार की पार्टी 1 सीट जीत चुकी थी।

यह आम चुनाव कांग्रेस और सपा के लिए पिछले लोकसभा चुनाव से बेहतर रहा। रुझानों में 99 सीट हासिल कर रही कांग्रेस पार्टी 55 सीटें जीत चुकी है, जबकि पिछली बार 2019 में सिर्फ 52 सीटें ही जीत पाई थी। वहीं सपा रुझानों में 37 सीटों में से 16 सीटें जीत चुकी है। पिछली बार सपा सिर्फ 5 सीटों तक ही सिमट गई थी।

उप्र: केंद्र के इन मंत्रियों के हिस्से में हार

प्रत्याशी : अजय मिश्र टेनी
केंद्रीय गृह राज्य मंत्री
सीट : लखीमपुर खीरी
मतों से हारे
34,329

प्रत्याशी : स्मृति ईरानी
मंत्री
सीट : अमेठी
मतों से हारे
1,67,196

प्रत्याशी : महेंद्र नाथ पांडेय
मंत्री
सीट : चंदौली
मतों से हारे
21,565

प्रत्याशी : कौशल किशोर
मंत्री
सीट : मोहनलालगंज
मतों से हारे
70,292

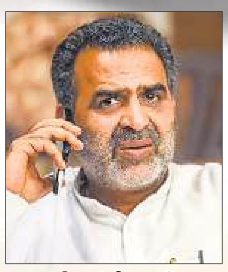

प्रत्याशी : संजीव बालियान
मंत्री
सीट : मुजफ्फरनगर
मतों से हारे
24,672

2019 में सिर्फ 52 सीटें ही जीत पाई थी कांग्रेस रुझानों में 99 सीट हासिल कर रही है 55 सीटें जीतीं, वहीं सपा रुझानों में 37 सीटों में से 16 सीटें जीत चुकी है

एनडीए पर जनता को विश्वास : नरेन्द्र मोदी

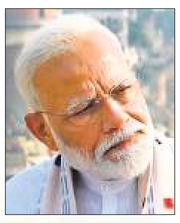

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की लगातार तीसरी बार जीत को ऐतिहासिक पल बताया है। उन्होंने मंगलवार शाम एक्स पर एक पोस्ट में कहा देश की जनता-जनार्दन ने एनडीए पर लगातार तीसरी बार अपना विश्वास जताया है। भारत के इतिहास में ये एक अभूतपूर्व पल है।

देश को शाह, मोदी नहीं चाहिए : राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि इस चुनाव में देश के जनादेश ने साफ कर दिया है कि अब उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं ने संविधान को बचाने के लिए सबसे बड़ा कदम उठाया। इसके तहत कांग्रेस पार्टी ने इंडिया समूह के नेताओं को साथ लिया और देश को एक नया विजन दिया है।

जीत का सहरा

सीट : गुना (मध्य प्रदेश)
प्रत्याशी : ज्योतिरादित्य
मतों से जीत : 5.4 लाख

सीट : हमीरपुर (हिमाचल)
प्रत्याशी : अनुराग ठाकुर
मतों से जीत : 182357

सीट : कैसरगंज लखनऊ
प्रत्याशी : करण भूषण
मतों से जीत : 1,48,843

सीट : नगीना (उप्र)
प्रत्याशी : चंद्रशेखर
मतों से जीत : 151473

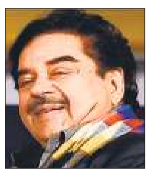
सीट : आसनसोल (पं. बंगाल)
प्रत्याशी : शत्रुघ्न सिन्हा
मतों से जीत : 59,564

सीट : मंडी (हिमाचल)
प्रत्याशी : कंगना रनोट
मतों से जीत : 74755

सीट : मेरठ (उप्र)
प्रत्याशी : अरुण गोविल
मतों से जीत : 10585

सीट : त्रिशूर (केरल)
प्रत्याशी : सुरेश गोपी
मतों से जीत : 74686

सीट : गोरखपुर (उप्र)
प्रत्याशी : रवि किशन
मतों से जीत : 103526

सीट : पीलीभीत (उप्र)
प्रत्याशी : जितिन प्रसाद
मतों से जीत : 1,66,575

सीट : खीरी (उप्र)
प्रत्याशी : उत्कर्ष वर्मा
मतों से जीत : 34, 329

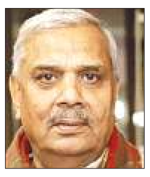
सीट : मुजफ्फरनगर (उप्र)
प्रत्याशी : हरेंद्र मलिक
मतों से जीत : 24,672

सीट : उधमपुर
प्रत्याशी : जितेंद्र सिंह
मतों से जीत : 1,24,373

सीट : हैदराबाद
प्रत्याशी : ओवैसी
मतों से जीत : 3,38,087

सीट : वडोदरा
प्रत्याशी : हेमंग जोशी
मतों से जीत : 5.82 लाख

सीट : सिरसा
प्रत्याशी : कुमारी शैलजा
मतों से जीत : 2.67 लाख

सीट : उधमसिंह नगर
प्रत्याशी : अजय भट्ट
मतों से जीत : 3.26 लाख

सीट : मथुरा
प्रत्याशी : हेमा मालिनी
मतों से जीत : 2.61 लाख

मतगणना की आंधी में उड़ गए एक्जिट पोल्स

संवाददाता, बरेली

- रुझानों में भाजपा को 360 सीट और एनडीए को 400+ का किया था दावा
- 300 पार के लिए तरस गई एनडीए विपक्ष को तगड़ा फायदा

अमृत विचार : सातवें चरण के मतदान के बाद एनडीए के पक्ष में एक्जिट पोल की आंधी मतगणना के साथ ही ढह गई। बड़े मीडिया हाउस और एजेंसियों के एग्जिट पोल्स में एनडीए गठबंधन को 400 से ज्यादा सीटें और भाजपा को 370 सीट के साथ बहुमत में दिखाया गया था। मतगणना के बाद आए रुझान ने पूरी कहानी ही पलट दी। अब भाजपा को लोकसभा में बहुमत बनाए रखने के लिए तेलुगू देशम पार्टी, जनता दल (यूनाइटेड) और एकनाथ शिंदे की शिवसेना जैसे अपने सहयोगियों पर बहुत हद तक निर्भर रहना पड़ेगा।

इस लोकसभा चुनाव में 400 पार एनडीए सरकार का नारा देने वाली मोदी सरकार मंगलवार को हुई मतगणना में 300 पार के लिए तरस गई। मध्य प्रदेश और गुजरात को छोड़ दें तो भाजपा को सबसे बड़ा नुकसान उत्तर प्रदेश में उठाना पड़ा। वहीं महाराष्ट्र में भी विपक्षी गठबंधन का प्रदर्शन शानदार रहा, यहां भी भाजपा एक्जिट पोल्स के रुझानों में आगे थी।

पिछले चुनाव के नतीजे में बहुमत में थी भाजपा : 2019 के चुनाव नतीजे जब सामने आए थे तो भाजपा लगातार दूसरी बार खुद के दम पर सत्ता में आई। भाजपा ने सबसे ज्यादा 303 सीटें जीतीं। इसके बाद कांग्रेस को महज 52 सीटों पर जीत मिली थी। इसके अलावा तृणमूल कांग्रेस के 22 सांसद, बसपा के 10, भाकपा के 2, माकपा के 3 और एनसीपी के 5 सांसद जीते थे। इसके अलावा अन्य सीटें एनडीए गठबंधन के हिस्से में पहुंची थी।

दावों से उलट इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन

मतगणना के बाद आए रुझान में इंडिया गठबंधन को मिली बढ़त ने सभी को भौचक्का कर दिया। मतगणना से पूर्व के रुझानों में 130 से कम सीटों को दिखाया गया था, लेकिन वास्तविक में 230 से ज्यादा पार कर गई। 100 से अधिक सीटें इंडिया गठबंधन के लिए माइलस्टोन की तरह काम करेगा। गठबंधन 9 जून तक सरकार बनाने का दवा यदि पेश नहीं कर पाया तो भी लोकसभा में मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाएगा।

उत्तर प्रदेश ने बढ़ाई भाजपा की टेंशन

वर्तमान में मोदी सरकार के लिए सबसे बड़ी टेंशन इस समय उत्तर प्रदेश की कम सीटें बन गई हैं। एक्जिट पोल्स में एनडीए को 400 पार की सबसे बड़ी बढ़त उत्तर प्रदेश राज्य में दिखाई गई थी। यहां 80 में से 72 सीटों का दावा किया गया था, लेकिन 36 सीटों पर सिमट गई। ऐसे में भाजपा को अन्य राज्यों के घटक दलों पर निर्भर रह कर सरकार चलानी पड़गी। 2019 के चुनाव में बीजेपी की अगुवाई वाली एनडीए ने 64 सीटों पर जीत हासिल की थी। वहीं, गठबंधन में बसपा ने 10 और सपा ने 5 सीटों पर जीत हासिल की थी।

छह राज्यों में भाजपा को भारी नुकसान

उप्र, महाराष्ट्र, बिहार, पं. बंगाल, कर्नाटक, हरियाणा, राजस्थान में कम सीटें

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव के मत की गिनती आज सुबह आठ बजे से शुरू होने के साथ ही आए परिणाम ने भाजपा की परेशानी को बढ़ा दिया है। राजग को उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पंजाब, लद्दाख, पंश्चिम बंगाल, कर्नाटक, हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्यों में भाजपा की अपेक्षा से कम सीटें आई हैं। कांग्रेस और उसकी इंडिया गठबंधन के दमदार प्रदर्शन ने सभी को चौका दिया है। साथ ही सरकार बनाने के लिए 272 सीटों की जरूरत होती है। लेकिन कई राज्यों में निराशजन प्रदर्शन के बाद भी राजग सरकार बनाने की ओर अग्रसर है।

उत्तर प्रदेश में सपा तो पश्चिम बंगाल में टीएमसी ने भाजपा को काफी नुकसान पहुंचाया है। जहां भाजपा ने हिमाचल, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और गुजरात की सभी सीटों पर जीत दर्ज की है, वहीं हरियाणा और महाराष्ट्र में उसको काफी नुकसान हुआ है। भाजपा सबसे ज्यादा बेहतर परिणाम की आशा प. बंगाल से थी पर ममता बनर्जी ने यह साबित किया की वह बंगाल में भाजपा पर भारी पड़ेंगी। 2019 के चुनाव में भाजपा ने इन सभी राज्यों में बेहतर प्रदर्शन किया था और इस बार भी सबसे ज्यादा सीटों के आने की उम्मीद भी भाजपा को इन्हीं राज्यों से थी।

लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लिए निराशाजनक साबित हुए हैं। उत्तर प्रदेश, हरियाणा पंजाब, पश्चिम बंगाल जैसे कई प्रमुख राज्यों में उसकी करारी हार हुई है। भाजपा को उत्तर प्रदेश में 30, बिहार में 9, पंजाब में 2, कर्नाटक में 9, लेह की एक सीट, पश्चित बंगाल में 6 हरियाणा में 5 और महाराष्ट्र में 23 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा है वहीं, कांग्रेस ने पिछली वार की अपेक्षा अच्छा प्रदर्शन किया है और यूपी में कांगेस में 6 सीटों पर जीत दर्ज की, साथ ही सपा ने भी 38 सीटें जीती है। महाराष्ट्र में कांग्रेस ने 13, शिवसेना ने 7 सीटों पर जीत दर्ज कर भाजपा को नुकसान पहुंचाया है। बिहार में भी कांग्रेस को तीन सीटें मिली है और राजद ने चार सीटों पर जीत दर्ज की है। कर्नाटक में कांग्रेस को नौ और पंश्चिम बंगाल में एक सीट मिली है।

बंगाल से भाजपा को काफी उम्मीद थी पर टीएमसी ने 29 सीटों पर जीत दर्ज कर इस पर पानी फेर दिया। वहीं हरियाणा में भी कांग्रेस ने पांच सीट जीतकर भाजपा को पांच सीट पर ही समेट दिया जबकि पिछली बार भाजपा ने यहां की सभी 10 सीटों पर जीत दर्ज की थी। राजस्थान में भी भाजपा को दस सीटों का नुकसान हुआ है जहां भाजपा को केवल 14 सीटों पर ही जीत मिल सकी है और कांग्रेस को 8 और अन्य को तीन सीटें मिली हैं।

वहीं भाजपा ने उत्तराखंड की पांच लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज कर ली है। केरल के त्रिपुर में भी भाजपा ने अपना खाला खोल दिया है। साथ ही मध्य प्रदेश की 29 सीटों पर भाजपा ने एकतरफा जीत दर्ज की है। साथ ही भाजपा ने असम में 9 छत्तीसगढ़ में 10, दिल्ली की सातों सीटों के साथ ही गुजरात में 26 मेंसे 25, हिमाचल की चार पर जीत दर्ज की है। इसी के साथ ही कई छोटे राज्यों में भी भाजपा को कोई खास सफलता हाथ नहीं लग सकी है।

इन राज्यों में नुकसान

उत्तर प्रदेश-80	
भाजपा	33 (-29)
सपा	37 (+32)
कांग्रेस	6 (+5)
रालोद	2
अन्य	2

महाराष्ट्र-48	
भाजपा	10 (-13)
कांग्रेस	13 (+12)
शिवसेना	7
एनसीपी	1
अन्य	17

कर्नाटक-28	
कांग्रेस	9 (+8)
भाजपा	17 (-8)
जेडीएस	2

प. बंगाल-42	
टीएमसी	29(+7)
भाजपा	12 (-6)
कांग्रेस	1 (-1)

राजस्थान-25	
भाजपा	14 (-10)
कांग्रेस	+8
अन्य	3

बिहार-40	
भाजपा	12 (-5)
राजद	+4
जदयू	12 (-4)
कांग्रेस	3 (+2)
अन्य	9

हरियाण-10	
भाजपा	5 (-5)
कांग्रेस	5 (+5)

5 नेताओं ने तोड़े रिकॉर्ड, इंदौर के लालवानी आगे

नई दिल्ली, एजेंसी

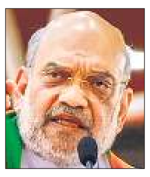

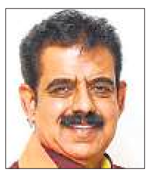

भाजपा के चार उम्मीदवारों सहित कम से कम पांच राजनेताओं ने जीत के अंतर के सभी रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया। इंदौर के मौजूदा सांसद शंकर लालवनी ने 11.72 लाख मतों से जीत दर्ज की। गृह मंत्री अमित शाह, मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और भाजपा नेता सीआर पाटिल मतगणना के अंतिम दौर में सात लाख से ज्यादा मत से जीते हैं।

असम के धुबरी क्षेत्र से कांग्रेस के रकीबुल हुसैन 7.36 लाख मतों से जीते। सबसे ज्यादा अंतर से जीत का रिकॉर्ड भाजपा के प्रीतम मुंडे के नाम था, जिन्होंने अक्टूबर 2014 में महाराष्ट्र की बीड सीट पर हुए उपचुनाव में 6.96 लाख से ज्यादा मतों पाए थे। उन्होंने 7.67 लाख मतों से दर्ज की। विदिशा से शिवराज सिंह चौहान 7.96 लाख से ज्यादा मतों से जीते। अमित शाह गांधीनगर लोकसभा सीट पर 7.37 लाख, जबकि उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मध्य प्रदेश की गुना सीट से 5.4 लाख से अधिक मतों जीते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वाराणसी से 1,52,513 मतों से जीते हैं। जहां से उनकी ये तीसरी जीत है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रायबरेली क्षेत्र से भाजपा के दिनेश प्रताप सिंह को 3.88 लाख मतों से हराया है। राहुल, केरल के वायनाड से भी 3.64 लाख से जीते हैं। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब त्रिपुरा पश्चिम लोकसभा सीट से छह लाख से अधिक मतों से जीते, जबकि भाजपा के कृति देव देबबर्मन ने त्रिपुरा पूर्व निर्वाचन क्षेत्र में 4.86 लाख से अधिक जीत दर्ज की। भाजपा के हेमंग जोशी भी वडोदरा से 5.82 लाख से अधिक मतों से विजयी रहें। कांग्रेस के अमासहायम रघुराम रेड्डी खम्मम से 4.59 लाख, भाजपा के एटला राजेंद्र मलकानगिरी से 3.81 लाख, अजय भट्ट नैनीताल-उधमसिंह नगर से 3.26 लाख से अधिक मतों से जीते हैं। रायपुर क्षेत्र से भाजपा के बृजमोहन अग्रवाल 4.43 लाख तो मथुरा से हेमा मालिनी 2.61 लाख मतों से आगे चल रही हैं जबकि नोएडा से पार्टी उम्मीदवार महेश शर्मा 5.57 लाख मतों से आगे चल रहे हैं। हरियाणा में कांग्रेस की कुमारी शैलजा और दीपेंद्र सिंह हुड्डा सिरसा और रोहतक से क्रमशः 2.67 लाख और 3.01 लाख मतों से आगे चल रहे हैं।

लोगों ने नफरत और तानाशाही के खिलाफ वोट दिया : आप

नई दिल्ली। आप ने मंगलवार को कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद इसके उम्मीदवारों ने दिल्ली में भाजपा को कड़ी टक्कर दी और साथ ही लोगों ने भाजपा की नफरत तथा तानाशाही की राजनीति के खिलाफ मतदान किया।

आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा, मैं देश के मतदाताओं के सामने सिर झुकाना चाहता हूं। यह चुनाव जनता का एक संदेश है कि वह भाजपा के 10 साल के शासन से थक गई है और उसे बाहर करना चाहती है। लोग महंगाई से परेशान हो गए हैं। भाजपा के 272 के बहुमत के आंकड़े से दूर दिखाई देने पर सिंह ने कहा, नतीजे भाजपा और उसकी नफरत तथा तानाशाही की राजनीति के लिए एक बड़ा सबक हैं।

सियासत केंद्रीय मंत्रियों में स्मृति, डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, संजीव बालियान, साध्वी निरंजन ज्योति, भानू प्रताप वर्मा, टेनी और कौशल किशोर जबकि राज्य सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह और जयवीर सिंह हारे

मोदी–योगी के कई मंत्री पराजित, अयोध्या भी हार गयी भाजपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- केन्द्र के सात और राज्य सरकार के दो मंत्री चुनाव हार गए

लोकसभा फैजाबाद (अयोध्या)	
गठबंधन के अवधेश प्रसाद	554289
भाजपा लल्लू सिंह	499722
बसपा के सच्चिदानंद पांडेय	46407
कम्युनिस्ट पार्टी के अरविंद सेन	15367

अमृत विचार: राजनीतिक हलकों में भले कहा जाता हो कि दिल्ली की कुर्सी का रास्ता उप्र. से हो कर जाता है लेकिन इस बार चुनाव में तो यहां कई मंत्रियों ने भी अपनी सांसदी गंवा दी। देश को चौंकाने वाले उप्र. की लोस सीट के परिणामों में चुनाव लड़ रहे 12 केंद्रीय मंत्रियों में से सात मंत्री और राज्य सरकार के दो मंत्री चुनाव हार गए। इस बार भाजपा से जनता का ऐसा मोहभंग हुआ कि चुनाव के दौरान चर्चा में रहे अयोध्या में भव्य राम मंदिर को सहेजने वाली अयोध्या सीट से भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह को सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद ने चुनाव हरा दिया है।

हारने वाले केंद्रीय मंत्रियों की तो इस सूची में स्मृति ईरानी, डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, संजीव वालियान, साध्वी निरंजन ज्योति, भानू प्रताप वर्मा, अजय मिश्रा टेनी और कौशल किशोर के नाम शामिल हैं। जबकि राज्य सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह और जयवीर सिंह भी चुनाव हार गए हैं। भाजपा के अन्य दिग्गज नेताओं में पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी (सुल्तानपुर), भोजपुरी अभिनेता दिनेश लाल यादव निरहुआ (आजमगढ़), महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री कृपाशंकर सिंह (जौनपुर), पूर्व पीएम चंद्रशेखर के पुत्र नीरज शेखर (बलिया), मंत्री व निषाद पार्टी के अध्यक्ष डा. संजय निषाद के पुत्र प्रवीण निषाद (संत कबीर नगर), मंत्री व सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर के पुत्र अरविंद राजभर (घोसी) जैसे बड़े नेता भी चुनाव हार गए।

अयोध्या : आस्था व विकास पर भारी पड़ा जातीय समीकरण

राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या

- नहीं लुभा पाया वैश्विक पर्यटन नगरी का आकर्षण
- सामान्य सीट से दलित विधायक ने दर्ज कराई जीत
- मंडल से प्रदेश तक जातीय समीकरण का असर

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव में अयोध्या से राजनीति के नए ट्रेड का संकेत है। आस्था और विकास, जातीय समीकरण के मकड़जाल में उलझ कर रह गए। वैश्विक पर्यटन नगरी का आकर्षण भी मतदाताओं को आकर्षित नहीं कर पाया। परिणाम रहा कि अयोध्या में भाजपा को मुंह की खानी पड़ी। अयोध्या राजनीति की प्रयोगशाला के तौर पर देखी जाती है। यहां नए–नए प्रयोग राजनीति को नई दिशा देते रहे हैं। भाजपा को ऊर्जा अयोध्या से मिलती रही है तो सपा और बसपा ने भी अयोध्या में अपने नए प्रयोगों के जरिए सियासत से सत्ता की सीढ़ी चढ़ी। तीनों दलों ने अलग–अलग चुनाव में सोशल इजीनियरिंग का प्रयोग भी यहीं किया। कामयाबी हासिल की। इस बार भी सपा ने एकदम नया प्रयोग किया। सामान्य सीट से सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र मिल्कीपुर के विधायक अवधेश प्रसाद को चुनाव मैदान में भेजा। प्रसाद, पासी बिरादरी से आते हैं। बिरादरी के साथ अन्य वोटों के ध्रुवीकरण से उन्होंने भाजपा की नाक रही अयोध्या की सीट छीन ली। यह अयोध्या के लिए बड़ी बात है।

अयोध्या केवल भाजपा का गढ़ नहीं रही है बल्कि अयोध्या को आस्था और विकास के नजरिए से भी देखा जाता है। राम मंदिर पर फैसला आने से रामलला की प्राण प्रतिष्ठा तक आस्था की तरंगे पूरे देश में यहां से फैलती रहीं। प्रदेश में अयोध्या से ज्यादा विकास शायद ही कहीं किया गया हो, कुछ लोग इससे प्रभावित भी हुए तो लाभ बहुतों को हुआ। इंटरनेशनल एयरपोर्ट से हाईवे तक। आधुनिक सुविधाओं युक्त भव्य रेलवे स्टेशन से अच्छी ट्रेनों के साथ राम मंदिर निर्माण और राम लला की प्राण प्रतिष्ठा। कई हजार करोड़ रूपये की परियोजनाएं और लोगों को योजनाओं के लाभ। सब एक ओर रह गए और जातीय सियासत दूसरी ओर। साफ है कि लोकसभा चुनाव में अयोध्या के विकास का मुद्दा नहीं रहा।

जातीय सियासत इसलिए भी कि साल 2019 का चुनाव सपा–बसपा ने यहां ने एक साथ मिलकर लड़ा था, लेकिन जीत नहीं पाई। भाजपा लगभग 65 हजार वोट से चुनाव जीत गई थी। गठबंधन के प्रत्याशी को 4 .63 लाख वोट मिले। तब प्रत्याशी आनंद सेन यादव थे। वह अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित थे। इस लोकसभा चुनाव में अनुसूचित जाति के सपा प्रत्याशी के पक्ष में पहले से ज्यादा ध्रुवीकरण हुआ। इसका कारण प्रत्याशी का पासी बिरादरी से होना माना जा रहा है। सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद ने भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह पर 56 हजार से ज्यादा वोटों से बढ़त बना ली। फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र की पांच विधानसभा क्षेत्र में चार में जातीय समीकरण का प्रभाव साफ देखा गया। आस्था, विकास से इतर सरकार के विरोध के साथ जातीय राजनीति का असर अयोध्या ही नहीं, फैजाबाद मंडल के सभी सीटों पर महसूस किया जा रहा है। अयोध्या के पड़ोस में अमेठी की तस्वीर को छोड़ दिया जाए तो अंबेडकरनगर, बाराबंकी, सुल्तानपुर में इसका साफ असर है। इन सीटों के जीते प्रत्याशियों की जाति और जातीय समीकरण इसी ओर इशारा करते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो मंडल ही नहीं पूरे प्रदेश में सपा ने जातीय राजनीति के जरिए चुनावी फतह पर काम किया। लोकसभावार ज्यादातर प्रत्याशियों का चयन ही जातीय समीकरण के आधार पर किया गया। मतगणना के बाद चुनाव परिणाम के साथ जातीय राजनीति के पक्ष में परिणाम साफ दिख रहा है।

हार का बोझ

सीट : खूंटी (झारखंड)
प्रत्याशी : अर्जुन मुंडा
मतों से हारे : 1.49 लाख

सीट : मथुरा
प्रत्याशी : मुकेश धनगर
मतों से हारे : 2.93 लाख

सीट : हैदराबाद
प्रत्याशी : माधवी लता
मतों से हारे : 3,38,087

सीट : गाजियाबाद
प्रत्याशी : डॉली शर्मा
मतों से हारे : 3.36 लाख

सीट : अनंतनाग- राजौरी
प्रत्याशी : महबूबा मुफ्ती
मतों से हारे : 2,81,794

सीट : रामपुर
प्रत्याशी : घनश्याम लोधी
मतों से हारे : 87434

सीट : आजमगढ़
प्रत्याशी : दिनेश लाल यादव
मतों से हारे : 1,61,035

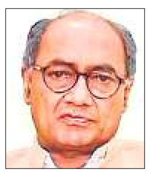
सीट : राजगढ़ (मध्यप्रदेश)
प्रत्याशी : दिग्विजय सिंह
मतों से हारे : 1.46 लाख

सीट : फतेहपुर
प्रत्याशी : निरंजन ज्योति
मतों से हारे : 35 हजार

सीट : जलौन
प्रत्याशी : भानू प्रताप वर्मा
मतों से हारे : 53,898

सीट : घोसी
प्रत्याशी : अरविंद राजभर
मतों से हारे : 1,62,943

सीट : रायबरेली
प्रत्याशी : दिनेश प्रताप सिंह
मतों से हारे : 3,90,030

सीट : सुल्तानपुर
प्रत्याशी : मेनका गांधी
मतों से हारे : 40 हजार

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बुधवार, 5 जून 2024
वर्ष 34, अंक 129, पृष्ठ 18
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 5 रुपये

अमृत विचार

लखनऊ

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

मिशन विश्वकप का आगाज करेगी टीम इंडिया 17

पिता बने वरुण, पत्नी नताशा ने दिया बेटी को जन्म 18

राजग को बहुमत, 9 को मोदी ले सकते हैं शपथ

सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी भाजपा, सहयोगी दलों के दम पर फिर बनेगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा चुनाव के अब तक आए नतीजों के मुताबिक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भले ही बहुमत (272 सीट) से दूर नजर आ रही है लेकिन वह सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरने की ओर अग्रसर है। हालांकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के अपने सहयोगियों की बदौलत उसकी फिर से सरकार बनने जा रही है। राजग की सीटों का आंकड़ा 300 सीटों के करीब पहुंचता दिख रहा है। खबर है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राजग की नई सरकार का 9 जून को शपथ ग्रहण कार्यक्रम हो सकता है। दरअसल, राष्ट्रपति भवन की ओर से एक बयान जारी किया गया है जिसके मुताबिक राष्ट्रपति भवन का सर्किट-1 बुधवार (5 जून) से लेकर 9 जून तक आम जनता के लिए बंद रहेगा। इस दौरान राष्ट्रपति भवन में नई सरकार के शपथ ग्रहण की तैयारियां की जाएंगी।

नई दिल्ली भाजपा मुख्यालय में समर्थकों का अभिवादन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा।

लोकसभा चुनावों के लिए मतों की गिनती जैसे-जैसे आगे बढ़ी, रुझानों में स्पष्ट होता चला गया कि सत्तारूढ़ गठबंधन उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर रहा है और एग्जिट पोल के अनुमान भी गलत साबित हो रहे हैं। अब तक के रूझान और नतीजे इसकी भी तस्दीक कर रहे हैं कि किसी एक दल को बहुमत देने के पिछले एक दशक के जनादेश में बदलाव आया है और एक बार फिर देश की राजनीति में गठबंधन युग की वापसी हो रही है। तकरीबन साढ़े पांच बजे तक के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक भाजपा 38 सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी थी जबकि 201 सीटों पर उसके उम्मीदवार आगे थे। भाजपा कुल मिलाकर 239 सीटों पर आगे थी। 543 सदस्यों वाली लोकसभा में बहुमत के लिए आवश्यक 272 के जादुई आंकड़े से वह पीछे है। हालांकि राजग का आंकड़ा 300 के करीब पहुंचता दिख रहा है। वहीं दूसरी ओर 'इंडिया' गठबंधन करीब 227 सीटों पर आगे हैं। कांग्रेस 12 सीटों पर जीत चुकी है और 87 सीटों पर उसके उम्मीदवार आगे हैं। साल 2019 के प्रदर्शन के मुकाबले कांग्रेस लगभग दोगुनी सीट की ओर आगे बढ़ती दिख रही है। पिछले चुनाव में भाजपा के पास 303 जबकि राजग के पास 350 से अधिक सीटें थीं। राजग यदि फिर से सत्ता में आता है और नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बनते हैं तो लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में वह जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। भाजपा को इस चुनाव में उत्तर प्रदेश में में खासा झटका लगा है जहां समाजवादी पार्टी ने उसे पीछे छोड़ दिया है। राजस्थान और हरियाणा में भी उम्मीद के विपरीत उसका प्रदर्शन रहा।

नई ऊर्जा, नए संकल्पों के साथ हम आगे बढ़ेंगे : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की लगातार तीसरी बार जीत को ऐतिहासिक पल बताया है और इसके लिए देश की जनता के प्रति आभार जताया। मोदी ने कहा है कि गठबंधन देश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए नई ताकत से काम करेगा। प्रधानमंत्री ने 18वीं लोकसभा के परिणामों और रुझानों के बीच मंगलवार शाम एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि देश की जनता-जनार्दन ने एनडीए पर लगातार तीसरी बार अपना विश्वास जताया है। भारत के इतिहास में ये एक अभूतपूर्व पल है। मैं इस स्नेह और आशीर्वाद के लिए अपने परिजनों को नमन करता हूं। मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हम नई ऊर्जा, नई उमंग, नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ेंगे। सभी कार्यकर्ताओं ने जिस समर्पण भाव से अथक मेहनत की है, मैं इसके लिए उनका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं, अभिनंदन करता हूं। लोकसभा चुनाव 2024 की मतगणना के ज्ञात रूझानों में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को 292 सीटें मिलने की संभावना है, जबकि विपक्षी 'इंडिया समूह' के प्रत्याशी 233 सीटों पर आगे चल रहे हैं या विजयी हुए हैं। इन चुनावों में भाजपा अपने बल पर बहुमत हासिल करने में कामयाब नहीं हुई है, लेकिन लोकसभा की 543 सीटों में से उसे 240 सीटें मिलती हुई दिखाई दे रही हैं।

आंध्र प्रदेश में राजग बहुमत की ओर, तेदेपा कार्यालय में जश्न

विधानसभा चुनाव

अमरावती, एजेंसी

आंध्र प्रदेश में अपने चुनाव पूर्व सहयोगियों जनसेना और भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाने के लिए तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के भारी बहुमत प्राप्त करने की ओर अग्रसर होने के साथ ही मंगलवार को राज्यभर में पार्टी के कार्यालयों में खुशियां मनाई जाने लगीं।

निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, तेदेपा ने 10 विधानसभा सीट पर जीत हासिल की है तथा 123 सीट पर आगे है, जबकि जनसेना ने दो सीट पर जीत दर्ज की है तथा 19 पर आगे है। वहीं, भाजपा ने एक विधानसभा सीट पर जीत हासिल कर ली है तथा सात सीट पर आगे है। सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस महज 13 सीट पर आगे है। गुंटूर लोकसभा सीट से तेदेपा प्रत्याशी पी चंद्रशेखर ने संवाददाताओं से कहा कि इतिहास फिर से लिखा गया है। राजग सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे के तहत तेदेपा ने 144 विधानसभा सीट पर, जबकि भाजपा ने 10 सीट, जनसेना ने 21 सीट पर चुनाव लड़ा। आंध्र प्रदेश में विधानसभा की 175 सीट है।

तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू को जीत की बधाई देते भाजपा नेता सिद्धार्थ सिंह।

ओडिशा में भाजपा आगे, खतरे में पटनायक की सत्ता

भुवनेश्वर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ओडिशा में अब तक आठ विधानसभा सीट पर जीत हासिल की है और 73 अन्य क्षेत्रों में उसके उम्मीदवार बढ़त बनाए हुए हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार राज्य की कुल 147 विधानसभा सीट में से बीजू जनता दल (बीजद) एक सीट जीत चुकी है जबकि 47 पर आगे है। कांग्रेस ने एक सीट पर जीत हासिल की है और 13 पर आगे है। चिल्का विधानसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार पृथ्वीराज हेरचंद्रन ने बीजद उम्मीदवार रघुनाथ साहू को 4,566 मतों से हरा दिया है, जबकि बरगढ़ सीट पर भाजपा उम्मीदवार अश्विनी कुमार सारंगी ने बीजद नेता के देवेश आचार्य को 4,772 मतों से शिकस्त दी। झारसुगुड़ा में भाजपा के टंकधर त्रिपाठी ने बीजद की दिपाली दास को 1,333 मतों के अंतर से हरा दिया। राउरकेला सीट पर बीजद के शारदा प्रसाद नायक ने भाजपा के दिलीप कुमार रे को 3,552 मतों के अंतर से हराया। मुख्यमंत्री और बीजद प्रमुख नवीन पटनायक बालांगीर जिले की कांताबंजी सीट पर भाजपा के लक्ष्मण बाग से 3,283 मतों से पीछे हैं। चित्रकोंडा में कांग्रेस के मंगू खिल्ला ने भाजपा के डंबरू सिसा को 9,151 मतों के अंतर से हरा दिया।

लखनऊ मंडल में भी भारतीय जनता पार्टी को हाथ आयी हताशा

लखनऊ

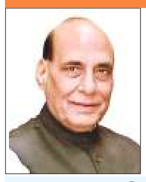

कुल मिले मत 612709
जीत का अंतर 135159
राजनाथ सिंह (भाजपा)

मोहनलालगंज

कुल मिले मत 667869
जीत का अंतर 70292
आरके चौधरी (सपा)

हरदोई

कुल मिले मत 486798
जीत का अंतर 27856
जय प्रकाश रावत (भाजपा)

सीतापुर

कुल मिले मत 531138
जीत का अंतर 89641
राकेश राठौर (कांग्रेस))

रायबरेली

कुल मिले मत 687649
जीत का अंतर 390030
राहुल गांधी (कांग्रेस)

उन्नाव

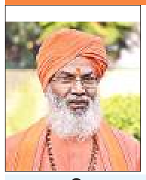

कुल मिले मत 616133
जीत का अंतर 35818
साक्षी महाराज (भाजपा)

धौरहरा

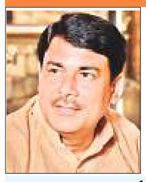

कुल मिले मत 443743
जीत का अंतर 4449
आनंद भदौरिया (सपा)

खीरी

कुल मिले मत 557365
जीत का अंतर 34329
उत्कर्ष वर्मा 'मधुर' (सपा)

मिश्रिख

कुल मिले मत 475016
जीत का अंतर 33406
अशोक कुमार रावत (भाजपा)

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ मंडल में आने वाली लोकसभा सीटों पर भी भाजपा को हताशा हाथ लगी है।

राजधानी लखनऊ सीट से भाजपा प्रत्याशी रक्षामंत्री राजनाथ सिंह यहां से जीत की हैट्रिक तो अवश्य लगायी लेकिन सपा उम्मीदवार रविदास मेहरोत्रा से जीत का अंतर सवा लाख मतों के करीब रहा। वहीं राजधानी से सटी मोहनलालगंज सीट से भाजपा उम्मीदवार केन्द्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर को सपा उम्मीदवार आरके चौधरी ने पराजित कर दिया।

रायबरेली सीट से कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के दिनेश प्रताप सिंह को लगभग चार लाख मतों से हराया। हरदोई लोकसभा सीट से एक बार फिर भाजपा प्रत्याशी जय प्रकाश कमल खिलाने में सफल रहे।

सीतापुर लोकसभा सीट से कांग्रेस के राकेश राठौ ने जीत दर्ज की। इस क्षेत्र से सटी मिश्रिख लोस सीट से भाजपा उम्मीदवार अशोक कुमार रावत जीत गए वहीं सपा की संगीता राजवंशी पराजित रहीं। उधर, गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी को समाजवादी पार्टी के उत्कर्ष वर्मा मधुर ने पराजित कर दिया। धरौहरा से भी सपा उम्मीदवार आनंद भदौरिया को जीत मिली है। उन्नाव सीट से भाजपा प्रत्याशी और मौजूदा सांसद साक्षी महाराज ने सपा प्रत्याशी अन्नू टण्डन को हराया है।

सफल रहा गठबंधन, दो लड़कों की जोड़ी हिट

- **अखिलेश ने पूर्व में कांग्रेस रालोद और बसपा से गठबंधन कर पाई थी असफलता**
- **इस बार अखिलेश-राहुल की जोड़ी का उप्र में दिखा दम भाजपा के दावों को झुठलाया**

अजय दयाल, लखनऊ

अमृत विचार : पिछले चार चुनावों (विधानसभा और लोकसभा) में गठबंधन का असफल प्रयोग कर चुके समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के गठबंधन का प्रयोग इस बार सफल रहा। अखिलेश और राहुल यानी दो लड़कों की जोड़ी भी हिट हो गई जबकि सत्तासीन दल (भाजपा) ने इस जोड़ी को असफल करार देने में कोई कसर नहीं छोड़ रखी थी।

लोकसभा चुनाव 2024 के परिणामों और रुझानों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में सपा को लगभग 36 तो वहीं कांग्रेस को छह सीटें मिलीं। कांग्रेस उप्र. से 17 सीटों पर चुनाव लड़ी थी जबकि सपा एक सीट टीएमसी को देकर कुल 63 सीट पर लड़ी। दरअसल, उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों पर सबकी निगाहें टिकी हुई थीं। पिछले दो आम चुनावों में मुकाबला एकतरफा रहा था। दोनों में भाजपा ने प्रचंड जीत हासिल की थी। 2014 में भाजपा ने 71 सीटें तो 2019 में 62 सीटों पर जीत हासिल की, लेकिन इस बार के चुनाव में भाजपा काफी पिछड़ गई और विपक्षी गठबंधन मजबूत स्थिति में आ गया। साल 2017 के विधानसभा चुनाव में पहली बार जब राहुल और अखिलेश की जोड़ी सामने आई तो एक नारा खूब चला- यूपी को ये साथ पसंद है। मगर उस चुनाव में जनता ने दोनों की जोड़ी को पूरी तरह नकार दिया था। उस वक्त जब सपा और कांग्रेस ने मिलकर चुनाव लड़ा तो 60 सीटें भी नहीं जीत सके। उसी वक्त अखिलेश यादव और राहुल गांधी की जोड़ी को यूपी के लड़के कहा जाने लगा था। बहरहाल, एक बार फिर पूरी ताकत से उत्तर प्रदेश में दो लड़कों की जोड़ी ने भाजपा और मोदी की गारंटी का सामना करने के लिए साथ आना तय किया और इस बार जनता के दिलो-दिमाग पर छा गए। दोनों ने मिलकर राजनीतिक गणित साधी। राहुल गांधी का जनता के सामने खटाखट वाला दांव और अखिलेश यादव की पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक की रणनीति काम कर गई। स्वार्थ का गठबंधन करने का आरोप झेलते हुए भी सपा और कांग्रेस ने सकारात्मक मुद्दों के साथ चुनाव प्रचार किया और खटाखट सीटें हासिल करने में सफल रहे।

निवेशकों के डूबे 31 लाख करोड़

मुंबई, एजेंसी

लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ भाजपा नेतृत्व वाले राजग को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के रूझानों से निराश निवेशकों की बिकवाली से शेयर बाजार में आज भूचाल आ गया। सेंसेक्स एवं निफ्टी में करीब छह फीसदी की गिरावट दर्ज की गई जिससे निवेशकों के 31 लाख करोड़ रुपये से अधिक डूब गए।

आम चुनाव के एक्जिट पोल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 400 सीटों के करीब बताया गया था लेकिन मतगणना में भाजपा को 244 सीटें और राजग को करीब 300 सीटें मिलने के रूझान से निवेशक हताश हो गए और जमकर बिकवाली की जिसके कारण बाजार में भूचाल आ गया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 4389.73 अंक टूटकर 72079.05 अंक पर तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 1379.40 अंक उतरकर 21884.50 अंक पर रहा। दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली का असर छोटी और मझौली कंपनियों पर पड़ा और बीएसई का मिडकैप 8.07 प्रतिशत फिसलकर 40788.10 अंक पर और स्मॉलकैप 6.79 फीसद गिरकर 44958.48 अंक पर रहा। इस बिकवाली से बीएसई का बाजार पूंजीकरण गिरकर 39483705.27 करोड़ रुपये पर आ गया। पिछले दिवस यह 42591511.54 करोड़ रुपये पर रहा था। इस तरह से निवेशकों के आज 3107806.27 करोड़ रुपये डूब गए।

मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी के परिणाम घोषित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को बताया कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट (स्नातक) के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। एनटीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नतीजे घोषित कर दिए गए हैं, अभ्यर्थी वेबसाइट पर अपने परिणाम देख सकते हैं। सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले अभ्यर्थियों का विवरण भी शीघ्र ही उपलब्ध होगा। इस वर्ष राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) के लिए रिकॉर्ड 23 लाख अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें 10 लाख से ज्यादा पुरुष, 13 लाख से अधिक महिलाएं और 24 थर्ड जेंडर श्रेणी के उम्मीदवार शामिल हैं।

उप्र. में भाजपा के मिशन 80 को लगा करारा झटका

लगातार पांचवीं बड़ी जीत से चूकी पार्टी, राम मंदिर मुद्दे का नहीं मिला फायदा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : इस बार के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को करारा झटका लगा है। यह झटका करारा इसलिए कि पार्टी का न तो मिशन 80 पूरा हुआ और न ही उत्तर प्रदेश में ऐतिहासिक राम मंदिर निर्माण (अयोध्या) की उपलब्धि भाजपा के खाते में आई।

अगर ऐसा होता तो भाजपा राज्य में लगभग 33 सीट जीतने के बजाय कम से कम 70 सीटों के आसपास पा जाती। उत्तर प्रदेश में दो बार विधानसभा और दो बार लोकसभा चुनाव जीत चुकी भाजपा इस बार अपनी पांचवीं प्रचंड जीत से चूक गई।

मतगणना के दौरान वीरान नजर आया लखनऊ स्थित भाजपा कार्यालय।

दरअसल, पिछले दो लोकसभा चुनाव में शानदार नतीजे के बाद खासकर उत्तर प्रदेश में भाजपा अपने बुलंद हौसलों के साथ थी। राम मंदिर की शुरुआत और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद तो ऐसा लग रहा था कि पार्टी राज्य में क्लीन स्वीप करेगी। लेकिन इसे अतिआत्मविश्वास कहें या जनता की नब्ज पकड़ लेने की गलतफहमी, भाजपा नाकाम साबित हुई। पार्टी को लगा कि हिंदुत्व और राम मंदिर का मुद्दा उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ा है। लेकिन विपक्ष के गठजोड़ और सामाजिक समीकरण साधने की रणनीति के आगे भाजपा कमजोर साबित हुई।

गौर करने वाली बात यह है कि लोकसभा चुनाव घोषित हो जाने के बावजूद सपा और कांग्रेस में सीटों के बंटवारे को लेकर सहमति नहीं बन पा रही थी। सत्तासीन दल के नेताओं ने इस पर तफरीह भी ली कि हम यहां प्रचार में उतर गए और विपक्ष सीट बंटवारे में ही उलझा है। इसके बाद भी जिस तरह ऐन चुनाव से पहले सपा और कांग्रेस में सीटों पर सहमति बनी और नामांकन के आखिरी दिन तक उम्मीदवारों को बदलने का सिलसिला रहा, उससे अच्छा संदेश तो नहीं गया लेकिन अब परिणाम चौंकाने वाले सामने आए हैं। इधर, भाजपा के आत्मविश्वास के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी थी तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कुशल प्रशासक वाली छवि। डबल इंजन की इस जोड़ी के बूते भाजपा पिछले चुनावों की तरह इस बार भी बड़े बहुमत को लेकर आश्वस्त थी, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और निकली।

केरल वोट शेयर

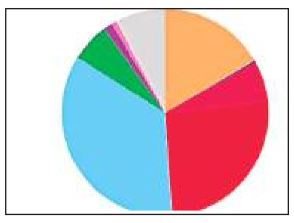

	बीजेपी	16.68%
	बीएसपी	00.25%
	सीपीआई	06.17%
	सीपीआई (एम)	25.79%
	आईएनसी	35.00%
	आईयूएमएल	06.10%
	केईसी (एम)	01.37%
	नोटा	00.79%
	अन्य	07.84%

देश में तीन सबसे बड़ी जीत

इंदौर से भाजपा उम्मीदवार शंकर ललवानी ने 11.75 लाख वोटों से चुनाव जीतकर सबसे बड़ी जीत का रिकार्ड बनाया है। दूसरी बड़ी जीत कांग्रेस के नाम रही। असम में कांग्रेस उम्मीदवार रकीबुल हुसैन ने एआईडीयूएफ के प्रत्याशी बदरुद्दीन अजमल को 9.20 लाख वोटों के अंतर से हराया। मध्यप्रदेश में पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने विदिशा में तीसरी बड़ी जीत हासिल की। शिवराज सिंह की जीत का अंतर 8 लाख 21 हजार वोट का रहा। साल 2019 में भाजपा के सीआर पाटिल ने साल 2019 में नवसारी (गुजरात) से सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी। साल 2019 में यूपी के मछलीशहर लोकसभा सीट से सबसे कम अंतर 181 वोट से जीत-हार का फैसला हुआ था।

दक्षिण भारत से भाजपा को सिर्फ एक सीट का फायदा

दक्षिण भारत से कुल 132 सांसद चुनकर आते हैं। दक्षिण भारत की ये सीटें तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी, लक्षद्वीप और अंडमान निकोबार जैसे कुल आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आती हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में इन 132 सीटों में से कांग्रेस और भाजपा दोनों ने 29-29 सीटों पर जीत हासिल की थी। वहीं, इन दलों से काफी आगे क्षेत्रीय पार्टियों के 74 सांसद चुनकर लोकसभा पहुंचे थे। इस बार भाजपा को दक्षिण के इन राज्यों से अपेक्षित सफलता नहीं मिली है। पार्टी केवल 30 सीटें जीत पा रही है।

केरल में पहली बार खिला कमल, कर्नाटक में लगी बड़ी चपत

मनोज त्रिपाठी

अमृत विचार। भाजपा जहां पहली बार केरल में खाता खोलने में कामयाब रही, वहीं कर्नाटक में उसे तगड़ा नुकसान उठाना पड़ा। 2019 में भाजपा ने कर्नाटक की 28 में से 25 सीटें जीत ली थीं। लेकिन इस बार भाजपा को 8 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा है। पार्टी को 17 लोकसभा सीटों पर जीत मिली है। कांग्रेस ने लंबी छलांग लगाते हुए पिछली बार की एक सीट से आगे बढ़ते हुए इस बार 9 सीटों पर कब्जा कर लिया। भाजपा की सहयोगी पार्टी जेडीएस को दो सीटों पर सफलता मिली है। अश्लील सीडी कांड में आरोपी एचडी रेवन्ना के बेटे प्रज्वल रेवन्ना हासन से चुनाव हार गए हैं। कर्नाटक कभी भाजपा का गढ़ था, लेकिन वहां इस बार सीटें बढ़ने के बजाय घट गई हैं। कर्नाटक में भाजपा को जेडीएस के साथ अलायंस में उम्मीद थी कि वो पूरी 28 सीटें जीत लेगी। राज्य में क्लीन स्वीप के मकसद से भाजपा ने आधे से ज्यादा प्रत्याशी बदल दिए थे। इसका कई जगह विरोध हुआ। अंदर ही अंदर इस बात को लेकर नाराजगी भी थी। नतीजों में इसका असर दिख रहा है। इसके मुकाबले कांग्रेस ने अपनी 5 गारंटी को प्रमोट किया, जो सरकार में आने के बाद उसने लागू की थीं। इसमें महिलाओं को दो हजार रुपये महीना देना और फ्री बस यात्रा शामिल है। इनके चलते राज्य में शून्य पर पहुंच चुकी कांग्रेस इस बार 7 सीटें जीत गई।

दिल्ली में जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता। अमृत विचार

दो दशक में दूसरा सबसे दयनीय प्रदर्शन

- 2004 : भाजपा ने 18 सीटें जीती
- 2009 : भाजपा ने 19 सीटें जीती
- 2014 : भाजपा ने 17 सीटें जीती
- 2019 : भाजपा ने 25 सीटें जीती
- 2024 : भाजपा ने 17 सीटें जीती

त्रिशूर जीतकर भाजपा ने इतिहास रचा कांग्रेस की एक सीट घटी

अमृत विचार। केरल में भाजपा ने त्रिशूर की सीट जीतकर पहली बार कमल खिला दिया। राज्य में 20 लोकसभा सीटें हैं। 2019 के चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने 19 सीटें जीती थीं। इसमें कांग्रेस को 15, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी को एक, केरल कांग्रेस (एम) को एक और आईयूएमएल ने दो सीटें मिली थीं। दूसरी तरफ वाम दलों के गठबंधन (एलडीएफ) में माकपा ही एक सीट जीत पायी थी। त्रिशूर को केरल की सांस्कृतिक राजधानी कहा जाता है। यहां भाजपा ने दूसरी बार अभिनेता से नेता बने सुरेश गोपी को मैदान में उतारा था। पिछली बार 2019 में भी वह इस सीट से चुनाव लड़े थे, लेकिन तीसरे नंबर पर पिछड़ गए थे। भाजपा ने उन्हें 2021 के विधानसभा चुनाव में भी त्रिशूर से मौका दिया था, लेकिन सफल नहीं हो पाए थे। आखिरकार इस बार सुरेश गोपी ने भाकपा प्रत्याशी वीएस सुनील कुमार को 75 हजार मतों से हराकर केरल में भाजपा को पहली सफलता दिलाकर इतिहास रच दिया। राज्य में इस बार कांग्रेस 14 सीटे जीतती नजर आ रही है। उसकी सहयोगी आईयूएमएल पिछली बार की तरह दो सीटें जीत रही है।

सुरेश गोपी।

असदुद्दीन ओवैसी। अमृत विचार

तेलंगाना में भाजपा ने दोगुनी की सीटों की संख्या

- तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी ने 8 सीटों पर जीत दर्ज की है, तो कांग्रेस को भी 8 सीटों पर जीत मिली है। हैदराबाद सीट पर एआईएमआईएम के उम्मीदवार असदुद्दीन ओवैसी चुनाव जीतने में सफल रहे हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को 4 सीटों पर जीत मिली थी। इस तरह भाजपा को राज्य में 4 सीटों का फायदा मिला है।

तिरुवनंतपुरम में दूसरी बार दूसरे नंबर पर पिछड़ी भाजपा

2019 के चुनाव में भाजपा सिर्फ तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट पर दूसरे नंबर पर रही थी। इस बार पार्टी ने यहां से मोदी सरकार में आईटी मंत्री राजीव चंद्रशेखर को उतार कर जीत की उम्मीद लगाई थी। लेकिन तिरुवनंतपुरम सीट पर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने लगातार चौथी जीत दर्ज कर ली। उन्होंने राजीव चंद्रशेखर को कड़े मुकाबले में 16 हजार वोटों से हरा दिया। शशि थरूर को 3,58,155 जबकि राजीव चंद्रशेखर को 3,42,078 वोट मिले। तीसरे नंबर पर रहे सीपीआई के पन्नियन रवीन्द्रन 2,47,648 ने वोट पाए।

शशि थरूर।

ओडिशा में भाजपा का शानदार प्रदर्शन, मुख्यमंत्री एक सीट हारे

अमृत विचार। ओडिशा में विधानसभा की 147 और लोकसभा की 21 सीटों के सामने आए चुनाव परिणाम में भाजपा को लोकसभा और विधानसभा दोनों में ही बड़ा फायदा हुआ है। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सूबे की मौजूदा नवीन पटनायक सरकार को तगड़ा झटका दिया है। पिछले लोकसभा चुनाव 2019 में बीजद ने 12, भाजपा ने 8 और कांग्रेस ने एक सीट जीती थी। इस बार भाजपा ने 19 सीटें जीती हैं। कांग्रेस और बीजू जनता दल एक-एक सीट पर सिमट गया है। संबलपुर लोकसभा सीट पर भाजपा ने कब्जा कर लिया है। भाजपा उम्मीदवार धर्मेंद्र प्रधान 59162 वोट से जीत दर्ज की है। बीजद दूसरे नंबर पर रही। भुवनेश्वर संसदीय क्षेत्र से भी भाजपा ने जीत दर्ज की है। यहां अपराजिता सारंगी ने कड़े मुकाबले में बीजद के मन्मथ कुमार राउत्रे को शिकस्त दी। अपराजिता सारंगी को 512519 इतने वोट मिले जबकि मन्मथ को 477367 वोट मिले। कटक सीट से भाजपा के भर्तुहरी महताब जीत गए हैं। उन्होंने बीजद के संत्रुप्त मिश्रा को हरा दिया है।

नवीन पटनायक।

- राज्य की 21 में से 19 लोकसभा सीटों पर खिलाया कमल
- विधान सभा चुनाव में पार्टी ने सरकार के लिए बहुमत पाया

कांताबाजी सीट पर मिली हार: बीजद को सबसे बड़ा झटका तब लगा जब मुख्यमंत्री नवीन पटनायक कांताबंजी सीट से चुनाव हार गए। उन्हें भाजपा के लक्ष्मण बाग ने 15 हजार मतों से पराजित कर दिया। बीजद अध्यक्ष पटनायक लगातार पांच बार से राज्य के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने साल 2000 में मुख्यमंत्री का पदभार संभाला था।

पटनायक अब नहीं रहे राज्य के नायक

- भाजपा ओडिशा में जीती गई और रुझान मिलाकर 86 विधानसभा सीटों पर आगे है। बीजू जनता दल (बीजद) के उम्मीदवार 44 सीटों पर आगे हैं। कांग्रेस 12 सीट पर और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) एक सीट पर आगे है। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक विधानसभा सीट हिंजिली से जीत हासिल करते दिख रहे हैं। लेकिन उनके मंत्रिमंडल के कम से कम आठ मंत्री चुनाव हार गए हैं। ओडिशा विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 74 सीटों का है। 2019 के विधानसभा चुनावों में बीजद को 112 सीटें मिली थीं। जबकि भाजपा को 23 सीटें, कांग्रेस को नौ, सीपीआई एम को एक और एक सीट निर्दलीय के खाते में गई थी। पिछली बार बीजद को करीब 45 फीसदी वोट मिले थे। भाजपा को करीब 33 फीसदी वोट मिले थे। कांग्रेस के खाते में 16 फीसदी और अन्य को 6 फीसदी से कुछ अधिक वोट मिले थे।

तमिलनाडु में डीएमके के लगातार दूसरी बार शानदार प्रदर्शन के बाद चेन्नई में बैठक करते मुख्यमंत्री स्टालिन और पार्टी नेता। अमृत विचार

तमिलनाडु ने सीट नहीं दी, झोली में डाल दिए 11% वोट

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। तमिलनाडु में इस बार भाजपा के पास खोने के लिए कुछ नहीं था। इसके चलते पार्टी ने पूरी ताकत झोंक रखी थी। पूर्व आईपीएस अफसर अन्नामलाई को चेहरा बनाकर राज्य भाजपा की कमान सौंपी थी। अन्नामलाई ने पदयात्राओं से माहौल भी बनाया। भाजपा को उम्मीद थी कि उनकी लोकप्रियता और ब्रांड मोदी से 4 से 5 सीटें आएंगीं, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। तमिलनाडु में भाजपा को सीटों के लिहाज से बड़ी निराशा हाथ लगी, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य में कई रैलियां और रोड शो किए थे। इनमें भीड़ भी जुटी, लेकिन लोगों ने अपेक्षित समर्थन नहीं दिया। हालांकि इस बार के चुनाव ने तमिलनाडु में भाजपा के लिए आगे की राह खोल दी है। भाजपा का वोट शेयर 10.87 फीसदी तक पहुंच गया है। डीएमके, एआईएडीएमके और कांग्रेस के बाद भाजपा वोट शेयर के मामले में राज्य की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गयी है। उसके साथ अलायंस में लड़ रही पीएमके एक सीट जीतते हुए नजर आ रही है।

तमिलनाडु से 39 संसद सदस्य चुने जाते हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में डीएमके ने 24 सीटें, कांग्रेस ने 8, विदुथलाई चिरुथिगल काची ने एक, सीपीआई (एम) ने 2, सीपीआई ने 2, आईयूएमएल ने एक और एआईएडीएमके ने एक सीटें जीती थीं। इस बार राज्य में भाजपा के जोरदार चुनाव अभियान का मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बखूबी बचाव किय। उन्होंने केंद्र सरकार पर राज्य से भेदभाव का मुद्दा गर्म रखा और कहा कि राज्य सरकार केंद्र को एक रुपये भेजती है, तो केंद्र से 28 पैसे मिलते हैं। जीएसटी का बकाया नहीं दिया जा रहा। इससे राज्य का विकास रुका हुआ है। इसके मुकाबले उत्तर प्रदेश को एक रुपये के बदले केंद्र दो रुपये देता है। उन्होंने अपनी हर रैली में मिचौंग तूफान का जिक्र किया और कहा कि केंद्र ने न कोई मदद नहीं दी है।

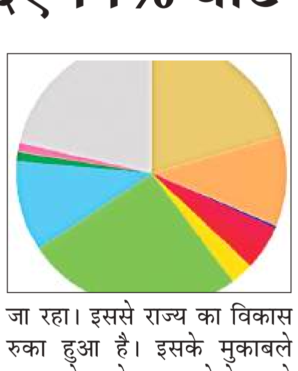

- डीएमके, एआईएडीएमके और कांग्रेस के बाद भाजपा वोट शेयर के मामले में राज्य की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी

	एडीएमके	20.48%
	बीजेपी	10.90%
	बीएसपी	00.32%
	सीपीआई	02.36%
	सीपीआई (एम)	02.94%
	डीएमडीके	02.77%
	डीएमके	25.91%
	आईएनसी	10.72%
	आईयूएमएल	01.16%
	नोटा	01.07%
	अन्य	21.38%

आंध्र प्रदेश में एनडीए का जलवा, कांग्रेस फिर जीरो

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। आंध्र प्रदेश में एनडीए गठबंधन को बड़ी सफलता मिली है। राज्य में कांग्रेस का खाता नहीं खुल पाया है। राज्य की 25 लोकसभा सीटों से एनडीए गठबंधन को 21 सीटों पर जीत मिली है। इसमें भाजपा ने 3 सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि टीडीपी को 16 सीटों पर सफलता मिली है। गठबंधन की सहयोगी जनसेना पार्टी को 2 सीटों पर जीत मिली है। राज्य में वाईएसआरसीपी को 4 सीटों पर जीत मिली है। भाजपा को इस बार चुनाव में 11.55 प्रतिशत वोट मिले हैं। 2019 के चुनाव में वाईएसआरसीपी ने राज्य की 25 लोकसभा सीटों में से 22 पर जीत हासिल की थी। टीडीपी केवल 3 सीटों पर सिमट गई थी। भाजपा और कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पाई थीं।

विधानसभा चुनाव में टीडीपी का परचम : आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव के नतीजे भी घोषित किए गए हैं। राज्य में एन चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) की वापसी तय नजर आ रही है। पार्टी ने घोषणा की है कि नायडू 9 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। पार्टी मुख्यालय में जश्न भी चल रहा है। सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस केवल 24 सीटों के साथ बहुत पीछे रह गई है। वाईएसआरसीपी ने अकेले राज्य की सभी 175 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ा था।

टीडीपी ने 144 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। पार्टी 122 सीटों पर बढ़त बनाए है। पवन कल्याण की अगुआई वाली जन सेना पार्टी (जेएसपी) ने 21 सीटों पर और भाजपा ने 10 सीटों पर चुनाव लड़ा था।

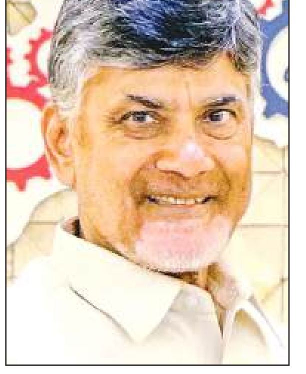
चंद्रबाबू नायडू।

मध्य प्रदेश में मोहन की बंसी पर खिला कमल

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। मध्य प्रदेश के आंकड़ों ने इंडिया गठबंधन में कांग्रेस को बुरी तरह चौंकाया। यहां भाजपा और कांग्रेस में ही सीधा मुकाबला था। हालांकि कांग्रेस राज्य में चार-पांच सीटों से अधिक उम्मीद नहीं कर रही थी। लेकिन भाजपा ने क्लीन स्वीप करते हुए स्वतंत्रता के बाद पहली बार मध्य प्रदेश में सभी 29 लोकसभा सीटों पर कमल खिला दिया। माना जा रहा है कि प्रदेश में संघ ने सत्ता और संगठन के साथ मिलकर बेहतर तरीके से काम किया तो मुख्यमंत्री मोहन यादव की रणनीति भी काम कर गई। उन्होंने लोकसभा चुनाव के लिए 'अबकी बार छिंदवाड़ा पार' का नारा दिया था। मोहन यादव ने साफ-साफ कहा था कि छिंदवाड़ा में इस बार कमल खिलेगा। कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह भी हार गए।

मध्य प्रदेश में 2014 की मोदी लहर में कांग्रेस के बड़े-बड़े गढ़ ढह गए थे। सिर्फ गुना और छिंदवाड़ा में ही कांग्रेस को जीत मिली थी। 2019 में गुना में ज्योतिरादित्य सिंधिया को हार मिली। कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा से उनके बेटे नकुल नाथ महज 25 हजार वोट से जीत सके थे। 2023 के विधानसभा चुनावों के नतीजों के आधार पर कांग्रेस को उम्मीद थी कि वह कम से कम 5 सीटों पर चुनौती देने की स्थिति में है। लेकिन पार्टी कहीं भी भाजपा का रास्ता नहीं रोक पाई।

भाजपा नेता पूर्व मुख्यमंत्री विदिशा से प्रत्याशी शिवराज सिंह चौहान ने 8 लाख से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 2024 के लोकसभा चुनाव में अब तक की सबसे बड़ी जीत हासिल कर गुना सीट पर जबरदस्त वापसी की। सिंधिया ने गुना सीट 5 लाख 29 हजार 193 लाख के अंतर से चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया है। उनके निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के यादवेन्द्र राव देशराज सिंह को 3,78,298 लाख वोट प्राप्त हुए।

ज्योतिरादित्य सिंधिया।

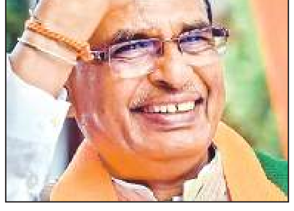
शिवराज सिंह चौहान।

मध्यप्रदेश

29	00	00
भाजपा	कांग्रेस	अन्य

- भाजपा ने पहली बार किया क्लीन स्वीप, कमलनाथ का गढ़ छिंदवाड़ा भी ढहा

इंदौर में एक लाख वोट नोटा में पड़े

- इंदौर लोकसभा सीट से शंकर लालवानी विजयी घोषित किए गए। उन्होंने एक लाख से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की है। सीट पर नोटा को एक लाख से ज्यादा वोट मिले। इंदौर से कांग्रेस प्रत्याशी ने नामांकन के बाद भाजपा का दामन थाम लिया था।

भाजपा ने एक प्रतिशत ज्यादा मत लेकर किया कमाल

- भाजपा ने प्रदेश की 29 सीटों पर करीब 59.5 प्रतिशत वोट हासिल किए। यह 2019 के 58.5 प्रतिशत के मुकाबले सिर्फ एक प्रतिशत ज्यादा है। कांग्रेस को साल 2019 के चुनाव में मिले 34.8 प्रतिशत के मुकाबले इस बार 32.19 प्रतिशत वोट ही मिल पाए। ढाई प्रतिशत मतों की कमी से पार्टी शून्य पर आ गई।

दिल्ली के दिल में मोदी क्लीन स्वीप की हैट्रिक

अमृत विचार। दिल्ली की 7 लोकसभा सीटों पर एक बार फिर भाजपा ने भगवा लहरा दिया है। साल 2019 में भी पार्टी ने यहां सातों सीटें अपने नाम की थी। हालांकि दिल्ली में इस बार कांग्रेस और आम आदमी पार्टी गठबंधन के तौर पर चुनाव मैदान में उतरी थी। लेकिन इसका फायदा उन्हें नहीं मिल पाया। भाजपा ने सभी सातों सीटों पर क्लीन स्वीप की हैट्रिक लगा दी। भाजपा ने 2014 और 2019 में भी दिल्ली की सभी सीटों पर जीत दर्ज की थी।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने 4 जबकि कांग्रेस ने 3 सीटों पर लोकसभा का चुनाव लड़ा था। भाजपा ने अकेले दम पर सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए थे। भाजपा के सभी प्रत्याशियों चांदनी चौक से प्रवीण खंडेलवाल, उत्तर पूर्वी दिल्ली से मनोज तिवारी, पूर्वी दिल्ली से हर्ष मल्होत्रा, नई दिल्ली से बांसुरी स्वराज, उत्तर पश्चिम दिल्ली से योगेंद्र चंदोलिया, पश्चिमी दिल्ली से कमलजीत सहरावत और दक्षिण दिल्ली से रामवीर सिंह बिधूड़ी ने जीत दर्ज की है। इंडिया गठबंधन के साथ बसपा के प्रत्याशी भी सभी सीटों पर हार गए। लोकसभा में मिली जीत से भाजपा दिल्ली में और मजबूत होगी। वहीं आम आदमी पार्टी की परेशानी बढ़ेगी। भ्रष्टाचार के आरोप में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित अन्य नेताओं के जेल में होने से आप के सामने पार्टी को एकजुट रखने की चुनौती होगी। मनोज तिवारी के मुकाबले कन्हैया कुमार ने अपनी हार मानते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन को उत्तर पूर्वी दिल्ली की जनता ने विपक्ष की भूमिका निभाने का आदेश दिया है। वह इस क्षेत्र की जनता के लिए एक सक्रिय और सकारात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएंगे और उनकी मांगों और मुद्दों के लिए निरंतर आवाज उठाते रहेंगे।

बांसुरी स्वराज।

लोकसभा चुनाव जनता का फैसला

सहारनपुर (1)
(+64542)
1 : इमरान मसूद (कांग्रेस) 547967 (कुल मिले मत)
2 : राघव लखनपाल (भाजपा) 483425 (कुल मिले मत)

बागपत (11)
(+159459)
1 : राजकुमार सांगवान (भाजपा+) 488967 (कुल मिले मत)
2 : अमरपाल (सपा) 329508 (कुल मिले मत)

मैनपुरी (21)
(+221639)
1 : डिंपल यादव (सपा) 598526 (कुल मिले मत)
2 : जयवीर सिंह (भाजपा) 376887 (कुल मिले मत)

हरदोई (31)
(+27856)
1 : जय प्रकाश रावत (भाजपा) 486798 (कुल मिले मत)
2 : उषा वर्मा (सपा) 458942 (कुल मिले मत)

इटावा (41)
(+58419)
1 : जितेंद्र दोहरे (सपा) 490747 (कुल मिले मत)
2 : रामशंकर कठेरिया (भाजपा) 432328 (कुल मिले मत)

फूलपुर (51)
(+4332)
1 : प्रवीण पटेल (भाजपा) 452600 (कुल मिले मत)
2 : अमरनाथ मौर्या (सपा) 448268 (कुल मिले मत)

बस्ती (61)
(+100994)
1 : रामप्रसाद चौधरी (सपा) 527005 (कुल मिले मत)
2 : हरीश द्विवेदी (भाजपा) 426011 (कुल मिले मत)

सलेमपुर (71)
(+3573)
1 : रमाशंकर राजभर (सपा) 405472 (कुल मिले मत)
2 : रवींद्र कुशवाहा (भाजपा) 401899 (कुल मिले मत)

कैराना (2)
(+69116)
1 : इकरा चौधरी (सपा) 528013 (कुल मिले मत)
2 : प्रदीप कुमार (भाजपा) 458897 (कुल मिले मत)

गाजियाबाद (12)
(+336965)
1 : अतुल गर्ग (भाजपा) 854170 (कुल मिले मत)
2 : डॉली शर्मा (कांग्रेस) 517205 (कुल मिले मत)

एटा (22)
(मतगणना जारी)
1 : देवेश शाक्य (सपा) 475808 (कुल मिले मत)
2 : राजवीर सिंह (भाजपा) 447756 (कुल मिले मत)

मिश्रिख (32)
(+33406)
1 : अशोक कुमार रावत (भाजपा) 475016 (कुल मिले मत)
2 : संगीता राजवंशी (सपा) 441610 (कुल मिले मत)

कन्नौज (42)
(+170922)
1 : अखिलेश यादव (सपा) 642292 वोट (कुल मिले मत)
2 : सुब्रत पाठक (भाजपा) 471370 (कुल मिले मत)

इलाहाबाद (52)
(+58795)
1 : उज्ज्वल रमण सिंह (कांग्रेस) 462145 (कुल मिले मत)
2 : नीरज त्रिपाठी (भाजपा) 403350 (कुल मिले मत)

सन्त कबीर नगर (62)
(+92170)
1 : लक्ष्मीकांत पप्पू निषाद (सपा) 498695 (कुल मिले मत)
2 : प्रवीण निषाद (भाजपा) 406525 (कुल मिले मत)

बलिया (72)
(+43384)
1 : सनातन पांडेय (सपा) 467068 (कुल मिले मत)
2 : नीरज शेखर (भाजपा) 423684 (कुल मिले मत)

मुजफ्फरनगर (3)
(+24672)
1 : हरेन्द्र मलिक (सपा) 470721 (कुल मिले मत)
2 : संजीव बलियान (भाजपा) 446049 (कुल मिले मत)

गौतम बुद्ध नगर (13)
(+559472)
1 : डॉ. महेश शर्मा (भाजपा) 857829 (कुल मिले मत)
2 : महेन्द्र सिंह नागर (सपा) 298357 (कुल मिले मत)

बदायूं (23)
(+34991)
1 : आदित्य यादव (सपा) 501855 (कुल मिले मत)
2 : दुर्विजय सिंह शाक्य (भाजपा) 466864 (कुल मिले मत)

उन्नाव (33)
(+35818)
1 : साक्षी महाराज (भाजपा) 616133 (कुल मिले मत)
2 : अनु टंडन (सपा) 580315 (कुल मिले मत)

कानपुर (43)
(+20968)
1 : रमेश अवस्थी (भाजपा) 443055 (कुल मिले मत)
2 : आलोक मिश्रा (कांग्रेस) 422087 (कुल मिले मत)

बाराबंकी (53)
(+215704)
1 : तनुज पुनिया (कांग्रेस) 719927 (कुल मिले मत)
2 : राजरानी रावत (भाजपा) 504223 (कुल मिले मत)

महाराजगंज (63)
(+35451)
1 : पंकज चौधरी (भाजपा) 591310 (कुल मिले मत)
2 : वीरेंद्र चौधरी (कांग्रेस) 555859 (कुल मिले मत)

जौनपुर (73)
(+99335)
1 : बाबू सिंह कुशवाहा (सपा) 509130 (कुल मिले मत)
2 : कृपा शंकर सिंह (भाजपा) 409795 (कुल मिले मत)

बिजनौर (4)
(+37508)
1 : चंदन चौहान (भाजपा+) 404493 (कुल मिले मत)
2 : दीपक सैनी (सपा) 366985 (कुल मिले मत)

बुलंदशहर (14)
(+275134)
1 : डॉ. भोला सिंह (भाजपा) 597310 (कुल मिले मत)
2 : शिवराम (कांग्रेस) 322176 (कुल मिले मत)

आंवला (24)
(+15969)
1 : नीरज मौर्य (सपा) 492515 (कुल मिले मत)
2 : धर्मेंद्र कश्यप (भाजपा) 476546 (कुल मिले मत)

मोहनलालगंज (34)
(+70292)
1 : आरके चौधरी (सपा) 667869 (कुल मिले मत)
2 : कौशल किशोर (भाजपा) 597577 (कुल मिले मत)

अकबरपुर (44)
(+44345)
1 : देवेंद्र सिंह भोले (भाजपा) 517423 (कुल मिले मत)
2 : राजाराम पाल (सपा) 473078 (कुल मिले मत)

फैजाबाद (54)
(+54567)
1 : अवधेश प्रसाद (सपा) 554289 (कुल मिले मत)
2 : लल्लू सिंह (भाजपा) 499722 (कुल मिले मत)

गोरखपुर (64)
(+103526)
1 : रवि किशन (भाजपा) 585834 (कुल मिले मत)
2 : काजल निषाद (सपा) 482308 (कुल मिले मत)

मछलीशहर (74)
(+35850)
1 : प्रिया सरोज (सपा) 451292 (कुल मिले मत)
2 : बीपी सरोज (भाजपा) 415442 (कुल मिले मत)

नगीना (5)
(+151473)
1 : चंद्रशेखर (आसपा) 512552 (कुल मिले मत)
2 : ओम कुमार (भाजपा) 361079 (कुल मिले मत)

अलीगढ़ (15)
(+15647)
1 : सतीश गौतम (भाजपा) 501834 (कुल मिले मत)
2 : बिजेंद्र सिंह (सपा) 486187 (कुल मिले मत)

बरेली (25)
(+34804)
1 : छत्रपाल सिंह गंगवार (भाजपा) 567127 (कुल मिले मत)
2 : प्रवीण सिंह एरन (सपा) 532323 (कुल मिले मत)

लखनऊ (35)
(+135159)
1 : राजनाथ सिंह (भाजपा) 612709 (कुल मिले मत)
2 : रविदास मेहरोत्रा (सपा) 477550 (कुल मिले मत)

जालौन (45)
(+53898)
1 : नारायण दास अहिरवार (सपा) 530180 (कुल मिले मत)
2 : भानु प्रताप वर्मा (भाजपा) 476282 (कुल मिले मत)

अम्बेडकरनगर (55)
(+137247)
1 : लालजी वर्मा (सपा) 544959 (कुल मिले मत)
2 : रितेश पांडेय (भाजपा) 407712 (कुल मिले मत)

कुशीनगर (65)
(+81790)
1 : विजय कुमार दुबे (भाजपा) 516345 (कुल मिले मत)
2 : अजय प्रताप सिंह (सपा) 434555 (कुल मिले मत)

गाजीपुर (75)
(+124861)
1 : अफजाल अंसारी (सपा) 539912 (कुल मिले मत)
2 : पारस नाथ राय (भाजपा) 415051 (कुल मिले मत)

मुरादाबाद (6)
(+105762)
1 : रुचि वीरा (सपा) 637363 (कुल मिले मत)
2 : कुंवर सर्वेश सिंह (भाजपा) 531601 (कुल मिले मत)

हाथरस (16)
(+247318)
1 : अनूप वाल्मिकी (भाजपा) 554746 (कुल मिले मत)
2 : जसवीर वाल्मिकी (सपा) 307428 (कुल मिले मत)

पीलीभीत (26)
(+164935)
1 : जितिन प्रसाद (भाजपा) 607158 (कुल मिले मत)
2 : भगवत सरन गंगवार (सपा) 442223 (कुल मिले मत)

रायबरेली (36)
(+390030)
1 : राहुल गांधी (कांग्रेस) 687649 वोट (कुल मिले मत)
2 : दिनेश प्रताप सिंह (भाजपा) 297619 (कुल मिले मत)

झांसी (46)
(+102614)
1 : अनुराग शर्मा (भाजपा) 690316 (कुल मिले मत)
2 : प्रदीप जैन 'आदित्य' (कांग्रेस) 587702 (कुल मिले मत)

बहराइच (56)
(+64227)
1 : आनंद कुमार गोंड (भाजपा) 518802 (कुल मिले मत)
2 : रमेश चंद्र (सपा) 454575 (कुल मिले मत)

देवरिया (66)
(+34842)
1 : शशांक मणि त्रिपाठी (भाजपा) 504541 (कुल मिले मत)
2 : अखिलेश प्रताप सिंह (कांग्रेस) 469699 (कुल मिले मत)

चन्दौली (76)
(+21565)
1 : बीरेंद्र सिंह (सपा) 474476 (कुल मिले मत)
2 : महेंद्र नाथ पांडेय (भाजपा) 452911 (कुल मिले मत)

रामपुर (7)
(+87434)
1 : मोहिबुल्लाह नदवी (सपा) 481503 (कुल मिले मत)
2 : घनश्याम सिंह लोधी (भाजपा) 394069 (कुल मिले मत)

मथुरा (17)
(+293407)
1 : हेमा मालिनी (भाजपा) 510064 (कुल मिले मत)
2 : मुकेश धनगर (कांग्रेस) 216657 (कुल मिले मत)

शाहजहांपुर (27)
(+55379)
1 : अरुण कुमार सागर (भाजपा) 592718 (कुल मिले मत)
2 : ज्योत्सना गोंड (सपा) 537339 (कुल मिले मत)

अमेठी (37)
(+167196)
1 : केएल शर्मा (कांग्रेस) 539228 (कुल मिले मत)
2 : स्मृति इरानी (भाजपा) 372032 (कुल मिले

हमीरपुर-महोबा (47)
(+2629)
1 : अजेन्द्र सिंह लोधी (सपा) 490683 (कुल मिले मत)
2 : पुष्पेंद्र चंदेल (भाजपा) 488054 (कुल मिले मत)

कैसरगंज (57)
(+148843)
1 : करण भूषण सिंह (भाजपा) 571263 (कुल मिले मत)
2 : भगत राम (सपा) 422420 (कुल मिले मत)

बांसगांव (67)
(+3150)
1 : कमलेश पासवान (भाजपा) 428693 (कुल मिले मत)
2 : सदल प्रसाद (कांग्रेस) 425543 (कुल मिले मत)

वाराणसी (77)
(+152513)
1 : नरेन्द्र मोदी (भाजपा) 612970 (कुल मिले मत)
2 : अजय राय (कांग्रेस) 460457 (कुल मिले मत)

सम्भल (8)
(+121494)
1 : जियाउररहमान (सपा) 571161 (कुल मिले मत)
2 : परमेश्वर लाल सैनी (भाजपा) 449667 (कुल मिले मत)

आगरा (18)
(+271294)
1 : एसपी सिंह बघेल (भाजपा) 599397 (कुल मिले मत)
2 : सुरेश चंद कर्दम (सपा) 328103 (कुल मिले मत)

खीरी (28)
(+34329)
1 : उत्कर्ष वर्मा 'मधुर' (सपा) 557365 (कुल मिले मत)
2 : अजय मिश्र (टेनी) (भाजपा) 523036 (कुल मिले मत)

सुल्तानपुर (38)
(+43174)
1 : राम भुआल निषाद (सपा) 444330 (कुल मिले मत)
2 : मेनका गांधी (भाजपा) 401156 (कुल मिले मत)

बांदा (48)
(+71210)
1 : कृष्णा देवी पटेल (सपा) 406567 (कुल मिले मत)
2 : आरके सिंह पटेल (भाजपा) 335357 (कुल मिले मत)

श्रावस्ती (58)
(+76673)
1 : राम शिरोमणि वर्मा (सपा) 511055 (कुल मिले मत)
2 : साकेत मिश्रा (भाजपा) 434382 (कुल मिले मत)

लालगंज (68)
(+115023)
1 : दरोगा प्रसाद सरोज (सपा) 439959 (कुल मिले मत)
2 : नीलम सोनकर (भाजपा) 324936 (कुल मिले मत)

भदोही (78)
(+44072)
1 : डॉ. विनोद कुमार बिंद (भाजपा) 459982 (कुल मिले मत)
2 : ललितेश पति त्रिपाठी (टीएमसी) 415910 (कुल मिले मत)

अमरोहा (9)
(+28670)
1 : कंवर सिंह तंवर (भाजपा) 476506 (कुल मिले मत)
2 : दानिश अली (कांग्रेस) 447836 (कुल मिले मत)

फतेहपुर सीकरी (19)
(+43405)
1 : राजकुमार चाहर (भाजपा) 445657 (कुल मिले मत)
2 : राम नाथ सिकरवार (कांग्रेस) 402252 (कुल मिले मत)

धौरहरा (29)
(+4449)
1 : आनंद भदौरिया (सपा) 443743 (कुल मिले मत)
2 : रेखा वर्मा (भाजपा) 439294 (कुल मिले मत)

प्रतापगढ़ (39)
(+66206)
1 : एसपी सिंह पटेल (सपा) 441932 (कुल मिले मत)
2 : संगम लाल गुप्ता (भाजपा) 375726 (कुल मिले मत)

फतेहपुर (49)
(+33199)
1 : नरेश उत्तम पटेल (सपा) 500328 (कुल मिले मत)
2 : निरंजन ज्योति (भाजपा) 467129 (कुल मिले मत)

गोंडा (59)
(+46224)
1 : कीर्तिवर्धन सिंह (भाजपा) 474258 (कुल मिले मत)
2 : श्रेया वर्मा (सपा) 428034 (कुल मिले मत)

आज़मगढ़ (69)
(+161035)
1 : धर्मेंद्र यादव (सपा) 508239 वोट (कुल मिले मत)
1 : दिनेश यादव निरहुआ (भाजपा) 347204 (कुल मिले मत)

मिर्जापुर (79)
(+37810)
1 : अनुप्रिया पटेल (भाजपा+) 471631 (कुल मिले मत)
2 : रमेश चंद बिंद (सपा) 433821 (कुल मिले मत)

मेरठ (10)
(+10585)
1 : अरुण गोविल (भाजपा) 546469 (कुल मिले मत)
2 : सुनीता वर्मा (सपा) 535884 (कुल मिले मत)

फिरोजाबाद (20)
(+89312)
1 : अक्षय यादव (सपा) 543037 (कुल मिले मत)
2 : विश्वदीप सिंह (भाजपा) 453725 (कुल मिले मत)

सीतापुर (30)
(+89641)
1 : राकेश राठौर (कांग्रेस) 531138 (कुल मिले मत)
2 : राजेश वर्मा (भाजपा) 441497 (कुल मिले मत)

फर्रुखाबाद (40)
(+2678)
1 : मुकेश राजपूत (भाजपा) 487963 (कुल मिले मत)
2 : डॉ नवल किशोर शाक्य (सपा) 485285 (कुल मिले मत)

कौशाम्बी (50)
(+103944)
1 : पुष्पराज सरोज (सपा) 509787 (कुल मिले मत)
2 : विनोद सोनकर (भाजपा) 405843 (कुल मिले मत)

डुमरियागंज (60)
(+42728)
1 : जगदंबिका पाल (भाजपा) 463303 (कुल मिले मत)
2 : भीष्म शंकर तिवारी (सपा) 420575 (कुल मिले मत)

घोसी (70)
(+162943)
1 : राजीव राय (सपा) 503181 (कुल मिले मत)
2 : अरविंद राजभर (सुभासपा) 340188 (कुल मिले मत)

राबर्ट्सगंज (80)
(+129234)
1 : छोटेलाल खरवार (सपा) 465848 (कुल मिले मत)
2 : रिंकी कोल (भाजपा+) 336614 (कुल मिले मत)

गोरा बाजार आईटीआई में मतगणना स्थल का निरीक्षण करतीं डीएम हर्षिता माथुर। अमृत विचार

गोरा बाजार आईटीआई में लगे टीवी पर चुनावी नतीजे देखते लोग।

आईटीआई में मतगणना की तैयारी करते कर्मचारी। अमृत विचार

क्षत्रपों की नाराजगी को दूर नहीं कर सके दिग्गज

भाजपा प्रत्याशी के नामांकन में गायब रहे जिले के बड़े नेता, वर्तमान से लेकर पूर्व विधायक तक ने बनाए रखी दूरी

अमरेन्द्र कुमार, रायबरेली

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव 2019 में बेहतर प्रदर्शन के बाद भाजपा पूरे विश्वास के साथ जिले में कमल खिलाने का दावा कर रही थी। इसको लेकर पूरे कील कांटें तक दुरूस्त कर लिए थे। लेकिन यहां पर एक चूक ने पार्टी के उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह को लेकर क्षत्रपों की नाराजगी ने चुनाव के शुरूआती दौर में ही बैकफुट पर ढकेल दिया। नामांकन के दिन जिस तरह से जिले के दिग्गज क्षत्रप नेताओं ने दूरी बना लिया था, उससे राजनीतिक गलियारों में सुगबुगाहट शुरू हो गई थी। इसका लाभ कहीं ना कहीं कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी को अप्रत्यक्ष तौर मिला। जनता भी भाजपा से इतर कांग्रेस की ओर प्रारंभिक दौर से ही झुकने लगी।बात करते है विधानसभा क्षेत्रवार। रायबरेली सदर वह विधानसभा क्षेत्र है,जहां पर वर्तमान भाजपा विधायक अदिति सिंह हैं। यहां पर उनके और दिनेश प्रताप सिंह के बीच संबंध जगजाहिर हैं। प्रत्याशी घोषित होने के साथ ही सदर विधायक अदिति सिंह ने दूरी बनानी शुरू कर दी। यहां तक कि नामांकन के दिन भी नहीं आई। आपसी संबंधों को सुलटाने में दिग्गज आगे जरूर आए लेकिन सफल नहीं हो सके। इसी तरह सरेनी विधानसभा से पूर्व विधायक धीरेंद्र सिंह भी चुनाव में लगभग बाहर ही रहे। बाद में कुछ जगहों पर जरूर नजर आए, लेकिन जिस तरह से शुरुआती दौर में दूरी बनाए रखी इससे जनता के बीच एक स्पष्ट संदेश चला गया। हम बात करते हैं बछरावां विधानसभा क्षेत्र की। यहां पर पूर्व एमएलसी राजा राकेश प्रताप सिंह की मजबूत पकड़ है। उन्होंने भी पूरे चुनाव में कहीं पर सक्रिय भूमिका नहीं निभाई। इसी तरह पूर्व विधायक गजाधर सिंह समेत कई क्षत्रप नेता प्रचार से लगभग बाहर ही रहे। इन सबका का खामियाजा कहीं ना कहीं भाजपा प्रत्याशी को भुगतना पड़ा।

संगठन में खीचतान का रहा असर

बात करें संगठन की तो यहां पर भी खूब खीचतान देखने को मिला। पूरे चुनाव में संगठन कभी भी एक साथ नहीं नजर आया। यहां तक कि कई पदाधिकारियों ने तो यह कहते हुए हाथ ही खड़ा कर दिया कि हम तो सिर्फ नुमाइंदे भर हैं। निर्णय तो सारे पंचवटी से ही होता है। उनके बेटे और भाई ही सबकुछ देख रहे हैं।

परंपरागत वोट तक नहीं पहुंच सके प्रत्याशी

भाजपा प्रत्याशी की बात करें तो उनकी मेहनत को कतई नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। उन्होंने शुरुआत से ही काफी मेहनत किया, लेकिन इसके बावजूद पार्टी के परंपरागत वोट तक बंटोरने में नाकामयाब रहे। इसकी वजह कमजोर रणनीति का होना रहा है।

मतगणना स्थल पर निरीक्षण के दौरान पार्टी के कार्यकर्ता से बातचीत करतीं डीएम हर्षिता माथुर। अमृत विचार

दूसरे बड़े मंगल पर हनुमान मंदिरों पर उमड़े श्रद्धालु

जगह-जगह भंडारा आयोजित, भंडारे में भक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद, 251 बार सप्त मुखी हनुमत कवच का पाठ संपन्न

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। दूसरे बड़े मंगलवार पर शहर से लेकर गांव तक विभिन्न जगहों पर भंडारे का आयोजन किया गया। जगह-जगह सुंदरकांड का पाठ व हवन पूजन के बाद हनुमान जी को भोग लगाकर भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान भंडारे में हजारों की संख्या में उमड़े हनुमान भक्त भक्ति गीतों से लवरेज रहे। भंडारे में भक्तों को पूड़ी सब्जी, हलुवा, शरबत, आइस्क्रीम, खीर, बूंदी आदि प्रसाद के रूप में वितरित किया गया।

बाबा जगमोहनेश्वर धाम चंदापुर मंदिर परिसर में प्राण प्रतिष्ठित सर्व ग्रह दोष विनाशक हनुमंत लाल जी महाराज के दरबार में मंगलवार को सप्त मुखी हनुमत कवच का पाठ 251 बार किया गया। मुख्य यजमान ललित श्रीवास्तव ने सुबह हनुमान जी का पूजन अर्चन के बाद पाठ का संकल्प लिया। आचार्य पंडित नरेशचंद्र शास्त्री की ओर से 251 बार सप्त मुखी हनुमत कवच का पाठ संपन्न कराया गया। देर शाम को संगीतमय सुंदरकांड का पाठ और रात में हनुमान जी और भगवान भोलेनाथ की आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। उधर, शहर से सटे मोहिउद्दीनपुर गांव में ग्रामीणों की ओर से दूसरे बड़े मंगल पर भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे से पहले पूजन अर्चन किया गया। इस दौरान आने वाले सैकड़ों श्रद्धालुओं को सरबत व पूड़ी सब्जी प्रसाद के रूप में परोसा गया। कार्यक्रम आयोजक सुशील कुमार, सुल्लू, राजाराम, कल्लू, मालती, शुकांती, रजिंदर सहित तमाम हनुमान भक्त मौजूद रहे।

दूसरे बड़े मंगलवार पर बेलीगंज में आयोजित भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते भक्त।

भंडारे की शुरुआत करते नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि कृष्ण चंद्र जायसवाल।

इन्दिरा नगर में आयोजित भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते भक्त। अमृत विचार

भंडारे में भक्तों ने छका प्रसाद

जगतपुर, रायबरेली। कस्बे से लेकर ग्रामीण अंचलों में भी ज्येष्ठ मां के दूसरे मंगलवार को भंडारे की धूम रही। इस दौरान भक्तों भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। जगतपुर कस्बे के ऊंचाहार रोड पर भंडारे का आयोजन किया गया। लक्ष्मणपुर कस्बे में रेलवे क्रॉसिंग के पास ब्लॉक प्रमुख दल बहादुर सिंह व फक्कड़ दास की कुटी पर रामराज निर्मल द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। बाबा बिहारी दास की कुटिया हरपुर हल्ला में भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें दूर-दराज से आए भक्तों ने भंडारे में जमकर प्रसाद छका। भंडारे से पहले भक्तों ने सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया। जिसके बाद भंडारा किया गया। इस मौके पर पिंटू, अजय, पुत्तन सिंह, शिवकुमार, रामकुमार, निर्भय सहित आदि लोग मौजूद रहे।

कचहरी रोड पर आयोजित भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु। अमृत विचार

ऊंचाहार नगर के भंडारे में उमड़े श्रद्धालु, भक्तों ने छका प्रसाद

ऊंचाहार, रायबरेली। ज्येष्ठ मास के दूसरे मंगलवार पर पूरे क्षेत्र में श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह नजर आया। जगह-जगह हुए भंडारे में हनुमान के जयकारे और भजन गूंजते रहे, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ था। नगर के मुख्य चौराहा पर हनुमान मंदिर के सामने नगर पंचायत अध्यक्ष ममता जायसवाल द्वारा भंडारा आयोजित हुआ। सुबह 11 बजे अध्यक्ष प्रतिनिधि कृष्ण चंद्र जायसवाल ने हनुमान जी की पूजा अर्चना करके पहले भोग लगाया, फिर भंडारे का उद्घाटन किया। उसके बाद प्रसाद ग्रहण के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। इस भंडारे में खास बात यह थी कि बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर आयुष जायसवाल, कमलेश जायसवाल, पूर्व प्रधान लालचंद कौशल आदि मौजूद थे। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी विभिन्न स्थानों पर भंडारे का आयोजन हुआ है।

लालगंज में दूसरे बड़े मंगल पर आयोजित भंडारे में शामिल भक्त। अमृत विचार

जगह-जगह भंडारों का आयोजन

लालगंज, रायबरेली। ज्येष्ठ मास के दूसरे बड़े मंगल पर लालगंज नगर व आसपास के क्षेत्र में भगवान बजरंगबली के पूजन अर्चन और भंडारों की धूम रही। हनुमान भक्तों ने जगह-जगह भंडारों का आयोजन किया। भंडारों में पूड़ी सब्जी, शरबत, बूंदी हलुवा आदि का वितरण किया गया। बेहटा चौराहा निकट धार्मिक पीठ हनुमान मंदिर में हिंदू युवा संगठन व ब्रदर्स ग्रुप द्वारा धीरेंद्र सिंह चौहान के अगुवाई में भंडारे का आयोजन किया गया जिसमे सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य रूप से वीरेंद्र चौहान, मनोहर सिंह, शाश्वत चौहान, रणवीर सिंह, शिवांग मिश्रा, आकाश सिंह, दीपक चौहान, तुषार सिंह, भानु सिंह, प्रशांत चौहान, प्रभात चौहान, नीरज सिंह, सौरभ सिंह, सुभाष चौहान आदि सभी लोग उपस्थित रहे। इसके अलावा चिमनामऊ ब्लॉक कार्यालय के पास भी श्रद्धालुओं के द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। वहीं बालाजी मंदिर, सराफा मंडी, अटल चौक गांधी चौराहा, आचार्य नगर, मेन रोड लालगंज आदि स्थानों में भी भक्तों के द्वारा स्टाल लगाकर प्रसाद वितरण किया गया।

कुल्हाड़ी के हमले से पांच घायल, जिला अस्पताल रेफर

संवाददाता, बछरावां, रायबरेली।

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के सेंहगो गांव में घूर खोदने में हुए विवाद को लेकर दो पक्षों में लाठी-डंडे व कुल्हाड़ी चल गई। इस मामले में दोनों पक्ष से पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर इलाज के लिए लाया गया है।

कुछ की हालत नाजुक होने के कारण उन्हे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।थाना क्षेत्र के सेंहगो गांव के रहने वाले अशोक कुमार (75) स्व श्रीराम तथा शिव प्रताप पुत्र अशोक कुमार एवं दूसरे पक्ष के आसाराम पुत्र स्व हनुमान (65), रामकुमारी (50) पत्नी आसाराम, लक्ष्मी पुत्री आसाराम घूरे के विवाद को लेकर आपस में भिड़ गये।

इस लड़ाई झगड़े में लाठी, डंडे तथा कुल्हाड़ी भी चली, जिससे पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। गंभीर रूप से घायल लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावा पर इलाज के लिए लाया गया। सभी की हालत नाजुक होने के कारण डा प्रभात मिश्रा ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। थानाध्यक्ष विजेंद्र शर्मा ने बताया कि मामले की सूचना मिली है। तहरीर मिलने पर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

हादसे में अधेड़ की मौत, सड़क पर शव रख किया हंगामा

संवाददता, ऊंचाहार, रायबरेली

अमृत विचार। सोमवार की रात बेकाबू डंपर की टक्कर से घायल हुए अधेड़ की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है। पीएम के बाद जब शव घर पहुंचा तो परिजनों ने शव को सड़क पर रखकर जमकर हंगामा किया।

क्षेत्र के किशुनदासपुर गांव निवासी सूरजपाल गौड़ (46) गर्मी के दिन में परिवार के भरण पोषण के लिए आइस्क्रीम बेचता था। वो सोमवार की रात पूरे कुशल मजरे गोकना गांव स्थित आइस्क्रीम फैक्ट्री में आइस्क्रीम की पेटी वापस करके साइकिल से घर लौट रहा था, तभी सूची खरौली मार्ग पर जमुनापुर रेलवे क्रासिंग पर गंगा एक्सप्रेस वे के निर्माण में मिट्टी ढो रहे डंपर ने बेकाबू होकर उसकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी थी। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पीआरवी पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से उसे जिला अस्पताल भिजवाया था, जहां देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा। पीएम के बाद शव मंगलवार की शाम गांव पहुंचा तो परिजनों और ग्रामीणों ने शव को खरौली सूची मार्ग पर रखकर हंगामा शुरू कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि गंगा एक्सप्रेस वे में मिट्टी खनन में लगे डंफर सड़क पर मौत बनकर चलते है। इन्होंने पूरी सड़क तोड़ डाली और ग्रामीणों का जीवन बदहाल कर रखा है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस किसी प्रकार ग्रामीणों को समझाने में लगी है।

मृतक के परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटी व दो बेटे है। जिसमें बड़ी बेटी लक्ष्मी की शादी हो चुकी हैं। वहीं इस घटना से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पत्नी ने अज्ञात डंपर के विरुद्ध तहरीर दी है। कोतवाल अनिल कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। अग्रिम विधिक कार्यवाई की जा रही है।

सड़क पर शव रखकर हंगामा करते ग्रामीण। अमृत विचार

श्रीमद् भागवत मोक्ष का सर्वोत्तम मार्ग : ठाकुर महाराज

बछरावां, रायबरेली। विकास क्षेत्र के खालेगांव मजरे शेखपुर समोधा के श्री पंचमुखी धाम हनुमत आश्रम मुक्तिधाम में सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया। कथा के प्रथम दिन कथा व्यास कृष्ण ठाकुर महराज ने भगवत महत्म की चर्चा करते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत कथा भक्ति, ज्ञान एवं वैराग्य का अथाह सागर है। सांसारिक मनुष्य श्रीमद् भागवत के अथाह सागर का अध्ययन एवं श्रवण कर मोक्ष के मार्ग की ओर अग्रसर होता है। साथ ही साथ उन्होंने यह भी कहा कि युवा पीढ़ी को अपने धार्मिक ग्रंथो को मनोरंजन का साधन नहीं समझना चाहिए, बल्कि उन्हें अपने धार्मिक ग्रंथो से ज्ञान लेने की आवश्यकता है।

प्रवेश प्रारम्भ प्रवेश प्रारम्भ
वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय
वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ नर्सिंग
उत्तर प्रदेश मेडिकल फैकल्टी से मान्यता प्राप्त
बी.एस.सी. नर्सिंग
(4 वर्षीय डिग्री कोर्स)
शैक्षिक योग्यता : इण्टरमीडिएट साइंस (बायोलॉजी) के साथ
पोस्ट बेसिक नर्सिंग
(2 वर्षीय कोर्स, योग्यता जी.एन.एम. पास आउट)
जी.एन.एम.
(3 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
ए.एन.एम.
(2 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
प्रवेश हेतु संपर्क करें :-
मो. 9412151327, 7521001992
पता
वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड हॉस्पिटल
NH-24, बन्थरा, जिला शाहजहाँपुर

जोड़ा रिश्ता — स्मृति को हराकर कांग्रेस अपना गढ़ वापस पाने में हुई कामयाब

प्रियंका की मेहनत ने किशोरीलाल को दिलाई जीत

नीरज श्रीवास्तव, परशदेशपुर

रायबरेली, अमृत विचार। इस चुनाव को जीत जाऊंगी मैं यहां से। मैं आपके बीच आऊंगी। आपके साथ लडूंगी और अमेठी की इस पवित्र धरती में सही राजनीति, सत्य की राजनीति वापस लाने के लिए लडूंगी और कोई हमें हरा नहीं पायेगा। ये मैं आपसे कह रही हूं। ये वचन मैं आपको दे के जा रही हूं।

ये शब्द हैं प्रियंका गांधी के जो उन्होंने अमेठी के इस लोकसभा चुनाव में अपनी पहली जनसभा में बोले थे। ये प्रियंका का ही जादू था जो अमेठी वासियों के सिर पर चढ़कर बोला और कांग्रेस अपना गढ़ वापस पाने में कामयाब रही। देश की चर्चित सीट अमेठी में लोकसभा चुनाव शुरू होने से पहले राहुल गांधी के चुनाव लड़ने को लेकर सस्पेंस बना हुआ था। जब वायनाड से राहुल गांधी प्रत्याशी बने तो लोगों में चर्चा थी कि वायनाड का चुनाव सम्पन्न होने के बाद राहुल गांधी अमेठी आएंगे, लेकिन नामांकन के अंतिम दिन कांग्रेस ने अमेठी से किशोरी लाल शर्मा को टिकट देकर चौंका दिया। लोगों को लगा कि कांग्रेस ने स्मृति इरानी को आसान जीत दे दी है। उसके बाद लोकसभा के चुनाव में इंट्री हुई प्रियंका गांधी की। किशोरी लाल के नामांकन में आई प्रियंका ने कहा कि 6 मई को वो रायबरेली आ जाएंगी और पूरा चुनाव संभालेंगी। दो दिन रायबरेली में देने के बाद 9 मई को प्रियंका ने पहली बार फुरसरतगंज में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। अपने पहले ही भाषण में उन्होंने राजीव गांधी के समय से भावनात्मक रिश्ता जोड़ने के साथ ही कार्यकताओं के अंदर खुद ही कंधे से कंधे मिलाकर लड़ने का जोश भरा।

चुनाव के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार करतीं प्रियंका गांधी (फाइल फोटो)।

गठबंधन से मिली मजबूती

सपा से गठबंधन होने पर कांग्रेस मजबूत हुई। 2022 में हुए विधान सभा चुनाव में जगदीशपुर को छोड़कर कांग्रेस कहीं भी लड़ाई में नहीं थी, लेकिन 2024 में गठबंधन होने से सपा का पूरा वोट बैंक कांग्रेस में चला गया। सपाइयों ने भी चुनाव जीतने के लिए पूरी ताकत झोंक दी।

आम जनता को नहीं जोड़ पाई भाजपा

स्मृति इरानी की मेहनत के मजबूत भी भाजपा की हार से ये संकेत मिलता है कि कहीं ना कहीं भाजपा आम जनता को अपनी तरफ जोड़ने में नाकामयाब रही। एक तरफ भाजपा कार्यकर्ता लगभग हर गांव में पहुंचे, वहीं समय कम होने से कांग्रेस ज्यादातर गांवों में पहुंच भी नहीं पाई। फिर भी कांग्रेस को जीत से साफ पता चलता है कि भाजपा आम जनता को अपनी तरफ जोड़ नहीं पाई।

निस्वार्थ भाव से करनी चाहिए मित्रता : प्रद्युम्न

सूची, रायबरेली, अमृत विचार। सलोन ब्लाक क्षेत्र के मां कमासिन धाम दरसवा में सोमवार की शाम श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया, जिसमें कथा व्यास ने सुदामा चरित्र का वर्णन किया। कथा में काफी संख्या भक्त पहुंचे और प्रसाद ग्रहण किया। ग्राम दरसवा के आदि शक्ति पीठ मा कमासिन धाम में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया, जिसमें कथा व्यास प्रद्युम्न जी महराज ने सुदामा चरित्र की कथा सुनाई और कहा की मित्रता निस्वार्थ भाव से होनी चाहिए। जिस तरह श्री कृष्ण जी ने अपने मित्र सुदामा की व्यथा सुनकर नंगे पैर दौड कर गले लगाया। मित्रता में कोई ऊच नीच नहीं होता। कथा के समापन पर आरती पूजन किया गया और उसके बाद भक्तों को हवा का प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में मंदिर के संस्थापक पंडित सुभाष चंद्र शर्मा, अजय तिवारी, नवरंग सिंह, बबलू सिंह, वासुदेव शर्मा, मुन्नू मौर्य, पंडित अशोक द्विवेदी, शिव शंकर वर्मा, वीरेंद्र यादव सहित काफी संख्या में भक्त मौजूद रहे और कथा का रसपान किया।

एक नजर

सड़क हादसों में दंपति समेत तीन लोग घायल

ऊंचाहार, रायबरेली। दो अलग-अलग सड़क हादसों में दंपति समेत तीन लोग घायल हो गए है। सभी को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। पहला सड़क हादसा लखनऊ-प्रयागराज राजमार्ग पर सवैया तिराहा के निकट पेट्रोल पंप पर हुआ है। ऊंचाहार कोतवाली क्षेत्र के फूल की बाग गांव निवासी संतोष कुमार अपनी पत्नी आशा देवी के साथ साइकिल से अपने घर जा रहे थे। रास्ते में तेज रफ्तार बाइक सवार ने उनकी साइकिल को टक्कर मार दी। जिससे दोनों लोग सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने उन्हें उठाया और सीएचसी पहुंचाया, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। दूसरा हादसा भी राजमार्ग पर जगतपुर-ऊंचाहार के मध्य हुआ है। जगतपुर के गांव सुगराजगंज निवासी मो शाहरुख बाइक से ऊंचाहार आ रहे थे। रास्ते में सामने से आ रहे एक ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे गिरकर वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें भी सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

तीन लोगों पर मारपीट का मुकदमा दर्ज

सेमरी, रायबरेली, अमृत विचार। थाना क्षेत्र के बकुलिहा गांव निवासी शुभांशु शुक्ला पुत्र उपेंद्र कुमार शुक्ला ने तीन नामजद लोगों पर मारपीट, गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले में तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बकुलिहा गांव निवासी शुभांशु शुक्ला पुत्र उपेंद्र शुक्ला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि दो जून शाम 6:30 बजे वह लालगंज से अपने मित्र के साथ घर वापिस आ रहा था तभी सेमरी चौराहा से केशौली गांव के बीच आदर्श सिंह पुत्र स्व. वीरेंद्र सिंह निवासी सेमरी चौराहा, सानू खान पुत्र गुड्डू खान निवासी भितरी, ललित सिंह पुत्र अज्ञात निवासी गोपालपुर मदुरी, लालगंज ने आकर उसे रोक लिया और मोटर साइकिल की चाभी निकाल कर मारपीट किया, जिसमे उसे व उसके मित्र के सर पर चोट आ गई। शोर होने पर पास आते लोगो को देख गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। थानाध्यक्ष देवेंद्र सिंह भदौरिया ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

परेशान उपभोक्ताओं ने बिजली कर्मी को पीटा

ऊंचाहार, रायबरेली। बिजली कटौती से नाराज एक दर्जन से अधिक लोगों ने बिजली घर में घुसकर जमकर तोड़फोड़ की विरोध करने पर कर्मचारियों को भी पीट दिया। अवर अभियंता अभिनव पटेल ने कोतवाली में मामले की तहरीर दी है। मामला सलोन कोतवाली क्षेत्र के रोहनिया विद्युत उपकेंद्र का है, जहां पूरे खीली मजरे रोहनिया गांव के रहने वाले एक दर्जन से अधिक सोमवार की रात बिजली कटौती बात कहकर तोड़फोड़ करनी शुरू कर दी, जिससे ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों में अफरा तफरी का माहौल हो गया ।जब कर्मचारियों ने विरोध जाहिर किया तो आरोप है कि कर्मचारियों के साथ भी मारपीट की गई।

वायनाड के साथ-साथ रायबरेली से भी राहुल युग का आगाज

गांधी परिवार पर विश्वास बरकरार, भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह को 3,90,030 मतों से मिली करारी शिकस्त, भाई की जीत में प्रियंका की भूमिका अहम

दिलीप सिंह, रायबरेली

कांग्रेस से राहुल गांधी जीते।

भाजपा से दिनेश प्रताप सिंह हारे।

अमृत विचार। भारतीय राजनीति में राहुल युग का आगाज हो गया है। एक बार फिर रायबरेली ने इतिहास रचते हुए भारी मतों से जीत दिलाकर यह साबित कर दिया कि गांधी परिवार का रिश्ता आज भी पहले की ही तरह से बरकरार है। विपक्ष के सारे दावों को दरकिनार करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी ने एक तरफा जीत हासिल कर राजनीतिक पंडितों के सारे दावों को झुठला दिया है। देर शाम आए परिणाम में भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह को 3 लाख 90 हजार 30 मतों से करारी शिकस्त मिली है। जबकि बसपा प्रत्याशी ठाकुर प्रसाद यादव 21624 मत पाकर तीसरे स्थान पर रहे।

देश की सबसे हाट सीट में शुमार रायबरेली के चुनाव परिणाम पर सबकी निगाहें लगी हुई थी। भाजपा हर हाल में यहां पर जीत का परचम लहराना चाहती थी वहीं, कांग्रेस किसी भी कीमत पर यह सीट नहीं हारना चाहती थी।

यही वजह रही कि यहां पर अंतिम पलों में कांग्रेस ने राहुल गांधी को प्रत्याशी बना दिया। वहीं अमेठी से सांसद सोनिया गांधी के प्रतिनिधि रहे किशोरी लाल शर्मा को प्रत्याशी बनाकर भाजपा को चारों खाने चित कर दिया इसके बाद भाई राहुल की जीत को सुनिश्चित कराने के लिए प्रियंका गांधी ने दिन रात एक करके साबित कर दिया कि उनका रायबरेली वासियों से गहरा नाता है। जिले के लोगों ने उन्हें हाथोंहाथ लिया।

प्रचार के दौरान घंटों लोग इंतजार करते दिखाई दिए। यहां तक कि कुछ जगहों पर तो अंधेरे में मोबाइल की रोशनी के बीच उन्होंने जनसभा को संबोधित किया। इसके बाद जब परिणाम आया तो एक नए युग का रायबरेली साक्षी बन गया।

इतिहास बनाते हुए भारतीय राजनीति में रायबरेली से राहुल युग का आगाज हुआ है। राहुल युग का आगाज रायबरेली में आने के साथ ही उनकी पार्टी का भी सफलता का ग्राफ बढ़ने लगा। चुनावी परिणामों के अनुसार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस लगभग एक दशक बाद शतक लगाने जा रही है।

सोनिया के भावुक अपील से जीत की लगी मुहर

चुनाव के दौरान सांसद सोनिया गांधी ने राज्यसभा में पर्चा दाखिल करने से पहले भावुक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने जिले के लोगों के प्रति आभार जताया। इसके बाद परिवार के किसी सदस्य को भेजने के संकेत भी दे दिए थे। वहीं जनसभा में उन्होंने बेटे राहुल गांधी को सौंपने की बात कही। यही वह पल रहा, जब लोगों ने उन्हें दिल में घर कर लिया। कहीं ना कहीं यही से उन्होंने संभावित कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी की जीत की आधारशिला रख दी और अपनी एक मात्र चुनावी सभा में उन्होंने मैं अपना बेटा रायबरेलीवासियों को सौंपती हूं यह कहकर राहुल गांधी की जीत सुनिश्चित कर दी थी।

पुराने प्रदर्शन को नहीं दोहरा सके दिनेश

भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह इस बार पुराने प्रदर्शन तक को नहीं दोहरा सके। 2019 के चुनाव में उन्होंने सांसद सोनिया गांधी को कड़ी टक्कर दी थी। वहीं इस बार पूरी तरह चुनाव से बाहर रहे हैं। शुरुआती दौर में लगा कि मुकाबला जोरदार होगा, लेकिन जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ा, वैसे-वैसे कांग्रेस मजबूत होती गई।

आंकड़ों पर एक नजर

2014 का परिणाम

नाम	पार्टी	मिले मत
सोनिया गांधी	कांग्रेस	526434
अजय अग्रवाल	भाजपा	173721

2019 का परिणाम

सोनिया गांधी	कांग्रेस	534918
दिनेश प्रताप सिंह	भाजपा	367740

2024 का परिणाम

राहुल गांधी	कांग्रेस	684261
दिनेश प्रताप सिंह	भाजपा	295646

जीत के अंतर में ऐसे चला उतार-चढ़ाव

2004 में जीत का अंतर 249765
2006 में जीत का अंतर 417888
2009 में जीत का अंतर 372165
2014 में जीत का अंतर 352713
2019 में जीत का अंतर 167178
2024 में जीत का अंतर 390030

राहुल की ऐतिहासिक जीत से भाजपा के दावे तार-तार

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। देश की सबसे चर्चित रायबरेली सीट पर एक बार फिर गांधी परिवार ने कब्जा जमा लिया है। वहीं, मंगलवार को गोरा बाजार स्थित आईटीआई में सुबह आठ बजे मतगणना शुरू होते ही सबकी निगाहें परिणाम पर टिक गई। पहले से लेकर अंतिम 30वें राउंड तक कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी ने बढ़त बनाते हुए भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह के सारे दावों की कलई खोल दी। अंतिम परिणाम आने तक पिछले चुनाव में मां सोनिया गांधी के जीत के अंतर को पार कर दिया। राहुल गांधी ने 66.2प्रतिशत मत हासिल कर दिया कि आज भी गांधी परिवार के विश्वास की डोर मजबूत है। वहीं भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह को महज 28.6 प्रतिशत ही मिले। गौरतलब है कि 20 मई को हुए मतदान में 10 लाख 33 हजार 655 मत पड़े थे। मतगणना के बाद राहुल गांधी को छह लाख 87 हजार 649 मत मिले, जबकि दूसरे स्थान पर भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह को दो लाख 97 हजार 619 मत ही हासिल हुए।

तीसरे पर बसपा तो पांचवें पर नोटा : इस बार भी नोटा खूब चला। मतगणना के बाद आए परिणाम के मुताबिक तीसरे स्थान पर बसपा प्रत्याशी ठाकुर प्रसाद यादव रहे। उन्हें 21 हजार 624 मत मिले। वहीं आठ प्रत्याशियों में पांचवें स्थान पर नोटा रहा। 7872 लोगों ने नोटा का बटन दबाया, जबकि चौथे स्थान पर अखिल भारतीय अपना दल प्रत्याशी दिलीप सिंह को 8658 मत मिले।

प्रत्याशियों को मिले मत

राहुल गांधी	कांग्रेस	687649
दिनेश प्रताप सिंह	भाजपा	297619
ठाकुर प्रसाद यादव	बसपा	21624
दिलीप सिंह	अखिल भारतीय अपना दल	8678
मो. मोबीन	अपना दल कमेरावादी	2174
हिंद रोहिताश	मानवतावादी समाज पार्टी	3859
सुदर्शन राम	भारतीय पंचशील पार्टी	4345
होरीलाल	निर्दलीय	5399
नोटा		7872
कुल पड़े मत-		1039219
जीत का अंतर-		390030

टीवी और मोबाइल पर जमीं रहीं निगाहें

लोकसभा चुनाव के परिणाम को लेकर लोगों में काफी उत्सुकता दिखी। कोई मोबाइल पर नजरें गड़ाये रहा तो कोई टीवी के सामने से हटने को तैयार नहीं था। चुनावी नतीजों से कहीं वह पीछे न रह जाएं इसके लिए सुबह से घरों, दुकानों व होटलों पर दिखीं। सबसे दिलचस्प बात तो यह रही कि आज दूसरे बड़े मंगल पर कई जगह भंडारे किये गये जहां पर लाइन लगाये भक्त आपस में चर्चा करते रहे कि भाई जिले से कांग्रेस तो कोई देश में प्रधानमंत्री मोदी की सरकार बनने की बात करता रहा। एक तरफ जहां गर्मी का पारा सर चढ़कर बोल रहा था तो वहीं कांग्रेस और भाजपा के प्रशंसक भी आपस में जीत-हार को लेकर मंथन करते रहे। पहला चुनावी रुझान आने के बाद कांग्रेस प्रशंसकों में काफी उत्साह देखा गया।

ठंडा पानी न मिलने पर भड़के मतगणनाकर्मी

हंगामे के बाद लोगों को समझाते एडीएम व एएसपी। अमृत विचार

संवादाता, रायबरेली

अमृत विचार। गोराबाजार स्थित आईटीआई परिसर में मतगणना के दौरान दोपहर बाद आरओ कक्ष से बाहर निकल कर मतगणना में लगे एक कर्मचारी ने हंगामा शुरू कर दिया। उधर,मामले कि गंभीरता को देखते हुए एडीएम प्रशासन व एएसपी नवीन कुमार भी आ गए और मामले को शांत कराया।

आरोप है कि मतगणना में खान पान की व्यवस्था जिला पूर्ति अधिकारी को दी गई थी लेकिन उनकी अव्यवस्थाओं के चलते काउंटिंग स्थल पर बड़ी अब्यवस्थाएं रही। दोपहर बाद जिला पूर्ति अधिकारी विमल शुक्ला काउंटिंग स्थल के पास खड़े हुए थे तभी आरओ कक्ष में मतगणना कर रहे एक कर्मचारी ने ठंडे पानी की मांग की आरोप है कि इसी दौरान वह भड़क गए इसी दौरान कर्मचारी भी भड़क गया मामला काफी बढ़ गया। इस दौरान वहां पर कई कर्मचारी आ गए तब डीएसओ को शांत होना पड़ा। गौरतलब है कि मतगणना स्थल पर सुबह से कर्मचारियो की भारी भीड़ रही सभी अपने काम मे लगे रहे, लेकिन उनके खाने पीने के इंतजाम नकाफी रहे कई कर्मचारी पानी को लेकर परेशान रहे। इसी का नतीजा रहा कि मतगणना कर्मी के गुस्से का शिकार डीएसओ को होना पड़ा।

हर राउंड में बढ़ता रहा जीत का फासला

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी ने ने मतगणना के शुरुआती दौर से बढ़त बनानी शुरू कर दी। यह सिलसिला अंतिम दौर तक जारी रखा। हर राउंड में जीत का फासला बढ़ता गया। पहले दौर से शुरू हुआ सिलसिला अंतिम समय तक बरकरार रहा। जैसे-जैसे सूरज चढ़ता गया। वैसे-वैसे राहुल गांधी की जीत का कारवां आगे बढ़ता गया। सुबह करीब आठ बजे से डीएम हर्षिता माथुर की देखरेख में मतगणना प्रारंभ हुई। इसके बाद एक घंटे बाद ही रूझान आने लगे। पहले राउंड से कांग्रेस प्रत्याशी ने बढ़त बनानी शुरू कर दी, जो अंत तक बनी रही। अंतिम परिणाम आया तो कांग्रेसी खुशी से फूले नहीं समाए। इस दौरान भाजपा समर्थक मायूस नजर आए। इस दौरान रायबरेली में राहुल गांधी की ऐतिहासिक जीत के बाद ज़िला अधिकारी हर्षिता माथुर से जीत का प्रमाण पत्र प्राप्त करते राष्ट्रीय सचिव धीरज गुज्जर, प्रदेश उपाध्यक्ष सुशील पासी, ज़िला अध्यक्ष पंकज तिवारी एवं इलेक्शन एजेंट विजय शंकर अग्निहोत्री।

कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष विजयशंकर अग्निहोत्री को राहुल गांधी की जीत का प्रमाण पत्र देतीं जिलाधिकारी हर्षिता माथुर। अमृत विचार

राहुल गांधी की जीत की खुशी में एक-दूसरे का मुंह मीठा कराते कांग्रेस कार्यकर्ता।

राहुल गांधी ने राउंडवार भाजपा पर बनाई बढ़त

राउंड	कांग्रेस	भाजपा	राउंड	कांग्रेस	भाजपा	राउंड	कांग्रेस	भाजपा
			06	25693	11712	12	26510	9764
01	24152	13101	07	24944	11355	13	22213	10828
02	24654	13169	08	28312	9435	14	27306	10682
03	24282	10243	09	25598	11170	15	25265	11809
04	27320	11236	10	26271	11094	16	22857	12520
05	25230	11599	11	24354	10835	17	25650	12315

राउंड	कांग्रेस	भाजपा
12	26510	9764
13	22213	10828
14	27306	10682
15	25265	11809
16	22857	12520
17	25650	12315
18	25049	12719
19	27114	10330
20	25888	11289
21	22886	11378
22	25709	11785
23	26334	10444
24	27689	9906
25	24606	9426
26	15866	5172
27	11189	3078
28	9260	3926
29	7061	1739
30	4999	1587

विधानसभा वार मिले मत

विधानसभा	राहुल गांधी	दिनेश सिंह
बछरावां	135288	62638
हरचंदपुर	122029	65168
रायबरेली	156525	53508
सरेनी	137346	62428
ऊंचाहार	134856	52961

गर्मी से बेहोश हुआ मतगणना कर्मी

रायबरेली,अमृत विचार। भीषण गर्मी में मतगणना के दौरान अव्यवस्थाओं का भी बोलबाला रहा। जिसकी वजह से भीषण गर्मी में मतगणना का कार्य कर रहे कर्मचारी भी अछूते नहीं रहे। मतगणना के दौरान गर्मी की चपेट में आए एक कर्मचारी की हालत बिगड़ गई। जिसके बाद उसे तत्काल जिला चिकित्सालय भेजवाया गया।

"जिले में सकुशल ढंग से मतगणना कराई गई। इस दौरान कही कोई असुविधा नही रही, मतगणना को लेकर जिला प्रशासन ने पहले से ही बेहतर तरीके से तैयारी कर रखी थी।"
-हर्षिता माथुर, जिला अधिकारी रायबरेली।

"तीन घेरे में सुरक्षा व्यवस्था रही। पुलिस प्रशासन मतगणना को लेकर सुबह से सजग रहा। हर प्वाइंट में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे। पूरी सुरक्षा व्यवस्था पर कैमरे की नजर रही।"
अभिषेक अग्रवाल, एसपी रायबरेली।

सोनिया ने जिसके लिए अपनी सीट छोड़ी वही जीता

अनन्तराम श्रीवास्तव

सोनिया गांधी। अमृत विचार

- राहुल गांधी की मदद के लिए आगे आईं सोनिया गांधी
- रायबरेलीवासियों को अपना बेटा सौंप कर जीत लिया दिल

रायबरेली, अमृत विचार। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुत्रवधू व पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की धर्मपत्नी सोनिया गांधी का राजनीतिक व्यक्तित्व करिश्माई रहा है। राजनीतिक जीवन में प्रवेश के बाद सोनिया गांधी ने सक्रिय राजनीति की शुरुआत अपनी पति की संसदीय सीट रायबरेली से शुरुआत की। वे लगातार दो बार वहां से सांसद चुनी गयीं।

2004 में उन्होंने राहुल गांधी को सक्रिय राजनीति में उतारने के लिए अपनी संसदीय सीट अमेठी से उन्हें चुनाव मैदान में उतारने का फैसला किया। सोनिया गांधी का यह फैसला कारगर साबित हुआ। राहुल गांधी 2004 से 2019 तक अमेठी से सांसद रहे। श्रीमती गांधी ने राहुल के लिए अमेठी सीट छोड़ने के बाद रायबरेली से चुनावी मैदान में उतरीं। यहां भी रायबरेलीवासियों ने श्रीमती गांधी का स्वागत किया। वे 2004 से 2024 तक यहां सांसद चुनी गईं। 2019 में जब राहुल गांधी अमेठी से चुनाव हार गए तो श्रीमती गांधी ने पुनः राहुल गांधी के कैरियर को पटरी पर लाने के लिए अपनी रायबरेली की सीट छोड़कर राजस्थान से राज्यसभा के लिए चली गईं। श्रीमती गांधी की छोड़ी हुई सीट रायबरेली से भी राहुल गांधी ने विजय हासिल की। इस प्रकार से श्रीमती गांधी ने एक मां होने के नाते राहुल गांधी को राजनीतिक जीवन में आगे बढ़ाने के लिए जब-जब अपनी सीट छोड़ी तब-तब वहां से राहुल गांधी को विजय हासिल हुई। राहुल गांधी का राजनीतिक जीवन आगे बढ़ाने में एक मां के रूप में सोनिया गांधी का बहुत बड़ा हाथ रहा है।

प्रियंका गांधी ने ट्वीट कर जताया आभार

रायबरेली, अमृत विचार। राहुल गांधी के जीतने के बाद कांग्रेस स्टार प्रचारक प्रियंका गांधी ने ट्वीट कर सभी का आभार जताया। उन्होंने एक्स पर लिखा-रायबरेली के परिवारीजन और मेरे प्यारे कार्यकर्ता आप ने एक बार फिर हमें अपने स्नेह और आशीर्वाद से निहाल कर दिया है। रिश्तों का यह कर्ज हम कभी नहीं उतार पाएंगे,मगर हमारी पूरी कोशिश होगी कि हम आपकी सेवा में कोई कसर न छोड़ें और इस रिश्ते को हमेशा के लिए निष्ठा से कायम रखें। आज मुझे अपने यूपी की जनता पर सबसे ज्यादा गर्व है,क्योंकि आपने अपनी जागरुकता और विवेक से सच्चाई को पहचाना। देश के संविधान और हमारे लोकतंत्र को बचा लिया है।

एनडीए की जीत पर भाजपाइयों ने जताई खुशी

लालगंज, रायबरेली

एनडीए की बढ़त के बाद लालगंज में मिठाई बांटते भाजपा कार्यकर्ता। अमृत विचार

अमृत विचार। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली एनडीए गठबंधन की लोकसभा चुनाव में जीत पर भाजपाई कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता जताई है। वास्तव में लाख कोशिशो के बाद भी इंडिया गठबंधन बहुमत के पास भी फटक नहीं पाया है। हालांकि भाजपा नेतृत्व के दावों की भी जनता ने हवा निकाल दी है।

400 पार का नारा ही रह गया है, लेकिन फिर भी भाजपा की सरकार बनती नजर आ रही है। भाजपा वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री गिरीश नारायण पांडे ने कहा कि भले ही उत्तर प्रदेश में लक्ष्य के अनुरूप पार्टी ने सफलता नहीं प्राप्त की है लेकिन पार्टी फिर से तीसरी बार पीएम मोदी की अगुवाई में सरकार बनाएगी। भाजपा नेता दीप प्रकाश शुक्ला ने कहा कि भले हमने 400 पार नहीं किया है,पर जनता ने कांग्रेस गठबंधन के बजाय भाजपा पर ही विश्वास किया है।भाजपा के सरेनी विधानसभा संयोजक सुशील शुक्ला ने कहा कि केंद्र में तीसरी बार भाजपा की सरकार हैट्रिक लगाने जा रही है और प्रधानमंत्री मोदी फिर से केंद्र की सत्ता संभालेंगे। मोदी के नेतृत्व में सरकार कर्तव्य पथ पर चलते हुए विश्व में भारत का नाम रोशन करेगी। भाजपा नेता अनूप पांडे ने कहा कि हमारे लिए बड़े ही गौरव की बात है कि पहली बार नेहरू के बाद नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाने जा रही है। भाजपा नेता सुरेंद्र गुप्ता ने कहा कि मोदी के करिश्माई नेतृत्व के सहारे फिर से सरकार बनेगी। भाजपा सभासद कैलाश वाजपेई ने भी प्रसन्नता जताते हुए कहा कि सरकार तो मोदी की ही बनेगी। डलमऊ नगर पंचायत अध्यक्ष बृजेश दत्त गौड़, भाजपा नेता राम प्रताप सिंह, जेपी सिंह, शुभम, जगन्नाथ,विकेश, मनोज अवस्थी, दिवाकर, गोविंद, महेंद्र पटेल, राजेश सिंह आदि भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रसन्नता जताई है।

रणनीति फेल — भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में झोकी ताकत, दो बार जनसभा कर जीत का भरा था दम

प्रियंका की रणनीति के आगे नहीं चला शाह का दांव

धर्मेंद्र प्रधान, रायबरेली

प्रियंका का तोड़ नहीं तलाश सके अमित शाह

प्रियंका की जीतोड़ मेहनत और जनता के बीच उनकी नजदीकियां ने जीत के अंतर बढ़ाने का काफी काम किया। गृहमंत्री अमित शाह ने जनता को काफी विश्वास दिलाने का प्रयास किया लेकिन कोई लाभ नहीं हुआ। यहां तक कि जनसभा के दौरान बार-बार जिस तरह से दिनेश प्रताप सिंह को भाई कहकर संबोधित करते रहे और उनका कद बढ़ाते रहे इसका असर भी कुछ नहीं पड़ा। गौरतलब है कि प्रियंका गांधी ने रायबरेली व अमेठी प्रवास के 13 दिनों लगभग हर दिन दो दर्जन से अधिक नुक्कड़ सभाएं व जनसपंर्क किया। इस दौरान उन्होंने ने प्रचार और जनसंपर्क के जरिए कांग्रेस के पक्ष में बेहद कम समय में जबरदस्त माहौल तैयार कर दिया।

अमृत विचार। कूटनीति के क्षेत्र में गृहमंत्री अमित शाह का कोई सानी नहीं माना जाता है। यहां तक कि उन्हे भाजपाई राजनीति का चाणक्य भी कहा जाता है।

लोकसभा चुनाव के शुरुआती दौर से ही उन्होंने जिस तरह से गांधी परिवार को घेरने की रणनीति बनाई, उससे लगा कि शायद इस बार जिले में कमल जरूर खिल जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। प्रियंका गांधी की रणनीति के आगे गृहमंत्री अमित शाह का कोई दांव नहीं चला। यहां तक कि सपा के बागी विधायक डा. मनोज कुमार पांडेय तक के लाने को लेकर किए गए कशमकश का भी कोई लाभ नहीं मिला। भाजपा प्रत्याशी की करारी शिकस्त ने एक बार फिर साबित कर दिया कि गांधी परिवार का जिले से गहरा नाता है। उनके विश्वास की डोर आज भी मजबूत है।लोकसभा क्षेत्र रायबरेली हो या फिर अमेठी। चुनाव में सपा विधायकों पर जितना विश्वास भाजपा को था उसका तनिक भी लाभ नहीं मिला। बात करें रायबरेली लोकसभा क्षेत्र की तो यहां पर गृहमंत्री अमित शाह ने दो बार जनसभा किया।

प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह की जीत को सुनिश्चित कराने के लिए सपा के बागी विधायक मनोज पांडेय के घर तक गए। यहां तक कि दूसरी बार जनसभा कर उन्हें बकायदा सदस्यता भी दिलाई, लेकिन इसका कोई लाभ चुनाव में नहीं मिलता दिखाई दिया।

दूध लेने गया बालक लापता

ऊंचाहार, रायबरेली। मंगलवार की सुबह घर से बस स्टेशन के पास दूध लाने गया एक दस साल का बालक संदिग्ध अवस्था में लापता हो गया। काफी खोजबीन के बाद भी उसका सुराग नहीं लग सका। बालक की मां ने कोतवाली में तहरीर दी है। कोतवाल अनिल कुमार सिंह ने बताया कि मामले की सूचना मिली है ।बालक की तलाश की जा रही है। नगर क्षेत्र के सरस्वती नगर बस स्टेशन की रहने वाली शांति देवी का कहना है कि मंगलवार की सुबह उनका दस साल का बेटा कृष्णा अकोढिया रोड पर दूध लाने गया था, लेकिन वह वापस नहीं लौटा। काफी देर तक जब वह वापस नहीं आया तो परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की, किंतु उसका कोई सुराग नहीं लग सका।

किशोरी लाल शर्मा की जीत में सलोन विधानसभा की रही अहम भूमिका

संवाददाता, रायबरेली

सुरक्षा व्यवस्था में लगे कर्मचारी।

अमृत विचार। 41 सालों से कांग्रेस के गांधी परिवार के नजदीकी रहे किशोरीलाल ने इस बार के संसदीय चुनाव में वह करके दिखा दिया जो राहुल गांधी भी पिछली बार नही कर पाए थे। कांग्रेस पार्टी ने उन्हें ऐन वक्त पर अमेठी संसदीय सीट से उम्मीदवार घोषित किया था। किशोरी के नामांकन में प्रियंका गांधी भी शामिल होने आई थी। प्रियंका गांधी ने किशोरी लाल के लिए ताबड़तोड़ नुक्कड़ सभाओं को कर जनता को जोड़ने का काम किया। मंगलवार को आये चुनावी रिजल्ट में किशोरी लाल शर्मा ने अमेठी से बड़ी जीत दर्ज की है।

गौरतलब है अमेठी संसदीय सीट के लिए सबसे अहम और निर्णायक विधानसभा सलोन हर बार रही है और इस बार फिर इस विधानसभा ने इतिहास रच दिया है। इस विधान सभा से किशोरी लाल ने इस बार लम्बी जीत दर्ज की है। उन्हें इस विधानसभा में 119370 मत मिले जबकि भाजपा की स्मृति ईरानी को 67052 मत मिले और बसपा को 4489 मतों से सन्तोष करना पड़ा। यहां यह दिलचस्प है अमेठी सीट के लिए सबसे अहम सलोन विधान सभा हमेशा से रही है और पिछली बार स्मृति को जिताने में इसी विधानसभा की अहम भूमिका रही। इस बार भी माना जा रहा था कि भाजपा के लिए यह विधानसभा मजबूत रहेगी। इसी विधानसभा में दो नगर पंचायत अध्यक्ष पार्टी के है और विधायक भी पार्टी के ही है। ऐसे में भाजपा बहुत मजबूत दिख रही थी लेकिन जिस तरीके से परिणाम आये है वह सबको चौकाने वाला है।

भाजपा की हैट्रिक का अरमान टूटा, रिकार्ड मतों से जीते कांग्रेस के तनुज

तनुज पुनिया को मिले 7,19,927 वोट, भाजपा की राजरानी रावत 5,04,223 मतों के साथ रहीं दूसरे नंबर पर, 32 चक्रों में सम्पन्न हुई मतगणना की प्रक्रिया

जीत के बाद समर्थकों के साथ तनुज पुनिया। अमृत विचार

तनुज पुनिया के साथ जीत का जश्न मनाते समर्थक। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : बाराबंकी संसदीय सीट से इंडिया गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी तनुज पुनिया ने भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी राजरानी रावत को लगभग 2.15 लाख वोटों से हरा दिया। उन्होंने भाजपा की हैट्रिक का अरमान तोड़ दिया। कांग्रेस प्रत्याशी तनुज पुनिया को 7,19,927 तो भाजपा की राजरानी रावत को 5,04,223 वोट मिले। तनुज को 55% से अधिक वोट मिले हैं। मतगणना करीब 32 चक्रों में संपन्न हुई। पहले ही चक्र की मतगणना से कांग्रेस प्रत्याशी ने बढ़त बना ली थी, इसके बाद उन्होंने एक बार भी पीछे मुड़कर नहीं देखा। कांग्रेस को जिले की सभी पांचों विधानसभा सीटों में भाजपा से ज्यादा वोट मिले हैं। यहां 19,18,791 मतदाता हैं। इनमें से 12,90,634 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। तनुज पुनिया 2019 के लोकसभा चुनाव में तीसरे नंबर पर थे। इनके पिता व सेवानिवृत आईएएस डॉ. पीएल पुनिया वर्ष 2009 में बाराबंकी से कांग्रेस के सांसद चुने गए थे। मंगलवार को परिणाम आने के बाद कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के खेमे में जश्न का माहौल रहा।

तनुज पुनिया दो विधानसभा चुनाव और एक उपचुनाव लड़े और हारे थे। इसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने तनुज पुनिया को टिकट दिया, इसमें भी तनुज तीसरे नंबर पर रहे थे। यह पांचवां मौका था जब कांग्रेस ने पीएल पुनिया पर भरोसा जताते हुए उनके पुत्र तनुज पुनिया को टिकट दिया। इस बार तनुज पुनिया ने सारे पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त करते हुए 2 लाख 15 हजार 704 वोटों से जीत दर्ज की।

तनुज पुनिया को जीत का प्रमाणपत्र देते जिला निर्वाचन अधिकारी सत्येंद्र कुमार।

2019 के लोकसभा चुनाव का परिणाम

उपेंद्र रावत	(बीजेपी)	5,35,917 वोट (जीते)
राम सागर रावत	(गठबंधन)	4,25,777 वोट
तनुज पुनिया	(कांग्रेस)	1,59,611 वोट

पहले राउंड में 5245 से शुरू हुई बढ़त आखिरी में 2 लाख 15 हजार 704 पर मतों पर हुई समाप्त

बाराबंकी अमृत विचार : लोकसभा चुनाव में बाराबंकी सीट पर गठबंधन प्रत्याशी (कांग्रेस) के तनुज पुनिया ने 7,19,927 वोट पाकर 2,15,704 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। भाजपा प्रत्याशी राजरानी रावत 5,04,223 वोटों के साथ दूसरे नंबर पर रहीं। वहीं, बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी शिवकुमार दोहरे 39,177 मत के साथ तीसरे नंबर पर रहे।

पोस्टल बैलेट के नतीजे

इंडी (कांग्रेस)	तनुज पुनिया	1399
भाजपा	राजरानी रावत	771
बसपा	शिव कुमार दोहरे	72
बढ़त		628

फाइनल नतीजे

इंडी (कांग्रेस)- तनुज पुनिया	7,19,927 वोट
भाजपा -राजरानी रावत	5,04,223 वोट
बसपा - शिव कुमार दोहरे	39,177 वोट
बढ़त	2,15,704 वोट

जीत का जश्न मनातीं कांग्रेस प्रत्याशी तनुज पुनिया की मां इंदिरा पुनिया और पत्नी श्रद्धा पुनिया। अमृत विचार

कुछ यूं जीत की सीढ़ी चढ़ते गए तनुज पुनिया

चक्र	इंडी (कांग्रेस) तनुज पुनिया	भाजपा राजरानी रावत	बसपा शिव कुमार दोहरे	बढ़त
पहला चक्र	22,732	17,487	1,173	5245
दूसरा चक्र	46,149	36,364	2434	9,784
तीसरा चक्र	70,165	53,315	3573	16,850
चौथा चक्र	94,778	70,555	4735	24,223
पांचवां चक्र	1,16,896	9,0050	5,735	26,846
छठा चक्र	1,41,606	1,07,367	6725	34,239
सातवां चक्र	1,64,376	1,22,642	8207	41,734
आठवां चक्र	1,90,291	1,39,759	10,323	50,532
9वां चक्र	2,17,002	1,56,532	11,582	60,470
10वां चक्र	2,41,345	1,72,745	12,515	68,600
11वां चक्र	2,64,447	1,88,489	13,780	75,958
12वां चक्र	2,86,667	2,05,880	15,098	80,787
13वां चक्र	3,12,738	2,21,746	16,268	90,992
14वां चक्र	3,41,168	2,35,401	18,081	1,05,767
15वां चक्र	3,63,972	2,52,404	19,321	1,11,568
16वां चक्र	3,88,833	2,69,456	20,572	1,19,377
17वां चक्र	4,09,703	2,87,847	21,619	1,21,856
18वां चक्र	4,30,225	3,06,487	22,719	1,23,738
19वां चक्र	4,52,825	3,21,902	24,044	1,30,923
20वां चक्र	4,74,541	3,36,721	25,117	1,37,820
21वां चक्र	4,97,650	3,52,677	26,026	1,44,973
22वां चक्र	5,24,653	3,67,229	26,877	1,57,424
23वां चक्र	5,44,199	3,83,880	28,087	1,60,319
24वां चक्र	5,67,639	4,00013	29,188	1,67,626
25वां चक्र	5,87,619	4,15,371	30,423	1,72,248
26वां चक्र	6,11,243	4,30,505	31,949	1,80,738
27वां चक्र	6,33,018	4,45,214	33,599	1,87,804
28वां चक्र	6,52,163	4,59,845	34,894	1,92,318
29वां चक्र	6,70,736	4,73,671	36,231	1,97,065
30वां चक्र	6,86,752	4,83,560	37,063	2,0,3192
31वां चक्र	7,02611	4,93,005	37,793	2,09,606
32वां चक्र	7,11,849	4,99,938	38,569	2,11,911

प्रियंका नहीं, अब तनुज के नाम हुआ सबसे बड़ी जीत का रिकार्ड

परिणाम

- भाजपा प्रत्याशी राजरानी को 2,15,704 मतों से हराया
- तनुज को 55.79 तो राजरानी को मिले 39.07 फीसदी वोट
- 1962 में सबसे कम 321 मतों से हारे थे सोशलिस्ट पार्टी के रामसेवक यादव

श्रीनिवास त्रिपाठी, बाराबंकी

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव में बाराबंकी सीट से सबसे बड़ी जीत का रिकार्ड अब कांग्रेस नेता व गठबंधन प्रत्याशी तनुज पुनिया के नाम हो गया। उन्होंने भाजपा की राजरानी रावत को 2,15,714 मतों से हरा कर नया रिकार्ड स्थापित किया। इससे पहले 2014 में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा की प्रियंका सिंह रावत ने 2.11 लाख से अधिक मतों से जीत हासिल की थी। वहीं सबसे कम 321 मतों से हराने का रिकार्ड सोशलिस्ट पार्टी के रामसेवक यादव के नाम हैं।

पूर्व सांसद प्रियंका रावत।

बाराबंकी सीट से बाहरी प्रत्याशी के रूप में आई प्रियंका रावत पहली बार सियासत में उतरीं और जिले में सबसे बड़ी जीत का रिकार्ड अपने नाम किया था। मोदी लहर में पहली बार में ही वह सांसद बन गईं और देश की सबसे बड़ी संसद में जिले का प्रतिनिधित्व करने का मौका यहां के मतदाताओं ने उन्हें दिया। लेकिन इनका यह रिकार्ड 2024 के लोकसभा चुनाव में टूट गया। इसमें गठबंधन प्रत्याशी तनुज पुनिया ने भाजपा की राजरानी को रिकार्ड 2,15,714 मतों से शिकस्त दी। इस चुनाव में तनुज पुनिया को 55.79 और भाजपा की राजरानी रावत को 39.07 प्रतिशत वोट मिले। 1951 से लेकर 2024 तक चुनावी सफर पर गौर करें तो बाराबंकी के 73 साल के चुनावी इतिहास में सबसे बड़ी जीत का रिकार्ड अपने पास रखने वाली प्रियंका सिंह रावत ने 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के डॉ.पीएल पुनिया को 2 लाख 11 हजार 878 मतों से हराया था। आज डॉ.पीएल पुनिया केपुत्र तनुज पुनिया ने रिकार्ड मतों से जीतकर भाजपा से यह सीट छीन ली।

रामसागर रावत ने लगायी थी हैट्रिक

इस चुनाव में अगर राजरानी रावत चुनाव जीततीं तो यह भाजपा की लगातार तीसरी जीत के साथ हैट्रिक होती लेकिन तनुज पुनिया ने भाजपा को हैट्रिक लगाने से ही नहीं रोका बल्कि जिले की तीसरी महिला सांसद होने की पदवी भी छीन ली। वहीं हैट्रिक की बात करें तो रामसागर रावत ने 1989, 1991,1996 व 1999 में जीत हासिल की थी। इसके अलावा 1957, 1962 और 1967 में तीन बार सांसद बनने वालों में रामसेवक यादव का भी नाम दर्ज है।

बसपा समेत 11 प्रत्याशियों की जब्त हुई जमानत

बाराबंकी, अमृत विचार: लोकसभा चुनाव में कांग्रेस, भाजपा समेत 13 प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरे थे। इसमें से कांग्रेस विजेता रही और भाजपा उपविजेता। दोनों की जहां जमानत बच पाई है। वहीं बसपा समेत 11 प्रत्याशियों की जमानत राशि जब्त हो गई है। इस बार के लोकसभा सीट की हुई मतगणना में गठबंधन प्रत्याशी तनुज पुनिया को 55.79 और भाजपा की राजरानी रावत को 39.07 प्रतिशत वोट मिले हैं। जबकि बसपा प्रत्याशी शिव कुमार दोहरे को 3.03 प्रतिशत मत ही मिले। वहीं, बहुजन मुक्त पार्टी के ओमकार, डॉ. भीमराव आंबेडकर दल से संतोष कुमार, आवामी समता पार्टी से महेंद्र कुमार, पब्लिक अधिकार सोशलिस्ट इंडियन पार्टी से रामगुलाम राजदान, सरदार पटेल सिद्धांत पार्टी से प्रेमचंद्र हरिजन, स्वतंत्रता अभिव्यक्ति पार्टी से आशा देवी और निर्दलीय प्रत्याशी देवता दीन, बाबूराम, रामलखन पासी, मिथिलेश कुमारी को एक से कम प्रतिशत वोट मिला है। इन सभी प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। नामांकन के दौरान इन सभी ने जमानत राशि के रूप में निर्धारित 12500 रुपये की धनराशि जमा की थी। इससे आयोग व जिला प्रशासन को इन 11 प्रत्याशियों के जमा धनराशि के रुप में एक लाख 37 हजार 500 रुपये की धनराशि मिली है।

बसपा प्रत्याशी शिव कुमार।

तनुज ने समर्थन के लिए जनता को दिया धन्यवाद

इंडिया गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी तनुज पुनिया ने अपनी जीत के लिए कांग्रेस और सपा के सभी नेताओं, पदाधिकारियों - कार्यकर्ताओं का आभार जताया। समर्थन के लिए जनता को धन्यवाद दिया। उन्होंने अपनी जीत को ऐतिहासिक बताया। तनुज ने राहुल गांधी, अखिलेश यादव समेत शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया कि बाराबंकी लोकसभा सीट से उन पर विश्वास किया। तनुज ने कहा कि जनता ने बिना किसी लालच और स्वार्थ के तन-मन और धन के साथ मुझे जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।।

मतदाताओं का आभार : डॉ. पीएल पुनिया

लंबा सफर था। वर्ष 2014 के बाद से घर में कोई जीत नहीं आई थी। तनुज लगातार मेहनत कर रहे थे। साल के 365 दिन उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं व जनता से मुलाकात की। इसका नतीजा रहा कि तनुज की मेहनत सफल हुई। उन्होंने मतदाताओं का आभार जताया। कहा कि तनुज ने जीत में मेरा भी रिकॉर्ड तोड़ दिया। कांग्रेस नेतृत्व ने तनुज में राजनीतिक प्रतिभा देखी और चुनाव लड़ाने का मन बनाया। जिसका नतीजा रहा कि आज तनुज पुनिया बाराबंकी लोकसभा सीट से सांसद बने हैं।

जनादेश स्वीकार : राजरानी रावत

चुनाव परिणाम आने के बाद भाजपा प्रत्याशी राजरानी रावत ने कहा है कि हमें जनता का जनादेश स्वीकार है। हम चुनाव में असफल रहे पर हमने लोगों के दिलों को जीतने में सफलता पाई है। प्रत्येक मतदाता जिन्होंने मुझे अपने प्रतिनिधि के रूप में चयन करते हुए मतदान किया, उनके लिए विशेष आभार। उन्होंने कहा कि संगठन पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि जिन्होंने चुनाव में सहयोग किया और तपती धूप में दिन-रात परिश्रम किया उन सभी के प्रति आभार व्यक्त करती हूं। आप सबकी अपेक्षाओं का दायित्व स्वीकार करती हूं। उन्होंने कहा कि यह चुनाव आप सभी राजरानी रावत बनकर लड़े, धारा के विपरीत, साजिशों के विरुद्ध आप सब सच्चे योद्धा की भांति सभी प्रकार के दबावों को मुंह तोड़ जवाब देते हुए जूझते रहे। इसके लिए प्रत्येक समर्थक व कार्यकर्ता के प्रति आभारी हूं और आपका प्रत्येक परिस्थिति में साथ देने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं।

कुर्सी में अधिक वोटिंग का तनुज को मिला लाभ

नितिन श्रीवास्तव, बाराबंकी

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव की मतगणना में चौंकाने वाले परिणाम आए हैं। गठबंधन प्रत्याशी तनुज पुनिया को हर विधानसभा क्षेत्र से मतदाताओं का आशीर्वाद मिला है लेकिन सबसे अहम बात यह रही कि जिस विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक वोटिंग हुई थी। वहां पर अधिक पड़े मतों का फायदा गठबंधन प्रत्याशी को मिला। कुर्सी विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 70.80 प्रतिशत मतदान हुआ था। यहां पर करीब 4 लाख छह हजार 958 मतदाता थे। इनमें से करीब 2 लाख 88 हजार 126 मतदाताओं ने वोट डाले थे। इन पड़े मतों में से 50 फीसदी मत अकेले तनुज पुनिया के खाते में गए। बाकी बचे आधे वोट 12 अन्य प्रत्याशियों को मिले।

समर्थकों के साथ विक्ट्री का साइन दिखाते सांसद तनुज पुनिया। अमृत विचार

पांचवें चरण में हुए मतदान में जहां बाराबंकी में 69.20 प्रतिशत मतदान हुआ था। वहीं गठबंधन प्रत्याशी ने भी जिले में सबसे अधिक मत हासिल कर जीतने का रिकार्ड भी बनाया। अधिक मतों के मामले में जहां कुर्सी विधानसभा के वोटर पहले स्थान पर रहे। वहीं अधिक मत होने का लाभ भी तनुज पुनिया को मिला। इस विधानसभा सीट में कुल 4,06,958 मतदाता थे। इनमें से 20 मई को 2,88,126 मतदाताओं ने वोट डाला था। इन मतों में से अकेले गठबंधन प्रत्याशी को करीब 1,44,488 मत मिले। जबकि भाजपा की राजरानी को 1,04,677 मत ही मिल सके। बाकी मत 11 अन्य प्रत्याशियों में बटे। भाजपा प्रत्याशी का मायका और ससुराल इसी विधानसभा क्षेत्र में है। अधिक मतदान वाले विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक लाभ इन्हें मिला है।

जैदपुर और बाराबंकी विधानसभा सीट पर रहा जलवा

कुर्सी के अलावा जैदपुर विधानसभा क्षेत्र में तनुज पुनिया मतगणना में शुरू से आगे रहे। जिसका नतीजा यह रहा कि इन्हें जहां 1,61,986 मत प्राप्त हुए वहीं भाजपा प्रत्याशी को 1 लाख दो हजार 137 मत ही पा सकीं। तनुज को यहां तीन बार विधानसभा चुनाव लड़ने का भी फायदा हुआ। हालांकि विधानसभा चुनावों में वह सफल नहीं हो सके थे। वहीं बाराबंकी विधानसभा सीट पर भी तनुज को अच्छे मत मिले। यहां तनुज को 1,55,979 तो राजरानी को 98,422 मत ही मिल सके। इन दोनों विधानसभा सीटों पर सपा के विधायक काबिज हैं। इसका भी फायदा गठबंधन प्रत्याशी को खूब मिला।

दोनों प्रत्याशियों को विधानसभाओं में मिले मत

	तनुज पुनिया	राजरानी रावत
266 कुर्सी	1,44,488	1,04,677
267 रामनगर	1,25,952	95,874
268 बाराबंकी	1,55,979	93,614
269 जैदपुर	1,61,986	1,02,137
272 हैदरगढ़	1,13,344	98,422

बीते लोकसभा चुनाव का परिणाम

चुनाव	विजेता	जीत का अंतर
1951	गंगा देवी	13064
1957	आरएस यादव	30880
1962	आरएस यादव	321
1967	बी .कुरील	13469
1967	आरएस यादव	13374
1971	बैजनाथ कुरील	34829
1971	कुंवर रुद्र प्रताप सिंह	58345
1977	राम किंकर	147411
1980	राम किंकर	15641
1984	कमला प्रसाद	94671
1989	रामसागर रावत	64117
1991	रामसागर रावत	3798
1996	रामसागर रावत	14722
1998	बैजनाथ रावत	13785
1999	रामसागर रावत	55278
2004	कमला प्रसाद	20927
2009	पीएल पुनिया	168575
2014	प्रियंका सिंह रातव	211878
2019	उपेंद्र सिंह रावत	110140

एक नजर

अलग-अलग मामलों में पांच गिरफ्तार

बाराबंकी, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार के निर्देश पर अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से पुलिस ने मंगलवार को तीन वांछित व पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार कर शांति भंग की धाराओं में कार्यवाही की।

तमंचा व कारतूस के साथ पकड़ा गया शातिर

बाराबंकी, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देश पर अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत सोमवार को देवा पुलिस टीम ने सीतापुर के रामपुर मथुरा निवासी सोनू पुत्र छोटेलाल को तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्त के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दिया गया है।

हत्या के प्रयास के मामले का आरोपी गिरफ्तार

बाराबंकी, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगलवार को फतेहपुर पुलिस टीम ने हत्या का प्रयास करने के आरोपी ग्राम घुटचन पुरवा निवासी विकास व बादल को घटना में प्रयुक्त लकड़ी के डंडे के साथ गिरफ्तार कर लिया।

मंदिर गई महिला की कटी चेन

रामसनेही घाट बाराबंकी, अमृत विचार : रामसनेही घाट थाना क्षेत्र के भिटरिया निवासी अंजनी साहू अपनी बहन लक्की साहू और पत्नी शिवानी के साथ सुबह करीब नौ बजे राम सनेही दास मंदिर पर दर्शन पूजन करने गए थे (जहाँ टप्पे बाजों ने बहन लक्की की गले की सोने की चेन उड़ा दी। अंजनी सुबह रामसनेही दास मंदिर में परिवार के साथ दर्शन के लिए गए थे। मंदिर दर्शन करके जब सब बाहर आए तो लक्की ने देखा कि उसके गले की चेन कट गई है इस पर वह जोर-जोर से चिल्लाने लगी। लोगों से पूछताछ पर उसे चेन नहीं मिली।

बाइक सवार घायल

रामनगर बाराबंकी, अमृत विचार : तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे स्थानीय सीएचसी में भर्ती कराया। बहराइच जनपद के बक्शीपुर निवासी दीपक वर्मा मंगलवार की शाम बाइक से गोण्डा की ओर जा रहे थे। जब वह थाना क्षेत्र के हाइवे स्थित ग्राम नवना के निकट पहुंचे उसी समय सामने से आ रही अज्ञात ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार गम्भीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंचे कांस्टेबल सुजीत व पुनीत ने राहगीरों की मदद से उसे एंबुलेंस के द्वारा अस्पताल भिजवाया।

दो एमएलसी, एक मंत्री, दो विधायकों की साख पर लगा बट्टा

राजनीति

आने वाले चुनावों में आसान नहीं होगी भाजपा की राह

रीतेश श्रीवास्तव,बाराबंकी

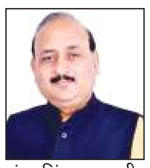
अंगद सिंह, एमएलसी।

सतीश चंद्र शर्मा राज्यमंत्री।

दिनेश रावत, भाजपा विधायक।

साकेंद्र वर्मा, भाजपा विधायक।

अवनीश कुमार सिंह, एमएलसी।

अमृत विचार : प्रदेश में भाजपा की सरकार होने के साथ ही जिले में एक राज्यमंत्री, दो एमएलसी और दो विधायकों की फौज होने पर भी भाजपा अपना प्रत्याशी जिता नहीं सकी। सपा-कांग्रेस की चुनावी रणनीति और सपा विधायकों की मेहनत के आगे भाजपा की बूथ मैनेजमेंट से लेकर गांव-गांव में संपर्क टोली के जरिए वोट साधने की रणनीति फेल होती दिखी। भाजपा के जनप्रतिनिधि को मिले आधे वोट भी भाजपा प्रत्याशी को नहीं दिला पाए। ऐसे में इन माननीयों के साख पर बट्टा लग गया है। आने वाले कई अन्य चुनावों में इसका असर देखने को मिल सकता है।

जिले में एक नहीं बल्कि चार जनप्रतिनिधियों के होने के बावजूद भाजपा अपने वोट बैंक को साध नहीं पायी। भले ही मतदान से पहले जिले से लेकर लखनऊ तक दूसरे दल के नेताओं और बड़े चेहरों को भाजपा में शामिल कराया हो लेकिन यह सभी भाजपा प्रत्याशी राजरानी रावत के पक्ष में वोट डलवाने में सफलता नहीं दिला सके। राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा जिन्होंने अपने चुनाव में रिकार्ड तोड़ मत हासिल कर सपा के एक कद्दावर नेता को पटखनी दी थी। वहीं अपने विधानसभा क्षेत्र में अयोध्या संसदीय सीट के भाजपा प्रत्याशी को जीत नहीं दिला पाए जबकि इस विधानसभा सीट से हमेशा भाजपा को अच्छी लीड मिलती रही है। सीएम की जनसभा के अलावा लगातार जनसंपर्क व चुनावी बैठकों से भी मतदाताओं का मूड भांप नहीं सके। जिसका परिणाम यह रहा कि इस विधानसभा सीट से अयोध्या संसदीय क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह को हार का सामना करना पड़ा। यही नहीं, हैदरगढ़ विधायक दिनेश रावत भी कोई छाप छोड़ते नहीं दिखे जबकि इनकी पत्नी भी ब्लॉक प्रमुख हैं। इसके बाद भी भाजपा प्रत्याशी को इस विधानसभा में भी कड़ी टक्कर मिलती रही। जहां तनुज पुनिया को 1,13,344 मत मिले तो वहीं राजरानी को 98,422 मतों से संतोष करना पड़ा। यह हाल तब है जब भाजपा के कई अन्य ब्लॉक प्रमुख, नगर पंचायत अध्यक्ष के साथ भाजपा के कई बड़े नेताओं का यहां के मतदाताओं से अच्छा संपर्क रहा है। वहीं कुर्सी विधानसभा सीट पर सबसे खराब स्थिति देखने को मिली। इस विधानसभा में भाजपा विधायक साकेंद्र वर्मा की चुनावी रणनीति काम नहीं आई। यहां के वोटरों ने जमकर गठबंधन प्रत्याशी को वोट किया। इसमें कुर्मी समाज का अहम रोल रहा है। इस सीट पर भी पुनिया को 1,44,488 तो राजरानी को 1,04,677 मत मिल सके। सबसे ज्यादा वर्क व बैठकों का दौर भी भाजपा विधायक की देखरेख में यहां किया गया लेकिन सिफर रहा। इसी तरह एमएलसी अंगद सिंह और एमएलसी व जिला प्रभारी इं.अवनीश सिंह की साख को बट्टा लगा है।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

दरियाबाद, बाराबंकी, अमृत विचार : ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत हो गई। शव की शिनाख्त नहीं हो सकी। मंगलवार को अयोध्या लखनऊ रेल मार्ग पर दरियाबाद रेलवे क्रॉसिंग के निकट एक महिला की सरयू यमुना एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई।

मौके पर पहुंची रेलवे पुलिस ने शव का पंचनामा कर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामला मंगलवार दोपहर का है दरियाबाद रेलवे क्रॉसिंग के निकट अमृतसर से दरभंगा जा रही सरयू यमुना एक्सप्रेस की चपेट में आने से महिला की मौत हो गई।

ज्येष्ठ के दूसरे बड़े मंगलवार पर हनुमान मंदिरों पर उमड़े दर्शनार्थी

जिलेभर में जगह-जगह आयोजित भंडारों में श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

सुंदरकांड का पाठ करते श्रद्धालु। अमृत विचार

शहर के पैसार नाका पर भण्डारे में प्रसाद लेते श्रद्धालु। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता बाराबंकी

अमृत विचार : ज्येष्ठ मास के बड़े मंगल पर हनुमान मंदिरों में दर्शनार्थियों की भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं ने मंदिरों में प्रसाद चढ़ाया। सुंदरकांड पाठ के साथ ही हनुमान चालीसा का पाठ किया। तो वहीं दूसरी ओर लोगों ने अपने घरों में विधिवत पूजा पाठ उपवास रखा। शहर ही नहीं ग्रामीण अंचलों में भी जेठ के दूसरे बड़े मंगल पर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह दिखा। श्रद्धालुओं ने जगह-जगह भंडारे का आयोजन किया।

शहर में ही लगभग पचास जगहों पर भंडारे का आयोजन किया गया। शहर के नाका पैसार पर वरिष्ठ समाज सेवी आलोक गौड़ , आशीष राठौर, अमित राठौर ,हरीश मिश्रा व उनके साथियों द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं के साथ राहगीरों ने भी भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया । शहर के ही देवा रोड स्थित गांधी भवन में टीआरसी महाविद्यालय के प्रबंधक रंजन चतुर्वेदी द्वारा विधिवत पूजन अर्चन के बाद भंडारे का आयोजन किया गया । सुबह सुबह ग्यारह बजे से शुरू हुए इस भंडारे में बड़ी संख्या में राहगीरों व क्षेत्र के लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर सीडब्ल्यूसी की अध्यक्ष बाला चतुर्वेदी समाजसेवी अमृता शर्मा सहित तमाम लोगों में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। वहीं राजकमल के पास रामाश्रम पर शिक्षक व समाजसेवी राजीव श्रीवास्तवऔर पीयूष श्रीवास्तव ने हर साल की तरह इस साल भी भंडारे का आयोजन किया। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया ।

भीषण गर्मी में क्षेत्र के संभ्रांत व्यक्तियों ने शरबत भी बंटवाया। शहर के मौरंग मंडी में राहुल शुक्ला खुशी राम वर्मा प्रताप सिंह द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। तो वही कोठी के मीरपुर मीरा नगर में श्रद्धालुओं ने बड़ी धूमधाम से भंडारे का आयोजन किया। तो वहीं रामसनेहीघाट के भिटरिया में राजेंद्र अग्रवाल द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। हैदरगढ़ में जेठ के दूसरे मंगल पर क्षेत्र में हर जगह बजरंगबली के जयकारे गूंजते रहे।

लखनऊ सुल्तानपुर हाईवे पर स्थित व्यापारिक प्रतिष्ठान पर राजेंद्र अग्रवाल द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। इस भंडारे में राजकुमार झुनझुनवाला शिवकुमार चतुर्वेदी राम प्रकाश गौरी शंकर पांडे सहित क्षेत्र के लोगों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। हैदरगढ़ के ग्रामांचल परिसर में भाजपा नेता सिद्धार्थ अवस्थी ने विशाल भंडारे का आयोजन किया जिसमें सैकड़ो लोगों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। इसी तरह संकट मोचन हनुमान मंदिर घोसियाना श्री राम भक्त हनुमान मंदिर रामलीला कोठी व संकट मोचन हनुमान मंदिर लोहिया वार्ड में भी भंडारे का आयोजन किया गया। इसी तरह कस्बा रामनगर में उमेश प्रताप शुक्ला द्वारा प्रसाद के रूप में बूंदी का वितरण किया गया। तो वहीं तहसील मुख्यालय स्थित हनुमान मंदिर पर लक्ष्मीकांत व राम अवस्थी द्वारा शरबत का वितरण किया गया। बरुआ नरेंद्रपुर में वीरेंद्र कुमार यादव कुलदीप व अन्य साथियों द्वारा आयोजित भंडारे में पूरी सब्जी और चावल का वितरण किया गया।

इसी तरह रामपुर महा सिंह में हलकाहिन माता मंदिर के स्थान पर लोक निर्माण विभाग द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। ग्राम सीहामऊ में मोती पुरी बाबा के स्थान पर अमन दीक्षित व आदित्य दीक्षित के द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। जिले के अलग-अलग क्षेत्र में लोगों द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें पूरी सब्जी चावल शर्बत व बूंदी का वितरण जगह-जगह किया गया।

राजरानी ही बनी रहेंगी जिपं अध्यक्ष

कार्यालय संवाददाता बाराबंकी

बगावत के सुर हो सकते हैं बुलंद

जिला पंचायत अध्यक्ष के खिलाफ पूर्व में सपा से भाजपा में शामिल हुए जिला पंचायत सदस्यों ने मुखर होकर बगावती तेवर अपनाए थे। अब जबकि भाजपा प्रत्याशी को पराजय का मुंह देखना पड़ा तो ऐसे में एक बार फिर से जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी हथियाना के लिए फिर से कहीं अपने ही उनके खिलाफ बगावत के और बुलंद ना कर दें ऐसा राजनीति के जानकारों का कहना है।

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव की मतगणना पूरी होने के बाद आए परिणामों की वजह एक बार फिर से राजनीतिक हलकों जिला पंचायत की कुर्सी को लेकर चर्चाएं जोर पकड़ने लगी है। मंगलवार को हुई मतगणना में इंडिया गठबंधन प्रत्याशी तनुज पुनिया की जीत के बाद यह तय माना जा रहा है कि भाजपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ने वाली जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर काबिज रहेंगी। लोकसभा चुनाव का बिगुल बजते ही राजरानी रावत को लोकसभा प्रत्याशी बनाए जाने के बाद से ही जिला पंचायत की कुर्सी पर बैठने के लिए सपा से भाजपा में आई जिला पंचायत सदस्य नेहा आनंद पूर्व मंत्री स्वर्गीय कमला प्रसाद रावत की पुत्रवधू लवली रावत व पूर्व जिला अध्यक्ष रहे शशांक कुशमेश की पत्नी नीतू सिंह की निगाहें जिला पंचायत की कुर्सी पर लगी रही।

राजनीतिक गलियारों में यह चर्चाएं तेज थी कि अगर भाजपा प्रत्याशी राजरानी रावत चुनाव जीतती है तो जिला पंचायत की कुर्सी पर किसका पलड़ा भारी रहेगा ।

चुनाव के परिणाम आने से पहले ही भाजपा सहित अन्य दलों से भाजपा में शामिल हुए जिला पंचायत सदस्यों के जिला पंचायत कुर्सी पाने के लिए अपने अपने समीकरण और पार्टी में अपने-अपने मजबूत दावे रहे। लेकिन चुनाव परिणाम का नतीजा आने के बाद राजरानी के भारी मतों से पराजित होने पर यह माना जा रहा है कि जिला पंचायत की कुर्सी पर राजरानी ही काबिज रहेगी। ऐसे में अलग-अलग दलों से आकर भाजपा में शामिल होने वाले लोगों के मंसूबों पर पूरी तरह से पानी फिर गया है।

ट्रक की चपेट में आने से शिक्षक की मौत

बाराबंकी, अमृत विचार : दरियाबाद कोतवाली क्षेत्र के अकबरपुर चौराहे पर मंगलवार की सुबह एक ट्रक की चपेट में आने से मिर्जापुर निवासी रेयान अहमद की दर्दनाक मौत हो गई। वही रेयान के दोस्त जो की बाइक से था उसे हल्की छोटे आई हैं। रेयान पेशे से शिक्षक और दिव्यांग था । रेयान अपने दोस्त के साथ जैदपुर के नूर मोहम्मद इंटर कॉलेज जा रहा था । वह वही शिक्षण कार्य करता था। मंगलवार को रेयान अपने दोस्त के साथ बाइक से कॉलेज जा रहे थे इस बीच पीछे से आ रही ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी । जिससे दिव्यांग रेयान की मौत हो गई। दरियाबाद पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

सार-संक्षेप

किशोरी हुई लापता

सतरिख बाराबंकी, अमृत विचार : बिना बताए घर से निकली एक किशोरी लापता हो गई है,खोज बीन के बाद भी नहीं मिली है |पिता की तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज किया है| सतरिख थाना क्षेत्र के नेवली गांव निवासी मुस्कान गौतम (17) बीते रविवार को बिना घर पर बताए कही चली गई थी,परिवार के लोगो के द्वारा काफ़ी खोज बीन की गई, लेकिन कुछ पता नहीं चल सका है, पिता रणधीर की तहरीर पर पुलिस ने गुमसुदगी का मुकदमा दर्ज कर खोज बीन के प्रयास कर रही है|

महिला का विरोध करना पड़ा भारी,दबंग ने ईंट से फोड़ा सिर

रामसनेहीघाट बाराबंकी, अमृत विचार : एक महिला को उसी के घर पर दबंगों द्वारा फावड़े से हमला करने व घर में ईट पत्थर फेंकने का विरोध करना भारी पड़ा। दबंगों ने महिला के विरोध करने पर उसे बुरी तरह से मारा पीटा। पीडिता की शिकायत पर कोतवाली में केस दर्ज कर लिया गया है। ग्राम वजउद्दीनपुर निवासी पूज्यमती पत्नी रामप्रताप यादव ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि रामदास यादव ने उसकी दीवार पर फावड़े से हमला करना शुरू किया विरोध करने पर रामदास, हरिनाम ,सतनाम, पूर्णमासी आदि ने पीडिता के घर ईट फेकने लगे और घर में घुस कर लात घूँसों से मारा पीटा और ईट से सिर पर हमला कर दिया जिससे वह बुरी तरह घायल हो गई और उसका सिर फट गया। पुलिस ने घायल महिला को पास में भिजवाया जहाँ पर उसका इलाज चल रहा है। जबकि आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उन पर कार्यवाही की बात कह रही है।

इनकम टैक्स और जीएसटी रिटर्न सॉफ्टवेयर हुआ लॉन्च

हैदरगढ़ बाराबंकी, अमृत विचार : इनकम टैक्स रिटर्न और जीएसटी रिटर्न फाइल करने की सुविधा को आसान बनाने के लिए नए मोबाइल सॉफ्टवेयर को लांच किया गया। अधिवक्ता नितेश कुमार सिंह ने बताया कि यह सॉफ्टवेयर पूरी तरह से पेपर लेस होने के साथ–साथ मोटी मोटी फाइलों के झंझटों से भी छुटकारा दिलाएगा। इस सॉफ्टवेयर पर सभी कागजात सुरक्षित रहेंगे और जब भी जिस कागजात की जरूरत पडेगी पीडीएफ डाउनलोड करके प्रिंटआउट निकलवा के उपयोग में लाया जा सकता है ।जिसकी अलग से कोई फीस नहीं ली जाएगी। सॉफ्टवेयर लॉन्चिंग के मौके पर प्रमुख रूप से पूर्व ब्लाक प्रमुख सुनील सिंह प्रधान सोनू सिंह, चेयरमैन आलोक तिवारी कृष्ण कुमार द्विवेदी पंकज मिश्रा रमेश सिंह अतुल सिंह जयप्रकाश सिंह राजेश सिंह अभिषेक सिंह शिवेंद्र सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

मतगणना के दौरान चाक चौबंद रही सुरक्षा व्यवस्था

बाराबंकी, अमृत विचार : शहर के निकट बाराबंकी–बहराइच रोड पर स्थित नवीन मंडी परिसर में मंगलवार को लोकसभा चुनावों की मतगणना के दौरान सुरक्षा के चाकचौबंद इंतजाम रहे। पूरे मतगणना परिसर की सुरक्षा तीन चरण के घेरे में रही। इस दौरान चप्पे–चप्पे पर पुलिस व अर्ध सैन्य बलों के जवान तैनात रहे। साथ ही पूरे परिसर पर ड्रोन कैमरे से भी नजर रखी गई। सुरक्षा के नजरिए से मुख्य मतगणना स्थल को आइसोलेशन जोन घोषित किया था। इसकी सुरक्षा का पूरा जिम्मा सीधे पैरामिलिट्री फोर्स के जिम्मे रहा। जबकि परिसर में अन्य स्थानों की सुरक्षा के लिए पीएसी व पुलिस बल तैनात रहा। सुबह आठ बजे से शुरू हुई मतगणना से पहले ही भोर में पुलिस व अर्धसैनिक बल ने अपने ड्यूटी प्वाइंट पर पहुंचकर सुरक्षा की कमान संभाल ली। इस दौरान शहर के पल्हरी चौराहे के बाद अयोध्या व बहराइच हाईवे की ओर से आम लोगों का आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित रहा। सिर्फ पास धारकों को ही इस रूट पर आवागमन की अनुमति रही। मतगणना के दौरान पल्हरी से बहराइच रोड पर शहाबपुर लिंक मार्ग तक हाईवे आरक्षित रहा। सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में मतगणना का कार्य सुबह आठ बजे से शुरू होकर मतणना समाप्त होने तक चला। मतगणना के दौरान पांच जगहों पर पुलिस के बैरियर पर लोगों को चेक किया गया।

घाघरा पर बना पीपे का पुल बंद

संवाददाता, उमरी बेगमगंज, गोंडा, अमृत विचार : ऐली परसौली गांव में कैथी घाट पर बना पीपे का पुल हल्का जलस्तर बढ़ने से डैमेज हो गया जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर सवालिया निशान लगने लगे हैं। आनन फानन में पीपों को खोलकर नदी के किनारे बांध दिया गया है। साथ ही चार पहिया वाहनों का आवागमन भी बंद हो गया है जिससे किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। यह पुल बनने के बाद नदी की दो धाराओं के बीच स्थित उपजाऊ जमीन का उपयोग किसान आसानी से कर पा रहे थे जिससे किसानों की आमदनी भी बढ़ गई थी। अब पिछले सप्ताह घाघरा के जलस्तर में हल्की सी वृद्धि होने पर नदी में लगाया गया पीपा ऊपर उठ गया जिससे एप्रोच से उसका संतुलन बिगड़ गया है। ग्रामीणों ने बताया कि शिकायत के बाद भी इसकी मरम्मत नहीं कराई जाती। अमृत विचार प्रतिनिधि से बातचीत के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि पुल खुल जाने से जान जोखिम में डालकर नाव से नदी को पार करना पड़ता है। हृदय राम कहते हैं कि ढंग से काम होतै नाहीं है तौ मजबूती कहां से आवै, सब खाए के जुगुत बनावत हैं। वही बुजुर्ग माता प्रसाद यादव का कहना है कि पुल बनाते समय काम सही से नहीं होता। ठेकेदार कभी आते नहीं सब मनमानी चल रहा है । राजू सिंह ने ठेकेदार व विभागीय कर्मियों पर लूट घसोट का आरोप लगाया है। कहा कि जैसे तैसे एक बार पुल को बांध दिया जाता है बस फिर कोई काम नहीं होता रास्ता तो कभी बनाया ही नहीं जाता। ऐली परसोली के कैथी घाट पर पीपे के पुल का निर्माण वर्ष 2015 में किया गया था, इसमें कुल 70 पीपे लगे थे और 3 :50 करोड़ रुपए खर्च हुए थे लेकिन अब यह पुल लापरवाही की भेंट चढ़ जाती है।

दरियाबाद के वोटरों ने बदला पाला, लल्लू सिंह हारे

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : फैजाबाद संसदीय क्षेत्र में आने वाली जिले की दरियाबाद विधानसभा सीट पर इस बार मतदाताओं का बदला रुख दिखा। पिछले कई चुनावों में भाजपा की जीत का अहम हिस्सा बनने वाली विधानसभा दरियाबाद में इस बार भाजपा प्रत्याशी को हार का मुंह देखना पड़ा। यहां के मतदाताओं ने सपा गठबंधन प्रत्याशी के पक्ष में वोट दिया। इस सीट से भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह को 10094 वोटों से हार का मुंह देखना पड़ा। शहर के नवीन मंडी परिसर में दरियाबाद विधानसभा सीट की मतगणना कराई गई। पहले ही राउंड में सपा के प्रत्याशी अवधेश प्रसाद ने भले ही भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह से मात्र 700 वोटों से लीड बनाई हो, लेकिन उनकी यह लीड अंत तक कायम रही। हालांकि बीच के कई चक्र में उतार चढ़ाव जरूर देखने को मिला। लेकिन 33 राउंड की गणना में जीत सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद के हाथ में लगी। सपा प्रत्याशी को 1,31,277 तो लल्लू सिंह को 1,21,183 मत हासिल हुए। इस तरह 10094 वोटों से सपा प्रत्याशी ने दरियाबाद विधानसभा सीट से अपनी मजबूत बढ़त बनाई। इस विधानसभा क्षेत्र में कुल 4,19,319 मतदाता थे।

तीन महिलाओं को दबंग ने पीटा

रामसनेहीघाट बाराबंकी, अमृत विचार : दबंगई के बल पर जमीन हड़पने के लिए दबंग ने तीन महिलाओं की लाठी डंडे से पिटाई कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जख्मी तीनों महिलाओं को पास के सीएससी में इलाज के लिए भर्ती किया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। पूरा मामला कोतवाली रामनगर थाना क्षेत्र के ग्राम आला दासपुर का है। घटना में जख्मी गुड़िया पत्नी रामगोपाल ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि रंजीत और राजू पुत्र शोभा लाल, अंशु पुत्री शोभाराम, अर्चना पत्नी रंजीत सावित्री पत्नी राजू के पुश्तैनी जमीन का बंटवारा पहले ही हो चुका है। दबंगों ने मुझे सुषमा और नैना को लाठी डंडों से बेदर्दी से मारा पीटा।

चोरों ने घर से नकदी जेवर उड़ाये

हैदरगढ़ बाराबंकी

चोरी की घटना के दौरान रात में बर्तन गिरने की आवाज सुनकर खुली नींद

रात में बर्तन गिरने की आवाज सुनकर अचानक राहुल की पत्नी की नींद खुल गई।उन्होंने छत से झांका तो आंगन व कमरे में बदमाश दिखाई दिए।महिला व परिजनों ने शोर मचाना शुरू किया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने आंगन में लगे छत को जाने का दरवाजा खोला तो परिवार के लोग नीचे आए। महिलाओं ने कमरे के अन्दर देखा तो अवाक रह गए।अलमारी खुली थी।सारा सामान बिखरा पड़ा था।महिला ने लखनऊ में रह रहे अपने पति राहुल कनौजिया को घटना की जानकारी दी।रात में ही पुलिस पहुंची और चोरो की तलाश में जुट गई है।

अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र हैदरगढ़ के ग्राम चौबीसी में चोरमकान का दरवाजा तोड़कर चार लाख से अधिक के कीमती जेवरात व नकदी चुरा कर भाग निकले।

चौबीसी निवासी राहुल कनौजिया लखनऊ के लुलु मॉल में नौकरी करते हैं। गर्मी के चलते उनका पूरा परिवार रात में छत पर सो रहा था। परिवार वालों को गहरी नींद में सोता हुआ देख चोरों ने अंदर से बंद दरवाजे को तोड़कर घर में घुस गए। आंगन में रखी हुई चाबियां से चोरों ने अलमारी खोल कर उसमें रखे हुए पचास हजार रुपये की नकदी साढे चार लाख के कीमती चेवरात पर हाथ साफ कर दिया। सुबह उठने पर इस बात की जब जानकारी राहुल को हुई तो उसने अज्ञात के खिलाफ कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया।

राहुल कनौजिया ने बताया कि वर्ष 2022 में अपने विवाह से पहले छहवर्षों तक सऊदिया में नौकरी कर पाई-पाई जोड़ कर रखी थी।उसने बताया पत्नी व मां के सारे जेवरात चले गए।घटना से उनकी पत्नी सदमे में हैं।

किया समर्थन — वैश्य कसौंधन समाज के जिला अध्यक्ष दिनेश वैश्य ने भी की मेहनत

पूर्व मंत्री व उनके परिवार ने तनुज के पक्ष में मोड़ा हवा का रुख

कार्यालय संवादाता, बाराबंकी

अमृत विचार : सदर विधानसभा जीतने में बाराबंकी शहर के मतदाताओं ने भी काफी अहम भमिका निभाई। यहां से दो बार के विधायक और मंत्री संग्राम सिंह वर्मा और उनके परिवार ने भी तनुज पुनिया की जीत के लिये जीतोड़ मेहनत की। संग्राम सिंह वर्मा ने स्वास्थ्य खराब होने के बाद भी सदर विधानसभा के कुर्मी मतदाताओं को जोड़ा तो उनके भाई व पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुरेंद्र वर्मा, उनकी पत्नी व वर्तमान में नगर पालिका बाराबंकी की अध्यक्ष शीला सिंह ने शहर के मतदाताओं की हवा का रुख इंडिया गठबंधन के पक्ष में मोड़ दिया। इसके अलावा पूर्व मंत्री संग्राम सिंह वर्मा के राजनीतिक सलाहकार व वैश्य कसौंधन समाज के जिला अध्यक्ष दिनेश वैश्य ने तनुज पुनिया के साथ कदम से कदम मिलाकर डोर टू डोर मेहनत की। दिनेश वैश्य ने जीतोड़ मेहनत करके वैश्य कसौंधन समाज के लोगों का भी एकतरफा समर्थन तनुज के पक्ष में जुटा डाला। जिसका नतीजा रहा कि तनुज पुनिया इतिहास रचने में कामयाब रहे।

सदर विस में मिले मत

तनुज पुनिया	राजरानी रावत
1,55,979	93,614

बाराबंकी सुरक्षित लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी तनुज पुनिया ने भारतीय जनता पार्टी की राजरानी रावत को दो लाख से अधिक मतों से हरा दिया। कांग्रेस के तनुज पुनिया ने 719927 वोट पाकर 215704 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। भाजपा प्रत्याशी राजरानी रावत 504223 वोटों के साथ दूसरे नंबर पर रहीं। वहीं, बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी शिवकुमार दोहरे 39177 मत के साथ तीसरे नंबर पर रहे।

पूर्व मंत्री संग्राम सिंह वर्मा व उनके राजनीतिक सलाहकार दिनेश वैश्य।

तनुज पुनिया के साथ नगर पालिका चेयरमैन शीला सिंह, दिनेश वैश्य व वैश्य कसौंधन समाज के लोग। अमृत विचार

क्षिप्रं विजानाति चिरं श्रृणोति विज्ञाय चार्थं भते न कामात्।
नासम्पृष्टो व्युपयुङ्क्ते परार्थे तत् प्रज्ञानं प्रथमं पण्डितस्य ॥

ज्ञानी लोग किसी भी विषय को शीघ्र समझ लेते हैं, लेकिन उसे धैर्यपूर्वक देर तक सुनते रहते हैं। किसी भी कार्य को कर्तव्य समझकर करते है, कामना समझकर नहीं और व्यर्थ किसी के विषय में बात नहीं करते।

संपादकीय

जनता की जीत

लोकसभा चुनाव 2024 के चुनावों की मतगणना जारी है। मतगणना में सामने आए रुझान और नतीजों से देश के मौजूदा राजनीतिक हालात की बनती तस्वीर नजर आ रही है। इंडिया गठबंधन ऊर्जा और उत्साह से भर गया है। उत्तर प्रदेश ने सबको चौंकाया है। अखिलेश यादव दमदार नेता साबित हुए। प्रदेश से इस तरह के परिणाम मिलेंगे, इस बात का आंकलन तो भाजपा के विरोधियों को भी नहीं था। जबकि एक्जिट पोल्स ने जो रूझान दिखाए, तकरीबन सभी एक स्वर में फिर से भाजपा की बड़ी जीत के अनुमान लगा रहे थे। नतीजों ने राजनीति के साथ-साथ जनता के बदलते मिजाज को भी रेखांकित किया है। चुनाव परिणाम कायदे से जनता को विजेता बना रहे हैं। लगभग डेढ़ वर्ष पहले तक जिन मोदी एवं भाजपा के लिए 2024 का चुनाव बेहद आसान माना जाता था, उसकी तस्वीर राहुल गांधी की यात्राओं ने बदल दी। भाजपा के मुकाबले चेहरे, विमर्श तथा संगठन तीनों ही स्तरों पर विकल्प तैयार हुए। इतना ही नहीं, संयुक्त विपक्ष भी खड़ा हुआ। साथ ही अजेय होने का मिथ टूटा। परिणाम साबित कर रहे हैं कि देश लोकतंत्र व संविधान की रक्षा के लिए संकल्पित है। संविधान को बदलने की भाजपा की मंशा का नैरेटिव जो विपक्ष ने तय किया, उसके जरिए बाबा साहेब आंबेडकर के नाम पर दलित समाज को भावनात्मक रूप से जोड़ने की कोशिश की गई, जो सफल होती नजर आई। विपक्ष के इस दांव ने बसपा के उस दलित वोट बैंक को अपनी ओर शिफ्ट करा लिया जो पिछले चुनावों में भाजपा के साथ खड़ा रहता था।

इस बार चुनाव जिस तरीके से लड़ा गया, वह कई सवाल खड़े करता है। देश के इतिहास में यह पहला चुनाव है जिनमें कई घटनाएं पहली बार हुईं। इससे पहले किसी चुनाव में इतने झूठ नहीं बोले गए थे। चुनाव में नेताओं का बड़बोलापन ही दिखता रहा। सैकड़ों अरब खर्च करने के बावजूद देश में पिछली बार से औसतन वोट कम क्यों पड़े? चुनाव नतीजों से देखना यह है कि भारत ने अपनी भारतीयता को कितना बचाकर रखा है और अभी 'भारतीय पुनर्निर्माण' के लिए आत्मनिरीक्षण, आत्मसुधार और संघर्ष करना कितना बाकी है। एक बड़ी समवेत आवाज बनने को आगे का रास्ता कैसे तय करते हैं। चुनाव के आंकड़े से ज्यादा महत्वपूर्ण है देश की विविधता, सामाजिक न्याय और बौद्धिक स्वतंत्रता की रक्षा। इस दृष्टि से कहा जा सकता है कि आज के नतीजे हम सब के लिए अच्छा संदेश है।

खेतों से उजड़ते पेड़, मानवीय अस्तित्व पर खतरा

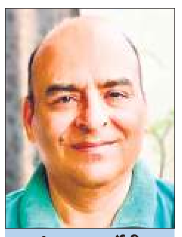

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

यह विचार करना होगा कि आखिर किसान ने अपने खेतों से पेड़ों को उजड़ा क्यों? यह किसान भलीभांति जानता है कि खेत कि मेढ़ पर छायादार पेड़ होने का अर्थ है, पानी संचयन, पत्ते और पेड़ पर बिराजने वाले पंछियों की बीट से निशुल्क कीमती खाद, मिट्टी की मजबूत पकड़ और सबसे बड़ी बात- खेत में हर समय किसी बड़े बूढ़े के बने रहने का एहसास।

न तो अब खेतों में कोयल की कूक सुनाई देती है और न ही सावन के झूले पड़ते हैं। यदि फसल को किसी आपदा का ग्रहण लग जाए तो आय का जरिया होने वाले फल भी गायब हैं। अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका "नेचर सस्टैनबिलिटी" में 15 मई 2024 को प्रकाशित आलेख बताता है कि भारत में खेतों में पेड़ लगाने की परंपरा अब समाप्त हो रही है। कृषि-वानिकी का मेलजोल कभी भारत के किसानों की ताकत था। देश के कई पर्व-त्योहार, लोकाचार, गीत- संगीत खेतों में खड़े पेड़ों के इर्द गिर्द रहे हैं। मार्टिन ब्रांट, दिमित्री गोमिंस्की, फ्लोरियन रेनर, अंकित कररिया, वेंकन्ना बाबू गुथुला, फ़िलिप सियाइस, ज़ियाओये टोंग, वेनमिन झांग, धनपाल गोविंदराजुलु, डैनियल ऑर्टिज़-गोंज़ालो और रासमस फेंशोल्टन के बड़े दल ने भारत के विभिन्न हिस्सों में आंचलिक क्षेत्रों में जा कर शोध कर पाया कि अब खेत किनारे छाया मिलन मुश्किल है। इसके कई विषम परिणाम खेत झेल रहा है।

जब देश में बढ़ता तापमान व्यापक समस्या के रूप में सामने खड़ा है और सभी जानते हैं कि धरती पर अधिक से अधिक हरियाली की छतरी ही इससे बचाव का जरिया है। ऐसे में इस शोध का यह परिणाम गंभीर चेतावनी है कि बीते पांच वर्षों में हमारे खेतों से 53 लाख फलदार व छायादार पेड़ गायब हो गए हैं। इनमें नीम, जामुन, महुआ और कटहल जैसे पेड़ प्रमुख हैं।

इन शोधकर्ताओं ने भारत के खेतों में मौजूद 60 करोड़ पेड़ों का नक्शा तैयार किया और फिर लगातार दस साल उनकी निगरानी की। कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अध्ययन के अनुसार, देश में प्रति हेक्टेयर पेड़ों की औसत संख्या 0.6 दर्ज की गई। इनका सबसे ज्यादा घनत्व उत्तर-पश्चिमी भारत में राजस्थान और दक्षिण-मध्य क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में दर्ज किया गया है। यहां पेड़ों की मौजूदगी प्रति हेक्टेयर 22 तक दर्ज की गई। रिपोर्ट से सामने आया कि खेतों में सबसे अधिक पेड़ उजाड़ने में तेलंगाना और महाराष्ट्र अव्वल रहे हैं। जिन पेड़ों को 2010-11 में दर्ज किया गया था उनमें से करीब 11 फीसदी बड़े छायादार पेड़ 2018

इन शोधकर्ताओं ने भारत के खेतों में मौजूद 60 करोड़ पेड़ों का नक्शा तैयार किया और फिर लगातार दस साल उनकी निगरानी की। कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अध्ययन के अनुसार, देश में प्रति हेक्टेयर पेड़ों की औसत संख्या 0 .6 दर्ज की गई। इनका सबसे ज्यादा घनत्व उत्तर-पश्चिमी भारत में राजस्थान और दक्षिण-मध्य क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में दर्ज किया गया है। यहां पेड़ों की मौजूदगी प्रति हेक्टेयर 22 तक दर्ज की गई। रिपोर्ट से सामने आया कि खेतों में सबसे अधिक पेड़ उजाड़ने में तेलंगाना और महाराष्ट्र अव्वल रहे हैं। जिन पेड़ों को 2010-11 में दर्ज किया गया था उनमें से करीब 11 फीसदी बड़े छायादार पेड़ 2018 तक गायब हो चुके थे।

तक गायब हो चुके थे। बहुत जगहों पर तो खेतों में मौजूद आधे पेड़ गायब हो चुके हैं। अध्ययन से यह भी पता चला है कि 2018 से 2022 के बीच करीब 53 लाख पेड़ खेतों से अदृश्य थे। यानी इस दौरान हर किमी क्षेत्र से औसतन 2.7 पेड़ नदारद मिले। वहीं कुछ क्षेत्रों में तो हर किमी क्षेत्र से 50 तक पेड़ गायब हो चुके हैं।

यह विचार करना होगा कि आखिर किसान ने अपने खेतों से पेड़ों को उजड़ा क्यों? यह किसान भलीभांति जानता है कि खेत कि मेढ़ पर छायादार पेड़ होने का अर्थ है, पानी संचयन, पत्ते और पेड़ पर बिराजने वाले पंछियों की बीट से निशुल्क कीमती खाद, मिट्टी की मजबूत पकड़ और सबसे बड़ी बात-खेत में हर समय किसी बड़े बूढ़े के बने रहने का एहसास। इन पेड़ों पर पक्षियों का बसेरा भी रहता था। जो फसलों में लगने वाले कीट-पतंगों से रक्षा करते थे। फसलों को नुकसान करने वाले कीटाणु सबसे पहले मेड़ के पेड़ पर ही बैठते हैं। उन पेड़ों पर दवाओं को छिड़काव कर दिया जाए तो फसलों पर छिड़काव करने से बचत हो सकती है। जलावन, फल- फूल से अतिरिक्त आय तो है ही।

इसके बावजूद नीम, महुआ, जामुन, कटहल, खेजड़ी (शमी), बबूल, शीशम, करोई, नारियल आदि जैसे बहुउद्देशीय पेड़ों का काटा जाना, जिनका मुकुट 67 वर्ग मीटर या उससे अधिक था, किसान की किसी बड़ी मजबूरी की तरफ इशारा करता हैं। एक बात समझनी होगी कि हमारे यहां तेजी से खेती का रकबा कम होता जा रहा है। एक तो घरों में ही खेती की जमीन का बंटवारा हुआ, फिर लोगों ने समय-समय पर व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए खेतों को बेचा। आज से पचास साल पहले 1970-71 तक देश के कुल किसानों में से आधे किसान सीमांत थे। सीमांत यानि जिनके पास एक हेक्टेयर या उससे काम जमीन हो। 2015-16 आते-आते सीमांत किसान बढ़कर 68 प्रतिशत हो गए हैं। अनुमान यही आज इनकी संख्या 75 फीसदी है। सरकारी आंकड़ा कहता है कि सीमांत किसानों की औसत खेती 0.4 हेक्टेयर से घटकर 0.38 हेक्टेयर रह गई है। ऐसा ही छोटे, अर्ध मध्यम और मझोले किसान के साथ हुआ। कम जोत का सीधा असर किसानों की आय पर पड़ा है। अब वह जमीन के छोटे से टुकड़े पर अधिक कमाई चाहता है तो उसने पहले खेत की चौड़ी मेंढ़ को ही तोड़ डाला। इसके चलते वहां लगे पेड़ कटे। उसे लगा कि पेड़ के कारण हाल चलाने लायक भूमि और सिकुड़ रही है तो उसने पेड़ पर कुल्हाड़ी चला दी। इस लकड़ी से उसे तात्कालिक कुछ पैसा भी मिल गया। इस तरह घटती जाट का सीधा सर खेत में खड़े पेड़ों पर पड़ा। सरकार खेतों में पेड़ लगाने की योजना, सब्सिडी के पोस्टर छापती रही और किसान अपने काम होते रकबे को थोड़ा सा बढ़ाने की फिराक में धरती के श्रंगार पेड़ों को उजाड़ता रहा। देश में बड़े स्तर पर धान बोने के चस्के ने भी बड़े पेड़ों को नुकसान पहुंचाया। साथ ही खेतों में मशीनों के इस्तेमाल बढ़ने ने भी पेड़ों की बली ली। काई बार भारी भरकम मशीनें खेत की पतली पगडंडी से लाने में पेड़ आड़े आते थे तो तात्कालिक लाभ के लिए उन्हें काट दिया गया।

यह किस से छुपा नहीं हैं कि चरम मौसम की हर अवस्था खेत की फसल को नुकसान पहुंचाती है-अधिक गर्मी में डायना छोटा हो जाता है तो अधिक बरसात में फसल गिर कर सड़ने की संभावना ज्यादा होती है। यदि खेत में छायादार पेड़ हों तो हर चरम मौसम में ये फसल के लिए राहत की निशानी होते हैं। यह कड़वा सच है कि जमीन उपयोग के विस्तार से खेत तो कम होंगे ही, लेकिन पेड़ों का कम होना मानवीय अस्तित्व पर बड़े संकट का आमंत्रण हैं। आज समय की मांग है कि खेतों के आसपास सामुदायिक वानिकी को विकसित किया जाए, जिससे जमीन की उर्वरा, धरती की कोख का पानी और हरियाली का सारा बना रहे।

प्रसंगवश

साहित्य में पर्यावरण चिंतन

प्रो. मीना यादव
हिंदी विभाग, बरेली कॉलेज बरेली

पर्यावरण विमर्श आधुनिक जीवन में महत्वपूर्ण और चर्चित विषय है। पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक सौंदर्य, वन्य जीवन, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण से संबंधित कहानियां और गीतों का विवेचन भी साहित्य में एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। मनुष्य ने अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए आरंभ में प्रकृति को समझने, उसे नियंत्रित करने में और अनुकूल बनाने की कोशिश की। मनुष्य प्रकृति की देखी-अनदेखी शक्तियों से डरा और उसे प्रसन्न करने के लिए उसकी वंदना में ऋचाएं और गीत भी लिख डाले। दुर्दम्य प्रकृति को उसने उस मात्रा में अपने अनुकूल बना लिया जितना कि उसके जीवन रक्षा के लिए आवश्यक था। वेदों की ऋचाएं हो या आदि कवि की वाणी सब में प्रकृति और मनुष्य का सहज संबंध व्यक्त किया गया है। रामायण, महाभारत, कालिदास संस्कृत साहित्य की अन्य महाकाव्यात्मक कलेवर वाली रचनाओं में प्रकृति और मनुष्य का सहज संबंध प्रदर्शित होता नजर आ रहा है। इन्हीं महाकाव्यात्मक कथानकों को आधार बनाकर आधुनिक काल में लिखी गई रचनाओं में जनजीवन और प्रकृति का बदला हुआ संबंध साफ दिखाई देता है।

आदिकालीन वीर काव्यात्मक रचनाओं में प्रकृति का वर्णन वीर काव्य की पृष्ठभूमि के अनुरूप हुआ है। साथ ही एक दूसरा बड़ा क्षेत्र जीवन की क्षणभंगुरता को दिखाने के लिए प्रकृति को उपदेश की तरह पेश करना है-कबीर आदि भक्त कवियों में यह बखूबी देखा जा सकता है जैसे "माली आवत देखकर कलियां करें पुकार फूली फूली सब चुन लियो काल्ह हमारी बार"।

इसी तरह गर्मी के मौसम की निकटता को प्रकट करने के लिए बिहारी ने लिखा है- "कहलाने एके बसत अहि मयूर, मृग बाध जगत तपोवन सो कियो दीरघ दाघ निदाघ"।

प्रकृति के साथ तालमेल और उत्प्रेरणा का शानदार उदाहरण आधुनिक काल के हिंदी साहित्य का छायावादी काव्य है। यहां प्रकृति सिर्फ लुभाती नहीं है। वह प्रसन्नता तथा सुख-दुख की साथी भर नहीं है। वह प्रेरणा है, बंधन से मुक्ति की। 1930 का भारत जिसमें औपनिवेशिक गुलामी के बंधन में छटपटाता भारत है वही प्रकृति की उन्मुक्तता, बंधनहीनता, आत्मीयता, निराशा पूर्ण वातावरण में आशा और प्रफुल्लता का संचार करती है। मनुष्य को अपने बंधनों से मुक्त होकर स्वतंत्र भाव से जीने की प्रेरणा भी रचनाकारों को प्रकृति से मिली।

प्रकृति का मानवीकरण छायावाद की एक अद्भुत संवृति थी, जो छायावाद में घटित हुई महादेवी वर्मा ने इस विचार को अपने साहित्य में स्थान दिया और नामवर सिंह ने छायावाद शीर्षक से अपनी आलोचना पुस्तक में इसे स्थापित किया। कामायनी (जयशंकर प्रसाद) की चिन्ता प्रकृति और मनुष्य समाज के बीच का बढ़ता असंतुलन है। इसका कारण प्रसाद ने आधुनिक पूंजीवादी सभ्यता के लालच को ठहराया है। प्रसंगवश कहा जाए कि वर्तमान में असीमित पूंजीवादी लालच का दूसरा नाम विकास है। प्रकृति के साथ तालमेल और उत्प्रेरणा का शानदार उदाहरण आधुनिक काल के हिंदी साहित्य का छायावादी काव्य है। प्रकृति का मानवीकरण छायावाद की एक अद्भुत संवृति थी, जो छायावाद में घटित हुई। महादेवी वर्मा ने इस विचार को अपने साहित्य में स्थान दिया और नामवर सिंह ने छायावाद शीर्षक से अपनी आलोचना पुस्तक में इसे स्थापित किया। कामायनी (जयशंकर प्रसाद) की चिन्ता प्रकृति और मनुष्य समाज के बीच का बढ़ता असंतुलन है।

इसका कारण प्रसाद ने आधुनिक पूंजीवादी सभ्यता के लालच को ठहराया है। जीने के लिए जरूरी चीजों से ज्यादा प्रकृति के पास है लेकिन मनुष्य के लालच और मुनाफे के लिए नहीं। लालच से असंतुलित होकर प्रकृति क्रुद्ध रूप धारण करती है और फिर सब कुछ नष्ट हो जाता है। प्रसंगवश कहा जाए कि वर्तमान में असीमित पूंजीवादी लालच का दूसरा नाम विकास है इस कारण हम आज पर्यावरण संतुलन की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। छायावाद के महत्वपूर्ण कवि सुमित्रानंदन पंत प्रकृति के सुकुमार कवि कहलाए तो सूर्यकांत त्रिपाठी निराला ने स्वयं को बसंत का अग्रदूत कहा। नागार्जुन की रचना-वरुण के बेटे, सर्वेश्वर की-कुआनो नदी, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की-भेड़िया, नासिरा शर्मा की-कुइयांजान, काशीनाथ सिंह का-जंगल जातकम, रत्नेश्वर कुमार सिंह की-एक लड़की पानी पानी पर्यावरण के संदर्भ में लिखी गई है। पर्यावरण की समस्या अंतर्राष्ट्रीय समस्या है इस समस्या पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन भी होते रहते हैं। आज धरातल पर इस दिशा में ठोस कार्य किया जाना बाकी है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता : अर्थ और प्रयोजन

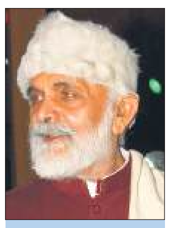

डॉ. चन्द्रविजय चतुर्वेदी
प्रयागराज

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ और प्रयोजन है की वेदनाओं से आहत लोक को करुणा के भाव से समाधान मिले। क्रूर मजाकों का पर्दाफाश हो।

भारतीय संविधान में स्वतंत्रता का अधिकार मूल अधिकारों में शामिल किया गया है, जिसमे भारतीय नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सहित छह प्रकार की स्वतंत्रता दी गई हैं। संविधानविदों ने कदाचित सोचा होगा कि लोकतांत्रिक पद्धति में विभिन्न राजनैतिक विचारों का प्रादुर्भाव होगा। अतः यह आवश्यक है कि नागरिकों के सोच विचार का स्वागत होना चाहिए जिससे रचनात्मक प्रवृत्ति को बल मिले।

लोकतांत्रिक समाज के लोकतांत्रिक पद्धति के विकास के लिए विचारों का खंडन मंडान, तर्क-वितर्क, आरोप-प्रत्यारोप नकारा नहीं जा सकता परन्तु इसके साथ साथ यह भी अपेक्षित है कि यह सब मर्यादित तरीके से होना चाहिए, संयत भाषा में, सौम्यनसता के साथ, सैद्धांतिक सच को मुखरित करते हुए। प्रयोजन होना चाहिए अपने विचारों के माध्यम से व्यापक हित में रचनात्मक तत्वों को प्रतिस्थापित करना।

आजादी के पूर्व से ही अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के एक सबल पक्ष के रूप में पत्रकारिता को अनौपचारिक रूप से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में समाज में महत्व मिला जिसका एक गौरवपूर्ण इतिहास और परंपरा रहा है। उम्मीद जगी की पत्रकारिता लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में व्यक्ति, समाज, और विचार के अभिव्यक्ति का प्रमुख कारक बनते हुए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का रक्षक बनेगा। समय की बात है तमाम अन्य मूल्यों के ह्रास के साथ साथ ही पत्रकारिता भी ह्रास के प्रभाव से मुक्त नहीं रह सका। इसका भी जितना राजनीतिकरण, बाजारीकरण हुआ, उतना लोकीकरण नहीं हो पाया।

पत्रकारिता अब जो प्रमुख रूप से मीडिया और सोशल मिडिया के रूप में स्थापित हो गया है। इस इलेक्ट्रानिक युग में, आज सर्वाधिक लांछित किया जा रहा है। इस लांछन से कि यही सबसे अधिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरूपयोग कर रहा है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समस्यायों को गंभीर बनाने का प्रयास किया जाता है, समाधानों को भटकाया जाता है, अतिवाद को प्रोत्साहित किया जाता है, सत्य और सार्थक अभिव्यक्ति की उपेक्षा होती है, लोक को दिग्भ्रमित किया जाता है। यह बिडंबना ही है कि जिस पत्रकारिता पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संरक्षण का उत्तरदायित्व रहा है, वही कटघरे में खड़ा किया जा रहा है।

विगत कई वर्षों से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रश्न संविधानविदों, राजनीतिज्ञों तथा न्यायविदों के चिंतन का विषय रहा है। समय समय पर इसके अर्थ और प्रयोजन को भी विद्वजनों ने व्याख्यायित भी किया है। यह सच है कि किसी विचार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता वहीं तक हो सकती है जिससे किसी अन्य के अधिकार, स्वतंत्रता पर न तो प्रहार हो, न ही उसका हनन हो। सामान्य रूप से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अर्थ और प्रयोजन को परिभाषित किया जा सकता है कि सच्चाई और साहस के साथ कल्याणकारी विचारों को सुन्दरतापूर्वक देश के, समाज के समक्ष मुखरित करना। अभिव्यक्ति में न तो निरंकुशता होनी चाहिए न ही मनमानीपन, न ही कुंठा, न अतिवादिता। सत्य सबके लिए एक होता है। एक के लिए जो कल्याणकारी है वह दूसरों के लिए अकल्याणकारी क्यों कर है। सौंदर्यबोध संवेदना की चेतना पर निर्भर करता है। अभिव्यक्ति का आवश्यक कारक है -संवेदनशीलता, सौमनस्यता और समन्वय। स्वतंत्रता एक उत्कृष्ट मूल्य है इसे स्वच्छंदता और अराजकता न बनाया जाए।

आज के परिप्रेक्ष्य में, इस विपत्तिकाल में जब मानव अस्तित्व के संकट से गुजर रहा है। ऐसी स्थिति में मीडिया सोशल मीडिया पर संवेदनहीन अमर्यादित बहसें, वाट्सअप पर अतिवादी अनर्गल प्रसारण, अमानवीयता की पराकाष्ठा है जो संवेदनशीलता, सौमनस्यता, समन्वय पर ही क्रूर प्रहार कर रहे है-फिर क्या शेष बच पाएगा। विपत्ति का राजनीतिकरण सारी मर्यादायों का उल्लंघन करता जा रहा है। निरीह किंकर्तव्यविमूढ़ अन्यान्य वेदनाओं को झेलता लोक समझ नहीं पा रहा है कि उसके साथ कौन यह क्रूर मजाक कर रहा है। समय सब कुछ जानता है वह किसी को क्षमा नहीं करता।

ऐसी स्थिति में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ और प्रयोजन है की वेदनाओं से आहत लोक को करुणा के भाव से समाधान मिले। क्रूर मजाकों का पर्दाफाश हो। आसन्न संकट का संवेदनशीलता, सौमनस्यता, समन्वय के साथ सामर्थ्यवान हल ढूंढे।

सोशल फोरम

आत्ममंथन का समय

डॉ. अरविंद मिश्र
वरिष्ठ विज्ञान संचारक

उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में भाजपा की दुर्गति का विश्लेषण चलता रहेगा। मगर तमाम दुरभिसंधियों, दुष्प्रचारों, टूल किटों और बाह्य हस्तक्षेपों के बावजूद एनडीए का राष्ट्रीय स्तर पर सबसे बड़ी गठबंधन की पार्टी के रुप में उभरना कोई कम उपलब्धि नहीं है। एक संकेत स्पष्ट देख रहा हूं कि इस बार वोट जिहाद का फतवा कामयाब हुआ है। इसलिए भाजपा को अभी और दृढ़ता के साथ अपने एजेंडे पर कायम रहना चाहिए। मोदी के नाम पर जिस तरह की आत्ममुग्धता, बेपरवाही भाजपा के पूरे कैडर में व्याप्त है उससे यथाशीघ्र उबरना होगा। उत्तर प्रदेश में प्रत्याशियों के चयन में घोर चूक की गई। स्थानीय नेतृत्व के बजाय जबर्दस्ती प्रत्याशी थोपे गए। अमित शाह द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री की उपेक्षा करके प्रत्याशी उतारे गए, ऐसी चर्चाएं आम जनता में व्याप्त है। कहीं कहीं दूसरे चर्चित और लोकप्रिय प्रत्याशियों को भाजपा के प्रत्याशी के पक्ष में जबरिया बैठा दिया गया। जनता को यह धौंसबाजी पसंद नहीं आई। इस सीमा तक जाने की जरुरत नहीं थी। दुष्परिणाम सामने है। जनता के मनोभावों और नब्ज को पकड़ने में उत्तर प्रदेश में भाजपा से चूक अवश्य हुई है।

संविधान को मोदी बदल देंगे। पिछड़ी जातियों और दलितों का आरक्षण छीन लेगी जैसे अनर्गल प्रचारों की काट कर पाने में भाजपा कैडर पूरी तरह नाकाम रहा। तरह-तरह की गलतबयानियां होती रहीं, फिजां बदलती रही मगर भाजपा कैडर केवल मोदी का चेहरा देखता रहा। न तो होमवर्क किया और न ही ग्राऊंड वर्क। यह भी एक सपाट सत्य है कि भाजपा के साथ अति पिछड़ों और दलित का जो एक बड़ा सपोर्ट था वह उत्तर प्रदेश में उससे खिसक गया। सभी भाजपाई इसी खयाम खयाली में डूबे रहे कि मोदी हैं तो मुमकिन है। बाकी छुट्टे गोवंश से फसलों का नुकसान आदि मुद्दे प्रभावी रहे। बहरहाल जो हुआ सो हुआ। अभी केंद्र में और प्रदेश में भाजपा का शासन ही है। उसे अपनी भूलों से सबक लेकर समर्पित भाव से जनता जनार्दन की सेवा में अभी से जुट जाना चाहिए। 2027 का विधान सभा चुनाव अब लक्ष्य होना चाहिए।

-फेसबुक वॉल से

400 पार: अहंकार पर प्रहार

रघोत्तम शुक्ला
सेवानिवृत्त पीसीएस

करुणानिधि मन दीख विचारी। उर अंकुरेउ गर्व तरु भारी/ बेगि सो मैं डारिहउँ उखारी।पन हमार सेवक हितकारी।। वही हुआ। दो तिहाई से ज्यादा बहुमत की कहीं आवश्यकता नहीं होती है।

कुछ काम करने और अधिक भावनात्मक मुद्दे उभार कर, अतिशय प्रचार द्वारा अनिश्चित काल तक देश पर राज्य करने के नरेंद्र मोदी के सपने को ग्रहण लग गया है। उनकी अपनी पार्टी 240 के आसपास सिमट रही है। रही बात एनडीए गठबंधन की, तो राजनीति में कोई स्थायी मित्र या शत्रु नहीं होता। कोई किसी से मिल सकता है। स्वार्थ सिद्ध होना चाहिए। पर्दे के पीछे की वार्ताओं के दौर शुरू हो गए हैं। ऊंट किस करवट बैठेगा, यह चंद रोज़ में साफ हो जाएगा, किंतु इतना तो स्पष्ट हो ही गया है कि भाजपा का नारा 'अबकी बार, चार सौ पार' ध्वस्त हो गया और मोदी-शाह का अहंकार चूर चूर। यह पार्टी भगवान और धर्म वाली मानी जाती थी। इन्हें यह जान लेना चाहिए था कि भगवान गर्व-प्रहारी हैं। समय समय पर उन्होंने अपने भक्तों के भी अहंकार चूर्ण किए हैं, दैत्यों की कौन कहे। नारद जी को जब अहंकार हुआ कि उन्होंने काम को जीत लिया और सब जगह गाते फिरे, तो शंकर जी ने उन्हें मना किया कि भगवान विष्णु को यह प्रसंग न सुनाना। वे नहीं माने और क्षीरसागर जाकर श्री हरि को अपनी अहंकार मूलक काम विजय कथा सुना ही डाली। बस फिर क्या था भगवान ने गर्व चूर्ण करने की ठान ली-

करुणानिधि मन दीख विचारी। उर अंकुरेउ गर्व तरु भारी/ बेगि सो मैं डारिहउँ उखारी।पन हमार सेवक हितकारी।। वही हुआ। दो तिहाई से ज्यादा बहुमत की कहीं आवश्यकता नहीं होती है। पार्टी ने अधिनायकवाद पनपाया। व्यक्ति पूजा शुरू हो गई। जनता से कहा गया 'समझो हर सीट से मोदी खड़े हैं'। मोदी को भगवान बताने की होड़ लग गई। राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि 'पुरी के जगन्नाथ स्वामी भी मोदी के भक्त हैं'। एक कार्यक्रम में एक विशाल माला मोदी के गले में डाली जा रही थी, तो राजनाथ सिंह और जेपी नड्डा ने भी अपना सिर उसमें डाल दिया। अमित शाह ने तुरंत इशारा किया और इन नेताओं को माला के बाहर सिर करना पड़ा। यह दंभ! पार्टी के एक से एक कद्दावर नेताओं को दूध की मक्खी की तरह तिरस्कृत किया गया। विपक्षी मुख्यमंत्री तक जेल में डाले गए। जिस पर मोदी की निगाह टेढ़ी हुई, उस के पीछे प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग और सीबीआई लगाए गए। लोकतंत्र दम तोड़ रहा था। नारा यहां तक दिया गया कि 'मोदी राम को लाए हैं'। अतः अब राम उन्हें लाएंगे'। यानी राम अपने ऊपर किए गए उपकार का बदला देंगे। इस सारे अहंकार को चूर्ण होना ही था। अच्छा हो कि भाजपा अपने संसदीय दल का नेता अब मोदी के अतिरिक्त किसी दूसरे को चुने और तब आगे बढ़े।

ग्लोब स्किमर ड्रैगनफ्लाई केन्या से हिमालय में पहुंचे

राकेश सनवाल
पत्रकार, भीमताल

यदि आप हिमालय क्षेत्र में रहते हैं तो इन दिनों और एक विशेष प्रकार की ड्रैगनफ्लाई हजारों लाखों की संख्या में अपने आस पास उड़ते हुए देख रहे होंगे। यह ड्रैगनफ्लाई इन दिनों अरबों खरबों और उससे भी अधिक संख्या में इन दिनों हिमालय क्षेत्र में प्रवास में आई हुई हैं। बटर फ्लाई शोध संस्थान के निदेशक पीटर स्मैटाचैक बताते हैं कि यह ड्रैगन फ्लाई अपनी चौथी पीढ़ी के रूप में इन दिनों हिमालय क्षेत्र में हैं। बताते हैं कि अभी यह ड्रैगनफ्लाई भारत में केन्या से आई है। अभी इसकी यह पीढ़ी भारत में अंडे देगी और मर जाएगी। अंडों से निकली ड्रैगन फ्लाई फिर केन्या वापस जाएगी। वहां वह पीढ़ी अंडे देगी और वह मर जाएगी। उन अंडों से निकले बच्चे केन्या से दक्षिण अफ्रिका जाएंगे। वहां अंडे देंगे और मर जाएंगे। वहां अंडों से निकले बच्चे केन्या का रूख करते हैं और वहां अंडे देंगे। वहां भी अंडे देने के बाद वह मर जाएगी और वहां अंडों से निकले बच्चे फिर भारत पहुंचेंगे। बताते हैं कि यह चार पीढ़ी में लगभग 25 हजार किमी का सफर तय करते हैं।

ग्लोब स्किमर ड्रैगनफ्लाई

दक्षिण भारत में पाई जाने वाली ड्रैगन फ्लाई भी इसी प्रजाति की ड्रैगनफ्लाई है। दक्षिण भारत की यह ड्रैगन फ्लाई माइग्रेट नहीं करती है।

पीटर स्मैटाचैक
निदेशक, बटर फ्लाई शोध संस्थान

अमूर फाल्कन से इस ड्रैगन फ्लाई का विशेष संबंधः अमूर फाल्कन बाज़ परिवार का एक छोटा शिकारी पक्षी है। यह दक्षिणी और पूर्वी अफ्रीकी तटों में सर्दियों के लिए भारत और अरब सागर में बड़े झुंडों में प्रवास करने से पहले दक्षिण-पूर्वी साइबेरिया और उत्तरी चीन में प्रजनन करता है। पक्षी विशेषज्ञों के मुताबिक अमूर फाल्कन एक मात्र ऐसा मांसहारी पक्षी है जो कि माइग्रेट करते हुए समुद्र के बीच से भी गुजरती है और ऐसे में भी कभी यात्रा के दौरान नहीं उतरती है। बताते हैं कि अमूर फाल्कन ग्लोब स्किमर ड्रैगनफ्लाई के साथ उड़ान भरती है और रास्ते में इनको खाती है और इसलिए रास्ते भर उसको भोजन मिलता रहता है। बाकी माइग्रेट पक्षी समुद्र के किनारे किनारे माइग्रेट करती हैं।

एक नजर

घर में फंदे से लटका मिला युवक का शव

अमेठी। कोतवाली क्षेत्र के रायपुर फुलवारी अमेठी कस्बे में सोमवार की देर शाम कमरे में युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। कस्बे के रायपुर फुलवारी निवासी नंदलाल सरोज का 18 वर्षीय पुत्र पंकज सरोज सोमवार की शाम कहीं से घूमकर घर आया। वह अपने कमरे में चला गया। काफी देर तक जब वापस नहीं लौटा तब उसकी मां उसे ढूंढने गई। देखा तो उसका शव कमरे में फंदे से लटक रहा था। अमेठी प्रभारी निरीक्षक कृष्ण मोहन सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का कारण पता चल सकेगा।

संस्थान ने राहगीरों के लिए लगवाया प्याऊ

अमेठी। विकासखंड जगदीशपुर की ग्राम पंचायत उतेलवा में सेंटर ऑफ टेक्नोलॉजी एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सीटेड द्वारा राहगीरों के लिए प्याऊ लगवाया गया है। जिससे राहगीर शीतल जल पीकर प्यास बुझा सकेंगे। ई. संजय सिंह निदेशक सीटेट ने प्याऊ का उद्घाटन किया। कहा कि पूरी गर्मी भर संस्था के माध्यम से लोगों को ठंडा जल उपलब्ध कराया जाएगा। इस मौके पर सत्येंद्र सिंह, महेंद्र यादव, सुशील सिंह, अरविंद श्रीवास्तव, सतीश यादव, अजय शुक्ला, आयुषी, मधु पांडे, नेहा श्रीवास्तव, नेहा सैनी, मुकेश, शिवांगी आदि मौजूद रहीं।

घर वाले सोते रहे, चोरों ने पार किया माल

हसनगंज, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के कस्बा न्योतनी के फरहदपुर निवासी राकेश पुत्र बाबू लाल गांव की आम मंडी में चाट का ठेला लगाता है। उसने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह सोमवार की रात खाना खाने के बाद परिवार सहित छत में सोने चला गया। रात में चोर दरवाजे का ताला तोड़कर नीचे कमरे में दाखिल हुए और अलमारी का ताला तोड़कर उसमे रखे जेवर और 30 हजार रुपए उठा ले गए। भोरपहर वह नीचे आया तो ताला टूटा और समान बिखरा पड़ा देख उसके होश उड़ गए। गृह स्वामी की सूचना पर पहुंची पुलिस जांच कर लौट आई। एसएचओ चंद्र कांत मिश्र ने बताया तहरीर मिली है।

पत्नी के वियोग में युवक ने निगला जहरीला पदार्थ

शुक्लागंज उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ले में रहने वाले युवक की पत्नी कहीं चली गई। जिस पर उसने शक के आधार पर एक युवक को फोन मिलाया और पत्नी के बारे में पूछा। इस दौरान आरोप है कि युवक ने जान से मारने की धमकी दी। उसने पुलिस से शिकायत की लेकिन पुलिस ने उसे चलता कर दिया। जिससे आहत होकर उसने जहरीला पदार्थ निगल लिया। हालत बिगड़ने पर उसे इलाज के लिये जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज जारी है।

कांग्रेस प्रत्याशी केएल शर्मा ने रिकार्ड मतों से दर्ज की जीत

भाजपा प्रत्याशी व केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को 1,66,022 मतों के अंतर से हराया, कांग्रेस समर्थकों में हर्ष

संवाददाता, अमेठी

अमृत विचार। 18वीं लोकसभा के लिए हुए हुए चुनाव के परिणाम में बड़ा उलट फेर देखने को मिला है। यहां से 2019 के लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज करने वाली केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा ने रिकार्ड मतों से हराया है। भाजपा प्रत्याशी स्मृति ईरानी को कुल 3,70,470 मत मिले जबकि कांग्रेस के किशोरी लाल शर्मा को 5,36,492 वोट मिले। इस तरह केएल शर्मा ने 1,66,022 मतों के अंतर से जीत दर्ज की है। मंगलवार को मतगणना शुरू होने के बाद से ही किशोरी लाल शर्मा लगातार बढ़त बनाए हुए थे। दोपहर होते-होते उनकी जीत तय हो चुकी थी। भाजपा प्रत्याशी कहीं भी टक्कर देते हुए नहीं दिखीं। सुबह से ही जिले के कांग्रेस व सपा नेताओं व समर्थकों में जश्न माहौल था। फाइनल परिणाम सामने आते ही बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया। किशोरी लाल शर्मा की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली प्रियंका गांधी ने सबसे पहले जीत की बधाई दी। स्मृति ईरानी ने पिछले लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को 55 हजार वोटो से हराया था।

किशोरी लाल शर्मा को जीत का प्रमाण देतीं जिलाधिकारी निशा अनंत।

प्रियंका गांधी की एक्स पर प्रतिक्रिया

किशोरी लाल शर्मा की बड़ी जीत दर्ज होने के बाद कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी काफी खुश नजर आईं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर दोपहर में केएल को बधाई दी। प्रियंका गांधी ने लिखा, "किशोरी भैया, मुझे कभी कोई शक नहीं था, मुझे शुरू से यकीन था कि आप जीतोगे। आपको अमेठी के मेरे प्यारे भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई।" बता दें कि केएल शर्मा पंजाब के जालंधर से आने वाले चार दशक तक रायबरेली और अमेठी में गांधी परिवार का कामकाज देखा। श्री शर्मा सोनिया गांधी ही नहीं, बल्कि राहुल गांधी से भी जुड़े रहे।

शुरुआत में मायूस हो गए थे कांग्रेस कार्यकर्ता

लोकसभा चुनाव शुरू होने से पहले जब अमेठी और रायबरेली के लिए कांग्रेस ने उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया तो रायबरेली में कार्यकर्ता खुश थे क्योंकि उन्हें सोनिया गांधी के बाद राहुल गांधी के तौर पर उम्मीदवार मिला था। लेकिन अमेठी के कार्यकर्ताओं में मायूसी छा गई थी। अमेठी की जनता राहुल या प्रियंका को उम्मीदवार बनाए जाने की उम्मीद में थे। केएल शर्मा के उम्मीदवार बनने की वजह से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भी मान लिया था कि अब शायद ही भाजपा प्रत्याशी स्मृति ईरानी के खिलाफ जीत हो सके। लेकिन समय बीतने के साथ माहौल बदला और प्रियंका गांधी ने खुद अमेठी में मोर्चा संभाला। कई दिनों तक अमेठी के गांव-गांव जाकर जनसभाएं की और आखिरकार केएल शर्मा की जीत की दहलीज तक पहुंचा दिया। केएल शर्मा को अमेठी से टिकट देने के पीछे कांग्रेस की बड़ी रणनीत मानी जा रही थी। प्लानिंग यह थी कि यदि अमेठी में किशोरी लाल शर्मा की जीत होगी तो यह बड़ी खबर होगी। चर्चा होगी कि कांग्रेस के एक आम कार्यकर्ता ने केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को हरा दिया। वहीं, किशोरी लाल शर्मा अगर स्मृति से हार भी जाते हैं तो भी स्मृति ईरानी के लिए कोई बड़ी उपलब्धि नहीं होगी। क्योंकि पिछले लोकसभा चुनाव में उन्होंने राहुल गांधी जैसे दिग्गज नेता को हराया था।

अमेठी का यह चुनाव ऐतिहासिक : केएल

लोकसभा चुनाव जीतने के बाद किशोरी लाल शर्मा ने अमेठी की जनता और कांग्रेस पार्टी के प्रति आभार प्रकट किया। कहा कि मजबूत और सशक्त लोकतांत्रिक देश का सबसे बड़ा उदाहरण के लिए 18वीं लोकसभा के लिए अमेठी में हुए इस चुनाव को ही याद किया जाएगा। राष्ट्रीय पटल पर सुप्रसिद्ध अमेठी एवं यहां की जनता का राजनैतिक मेलजोल बड़ा ही अद्भुत, अनुकरणीय और शिखर पर रहा। श्री शर्मा ने कहा कि यह मेरी नहीं बल्कि संपूर्ण अमेठी परिवार की जीत है। सबको यह विश्वास दिलाता हूं कि अमेठी आम जनमानस का आदेश, निर्देश व सुझाव का मैं सदैव पालन करूंगा। आप सब के प्रति समर्पण, त्याग प्यार, स्नेह और सम्मान के साथ जनहित कार्यों में सतत प्रयत्नशील रहूंगा।

पंजाब के लुधियाना से आते हैं केएल शर्मा

किशोरी लाल शर्मा या केएल शर्मा मूल रूप से पंजाब के लुधियाना के रहने वाले हैं। वह पहली बार 80 के दशक में गांधी परिवार के करीब आए। धीरे-धीरे राजीव गांधी से नजदीकी बढ़ी। साल 1983 में जब पहली बार राजीव गांधी ने रायबरेली और अमेठी में कदम रखा, तब शर्मा भी उनके साथ वहां गए। राजीव गांधी की असमय मौत के बाद गांधी परिवार से उनके रिश्ते और गहरे हुए। एक तरीके शर्मा, गांधी परिवार के ही होकर रह गए।

हार के बाद स्मृति ने प्रेस कान्फ्रेंस कर अमेठी की जनता का जताया आभार

संवाददाता, अमेठी। कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा से मिली करारी हार के बाद भाजपा प्रत्याशी व केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अमेठी की जनता का धन्यवाद किया। कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विशेष आभार व्यक्त करती हूं कि मेरे सांसद के रूप में जिले में 5 वर्षों के अल्प समय में 30 वर्षों के कामों को पूरा कराया। जो चुनाव जीते उनको मेरी तरफ से बधाई। आशा करती हूं कि हमने जितनी निष्ठा के साथ गांव-गांव जाकर जनता की सेवा की, उसी प्रकार से अमेठी की सेवा होती रहेगी। कहा कि अमेठी में संगठन को और सशक्त करेंगे और संगठन पथ पर जैसे अटल जी कहा करते थे, क्या हार में क्या जीत में किंचित नहीं भयभीत मैं, संघर्ष पथ पर जो भी मिले यह भी सही वो भी सही वरदान मांगेंगे नहीं। हम वह हैं जो की पूरी निष्ठा के साथ क्षेत्र की सेवा की और आगे भी संगठन की शक्ति के माध्यम से सेवा करती रहूंगी। सभी संकल्पित कार्यकर्ताओं की ओर से क्षेत्र की जनता के चरणों में वंदन और अभिनंदन।

सोनिया गांधी के दाहिने हाथ हैं केएल शर्मा

राजीव गांधी की मौत के बाद जब सोनिया गांधी सक्रिय राजनीति में उतरीं तो किशोरी लाल शर्मा एक तरीके से उनके दाहिने हाथ बन गए। उनके साथ लगातार रायबरेली और अमेठी जाते रहे। जब सोनिया गांधी ने अपने बेटे राहुल के लिए अमेठी सीट छोड़ी तो किशोरी शर्मा को अमेठी का जिम्मा सौंप दिया। तब से वह लगातार राहुल गांधी का इलेक्शन मैनेज करते आ रहे थे।

जनता की नाराजगी पड़ी भारी

इस बार लोकसभा चुनाव में अमेठी में आखिरकार वही हुआ जिसकी आशंका पहले ही हो गई थी। भाजपा की उम्मीदवार व केंद्रीय मंत्री और अमेठी की सांसद रहीं स्मृति ईरानी को पराजय का स्वाद गांधी परिवार के उस करीबी किशोरी लाल शर्मा से चखना पड़ा, जिन्हें उम्मीदवार बनाए जाने के बाद उन्होंने गांधी परिवार का चपरासी कहा था।

अति आत्मविश्वास व आम जनता से दूरी बनी हार की वजह

जिले में सियासी जानकारों का कहना है कि भाजपा प्रत्याशी की इस अप्रत्याशित हार की कई वजहें हैं। स्मृति को अंदाजा नहीं था कि राहुल गांधी अमेठी छोड़ देंगे। इसीलिए वह अमेठी में अपने काम गिनाने के बजाय पांच साल तक गांधी परिवार और खास तौर से राहुल गांधी को कोसने में ही लगी रहीं। अमेठी के लोगों में इससे उनकी नकारात्मक छवि बनी, जो चुनाव आते-आते नाराजगी में तब्दील हो गई। वहीं दूसरी तरफ किशोरी लाल शर्मा ने अपने प्रचार के दौरान गांधी परिवार से रिश्तों और विकास की कहानी ही बताई। उन्होंने स्मृति ईरानी का एक बार नाम भी नहीं लिया। चुनाव में उनकी अपनी यह रणनीति कारगर रही। मतदाताओं ने उनके इस व्यवहार को पसंद भी किया। स्मृति ईरानी और उनके चुनाव प्रबंधक आत्मविश्वास में वोटरों का मूड भांप नहीं पाये। संगठन को दरकिनार कर दूसरे दलों के एक वर्ग विशेष के नेताओं को तवज्जो देना भी भाजपा प्रत्याशी के लिए घातक साबित हुआ। इन बड़े स्थानीय नेताओं से घिरे रहने की वजह से वह अमेठी की आम जनता से दूर हो गईं। उनके इसी व्यवहार ने भाजपा के कट्टर समर्थकों तक को पार्टी से दूर कर दिया। ऐसा एक बड़ा वर्ग इस बार ईरानी को सबक सिखाने के लिए ही कांग्रेस के पक्ष में चला गया।

केएल शर्मा ने अमेठी में इस तरह बनाई पैठ

2004 में जब पहली बार राहुल गांधी अमेठी से सांसद बने, तब से लगातार किशोरी लाल शर्मा उनके साथ वहां जाते रहे। राहुल की अनुपस्थिति में भी संसदीय क्षेत्र का सारा कामकाज वही संभालते थे। शर्मा को करीब से जानने वाले बताते हैं कि जब तक राहुल गांधी अमेठी से सांसद थे, तब तक श्री शर्मा का हर दूसरे महीने अमेठी आना-जाना होता रहा। राहुल की हार के बाद भी वह अमेठी के संपर्क में रहे। दिल्ली में इलाज से लेकर तमाम दूसरी चीजों में अमेठी के लोगों की मदद करते रहे। केएल शर्मा की अमेठी के हर गांव-मोहल्ले तक पैठ थी, इसी वजह से इस बार कांग्रेस ने उन्हें उतारा। दरअसल, केएल शर्मा गांधी परिवार के पुराने परिचित हैं। वह परिवार के करीबी सहयोगी रहे हैं और लंबे समय तक रायबरेली में सोनिया गांधी का प्रतिनिधित्व करते रहे हैं। वह पार्टी के मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं और गांधी परिवार के चुनाव अभियानों में उन्होंने अहम भूमिका निभाई है। केएल शर्मा राजीव गांधी के करीबी दोस्त थे और लंबे समय से उनके साथ जुड़े हुए थे. वह अमेठी में 1983 और 1991 के चुनावों में एक प्रमुख खिलाड़ी थे, जिन्होंने कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने में मदद की. उन्होंने 1999 में सोनिया गांधी के पहले चुनाव अभियान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके परिणामस्वरूप अमेठी में उनकी जीत हुई।

मुठभेड़ में आरोपी को किया गिरफ्तार

संवाददाता, अमेठी

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के अन्तर्गत दो दिन पूर्व एक युवक के अपहरण के मामले में आरोपी के साथ पुलिस की मुठभेड़ हो गई।

बता दें कि नूर हसन निवासी पूरे बक्शी कस्बा व थाना जायस का 2 जून को तीन नामजद व चार-पांच अज्ञात लोगों ने अपहरण कर लिया था। पुलिस ने सूचना मिलते ही दो घंटे के अंदर अगवा नूर हसन को सकुशल बरामद कर लिया था जबकि अपहरणकर्ता भाग निकले थे। बीते सोमवार को पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। जबकि अन्य साथी फरार हो गए थे। शेष अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमों लगातार काम कर रही थीं।

मंगलवार को रवि कुमार सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना जायस के नेतृत्व में पुलिस, प्रभारी स्वाट व सर्विलांस की संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना पर नसीराबाद रोड रेलवे क्रासिंग के पास घेराबंदी की। कुछ देर बाद बाइक सवार संदिग्ध युवक नसीराबाद से जायस कस्बे की तरफ जाते हुए दिखा। रुकने का इशारा करने पर युवक बाइक छोड़कर भागने का प्रयास करने लगा। पीछा करने पर आरोपी ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में अभियुक्त के पैर में गोली लगी। इसके बाद पकड़े गए अभियुक्त के पास से तमंचा, जिन्दा कारतूस व 01 खोखा कारतूस बरामद किया गया। उसने अपना नाम मो. आजिम निवासी कजियाना थाना जायस बताया। घायल अभियुक्त को अस्पताल पहुंचाया गया।

घटनास्थल पर पड़ी अभियुक्त की बाइक। अमृत विचार

प्रधान पुत्र को रोककर पीटा, चार पर रिपोर्ट

शुक्लागंज उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के कटरी पीपर खेड़ा गैर एहतमाली के प्रधान का बेटा मंगलवार सुबह अपने साथियों के साथ जा रहा था, तभी आरोप है कि कुछ दबंगों ने उसे रोक लिया और मारपीट करते हुये जातिसूचक गालियां दीं। पीड़ित ने आरोपियों पर कार्रवाई को लेकर पुलिस को तहरीर दी। जिस पर पुलिस ने चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। कटरी पीपर खेड़ा गैर एहतमाली के प्रधान उदयराज यादव का बेटा रजेपाल मंगलवार सुबह अपने साथी अजीत के साथ बाइक से जा रहा था, तभी आरोप है कि पंचायत घर के पास उसे उमेश, सुरेश, मनोज, अशोक ने रोक लिया और गाली गलौज करने लगा। जिसका उसने विरोध किया। विरोध करने पर दबंगों ने उस पर जानलेवा हमला कर दिया।

कृष्ण की लीलाओं का किया वर्णन

संवाददाता, अमेठी

अमृत विचार। सेमरा में हो रही श्रीमदभागवत कथा में श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन हुआ। कथा में श्री कृष्ण की बाल लीलाओं को सुन श्रोता भाव विभोर हो गए। मंगलवार को श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन कथा व्यास पंडित गंगा सागर तिवारी ने बताया कि पूतना वध, अघासुर, बकासुर जैसे राक्षसों का अंत करके श्री कृष्ण ने धरती वासियों को सुख दिया।

कहा कि मां यशोदा ने जब श्री कृष्ण के मुख में पूरे ब्रह्मांड को देखा तो वे आश्चर्य चकित हो गई। व्यास ने कथा में गोवर्धन पूजा की कथा सुनाते हुए बताया कि गोवर्धन पर्वत उठाकर इंद्र के जलावृष्टि से श्री कृष्ण ने जहां गोकुल वासियों की रक्षा किया, वहीं इंद्र का भी मान मर्दन किया। कथा यजमान पंडित बाबू लाल तिवारी एवं राम राज त्रिपाठी ने श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। पंडित अवधेश तिवारी एवं आचार्य अनिल पांडेय ने व्यास पीठ का पूजन यजमान से कराया। इस मौके पर डॉ घनश्याम द्विवेदी, अवधेश तिवारी, हरी राम पाण्डेय, चंद्रिका प्रसाद मिश्र, जगत नारायण मिश्र, हरि शंकर मिश्र के साथ बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी रही। आयोजक मंडल में राम मणि त्रिपाठी, कामता मणि त्रिपाठी, श्याम मणि त्रिपाठी, विष्णु मणि, दीपक तिवारी के साथ समस्त आयोजकों ने लोगों का आभार व्यक्त किया। आयोजक मंडल ने विशिष्ट जनों का कथा व्यास से स्वागत कराया।

भागवत कथा का रसपान करते लोग। अमृत विचार

4 वर्ष के बच्चे की गला रेतकर हुई हत्या

संवाददाता फतेहपुर चौरासी उन्नाव

अक्षत उर्फ ढोलू।

मां से खुन्नस में पड़ोसी युवती ने घटना को दिया अंजाम, शव को भूसे की बोरी में छुपाया

अमृत विचार। फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के गोंदरी गांव में सोमवार शाम घर के बाहर खेल रहा चार साल का बच्चा रहस्यमय ढंग से लापता हो गया। परिजनों ने उसकी तलाश की तो उसका शव घर से कुछ दूर भूसे की बोरी में पड़ा मिला। उसके मुंह में कपड़ा ठूंसने के बाद धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या की गई थी। पुलिस ने जांच के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने शक की बिनाह पर कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। जिसमें गांव की एक युवती भी शामिल थी। कड़ाई से हुई पूछताक्ष में युवती ही बच्चे की कातिल निकली और उसने हत्या करने की बात कबूल की।

बता दें कि थानाक्षेत्र के गोंदरी गांव निवासी दिनेश का चार वर्षीय बेटा अक्षत उर्फ ढोलू सोमवार शाम घर के बाहर खेल रहा था। जहां से वह अपने घर रहस्यमय ढंग से लापता हो गया था। बाहर निकले परिजनों ने बच्चे को वहां न देख तलाश शुरू की लेकिन उसका पता नहीं चला। देरशाम चाचा की तहरीर पर गुमशुदगी दर्ज कर गांव पहुंची पुलिस ने परिजनों के साथ बच्चे की तलाश की। गांव के सुरेश के गोंडे में रखे भूसे की बोरी में उसका का क्षतविक्षत शव बरामद हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक में कपड़ा ठूसा गया था और उसके दोनों हांथ बंधे थे। बेटे अक्षत उर्फ ढोलू का शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना के बाद से परिजनो का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के पिता दिनेश गुजरात में किसी निजी कंपनी में काम करते है। उसकी शादी करीब छह साल पहले हुई थी। अक्षत उसकी इकलौता बेटा था। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद घटना की जांच शुरू की। संदेह के आधार पर गांव के कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। इसमें पड़ोसी रमेश की बेटी मधु भी थी।

थाने में पूछताछ में उसने जुर्म कुबूल करते हुए बच्चे की हत्या करने की बात कबूली है। बताया कि उसका अपनी बड़ी बहन के देवर से प्रेमप्रसंग था। कुछ दिन पहले वह अपने प्रेमी के साथ चली गई थी। इसे लेकर अक्षत की मां उसे अक्सर चिढ़ाती थी। इसी खुन्नस के चलते घर के बाहर खेल रहे अक्षत की हत्या कर शव छुपा दिया। पुलिस ने उसकी निशादेही पर हत्या में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया है। इस बारे में एसओ राजेश्वर प्रसाद त्रिपाठी ने बताया कि युवती को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है। चाकू बरामद किया गया है।

सड़क हादसों में दो लोगों की मौत, एक अस्पताल में भर्ती

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के ताला सराय गांव के पास राजस्थान से बंगाल जा रहा टाइल्स लदा कंटेनर अनियंत्रित होकर नीचे खंती में पलट गया। इसमें चालक की मौत हो गई और खलासी घायल हो गया। पुलिस ने क्लीनर को औरास सीएचसी पहुंचाया। वहीं औरास थानांतर्गत चकलवंशी-संडीला मार्ग पर लोडर की टक्कर से बाइक सवार अधेड़ की मौत हो गई। संबंधित थानों की पुलिस ने जांच के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

वहीं औरास थानाक्षेत्र के गोबरा गांव के मजरा मुंशीखेड़ा निवासी जुगल किशोर सिंह (50) पुत्र स्व. भीखम सिंह मंगलवार सुबह किसी कार्य से थानाक्षेत्र के शीशी चौराहा आये थे। काम निपटाकर लौटते समय शीशी-सीमऊ गांव के बीच उन्नाव की और से आए एक तेज रफ्तार लोडर ने बाइक में सामने से टक्कर मार दी। उछल कर सड़क में गिरने से उनके सिर पर गंभीर चोट आई। जब तक उसे अस्पताल ले जाया जाता तब तक उसकी मौत हो गई। इसकी खबर पाकर परिजन पहुंचे और शव देख बेहाल हो गए

सार-संक्षेप

ट्रेन से कटे युवक की हुई पहचान

शुक्लागंज उन्नाव। सोमवार को रश्मिलोक के सामने युवक ने ट्रेन के आगे गर्दन रखकर आत्महत्या कर ली थी। शिनाख्त न होने पर पुलिस ने शव को मर्च्युरी में रखवाया था। जहां मंगलवार को मृतक के परिजनों ने उसकी शिनाख्त की। मौत की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। सोमवार सुबह करीब ग्यारह बजे कानपुर से लखनऊ की ओर मुम्बई गोरखपुर समर स्पेशल ट्रेन जा रही थी, तभी रश्मि लोक के सामने खंभा नंबर 65/24 व 65/26 के पास एक 35 वर्षीय अज्ञात युवक ने ट्रेन के सामने रेलवे पटरी पर अपना सिर रख दिया। ट्रेन के गुजरने से सिर धड़ से अलग हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शिनाख्त कराने का प्रयास किया लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी थी। जिस पर शव को उन्नाव मर्च्युरी में रखवाया गया था। मंगलवार को उसके परिजनों ने अंबिकापुरम निवासी आदित्य शर्मा (20) पुत्र सुनील शर्मा के रूप में पहचान की। परिजनों ने बताया कि घर से झगड़ कर निकला था। जिसके बाद उसने यह कदम उठाया है।

परमसुखखेड़ा में वृहद स्तर पर हुई साफ-सफाई

शुक्लागंज उन्नाव। गर्मी के मौसम में मच्छरों से फैलने वाले वेक्टर जनित रोगों से बचाव को लेकर पालिका अभियान चला रही है। उसी को देखते हुये मंगलवार को वार्ड 20 परमसुख खेड़ा में साफ सफाई कराई गई। इसके साथ ही एंटी लार्वा का छिड़काव भी कराया गया। स्वास्थ्य विभाग के निर्देश पर पालिका वेक्टर जनित रोगों से बचाव के लिये पिछले कई दिनों से अभियान चला रहा है। उसी को देखते हुये मंगलवार को पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे, ईओ मुकेश कुमार मिश्रा के निर्देश पर पालिका के सफाई कर्मी वार्ड 20 परमसुख खेड़ा में पहुंचे। जहां पालिका कर्मियों ने गलियों में साफ सफाई। इसके अलावा बजबजा रही नाले-नालियों को साफ किया। जिसके बाद नालियों में एंटी लार्वा का छिड़काव कराया। जिससे मच्छर न पनप सकें। ईओ ने बताया कि इसी तरह अभियान चलाकर क्षेत्र के सभी वार्डों में साफ सफाई कराई जायेगी। जिससे वेक्टर जनित रोगों को खात्मा किया जा सके। साफ-सफाई होने के बाद वार्ड की गलियां, सड़कें चमक उठी।

बाइक से गिरकर महिला घायल, बच्चा सुरक्षित

बांगरमऊ उन्नाव। बांगरमऊ कोतवाली अंतर्गत उन्नाव-हरदोई मार्ग स्पीड ब्रेकर में लगे झटके से बाइक में बैठी महिला उछलकर सड़क में गिरकर घायल हो गई। हादसे के वक्त उसकी गोद में मासूम बच्चा भी था लेकिन वह बाल-बाल बच गया। महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कोतवाली क्षेत्र के गांव जगटापुर निवासी आजाद अपनी पत्नी राधा (25) व बेटे को लेकर बांगरमऊ आ रहा था। मंगलवार दोपहर उन्नाव-हरदोई मार्ग से गांव के संपर्क मार्ग मोड़ पर स्पीड ब्रेकर पर झटका लगने से राधा बच्चे सहित सड़क पर गिर गई। इसमें उसे गंभीर चोट आ गईं। किंतु हादसे में बच्चा बाल-बाल बच गया। पति उसे सीएचसी लाया। जहां से प्राथमिक इलाज देकर उसे जिला अस्पताल भेज दिया गया।

मामूली बात पर दबंगों ने महिला को पीटा, रिपोर्ट

शुक्लागंज उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली के सरैयां गांव में एक महिला घर की दीवार बनवा रही थी, तभी पड़ोसियों ने उसे मारा पीटा। चोटें आने पर उसने तहरीर देकर पुलिस से कार्यवाही की मांग की। पुलिस ने चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। सरैयां गांव की रहने वाली किरन यादव ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देते हुये बताया कि वह अपने घर की दीवार बनवा रही थी, तभी पड़ोसी गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर पिंटू, दिलीप, छुन्ना, रामजीवन ने उसे मारा पीटा। जिससे उसे चोटें आईं।

12 ज्योतिर्लिंग मंदिर में किया गया रुद्राभिषेक

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। शहर के कल्याणी माता मंदिर स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर में ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष के प्रदोष पर सामूहिक रुद्राभिषेक कराया गया। मंदिर के आचार्य जुगल किशोर तिवारी ने रुद्राभिषेक के बाद यजमानों से शिव के विभिन्न स्वरूपों का श्रृंगार भी कराया।

प्रदोष व्रत पर श्रद्धालु व्रत से रहते हुए भगवान भोलेनाथ का पूजन-अर्चन करते हैं। इससे प्रत्येक पखवाड़ा शिव मंदिरों में सुबह-शाम बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं। ज्योतिर्लिंग मंदिर पर पहुंचे श्रद्धालु मनीषा श्रीवास्तव, दिनेश शुक्ला, अल्पना शुक्ला, राम प्रसाद, ललिता गुप्ता, कुमारी दिव्या, रवि प्रकाश, निशा दीक्षित, अमित, प्रतिमा, हंसा त्रिवेदी व गरिमा शुक्ल ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच बाबा भोलेनाथ का रुद्राभिषेक किया। उन्होंने आचार्य के मार्ग दर्शन में मंदिर में स्थापित सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकाल, ओंकारेश्वर, वैद्यनाथ, विश्वनाथ, भीमाशंकर, रामेश्वर, त्रयंबकेश्वर, केदारनाथ व घृष्णेश्वर का श्रृंगार भी किया। मंदिर समिति की ओर से सभी श्रद्धालुओं को पूजन सामग्री भी उपलब्ध कराई गई।

विश्व पर्यावरण विशेष | पर्यावरण बचाने के लिए आगे आ रहे युवा, अन्य लोगों को भी कर रहे प्रेरित

पेड़ों के बिना धरती पर संभव नहीं मानव जीवन

संवाददाता, अमेठी

अमृत विचार। पेड़ लगाएं, जीवन बचाएं को लेकर मंगलवार को युवा आगे आ रहे हैं। पेड़ों को बचाकर ही प्रकृति की सुंदरता को बचाने के साथ पर्यावरण को संतुलित रखा जा सकता है। विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे क्षेत्र के श्री का पुरवा मजरे टिकरी निवासी युवा ने अपना विचार साझा किया। कहा कि पेड़ हमारे ग्रह के फेफड़े हैं, उन्ही से हम सबको ऑक्सीजन मिलती है उन्ही से पृथ्वी पर जीवन को समर्थन मिलता है। पेड़ पौधे हमारे पर्यावरण के संरक्षक हैं, उनके महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। फिर भी, वनों की कटाई, शहरीकरण और प्रदूषण के कारण हम खतरनाक दर पर पेड़ों को खो रहे हैं। जिसके लिए हमारे ग्रह और उसके निवासियों के लिए गंभीर परिणाम होंगे। यदि हम अपने पेड़ों को बचाने के लिए कार्रवाई नहीं करते हैं, तो हमें जैव विविधता की हानि, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वृद्धि, वायु और जल की गुणवत्ता में कमी, मिट्टी का कटाव और भूस्खलन, और मानव स्वास्थ्य और कल्याण पर नकारात्मक प्रभाव सहित गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ सकता है। यह बेहद महत्वपूर्ण है कि हम उनकी रक्षा के लिए कार्रवाई करें। सौरभ अपने आसपास के क्षेत्रों और सड़कों के बगल खाली जगह पर पौधे लगाने की मुहिम अपने साथियों के साथ चलाते हैं।

कहा कि पेड़ हमें ऑक्सीजन उत्पादन, मृदा संरक्षण, जल चक्र विनियमन, वन्यजीव आवास, वायु प्रदूषण में कमी और जलवायु परिवर्तन शमन सहित अनगिनत लाभ प्रदान करते हैं। वे हमारे पारिस्थितिकी तंत्र की नींव हैं, और उनके नुकसान से हमारे ग्रह और उसके निवासियों के लिए गंभीर परिणाम होंगे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण करते सौरभ। अमृत विचार

सपा के डॉ.एसपी के सिर ताज, इंडिया गठबंधन दल में उल्लास

65628 वोटों से दर्ज की जीत, 20 साल बाद सपा ने संसदीय सीट पर जमाया कब्जा, मतदाताओं और गठबंधन के नेताओं का जताया आभार

संवाददाता, प्रतापगढ़।

अमृत विचार : प्रतापगढ़ संसदीय सीट पर आईएनडीआईए के सपा प्रत्याशी डॉ. एसपी सिंह पटेल ने जीत दर्ज कर पहली बार सांसद निर्वाचित हुए। सांसद निर्वाचित होने के बाद उन्होंने मतदाताओं, गठबंधन दल के नेताओं, कार्यकर्ताओं का आभार जताया। महुली मंडी में चल रही मतगणना में डॉ. एसपी सिंह पटेल शुरू से ही प्रतिद्वंदी भाजपा के संगम लाल गुप्ता से आगे चल रहे थे। मतगणना के अंतिम चरण के बाद उनके सिर पर जीत का सेहरा सजा। डॉ. एसपी सिंह पटेल ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के संगम लाल गुप्ता को 65 हजार 628 मतों से पराजित कर उनसे यह सीट छीन ली।

डॉ. पटेल को 4,39,836 मत मिले हैं, जबकि भाजपा प्रत्याशी को 3,74,208 वोट मिले हैं। तीसरे नंबर पर रहे बसपा प्रत्याशी प्रथमेश मिश्र सेनानी 79,872 मत ही पा सके। चुनाव परिणाम की घोषणा करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव रंजन ने डॉ. पटेल को शाम को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस रोचक-रोमांचक चुनाव में 943290 वोट पड़े थे। कुल 26 उम्मीदवारों ने भाग्य आजमाया था।

मतगणना स्थल के बाहर जैसे ही नव निर्वाचित सांसद पहुंचे सपा एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं के हुजूम ने अखिलेश यादव, प्रमोद तिवारी, एसपी सिंह पटेल व मोना मिश्रा के जिन्दाबाद का नारा लगाते हुए स्वागत किया। इस दौरान रानीगंज विधायक डॉ. आरके वर्मा, पटटी विधायक राम सिंह पटेल, सांसद प्रमोद तिवारी के प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश शुक्ल, कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी, सपा महासचिव अब्दुल कादिर जिलानी, पूर्व प्रत्याशी विश्वनाथगंज सौरभ सिंह, संजय सिंह पटेल, सपा मीडिया प्रभारी वकार अहमद, मनीष पाल आदि मौजूद रहे।

चुनाव परिणाम जानने को टीवी व मोबाइल से चिपके रहे लोग : चक्रवार गणना के रुझानों को जानने के लिए घरों, दुकानों में लोग टीवी के सामने बैठ गए। लोगों में इस बात की उत्सुकता रही कि आखिर देश में सरकार किसकी बन रही है। कौन कितनी सीटों पर बढ़त बनाएं हुए है। यह क्रम पूरे दिन चलता रहा। प्रतापगढ़ के साथ ही कौशांबी सीट पर होने वाली मतगणना की पल-पल की अपडेट समर्थक मोबाइल के सहारे ले रहे थे। कौन प्रत्याशी कितने मत से आगे है और कौन कितने से पीछे चल रहा है।

नवनिर्वाचित सांसद डॉ. एसपी सिंह पटेल को जीत का प्रमाणपत्र देते जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव रंजन। अमृत विचार

मतगणना स्थल महुली मंडी से बाहर जाते प्रतापगढ़ संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी संगम लाल गुप्ता व कौशाम्बी से भाजपा प्रत्याशी विनोद सोनकर।

20 साल बाद सपा ने दर्ज की जीत

डॉ. एसपी सिंह पटेल के रूप में 20 साल बाद बेल्हा में सपा ने जीत दर्ज की। वर्ष 2004 में प्रतापगढ़ सीट पर अक्षय प्रताप सिंह गोपाल जी ने जीत दर्ज करके सपा का खाता खोला था। इसके बाद फिर सपा को जीत नहीं मिल सकी। वर्ष 2019 में सपा-बसपा का गठबंधन भी काम नहीं आया था। इस बार प्रतापगढ़ लोकसभा चुनाव शुरु से ही संघर्षपूर्ण दिख रहा था। सपा ने कुर्मी बिरादरी का प्रत्याशी देकर भाजपा अपनादल के मूल वोटरों पर चोट पहुंचायी थी। इसके बाद भी दोनों दलों में उतार- चढ़ाव होता रहा। जिसके चलते चुनाव के बाद भी कोई प्रत्याशी अपनी जीत के प्रति आश्वस्त नहीं दिख रहा था। 20 वर्ष बाद सपा की जीत से कार्यकर्ताओ में उत्साह है।

पीएम मोदी, गृहमंत्री शाह सहित दिग्गज नेताओं ने की थी सभा

प्रतापगढ़ संसदीय सीट पर भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में सबसे अधिक चुनावी जनसभा हुई थी। जिसमें दिग्गजों का जमावड़ा हुआ। बावजूद इसके जीत नहीं मिल सकी। हालांकि सपा, बसपा व पीडीए की तरफ से पार्टी नेताओं ने जनसभा की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शहर में जीआईसी में सभा की थी। गृहमंत्री अमित शाह ने पट्टी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रामपुर खास, अनुप्रिया पटेल ने दो जनसभा, डिप्टी सीएम केशव मौर्य, ब्रजेश पाठक समेत मंत्रियों ने जनसभा की थी। सपा की तरफ से पार्टी प्रमुख पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी, सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने जनसभा की थी। बसपा की तरफ से पार्टी प्रमुख पूर्व मुख्यमंत्री मायावती, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने जनसभा को सम्बोधित किया था। पीडीएम की तरफ से एआईएमआईएम प्रमुख असद्दुदीन ओवैसी, अपना दल कमेरवादी पार्टी अध्यक्ष कृष्णा पटेल व विधायक पल्लवी पटेल ने जनसभा कर अपने-अपने पार्टी के प्रत्याशी के लिए माहौल बनाया था।

मतगणना स्थल महुली मंडी पर एसपी सतपाल अंतिल के साथ मुस्तैद पुलिस फोर्स।

सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम

मतगणना स्थल पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे। खाकी के अलावा ड्रोन कैमरे से निगरानी होती रही। डीएम संजीव रंजन, एसपी सतपाल अंतिल, सीडीओ नवनीत सेहारा, एएसपी पश्चिमी संजय राय, एएसपी पूर्वी दुर्गेश सिंह समेत सुरक्षार्मी मुस्तैद रहे।

ओवैसी और पल्लवी का नहीं दिखा असर

प्रतापगढ़, अमृत विचार : प्रमुख राजनीतिक दलों के अलावा नए गठबंधन दल पीडीएम ने भी अपना प्रत्याशी उतारा। एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी, अपना दल कमेरवादी की अध्यक्ष कृष्णा पटेल व विधायक पल्लवी पटेल ने पीडीएम प्रत्याशी डॉ ऋषि पटेल के लिए जनसभा कर समर्थन मांगा। जनसभा में भीड़ तो जुटी थी लेकिन उनका मुस्लिम और पटेल मतदाताओं पर प्रभाव नहीं दिखा। पीडीएम प्रत्याशी डॉ. ऋषि पटेल को मात्र 2425 मत ही मिले।

अपने सांसद की एक झलक पाने को बेताब दिखे कार्यकर्ता

जीत का प्रमाणपत्र जिलाधिकारी संजीव रंजन से प्राप्त करने के बाद नव निर्वाचित सांसद डॉ. एसपी सिंह पटेल जब महुली मंडी से निकल रहे थे तो कार्यकर्ता उन्हें बधाई देने को आतुर दिखे। जब तक वह महुली मंडी परिसर में रहे मंडी का मुख्य गेट बंद कर दिया गया था। बाहर से कार्यकर्ताओं का हुजूम जमा था। ऐसा लग रहा था कि बंद गेट टूट जाएगा। मंडी से बाहर निकलते ही उन्हें कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से लाद दिया गया। सपा, कांग्रेस, आप सहित गठबंधन दल के नेताओं व कार्यकर्ता उत्साह में नारेबाजी करते रहे।

जीत पर छूटे पटाखे, बंटी मिठाई

लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के सपा प्रत्याशी डॉ. एसपी सिंह पटेल को जीत मिलने पर पार्टी कार्यकर्ताओं व समर्थकों ने जमकर खुशी का इजहार किया। कहीं मिठाई बांटकर, पटाखे फोड़कर खुशी जताई गई तो कहीं एक-दूसरे को गले मिल कर खुशी जताई। इसी प्रकार सपा उम्मीदवार डॉ. एसपी सिंह की जीत पर निकाले गए जुलूस में कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बना। चुनाव जीतने के बाद डॉ .एसपी सिंह ने लोगों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान उनका जगह-जगह स्वागत हुआ। इस दौरान पूरे रास्ते में जाम लगा रहा। समर्थक भी उनके साथ अपनी सेल्फी लेते नजर आए।

सपा ने दिखाया अपना दम खमः डॉ. रागिनी

▶▶ बाबू सिंह कुशवाहा और प्रिया सरोज को जीत पर दी बधाई

संवाददाता, जौनपुर।

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी (सपा) गठबंधन के प्रत्याशी बाबू सिंह कुशवाहा और मछली शहर लोकसभा क्षेत्र की सपा प्रत्याशी प्रिया सरोज की जीत पर मछली शहर की सपा विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने हार्दिक बधाई दी। उन्होंने इस विजय को उत्तर प्रदेश में इंडी गठबंधन और सपा की बढ़ती ताकत का प्रमाण बताया।

डॉ. सोनकर ने कहा कि इस जीत से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मनोबल गिरा है और जनता का विश्वास भी भाजपा से उठ गया है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण सफलता का श्रेय सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की अथक मेहनत और कुशल रणनीति को दिया। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की दूरदर्शी योजना और समर्पण ने पार्टी को इस मुकाम पर पहुँचाया है। डॉ. सोनकर ने कहा कि पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) से जुड़े लोगों का भारी समर्थन मिलने से सपा की स्थिति और भी मजबूत हुई है। इस जीत के परिणामस्वरूप, न केवल जिले में बल्कि पूरे यूपी और देशभर में सपा और इंडी गठबंधन की स्थिति सुदृढ़ हुई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस विजय से सपा को और भी प्रोत्साहन मिलेगा और भविष्य में पार्टी और भी मजबूत होकर उभरेगी। सपा की इस सफलता को डॉ. रागिनी सोनकर ने जनता की जागरूकता और अखिलेश यादव के नेतृत्व का प्रतिफल बताया उन्होंने उम्मीद जताई कि सपा और इंडी गठबंधन मिलकर जनता की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे और उत्तर प्रदेश को एक नई दिशा में ले जाएंगे। सपा की यह जीत आने वाले चुनावों के लिए भी एक महत्वपूर्ण संकेत है और इससे पार्टी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह और जोश भरने का काम किया है। उन्होंने कहा कि बतौर स्टार प्रचारक मुझे देश के कई लोकसभा क्षेत्र में दौरा करने का अवसर मिला। सभी जगह जनमत इंडी गठबंधन के साथ दिख रहा था।

जिले की दोनों सीट पर सपा का कब्जा

संवाददाता, जौनपुर।

अमृत विचारः लोकसभा चुनाव में जनपद जौनपुर की दोनों संसदीय सीट 73 जौनपुर और 74-मछलीशहर (सु) पर सपा ने कब्जा कर लिया है। जौनपुर संसदीय सीट पर सपा के बाबूसिंह कुशवाहा ने अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी भाजपा के कृपाशंकर सिंह को 99335 वोटों से पराजित कर कब्जा कर लिया है। मतगणना के दौरान बाबूसिंह कुशवाहा को 509130 मत मिले तो कृपाशंकर सिंह को 409795 मत मिले है। वहीं, बसपा के श्याम सिंह यादव 1,57,137 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे है। मतदान के समय कुल 10,99,223 मत पड़े और गणना भी वैध मिले और 1096170 मतों की गणना हुई है।

इसी तरह, मछलीशहर(सु)सीट पर भी सपा ने अपना कब्जा जमा लिया है। यहां पर सपा ने केराकत विधायक तुफानी सरोज की बेटी प्रिया सरोज को चुनाव मैदान में उतारा। प्रिया ने अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी भाजपा के निवर्तमान सांसद वीपी सरोज को 35313 मतों से पराजित करते हुए सपा का परचम लहराया है। यहां पर सपा की प्रिया सरोज को 4,49,096 मत मिले और भाजपा के वीपी सरोज को 413757 मत मिले है। बसपा के कृपाशंकर सरोज 1,56,680 मत के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

दिनदहाड़े चाकू घोंपकर युवती की हत्या

संवाददाता, प्रतापगढ़

अमृत विचार : सिरफिरे युवक ने शहर के जोगापुर काशीराम कॉलोनी में युवती की चाकू से घोंपकर हत्या कर दी गई। दिनदहाड़े हुई हत्या से कॉलोनी में हड़कंप मच गया। सूचना पर करीब एक घंटे के बाद पहुंची पुलिस ने छानबीन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नगर कोतवाली के काशीराम कॉलोनी जोगापुर के कमरा नंबर 254 में रहने वाले नंदीलाल की 30 वर्षीय पुत्री ज्योति देवी मंगलवार दोपहर अपने कमरे में मौजूद थी। उसकी बहन पुष्पा भी बगल में अपने कमरे में थी। इस बीच मेरठ का रहने वाला आरोपी कबीर हाथ में चाकू लेकर पहुंचा उसने चाकुओं से ज्योति के शरीर पर ताबड़तोड़ अनगिनत प्रहार किए। चीख पुकार सुनकर बहन दौड़ी तो उस पर भी चाकू से हमलावर हो गया। इसके वह जान बचाकर अपने कमरे में भाग गई। सूचना मिलने पर एक घंटे बाद पहुंची पुलिस छानबीन कर आवश्यक कार्रवाई में जुट गई। क्षेत्राधिकारी नगर शिवनारायण बैश ने बताया कि आरोपी की पहचान हो गई है। उसकी तलाश में पुलिस की तीन-तीन टीमें लगी हुई हैं। वहीं युवती की मौत के बाद परिजन रो - रो कर बेहाल रहे।

कांग्रेस के गढ़ रामपुर खास में खूब चली साइकिल

संवाददाता, प्रतापगढ़

अमृत विचार : रामपुर खास में राज्यसभा में उपनेता प्रमोद तिवारी, क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना की मजबूत पकड़ बरकरार रही। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने रामपुर खास में अड़तीस हजार की बढ़त हासिल की थी। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा की बढ़त को खत्म कर जीत देकर प्रतापगढ़ में इण्डिया गठबंधन के सपा प्रत्याशी डॉ. एसपी सिंह पटेल की जीत की राह आसान कर दिया। पार्टी के स्टार प्रचारक होने के नाते प्रमोद तिवारी रायबरेली, अमेठी, प्रयागराज, सहारनपुर, बाराबंकी आदि जिलों में भी वह प्रचार करने कांग्रेस की कमान संभाले दिखे। विधायक आराधना मिश्रा मोना अपने विधानसभा क्षेत्र में इण्डिया गठबंधन की चुनावी कमान ।स्वयं संभालते हुए बगल की अमेठी संसदीय सीट पर पार्टी की प्रदेश प्रभारी होने के नाते केएल शर्मा की जीत का भी मजबूत तानाबाना बुनती रही।

प्रमोद तिवारी।

आराधना मिश्रा।

राजा भैया की मौन साधना ने बिगाड़ दिया भाजपा का समीकरण

▶▶ प्रतापगढ़, कौशाम्बी, इलाहाबाद में भाजपा प्रत्याशी को मिली शिकस्त

▶▶ एनडीए भाजपा नेताओं की गलत बयानबाजी भी बनी हार की वजह

रवि प्रकाश सिंह, प्रतापगढ़

अमृत विचार : इस बार के लोकसभा चुनाव में रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया ने भले ही कोई प्रत्याशी नहीं उतारा। किसी दल के प्रत्याशी का समर्थन भी नहीं किया, लेकिन उनकी मौन साधना ने भाजपा का समीकरण जरूर बिगाड़ दिया। राजा भैया के गढ़ सहित आस - पास की संसदीय सीटों पर इंडिया गठबंधन दल के प्रत्याशियों को जीत मिली। सत्ता पक्ष के प्रत्याशी का विरोध व एनडीए भाजपा के नेताओं की गलत बयानबाजी भी हारने की प्रमुख वजह बनी। यही कारण रहा कि प्रतापगढ़, कौशाम्बी, इलाहाबाद में भाजपा प्रत्याशी को शिकस्त मिली।

इस बार के लोकसभा के चुनाव में जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के प्रमुख व कुण्डा विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया ने किसी सीट पर अपना उम्मीदवार नहीं उतारा था। नामाकंन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद राजनीतिक गलियारे में राजा भैया के कदम पर लोगों की नजर रही। भाजपा के केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान के साथ भाजपा प्रत्याशी विनोद सोनकर बेंती कोठी राजा भैया से मिलने पहुंचे थे, लेकिन वहां कोई बात नहीं बन सकी। इसके बाद राजा भैया ने पार्टी कार्यकर्ताओं व समर्थकों की मीटिंग बुलाई। मीटिंग में कहा कि मुझसे मिलने के लिए दोनों (सपा, भाजपा) दलों के प्रत्याशी आये थे, मैंने किसी को समर्थन नहीं दिया है। आप लोग जिसे चाहे वोट कर सकते हैं। कोई प्रत्याशी ऐसा नहीं है कि हम गारंटी ले सकें कि वह आपके सुख दुःख में खड़ा रहेगा। इसके बाद अगले दिन बड़ी संख्या में एकजुट जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के कार्यकर्ता सपा प्रत्याशी पुष्पेंद्र सरोज के काफिले में शामिल होकर प्रचार करने लगे। सपा प्रत्याशी पुष्पेंद्र भी अपनी पार्टी के साथ जनसत्ता दल का पटका पहनकर प्रचार करने लगे। इसके बाद चुनाव प्रचार के अंतिम दिन केंद्र सरकार की राज्य मंत्री अपना दल (एस) की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल कुंडा विधानसभा के मानिकपुर मिलिट्री ग्राउंड पहुंची। जनसभा में कौशाम्बी से भाजपा प्रत्याशी विनोद सोनकर को भारी मतों से जिताने की अपील करते हुए राजा भैया के गढ़ कहे जाने वाले कुण्डा में बिना नाम लिए टिप्पणी की। अनुप्रिया ने कहा कि राजा किसी की कोख से पैदा नहीं होते हैं, अब लोकतंत्र में ईवीएम से राजा पैदा होते हैं। अब ना कोई राजा रह गया है और ना ही कोई रानी, जिसे आप मतदाता चाहें राजा बना दें और चाहे रंक। बिना किसी का नाम लेते हुए कहा कि ऐसे स्वघोषित राजाओं को जिन्हें लगता है कुण्डा हमारी जागीर है। उनके इस भ्रम को तोड़ने का आप सबके पास एक बहुत बड़ा सुनहरा अवसर आ चुका है। अब मतदाता ही सर्वशक्तिमान है। अब कुंडा और बाबागंज की जनता गुलामी की जंजीर से बाहर निकल चुकी है। इसके बाद राजा भैया ने जवाब दिया था कि ईवीएम से जनता के सेवक पैदा होते हैं। प्रतापगढ़ और इलाहाबाद संसदीय सीट पर राजा भैया की पार्टी के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में अखिलेश यादव की रैली में शामिल हुए थे।

जनसत्ता दल लोकतांत्रिक कार्यालय पर एक दूसरे का मुंह मीठा कराते पार्टी कार्यकर्ता।

भाजपा प्रत्याशी संगम लाल ने भी कसा था तंज

प्रतापगढ़ संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी संगम लाल गुप्ता ने भी मंच से क्षत्रिय वर्ग पर टिप्पड़ी किया था। संगम लाल गुप्ता ने अनुप्रिया पटेल की पट्टी में आयोजित चुनावी जनसभा में कहा था की क्या तेली सांसद नहीं हो सकता है। राजाओं के गढ़ में क्या क्षत्रिय ही सांसद हो सकता है।

जनसत्ता दल कार्यालय व हीरागंज में मना जश्न

प्रतापगढ़, अमृत विचार : जनसत्ता दल लोकतांत्रिक कार्यालय प्रताप सदन पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे का मुंह मीठा कराकर जीत की खुशी मनाई। नगर पंचायत हीरागंज बाजार में मंगलवार को कौशांबी लोकसभा क्षेत्र सपा प्रत्याशी पुष्पेंद्र सरोज को विजय मिलने पर हीरागंज व्यापार मंडल अध्यक्ष व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विनोद यादव की अगुवाई में बाजार में मिठाई बांटकर व पटाखे दगाकर खुशियां मनाई गई। विनोद ने कहा कि जनसत्ता दल के कार्यकर्ताओं के अभूतपूर्व समर्थन से यह जीत हुई है। इस दौरान सुशील सिंह पुज्जू, सभासद पप्पन सिंह, पूर्व बीडीसी शेष तिवारी, काजू सिंह, सूरज मिश्र, अजीत पांडेय, संदीप यादव, कोटेदार रितेश यादव, अवधेश यादव, अनिल पाल, मो. सैफ व मो. अजीम आदि उपस्थित रहे।

सार-संक्षेप

नीट 2024 एमबीबीएस सीट पर श्रेया मिश्रा चयनित

संवाददाता, जौनपुर। अमृत विचार : 4 जून को नीट 2014 का रिजल्ट प्राप्त हुआ जिसमें ग्राम कुल्हन मऊ निवासी डॉक्टर धीरज मिश्रा की पुत्री श्रेया मिश्रा का चयन एमबीबीएस सीट पर हुआ है। श्रेया को 720 में 660 नंबर प्राप्त हुआ है। कैटिगरी रैंक 2674 प्राप्त हुआ है, जिससे घर परिवार में खुशी का माहौल बना हुआ है। श्रेया के बड़े पापा नीरज मिश्रा संचालक गुरु होम्यो फार्मेसी बदलापुर पड़ाव ने बधाई देने वालों शुभचिंतकों का बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया है।

नशेड़ी युवक ने ट्रेन के सामने कूद कर दी जान

संवाददाता, कुंडा, प्रतापगढ़। अमृत विचार : मझिल गांव कुंडा निवासी 35 वर्षीय आशीष मिश्रा पुत्र राजेंद्र प्रसाद मिश्रा नशे का आदती था। नशे को लेकर आए दिन वह घर में विवाद करता रहता था। इसी बात को लेकर सोमवार की रात घर में नशे की हालत में पहुंचा था और परिजनों से विवाद किया था। मंगलवार की सुबह वह शौच के लिए निकला तो घर लौटकर नहीं आया। परिजन उसकी खोजबीन किये तो उसका शव कोणवा भीट गांव के सामने रेलवे ट्रैक पर क्षत विक्षत हालत में मिला। शव देखते ही परिजन बिलखने लगे। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत के बाद मां गीता देवी, पत्नी कोमल मिश्रा, भाई लवलेश मिश्रा समेत परिजन बिलखते रहे। मृतक आशीष मिश्रा के दो संतान है।

बाइकों की भिड़ंत में मजदूर की मौत

संवाददाता, कुंडा, प्रतापगढ़। अमृत विचार : आमने-सामने बाइक की टक्कर में एक मजदूर की मौत हो गई। मौत की खबर सुनते ही परिजन बिलखने लगे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महेशगंज के सुल्तानपुर निवासी हीरालाल के दो बेटे बड़ा बेटा कमल ईट भट्टे पर मजदूरी का काम करता है, जबकि छोटा बेटा अंगज प्रजापति (25) मजदूरी का काम करता था। मंगलवार दोपहर में अंगज किसी काम से हीरागंज की तरफ जा रहा था कि झींगुर ईट भट्टे के पास हीरागंज- बाबागंज रोड पर बाइक की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। जिसमें अंगज गंभीर रूप से घायल हो गया, उसके सिर पर गंभीर चोटे आई। लोगों की मदद से उसे उपचार के लिए सीएचसी कुंडा लाया गया। जहां पर उपचार के दौरान चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर से पिता हीरालाल, मां व पत्नी रूबी समेत परिजन बिलखते रहे। मृतक हीरालाल की पत्नी रूबी को कोई संतान नहीं है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पत्रकार को पितृशोक

संवाददाता, जौनपुर। अमृत विचार : जिले के बद्लापुर तहसील के पत्रकार जे भूलेश्वर पुष्कर ग्राम सराय त्रिलोकी निवासी के पिता हरीलाल श्री माली 95 वर्ष का मंगलवार को दिन में लगभग 12 बजे देहावसान हो गया। इसकी जानकारी होते ही समाजसेवी संगठनों बुद्धिजीवियों, ग्राम प्रधानों, पत्रकारों ने मौके पर उपस्थित होकर श्रद्धांजलि अर्पित किया। ज्ञातब्य हो कि वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए है। उनका दाह संस्कार बद्लापुर तहसील के पिलकिछा घाट पर किया गया। मुखगिंन उनके ज्येष्ठ पुत्र जोखू राम श्री माली ने दी है।

शौच के लिए गये मैकेनिक की ट्रेन से कटकर मौत

संवाददाता, मिर्जापुर। अमृत विचार : जिले के देहात कोतवाली क्षेत्र के मुहकुंचवा के पास मंगलवार की सुबह साढ़े पांच बजे ट्रेन की चपेट में आने से मैकेनिक की मौत हो गई। मृतक घर से शौच के लिए निकला था। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस नेशव को मोर्चरी हाउस भेज दिया है। देहात कोतवाल राणा प्रताप यादव ने बताया कि इसी कोतवाली क्षेत्र के मुहकुंचवा स्थित जया का पुरा निवासी 35 वर्षीय विनोद यादव ट्रक मैकेनिक था। विनोद सुबह साढ़े पांच बजे घर से शौच के लिए निकला था। घर से पांच सौ मीटर दूर रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। उसी दौरान अप लाइन पर ट्रेन आ गई। ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। आस-पास के लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस नेशव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके पर मृतक के परिजन भी पहुंच गए थे। मृतक विनोद तीन भाइयों मे छोटा था। दो पुत्र एवं एक पुत्री है।

स्वास्थ्य कर्मियों ने जताया शोक

शोक जताते हुए स्वास्थ्यकर्मी। अमृत विचार

संवाददाता, हलिया (मिर्जापुर)। अमृत विचार : उच्चीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया परिसर में मंगलवार को परिसर में दो मिनट का मौन धारण कर दुर्घटना में मृत सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी संदीप पटेल के लिए शोक संवेदना व्यक्त किया है। शोक संवेदना व्यक्त करने वाले में चिकित्सक विवेक खरे, डॉ. हर्षवर्धन, डॉ, सुरेश कनौजिया, डा निर्मल, चीफ फार्मासिस्ट अजय कुमार, ब्लाक समन्वयक यूनिसेफ अंकित शुक्ला, दिपक सिंह, स्टाफ नर्स दीप मंजरी, प्रियंका, आदि रही। सीएचओ संदीप पटेल सोमवार को घर से बाइक लेकर वापस ड्यूटी पर लौट रहा था कि जैसे ही प्रयागराज जनपद के कोरांव थाना क्षेत्र के महेंद्रा एजेंसी के पास पंहुचा कि सड़क किनारे खड़े डीजे के ट्राली से अनियंत्रित होकर टकरा गया, जिससे घटना स्थल पर ही सीएचओ की मौत हो गई।

बस्ती में पंहुचा मगरमच्छ, वन विभाग की टीम ने पकड़ा

संवाददाता, हलिया (मिर्जापुर)। अमृत विचार : स्थानीय थाना क्षेत्र के अहुगी कला गांव में सोमवार की देर रात में अदवा बांध से बाहर निकालकर एक मगरमच्छ करीब पांच फीट का चहलकदमी करते हुए बस्ती में पंहुच गया। बस्ती में मगरमच्छ को देखकर ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दिया। मौके पर पहुंचे वन दारोगा अजय प्रकाश वन्यजीव रक्षक शीतला बक्स सिंह, राजकुमार ने मगरमच्छ को पकड़ने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करते हुए मगरमच्छ को पकड़कर सुरक्षित अदवा बांध में छोड़ दिया है। हलिया थाना क्षेत्र के अहुगी कला गांव निवासी जगत बहादुर सिंह के घर के पीछे खेत में एक मगरमच्छ करीब पांच फीट का चहलकदमी कर रहा था कि घर के पीछे लघुशंका करने के लिए गये युवक ने मगरमच्छ को देखकर वन विभाग को सूचना दिया। मौके पर पहुंचे वन दरोगा अजय प्रकाश वन्यजीव रक्षक शीतला बक्स सिंह, राजकुमार ने मगरमच्छ को पकड़ने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और मगरमच्छ को पकड़कर सुरक्षित अदवा बांध के गहरे पानी में छोड़ दिया है। तब जाकर ग्रामीणों ने राहत की सांस लिया है। इस संबंध में वन दरोगा अजय प्रकाश ने बताया कि एक मगरमच्छ करीब पांच फीट का चहलकदमी करते हुए गांव में पंहुच गया था रेस्क्यू ऑपरेशन कर मगरमच्छ को पकड़कर सुरक्षित अदवा बांध के गहरे पानी में छोड़ दिया गया है।

बाइकों की टक्कर में चार घायल

संवाददाता, हलिया (मिर्जापुर)। अमृत विचार : स्थानीय थाना क्षेत्र के हलिया लालगंज मार्ग गढ़वा गांव में सोमवार की देर शाम दो बाइकों की आमने सामने भिड़ंत होने से दोनों बाइक सवार चार लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पंहुची एंबुलेंस सेवा वाहन 108 के ईएमटी संतोष भारतीय व पायलट अरुण कुमार ने घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आये जहां पर चिकित्सक द्वारा उपचार किया जा रहा है। लालगंज थाना क्षेत्र के नैरना गांव निवासी हरिशंकर(45) अपनी पत्नी राजकुमारी (42) व भतीजी अनीता (15) के साथ बाइक से रिश्तेदार के यंहा आयोजित शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे कि जैसे ही हलिया लालगंज मार्ग गढ़वा गांव में पंहुचे कि सामने से आ रहे बाइक सवार हलिया थाना क्षेत्र के गढ़वा गांव निवासी बाइक सवार 27 वर्षीय रामलाल की बाइक से आमने-सामने भिड़ंत होने से दोनों बाइक सवार चार लोग घायल हो गए मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने इसकी सूचना एंबुलेंस सेवा वाहन पर दिया मौके पर पहुंचे एंबुलेंस सेवा वाहन के ईएमटी संतोष भारतीय व पायलट अरुण कुमार ने घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आये जहां पर चिकित्सक विवेक खरे ने घायलों का उपचार कर रहे हैं। हालत स्थिर बताई जा रही है।

बोलेरो की टक्कर से दो घायल

संवाददाता, हलिया (मिर्जापुर)। अमृत विचार : स्थानीय थाना क्षेत्र के हलिया ड्रमंडगंज मार्ग समौती गांव में मंगलवार की दोपहर बोलोरो वाहन के धक्के से बाइक सवार दो अधेड़ गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने इसकी सूचना एंबुलेंस सेवा वाहन पर दिया मौके पर पहुंचे एंबुलेंस कर्मियों ने घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आये जहां पर चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार करने के बाद मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया है। मध्यप्रदेश के मउगंज जनपद के हनुमना बाजार निवासी 60 वर्षीय द्वारिका प्रसाद गुप्ता बाइक से अपने साथी 61 वर्षीय पवन कुमार के साथ कोटार शिव मंदिर में आयोजित भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने के लिए आये थे और प्रसाद ग्रहण कर बाइक से वापस लौट रहे थे कि जैसे ही हलिया ड्रमंडगंज मार्ग समौती गांव में पंहुचे कि सामने से आ रहे तेजगति से बोलोरो वाहन चालक ने बाइक सवार को धक्का मार दिया जिससे बाइक सवार दोनों अधेड़ गंभीर रूप से घायल हो गए मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने इसकी सूचना एंबुलेंस सेवा वाहन पर दिया ।

कहीं खुशी कहीं मायूसी जीत के बाद जश्न में डूबे सपा कार्यकर्ता विजयी मुद्रा में। अमृत विचार मतगणना स्थल पर फाइनल नतीजे से कुछ घंटे पहले मायूस भाजपा कार्यकर्ता। अमृत विचार

फैजाबाद लोकसभा सीट पर सपा का कब्जा

भाजपा और सपा के बीच रही आमने-सामने की टक्कर ▸ कड़ी सुरक्षा के बीच जीआईसी में कराई गई मतगणना

अयोध्या कार्यालय

गठबंधन के सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद को जीआईसी में जीत का प्रमाण पत्र देते जिला निर्वाचन अधिकारी नितीश कुमार।

अमृत विचारः देश की सियासत में सबसे अहम मानी जाने वाली अयोध्या वाली 54 फैजाबाद लोकसभा सीट पर अब सपा का कब्जा हो गया है। कड़ी सुरक्षा के बीच जीआईसी में हुई मतगणना में यहां से सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद ने 54567 वोटों से जीत दर्ज कराई। सपा ने भाजपा से यह सीट छीन ली है। मतगणना में सपा और भाजपा के बीच सीधी टक्कर रही। बसपा सहित अन्य प्रत्याशी दौड़ से बाहर ही रहे। जीत के बाद सपा में जश्न का माहौल है।

मतगणना मंगलवार सुबह लगभग साढ़े आठ बजे जीआईसी में शुरू हुई। परिसर में फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र की अयोध्या, बीकापुर, मिल्कीपुर, रुदौली के साथ अंबेडकरनगर लोकसभा क्षेत्र की गोसाईंगंज विधानसभा क्षेत्र में पड़े वोटों की गिनती कराई गई। फैजाबाद संसदीय क्षेत्र के दरियाबाद विधानसभा क्षेत्र में पड़े वोटों की गिनती बाराबंकी जिले में कराई गई। मतगणना को लेकर मजिस्ट्रेटों को लगाया गया था। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम थे।

मतगणना का रुझान पोस्टल बैलेट से ही शुरू हो गया था। सपा प्रत्याशी ने बढ़त बनाई तो मात्र एक राउंड में भाजपा प्रत्याशी को बढ़त मिली। सपा से मिल्कीपुर सुरक्षित से विधायक अवधेश प्रसाद तो भाजपा से यहां के सिटिंग सांसद लल्लू सिंह चुनाव मैदान में थे। इसके अलावा बसपा और भाकपा के प्रत्याशी के साथ कुल 13 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। लेकिन बसपा और भाकपा सहित अन्य प्रत्याशी शुरुआत से ही मतगणना में रेस से बाहर हो गए। लगभग 33 राउंड की मतगणना में उतार चढ़ाव तो कई बार आए लेकिन सपा की बढ़त कभी भी भाजपा से पीछे नहीं आई।

अयोध्या को छोड़ दिया जाए तो अन्य सभी चार विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा बढ़त नहीं बना पाई। 15 वें राउंड के बाद तो सपा को लगातार बढ़त मिलती गई। अंत में सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के लल्लू सिंह को लगभग 54567 वोटों से शिकस्त दे दी। पोस्टल बैलेट के वोटों को जोड़ने और वीवीपैट से ईवीएम के वोटों की मिलान करके देर शाम को विजय प्रत्याशी अवधेश प्रसाद को जिला निर्वाचन अधिकारी नितीश कुमार ने जीत का प्रमाण पत्र प्रदान कर दिया। इसके बाद पुलिस की सुरक्षा में विजयी प्रत्याशी को उनके आवास पहुंचाया गया।

11,27,231 कुल वोटों की हुई गिनती

7536 मतदाताओं ने दबाया नोटा

20 मई को हुआ लोस क्षेत्र में हुआ था मतदान

2053 बूथों पर हुआ था मतदान

14 दिन के बाद आया परिणाम

08 बजकर 26 मिनट पर शुरू हुई काउंटिंग

30 मिनट तक पोस्टल बैलेट की गिनती

32 राउंड में जीआईसी में हुई काउंटिंग

11 घंटे तक चली मतगणना

लोकसभा चुनाव 2024

झलकियां

- 7:00 बजे सुबह जिला निर्वाचन अधिकारी नितीश कुमार मतगणना स्थल पहुंचे।
- 8:30 बजे सुबह गठबंधन प्रत्याशी अवधेश प्रसाद मतगणना स्थल पहुंचे।
- 8:26 बजे सुबह राजकीय इंटर कॉलेज में मतगणना शुरू हुई।
- 9:00 बजे सुबह पोस्टल बैलेट के परिणाम सामने आए।
- 10:00 बजे सुबह सबसे पहला रुझान रुदौली विधानसभा क्षेत्र से सामने आया।
- 11:00 बजे सुबह ईवीएम के पहले राउंड के नतीजों में गठबंधन प्रत्याशी आगे दिखे।
- 11:30 बजे सुबह एसएसपी आर के नय्यर ने मतगणना स्थल का राउंड लिया।
- 12:00 बजे दोपहर जिला निर्वाचन अधिकारी डीएम नीतिश कुमार ने निरीक्षण किया।
- 1:00 बजे दोपहर भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह बाहर आए और टहलने लगे।
- 1:30 बजे दोपहर उप जिला निर्वाचन अधिकारी अनिरुद्ध प्रताप सिंह ने व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।
- 2:00 बजे दोपहर 17 वें राउंड की मतगणना में अवधेश प्रसाद निर्णायक लीड पर आए।
- 3:00 बजे दोपहर भाजपा कार्यकर्ता मतगणना स्थल से बाहर निकलने लगे।
- 4:00 बजे शाम पुष्पराज तिराहे पर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं का जमावड़ा
- 4:30 बजे शाम मतगणना स्थल पर आसपास के लोगों का जमावड़ा होने लगा।

इतिहास में दूसरी बार सपा ने जीती फैजाबाद की सीट

1998 के लोकसभा चुनाव में पहली बार समाजवादी पार्टी ने दर्ज कराई थी जीत

विवेक सक्सेना, अयोध्या

▸▸ इतिहास में दूसरी हैट्रिक से चूक गई भारतीय जनता पार्टी

अमृत विचार : इतिहास में समाजवादी पार्टी ने दूसरी बार फैजाबाद की सीट पर जीत दर्ज कराई। अयोध्या वाली फैजाबाद सीट पर भाजपा अपने इतिहास में दूसरी हैट्रिक बनाने से चूक गई। अयोध्या में पहली बार लोकसभा का चुनाव सपा ने 1998 में जीता था।

अयोध्या में मंदिर आंदोलन 80 के दशक में शुरू हुआ। इसके बाद कांग्रेस और बसपा के अपवाद को छोड़ दिया जाए तो ज्यादातर चुनाव में सपा और भाजपा में ही सियासी टकराव होता रहा है। सन् 1984 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के निर्मल खत्री, 2004 के लोकसभा चुनाव में बसपा से मित्रसेन यादव सांसद चुने गए थे। सन् 2009 के चुनाव में कांग्रेस के निर्मल खत्री एक बार फिर सांसद चुने गए लेकिन इसके अलावा ज्यादातर चुनाव में सपा और भाजपा आमने सामने रही। वह चाहे लोकसभा का चुनाव रहा हो या फिर ज्यादातर विधानसभा चुनाव।

समाजवादी पार्टी की स्थापना चार अक्टूबर 1992 को हुई थी। वह दौर मंदिर आंदोलन का था। आंदोलन के एक ओर भाजपा थी तो सियासी तौर पर दूसरी ओर सपा। दोनों एक-दूसरे को कटघरे में खड़ा करते रहे। अयोध्या दोनों के बीच की धुरी थी। गठन के छह साल बाद सपा ने पहली बार सन् 1998 में इस सीट पर अपना झंडा बुलंद किया था। मित्रसेन यादव सांसद बने थे। इसके बाद चुनाव दर चुनाव संघर्ष चलता रहा लेकिन सपा को सफलता नहीं मिली। सपा के स्थापना के 31 साल बाद एक बार फिर सपा ने अयोध्या वाली फैजाबाद संसदीय सीट पर कब्जा करके पूरे देश को बड़ा संदेश दिया। सपा के अवधेश प्रसाद ने दो बार से भाजपा के सांसद लल्लू सिंह को हरा दिया।

भाजपा, अयोध्या की इस सीट पर हारी ही नहीं। एक और बड़ा झटका लगा। हार ने अतीत को दोहरा दिया। भाजपा की स्थापना छह अप्रैल 1980 को हुई थी। अयोध्या ने भाजपा को फर्श से अर्श तक पहुंचाया। प्रदेश से केंद्र तक की सत्ता में पहुंचाने का श्रेय अयोध्या को ही जाता है। वर्ष 80 से अब तक भाजपा ने पांच बार जीत दर्ज कराई। 1991 में भाजपा को यहां पहली बार जीत मिली। विनय कटियार यहां से सांसद बने। सन् 1996 के लोकसभा चुनाव में कटियार एक बार भी सांसद चुने गए लेकिन 1998 के लोकसभा चुनाव में वह चुनाव हार गए और भाजपा यहां पहली बार हैट्रिक से चूक गई। इस बार के लोकसभा चुनाव में फिर इतिहास दोहराया गया। सन् 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज कराने वाले लल्लू सिंह चुनाव हार गए और भाजपा की हैट्रिक बनने से रह गई। सपा ने अपने इतिहास की दूसरी जीत दर्ज कराई।

एक्स पर ट्रेंड में रहा अयोध्या

सोशल मीडिया के प्रतिष्ठित प्लेटफार्म एक्स पर तीसरे नंबर पर अयोध्या ट्रेंड करता रहा। राम मंदिर से जुड़े होने के नाते रामनगरी पर ही सभी की निगाहें बनी रहीं।

मतगणना स्थल पर जुटे सभी दलों के अभिकर्ता। अमृत विचार

लोकसभा चुनाव में प्रत्याशियों को मिले वोट

दल	प्रत्याशी	मिले वोट
इंडिया गठबंधन(सपा)	अवधेश प्रसाद	554289
भाजपा	लल्लू सिंह	499722
बसपा	सच्चिदानंद पांडेय	46407
भाकपा	अरविंद सेन	15367
निर्दल	सुनील कुमार भट्ट	3827
मौलिक अधिकार पार्टी	कंचन यादव	2666
भारत महापरिवार पार्टी	अंबरीश देव गुप्ता	2618
निर्दल	फरीद सलमानी	1780
निर्दल	लाल मणि त्रिपाठी	1717
राष्ट्रीय जनशक्ति समाज पार्टी	अनिल रावत	1638
निर्दल–	जगत सिंह	1254
आदर्शवादी कांग्रेस पार्टी	बृजेंद्र दत्त त्रिपाठी	1173
निर्दल	अरुण कुमार	1067

पांचवें पायदान पर रहा नोटा, 11 प्रत्याशियों की जमानत जब्त

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : लोकसभा महासमर 2024 की मतगणना मंगलवार को सकुशल संपन्न हो गई। परिणाम में एनडीए के घटक दल भाजपा और इंडिया गठबंधन के घटक दल सपा के प्रत्याशी को छोड़कर बाकी 11 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। चुनावी मैदान में कुल 13 प्रत्याशी थे। नोटा पांचवें पायदान पर रहा और लोकसभा क्षेत्र के कुल 7536 मतदाताओं ने सपा–भाजपा समेत किसी दल अथवा निर्दल प्रत्याशी को पसंद नहीं किया और अपना मत नोटा पर दिया। लोकसभा के चुनाव में सपा ने नौ बार के विधायक और कई बार मंत्री रहे मिल्कीपुर सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र के विधायक अवधेश प्रसाद को अपना प्रत्याशी बनाया था। भाजपा ने दो बार के सांसद व पूर्व में विधायक और प्रदेश में मंत्री रहे लल्लू सिंह पर दांव लगाया था। चुनाव में पांच निर्दलीय समेत बसपा, कम्युनिष्ट पार्टी सहित छह अन्य दलों के प्रत्याशी अपना भाग्य आजमा रहे थे। आयोग की व्यवस्था के मुताबिक अगर किसी प्रत्याशी को कुल पड़े मतों के छठवें हिस्से से कम मत मिलता है तो उसकी जमानत धनराशि जब्त हो जाती है। चुनाव में प्रत्याशियों ने 25–25 हजार रूपये की जमानत धनराशि जमा की थी। चुनाव परिणाम के मुताबिक विजयी सपा और रनर रहे भाजपा प्रत्याशी को ही कुल पड़े मतों के छठवें हिस्से से ज्यादा मत मिले, जिसके चलते बसपा, कम्युनिष्ट पार्टी, निर्दलीयों समेत अन्य सभी की जमानत धनराशि जब्त हो गई।

पांच निर्दलीय और चार दलों के प्रत्याशी से ज्यादा मिले नोटा को मत

चुनाव परिणाम के मुताबिक वोटों का ध्रुवीकरण सपा और भाजपा के बीच सिमटा रहा। वहीं बसपा को तीसरे स्थान पर होने के बावजूद केवल 46407 मत ही मिले। कम्युनिष्ट पार्टी का प्रत्याशी केवल 15367 मत ही हासिल कर सका। आलम यह रहा कि लोकसभा क्षेत्र के मतदाताओं ने सियासी अखाड़े में भाग्य आजमाने उतरे पांच निर्दलीय और चार छोटे दलों के प्रत्याशियों को मतदान तो किया लेकिन इनसे ज्यादा पसंद नोटा को किया। जिसके चलते नोटा पांचवें पायदान पर रहा। मौलिक अधिकार पार्टी, भारत महापरिवार पार्टी, राष्ट्रीय जनशक्ति समाज पार्टी और आदर्शवादी कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी तथा पांच निर्दलीयों को नोटा से भी कम मत मिले।

नौ बार के विधायक अवधेश पहली बार बने सांसद

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और नौ बार के विधायक अवधेश प्रसाद पहली बार सांसद बने। वह प्रदेश की सरकारों में कई बार मंत्री रहे लेकिन राजनीति की लंबी पारी खेलने वाले प्रसाद सांसद नहीं बने थे। विधायक अवधेश प्रसाद सत्तर के दशक से राजनीति में है। साल 1974 में पहली बार विधानसभा का चुनाव लड़े। सियासत का उनका सफर यहीं से शुरू हुआ। इसके बाद तो लगभग विधानसभा के सभी चुनाव वह लड़ते रहे। पहले वो सोहावल सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ते रहे। सन् 1977 से शुरू हुआ उनके जीत का सफर साल 1991 में राम लहर में थमा। वह चुनाव हार गए थे। इसके बाद 1993 के विधानसभा चुनाव से फिर जीत का सफर शुरू हुआ। परिसीमन के बाद मिल्कीपुर विधानसभा सीट सुरक्षित हई तो 2012 में वहां से चुनाव लड़ा और जीते। 2017 में वह चुनाव हार गए लेकिन 2022 के विधानसभा चुनाव में फिर नौवीं बार जीत दर्ज कराई। एक बार उनको अकबरपुर सुरक्षित क्षेत्र से लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाया गया था लेकिन वह चुनाव हार गए थे। इस लोकसभा चुनाव में जिले में पहली बार सपा ने उन्हें प्रत्याशी बनाया। लंबे राजनीतिक सफर में प्रसाद पहली बार सांसद चुने गए।

सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद जीत के बाद सीधे अपने घर पहुंचे। इसके बाद भारी सुरक्षा के बीच रात दस बजे अयोध्या हनुमानगढ़ी में दर्शन पूजन करने पहुंचे। अवधेश प्रसाद इससे पहले मतगणना के पूर्व बजरंगबली का आशीर्वाद लेने हनुमानगढ़ी पहुंचे थे।

गठबंधन प्रत्याशियों की जीत पर फोड़े पटाखे, बांटी मिठाई

अयोध्या, अमृत विचार। अमृत विचार : कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय गठबंधन प्रत्याशी अवधेश प्रसाद, रायबरेली में राहुल गांधी और अमेठी में सोनिया गांधी के प्रतिनिधि किशोरी लाल शर्मा की जीत पर पटाखे फोड़, एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में गठबंधन की ऐतिहासिक जीत, इस देश के संविधान और लोकतंत्र की जीत है। महानगर अध्यक्ष वेद सिंह ने कहा गठबंधन प्रत्याशी की जीत पूरे चुनाव में तन मन धन से जुटे हर कार्यकर्ता की जीत है। पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा भाजपा के बड़बोले और अहंकारी नेताओं को देश और प्रदेश की जनता ने आईना दिखाया। महिला जिलाध्यक्ष रेनू राय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने महिलाओं को प्रति माह 8500 देने की योजना पर पूरे देश की महिलाओं ने गठबंधन के प्रत्याशियों को वोट दिया। प्रवक्ता सुनील कृष्ण गौतम ने कहा कि जनता धर्म के आधार पर भेदभाव करने वाले लोगों को कभी माफ नहीं करेगी। इस अवसर पर पीसीसी उग्रसेन मिश्रा, राजकुमार पांडे, अशोक कनौजिया ,हरजीत सिंह सलूजा ,कवींद्र साहनी, उमेश उपाध्याय, करण त्रिपाठी, प्रवीण श्रीवास्तव, चंचल सोनकर सहित अन्य लोग थे।

1957 में बनी फैजाबाद सीट, पहले सांसद थे राजाराम मिश्र

वर्ष	सांसद	दल
1957	राजा राम मिश्र	कांग्रेस
1962	बृज बासी लाल	कांग्रेस
1967	राम कृष्ण सिन्हा	कांग्रेस
1971	राम कृष्ण सिन्हा	कांग्रेस
1977	अनंतराम जायसवाल	जनता पार्टी
1980	जयराम वर्मा	कांग्रेस (आई)
1984	निर्मल खत्री	कांग्रेस
1989	मित्रसेन यादव	भाकपा
1991	विनय कटियार	भाजपा
1996	विनय कटियार	भाजपा
1998	मित्रसेन यादव	सपा
1999	विनय कटियार	भाजपा
2004	मित्रसेन यादव	बसपा
2009	निर्मल खत्री	कांग्रेस
2014	लल्लू सिंह	भाजपा
2019	लल्लू सिंह	भाजपा
2024	अवधेश प्रसाद	सपा

नोट–स्रोत इंटरनेट

शहर में रहा सन्नाटा, टीवी से चिपके रहे लोग

सिविल लाइन स्थित एक शोरूम में नतीजों पर निगाह जमाए लोग। अमृत विचार

जीआईसी मतगणना स्थल पर बैरिकेडिंग के साथ सूनी पड़ी रोड।

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव मतगणना के दौरान मंगलवार को पूरे दिन शहर में सन्नाटा पसरा रहा। सड़कों पर आम दिन की तुलना में न के बराबर लोग दिखे। इस दौरान लोग घरों व दुकानों पर दिन भर सरकार किसकी बन रही है, कौन-जीता-कौन हारा जानने के लिए टीवी से चिपके रहे। यहां तक कि निजी चिकित्सालयों में भी आम दिन की अपेक्षा भीड़ न के बराबर रही। सरकारी व निजी कार्यालयों में भी सुबह से लोग ताजा अपडेट व रुझान के लिए मोबाइल पर नजरें गड़ाए रहे।

नगर के चौक, रिकाबगंज, फतेहगंज, नाका, देवकाली, अयोध्या धाम आदि में सूनी सड़कों के साथ ही शहर की दुकानों पर भी ग्राहकों की संख्या न के बराबर रही। दुकानों पर भी पूरे दिन सन्नाटा सा छाया रहा। चिकित्सालयों में भी मरीजों की भीड़ न के बराबर रही। दिन भर के सन्नाटे के बाद शाम को शहर में भीड़ दिखनी शुरू हुई। जगह-जगह चुनावी नतीजों के उलट-फेर पर ही चर्चा होती रही। शहर में बड़े मंगल पर आयोजित भंडारे को छोड़ कर पूरे दिन सन्नाटा रहा।

जीआईसी के इर्द–गिर्द मुस्तैद थी पुलिस

▸▸ केंद्रीय चुनाव कार्यालय पर भाजपा और पुष्पराज पर सपा ने संभाल रखा था मोर्चा

अयोध्या, कार्यालय

सुरक्षा के लिए मतगणना स्थल पर तैनात अर्द्ध सैनिक बल के जवान।

जीआईसी में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फोर्स के साथ निरीक्षण करते।

अमृत विचार। लोकसभा महासमर 2024 के अंतिम और निर्णायक पड़ाव मतगणना को सकुशल और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जीआईसी के इर्द-गिर्द कड़ा सुरक्षा घेरा खींच रखा था। सिविल लाइंन स्थित केंद्रीय चुनाव कार्यालय पर भाजपा और पुष्पराज चौराहे के पास सपा कार्यकर्ताओं ने मोर्चा संभाल रखा था। मतगणना में लगे कर्मियों और प्रत्याशियों व उनके प्रतिनिधियों के आवागमन मार्ग को छोड़कर मतगणना स्थल की ओर जाने वाले बाकी रास्तों पर आवागमन रोकने के लिए सघन बैरिकेटिंग कर रखी थी। निष्पक्ष मतगणना के लिए जीआईसी परिसर त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में रखा गया था,जबकि पैरामिलेट्री के साथ पुलिस बल को कानून व्यवस्था की निगरानी के लिए विभिन्न मोर्चों पर लगाया गया था।

पक्ष-विपक्ष की ओर से मतगणना के पूर्व सियासी बयानबाजी को लेकर डीजीपी की ओर से पुलिस-प्रशासन को सतर्क किया गया था और हालात तथा पल-पल की गतिविधियों की निगरानी के लिए अधिकारियों के साथ ख़ुफ़िया विभाग के कर्मियों को तैनात किया गया था। दरअसल इण्डिया गठबंधन के मुख्य दल कांग्रेस के प्रदेश पदाधिकारी ने निष्पक्ष मतगणना के लिए प्रशासन पर दबाव बनाने की कवायद के तहत एक हाथ में डंडा और एक हाथ में झंडा लेकर मतगणना स्थल के आसपास मुस्तैद रहने की घोषणा की थी, वहीं बेईमानी की आशंका के चलते सपा ने भी कार्यकर्ताओं का जीत का प्रमाण पत्र मिलने तक घेरा डाल मुस्तैद रहने की अपील की थी। हलांकि विपक्ष के दावे सतही ही रहे लेकिन पुलिस महकमें की ओर से हालात को लेकर एहतियाती इंतजाम किए गए थे।

भाजपा महामंत्री की दुकान के सामने दगाया पटाखा

▸▸ मना करने पर मारपीट का आरोप दो लोगों को हिरासत में लिया गया

कादीपुर, सुलतानपुर

अमृत विचारः लोकसभा के चुनाव के परिणाम की घोषणा के बाद कस्बे में भाजपा जिला महामंत्री की दुकान के सामने खुशी का इजहार करते हुए कुछ लोग गोला पटाखा दगाने लगे। आरोप है कि मना करने पर मारपीट की। जिसमें भाजपा जिला महामंत्री, उनके दो बेटे एवं एक बेटी को चोट आई।

मंगलवार को देर शाम लगभग साढ़े सात बजे कस्बे के जवाहर नगर मोहल्ले में भाजपा जिला महामंत्री घनश्याम चौहान के जया गारमेंट्स की दुकान के सामने कुछ लोग गोला पटाखा दागने लगे। जिसकी चिंगारी दुकान की तरफ जाने लगी। आरोप है कि मना करने पर महामंत्री के बेटे बृजेश सिंह चौहान को मारने पीटने लगे। बीच बचाओ करने पहुंचे जिला महामंत्री घनश्याम चौहान एवं उनके बड़े बेटे कृष्ण कुमार तथा बेटी रचना सिंह चौहान को भी मारा पीटा। जिससे उन लोगों को चोटे आई। बृजेश सिंह चौहान की तहरीर पर पुलिस ने कस्बे के ही मोहम्मद सैफ, सैफ, आरिफ, आकिब एवं 10 अज्ञात के विरुद्ध केस दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मामले में कस्बे के ही सलमान एवं इमरान को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

जातीय समीकरण ने बिगाड़ दिया मेनका का गणित

निर्णायक साबित हुए निषाद और कुर्मी मतदाता, लाख कोशिशों के बाद भी बनाई भाजपा से दूरी

मनोज कुमार मिश्र, सुलतानपुर

रामभुआल निषाद। मेनका गांधी। उदराज वर्मा।

अमृत विचारः आखिर सुलतानपुर लोकसभा सीट पर जातीय समीकरण ने मेनका गांधी का गणित बिगाड़ दिया। लाख कोशिशे के बाद भी पिछले चुनाव में भाजपा के पक्ष में निर्णायक भूमिका निभा चुके निषाद और कुर्मी मतदाता इस बार लामबंद नहीं हो सके। इस बिरादरी के अधिकतर मतदाता इंडिया गठबंधन और बसपा के पाले में चले गए। नतीजा मेनका गांधी की पराजय के रूप में सामने आया।

सुलतानपुर लोकसभा सीट पर 2014 में भाजपा से वरुण गांधी जीते थे, जबकि 2019 में उनकी मां मेनका गांधी ने यहां पर कमल खिलाया था। चुनाव में भाजपा ने इस बार भी यहां मेनका संजय गांधी को प्रत्याशी बनाया। इंडिया गठबंधन (सपा) ने जातीय समीकरण साधते हुए राम भुआल निषाद को चुनाव मैदान में उतारा। बसपा ने कुर्मी बिरादरी के उदराज वर्मा को प्रत्याशी बनाया। मेनका ने लगातार करीब 40 दिनों तक चुनावी प्रचार में ताकत झोंक दी। जनता के बीच अपने पांच साल के कार्यों व भाजपा की लाभार्थीपरक योजनाओं का खाका जनता के सामने रखा। पर, मतदान की तिथि नजदीक आते-आते पूरा चुनाव जातीय समीकरण पर टिक गया। निषाद और कुर्मी वोट पिछले दो चुनावों में भाजपा के ही थे। इस वोट बैंक को अपने पक्ष में साधने के लिए चुनाव के अंतिम समय में वरुण गांधी ने भी एक दिन निषाद बाहुल्य इलाकों में ताबड़तोड़ सभाएं की और अपनी मां मेनका के पक्ष में माहौल बनाने का प्रयास किया। भाजपाइयों ने भी निषाद और कुर्मी मतदाताओं को अपने पाले में लाने की तमाम तरकीब लगाई, लेकिन वह काम नहीं आई। न निषाद टूटे न ही बड़ी संख्या में कुर्मी ही अपने जाति के प्रत्याशी को छोड़कर भाजपा में आए। नतीजा रहा कि भाजपा प्रत्याशी मेनका गांधी को हार का सामना करना पड़ा। इस चुनाव में राम भुआल को 4,44,330 मत प्राप्त हुए, जबकि रनर रही मेनका गांधी को 4,01,156 मतों से संतोष करना पड़ा। इस हिसाब से राम भुआल ने 43,174 मतों से चुनाव जीत लिया।

बसपा प्रत्याशी ने भी मेनका गांधी की हार में निभाया बड़ा रोल

लोकसभा चुनाव के नतीजे आए तो भगवा खेमे को निराश कर दिया। इस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को 43,174 मतों से हार का सामना करना पड़ा। इसमें बसपा प्रत्याशी उदराज वर्मा ने भी अहम रोल निभाया। बसपा प्रत्याशी को कुल 1,63,025 मत प्राप्त हुए। इसमें बसपा के कैडर वोट को छोड़ दिया जाए तो आधे वोट कुर्मी बिरादरी के है। कुर्मी बिरादरी भाजपा का बेस वोट बैंक माना जाता था। यदि इनमें आधे भी वोट भाजपा को मिलता तो लाजमी है कि मेनका की जीत सुनिश्चित रहती।

सपा के राम भुआल ने 43,174 मतों से भाजपा की मेनका गांधी को हराया

पहली बार सुलतानपुर लोकसभा सीट पर मिली समाजवादी पार्टी को जीत, रुझानों में शुरू से ही सपा प्रत्याशी ने बनाये रखी थी बढ़त

जिला संवाददाता, सुलतानपुर

जीत के बाद पूर्व विधायकों व नेताओं के साथ सपा उम्मीदवार राम भुआल निषाद। डीएम कृत्तिका ज्योत्स्ना ने सपा प्रत्याशी को दिया जीत का प्रमाण पत्र। अमृत विचार

अमृत विचारः मंगलवार को सुलतानपुर लोकसभा चुनाव के आए नतीजों ने सभी का चौका दिया। यहां सिटिंग सांसद भाजपा उम्मीदवार व कद्दावर नेता मेनका संजय गांधी को समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी रामभुआल निषाद ने 43,174 मतों से पराजित कर दिया। सपा को 4,44,330 तो भाजपा को 4,01,156 मत प्राप्त हो सके। तीसरे नंबर पर बसपा के उदराज वर्मा रहे। उन्हें 1,63,025 वोट मिले। इन तीन प्रमुख उम्मीदवारों के बाद चौथे नंबर पर नोटा रहा। 8,513 मतदाताओं को सभी नौ प्रत्याशी पसंद ही नहीं आए।

मंगलवार को मंडी परिषद अमहट में पांचों विधानसभा के लिए अलग-अलग हाल में मतगणना शुरू हुई। सभी विधानसभा में मतगणना के लिए 14-14 टेबल लगाए गए थे। निर्धारित समय आठ बजे से मतों की गणना शुरू हुई। हालांकि, कार्मिक इसके दो घंटे पहले ही पहुंच गए थे। प्रत्याशियों के एजेंट के सामने ईवीएम खोली गई और कंट्रोल युनिट मतों की गणना शुरू हुई। पहले पोस्टल बैलेट व ईटीबीपीएस के मतों की गणना आरओ हाल में हुई। इसके बाद विधानसभावार बनाए गए काउंटरों पर मतगणना शुरू हुई। शुरूआती रुझान में ही भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी मेनका संजय गांधी समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार राम भुआल से पीछे रहीं। यह सिलसिला शुरू हुआ तो नतीजों तक सपा आगे ही रही। अंतिम नतीजों में सपा उम्मीदवार को 4,44,330 मत मिले और उन्हें विजयी घोषित किया गया। रनर रहीं भाजपा की मेनका गांधी को 4,01,156 मत प्राप्त हुए। तीसरे नंबर पर बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी उदराज वर्मा रहे। उन्हें 1,63,025 मत प्राप्त हुए।

बंद रहीं आसपास की दुकानें

मतगणना के दौरान करीब एक किलोमीटर के परिक्षेत्र में चाय-पान की दुकानें बंद रहीं। इस दौरान चुनाव परिणाम जानने आए विभिन्न प्रत्याशियों के समर्थकों को पानी पीने के लिए शहर तक जाना पड़ा। हालांकि, पराग डेयरी की दुकान खुलने से लोगों को राहत मिली।

रुझानों में भाजपा प्रत्याशी लगातार पिछड़ीं

लोकसभा चुनाव की मतगणना सुबह आठ बजे से शुरू हुई। पहले बैलट वोटों की गिनती हुई। इसी राउंड में सपा को बढ़त मिलनी शुरू हो गई। यह क्रम अंतिम राउंड तक जारी रहा। अंत में मेनका गांधी सपा उम्मीदवार राम भुआल निषाद से पराजित हो गई। रूझान जानने के लिए लोग लगातार एक दूसरे से संपर्क साधते रहे। सोशल मीडिया भी प्रमुख हथियार बना।

चिलचिलाती धूप में डटे रहे समर्थक

सुलतानपुर : लोकसभा चुनाव 2024 की मतगणना के शुरुआती दौर में सपाइयों व भाजपाइयों में गजब का उत्साह रहा। अमहट नवीन कृषि मंडी के चारो तरफ दोनों दलों के समर्थक चिलचिलाती धूप में जमे रहे। मंडी परिसर के बाहर और अंदर मतगणना स्थल पर भी सीआरपीएफ व पुलिस के जवानों को तैनात कर सुरक्षा के कड़े इंतजाम भी किए गए थे। बिना पास के कोई भी व्यक्ति मतगणना स्थल तक प्रवेश न करने पाए इस पर भी पुलिस अधिकारियों की ओर से नजर रखी रही थी।

प्रत्याशी	पार्टी	प्राप्त मत
राम भुआल निषाद	सपा	4,44,330
मेनका संजय गांधी	भाजपा	4,01,156
उदराज वर्मा	बसपा	1,63,025
अब्दुल माबूद	अपना देश पार्टी	4,297
मो. आसिफ	निर्दलीय	3,387
उदयराज वर्मा	निर्दलीय	2,909
गिरीश लाल	आजाद पार्टी	2,311
डा. शिवशंकर	इंडियन एमबीसीआई	2,090
जय प्रकाश	एसपीएसपी	1,369
	नोटा	8,513

अब तक के चुनावों में समाजवादी पार्टी का प्रदर्शन

उम्मीदवार	पार्टी	प्राप्त मत
वर्ष : 1996		
देवेंद्र बहादुर राय	भाजपा	2,38,843
कमरुज्जमा फौजी	सपा	1,20,559
वर्ष : 1998		
देवेंद्र बहादुर राय	भाजपा	2,69,951
रीता बहुगुणा जोशी	सपा	2,05,503
वर्ष : 1999		
जय भद्र सिंह	बसपा	1,73,558
राम लखन वर्मा	सपा	1,58,959
पवन पांडेय	निर्दलीय	1,29,525
दीपा कौल	कांग्रेस	82,385
वर्ष : 2004		
मो. ताहिर	बसपा	2,61,564
शैलेंद्र प्रताप सिंह	सपा	1,59,754
कैप्टन सतीश शर्मा	कांग्रेस	1,54,245
वीणा पांडेय	भाजपा	91,328
वर्ष : 2009		
डॉ. संजय सिंह	कांग्रेस	3,00,411
मो. ताहिर	बसपा	2,01,632
अशोक पांडेय	सपा	1,07,895
सूर्यभान सिंह	भाजपा	44,425
वर्ष : 2014		
वरुण फिरोज गांधी	भाजपा	4,10,348
पवन पांडेय	बसपा	2,31,446
शकील अहमद	सपा	2,28,144
अमिता सिंह	कांग्रेस	41,983
वर्ष 2019		
मेनका संजय गांधी	भाजपा	4,58,196
चंद्रभद्र सिंह सोनू	बसपा	4,44,670
डा. संजय सिंह	कांग्रेस	41,681
वर्ष 2024		
राम भुआल निषाद	सपा	4,44,330
मेनका संजय गांधी	भाजपा	4,01,156
उदराज वर्मा	बसपा	1,63,025

पूर्व विधायक अनूप संडा के आवास पर रहा जश्न का माहौल

सुलतानपुर : दिन चढ़ने के साथ ही पारा बढ़ता ही जा रहा था वैसे ही सपा प्रत्याशी राम भुआल निषाद बढ़त बनाए हुए थे। जिसके चलते सपा समर्थको में हर्ष का माहौल था। उत्साहित कार्यकर्ता पूर्व विधायक अनूप संडा के आवास पर पहुंच गए। जहां समर्थक ढोल नगाड़े की धुन पर जश्न मना रहे थे वही समर्थक एक दूसरे को बधाई भी दे रहें थे। राष्ट्रीय प्रवक्ता अनुप संडा ने समर्थको को बधाई दी। इस मौके पर लोकसभा प्रभारी व पूर्व एमएलसी रामवृक्ष सिंह यादव, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी शकील अहमद, पूर्व विधायक अरुण वर्मा सहित अन्य सपा के समर्थक मौजूद रहे।

जिले में राम भुआल ने दौड़ाई साइकिल, सपा का खुला खाता

अजय कुमार पांडेय, सुलतानपुर

अमृत विचारः गठन के बाद से ही समाजवादी पार्टी भले ही विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज कर प्रदेश में सरकार में बना ली है, लेकिन अभी तक सुलतानपुर लोक सभा सीट से सपा एक बार भी चुनाव नहीं जीत पाई थी। सपा द्वारा चुनाव में उतारे गए उम्मीदवार मेहनत कर रनर तक ही पहुंचे है, लेकिन जीत का स्वाद नहीं चखा था। राम भुआल निषाद ने सुलतानपुर लोकसभा सीट से चुनाव जीत सपा को खाते में डालते हुए एक नया इतिहास रचा है।

वर्ष 1996 में पहली बार समाजवादी पार्टी ने तत्कालीन जिलाध्यक्ष कमरुज्जमा फौजी को अपना उम्मीदवार बनाया था। जिसमें 1,20,559 मत पाकर भाजपा प्रत्याशी पूर्व आईपीएस डीबी राय से चुनाव हार गए थे। वर्ष 1998 के लोकसभा चुनाव में सपा प्रयागराज की मेयर रहीं रीता बहुगुणा जोशी को उम्मीदवार बनाया था। जिसमें फिर भाजपा के डीबी राय ने समाजवादी पार्टी के डा रीता बहुगुणा जोशी को 64,448 वोट से हराया था।

▸▸ **पहले चुनावों में जनाधार तो मिला पर मिली शिकस्त**

रीता बहुगुणा जोशी को इस चुनाव में 2,05,503 वोट मिले थे। वर्ष 1999 के लोकसभा चुनाव में सपा ने अंबेडकर नगर के विधायक राम लखन वर्मा को अपना उम्मीदवार बनाया। जिसमें बसपा के जयभद्र सिंह ने राम लखन वर्मा को शिकस्त दी। जबकि राम लखन वर्मा को इस चुनाव 1,58,959 मत मिले थे। 2004 के लोकसभा चुनाव में सपा ने स्थानीय प्रत्याशी पर दांव आजमाया। एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह को उम्मीदवार बनाया था। इनको 1,59,754 मत मिले थे, लेकिन बसपा के ताहिर खान से चुनाव हार गए थे। 2009 में सपा ने अशोक पांडेय को अपना उम्मीदवार घोषित किया था। जिसमें इन्हें 1,07,895 मत मिले थे, लेकिन कांग्रेस के संजय सिंह से चुनाव हार गए थे। 2014 के लोकसभा चुनाव में सपा ने शकील अहमद को प्रत्याशी बनाया था। जिसमें शकील अहमद ने 2,28,144 मत पाकर भाजपा के वरुण गांधी से चुनाव हार गए थे। वर्ष 2019 के चुनाव में सपा बसपा का गठबंधन हो गया, सीट बसपा के खाते में चली गई थी। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा कांग्रेस का गठबंधन हुआ सीट सपा के खाते में गई। सपा ने पहले अंबेडकर नगर निवासी भीम निषाद को उम्मीदवार बनाया। लेकिन सप्ताह भर के अंदर गोरखपुर निवासी राम भुआल निषाद को उम्मीदवार बनाया। जिसका नतीजा रहा कि राम भुआल निषाद ने जीत दर्ज कर इस सीट को सपा के खाते में डाल दिया। साथ ही वर्षों से चली आ रही मिथक को भी तोड़ दिया।

शुभम के भाई ने डीएम से लगाई न्याय की गुहार

सुलतानपुर

▸▸ बीती तीन जून को जेल में हुई थी शुभम वर्मा की मौत

अमृत विचारः मोतिगरपुर थाना क्षेत्र के बढ़ौनाडीह भटपुरा निवासी शुभम वर्मा की 3 जून को जेल में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। मृतक के भाई शिवम वर्मा ने डीएम को दिए प्रार्थना-पत्र में जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं और न्याय की गुहार लगाई है। शिवम ने अपने प्रार्थना पत्र में जेल प्रशासन पर साजिश हत्या का आरोप लगाते हुए मामले की सीसीटीवी फुटेज के जरिए जांच कराने की मांग की है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शुभम की मृत्यु की सूचना परिवार को समय पर नहीं दी गई। शिवम ने विवेचनाधिकारी पर विपक्षियों से मिलीभगत का आरोप लगाते हुए बिना निष्पक्ष विवेचना किए, उनके भाई के खिलाफ कोर्ट में आरोप पत्र भेजने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। शिवम ने डीएम से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, जेल प्रशासन व विवेचक के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने व परिवार को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता की मांग की है।

झटका मशीन की चपेट में आने से महिला की मौत

सुलतानपुर, अमृत विचारः जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के महमूदपुर सलाहपुर निवासी गया प्रसाद यादव की पत्नी कमलेश यादव खेत में घास काटने गई थी। आरोप है कि गांव के ही अक्षैवर सिंह ने अपने खेत में आवारा पशुओं से फसलों के बचाव के लिए नंगे तार से खेत को घेराई कर बिजली से चलने वाली झटका मशीन लगाया था। इसमें करंट प्रवाहित हो रहा था। तार में दौड़ रहे करंट की चपेट में आकर कमलेश यादव खेत में गिर पड़ी। आनन फानन में उसे अस्पताल पहुंचाया गया, मगर तब तक उसकी सांसे थम चुकी थी। मृतका के पति ने घटना की शिकायत कोतवाली पुलिस से की। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। कोतवाल प्रेमचन्द्र सिंह ने बताया कि केस दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ड्राइवर रुक्सार का सरेंडर, भेजा जेल

● पूर्व विधायक सोनू सिंह के मामले में एमपी-एमएलए न्यायालय ने अपनाया सख्त रुख

विधि संवाददाता, सुलतानपुर

दीवानी न्यायालय का गेट नंबर दो।

अमृत विचारः मायंग में तीन साल पूर्व बनारसी लाल की दीवार गिराने और घर में घुसकर पिटाई के मामले में लोअर कोर्ट से सजा के खिलाफ सेशन कोर्ट में दाखिल अपील खारिज होने के बाद मंगलवार को कमरौली थानाक्षेत्र कए ग्राम चांदगढ़ बनभरिया निवासी दोषी ड्राइवर रुक्सार ने एमपी-एमएलए की विशेष मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत में अधिवक्ता मदन सिंह के जरिए सरेंडर कर दिया जिसे कोर्ट ने जेल भेज दिया।

दोषी पूर्व विधायक व अंशू सिंह उर्फ सूर्य प्रकाश सिंह की तरफ से स्वास्थ्य खराब का आधार बताते हुए मौके की मांग कोर्ट से की गई जिसे कोर्ट ने खारिज कर दोनों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर 10 जून को तलब किया है। बताते चले न्यायाधीश एकता वर्मा ने एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट की कोर्ट से सजा के खिलाफ अपील को खारिज कर दिया था तथा एमपी-एमएलए की कोर्ट से हुई सजा की पुष्टि कर उसे बहाल कर दिया। पूर्व विधायक समेत तीनों दोषियों को कोर्ट ने 4 जून को एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट की अदालत में हाजिर होने का आदेश दिया था। 25 फरवरी 2021 को बनारसी लाल की दीवार जेसीबी से गिराने और घर में घुसकर पिटाई समेत अन्य आरोपों में निचली अदालत ने पूर्व विधायक समेत तीन को बीती छह जुलाई को डेढ़ साल की सजा व 7700 रुपए की सजा सुनाई थी। इस आदेश को पूर्व विधायक ने अपीलीय कोर्ट में चुनौती दी थी।

सार-संक्षेप

महिला को पीटा, मुकदमा दर्ज

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : कोतवाली के मुस्तफाबाद सरैया गांव के अंकिता पांडेय का आरोप है कि वह अपने घर के सामने सोमवार की सुबह 9 बजे खड़ी थी। तभी रंजिश कुसुम एवं उनके पति सत्य नारायण तथा रीता ने गाली गलौज देना शुरू कर दिया। मना करने पर लात घूंसों से जमकर मारपीट एवं जान से मारने की धमकी दी। जिससे काफी चोटें आई। पीड़िता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने रीता पत्नी कालिका, कुसुम पत्नी सत्यनारायण एवं सत्यनारायण के विरुद्ध केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

किशोरी को भगाने के आरोप में केस दर्ज

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की एक किशोरी एक जून को घर से शौच करने के लिए निकली। उसके बाद घर वापस नहीं आई। परिजनों ने काफी खोजबीन की किंतु किशोरी का पता नहीं चला। किशोरी के पिता की दी गई तहरीर पर पुलिस ने कालीगंज गांव के गुड्डू सिंह के विरुद्ध किशोरी को भगाने के मामले में केस दर्ज कर लिया है।

पांच लीटर कच्ची शराब के साथ महिला गिरफ्तार

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : आबकारी निरीक्षक नेहा श्रीवास्तव कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना पर कादीपुर खुर्द गांव के मोड पर एक महिला को संदिग्ध दशा में एक पिपिया के साथ खड़ी देखा। टीम ने पिपिया को लेकर देखा तो उसमें पांच लीटर अवैध कच्ची शराब थी। महिला की पहचान सागरी पत्नी छोटेलाल के रूप में कीगई। पुलिस ने महिला को हिरासत में लेते हुए उसके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की।

आम तोड़ने के विवाद में महिला को पीटा, केस दर्ज

कादीपुर, अमृत विचार : रविवार को कोतवाली के बेरामारूफपुर गांव की पुनीता के पेड़ से विपक्षी आम तोड़कर लेकर चले गए। उलाहना देने गई पुनीता को विपक्षियों ने बाल पकड़कर पटक दिया और बुरी तरह से लात-घूसों से मारा पीटा। जिससे उसे काफी चोट आई। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने सोमवार को देर शाम गांव के ही प्रिंसा, प्रीतम, पुष्पा, नीलम के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तमंचा के साथ युवक गिरफ्तार

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके पास से अवैध रूप से तमंचा बरामद किया। सोमवार को बीरी हाजीपुर चौकी प्रभारी अवधेश रावत गस्त पर थे। तभी उन्हें हनपुर टैनी गांव के पास एक संदिग्ध युवक दिखाई पड़ा। युवक की तलाशी ली गई। उसके पास से एक अवैध तमंचा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान दोस्तपुर थाने के सिजीलपुर गांव के प्रेम कुमार के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध केस दर्ज कर उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन

सुलतानपुर, अमृत विचार : दीवानी संघ भवन सभागार में मंगलवार को निशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में चिकित्सकीय परामर्श हेतु डॉ. आरपी द्विवेदी तथा डॉ. एवी मिश्रा उपस्थित रहे। इस चिकित्सा शिविर में वकीलों और अन्य लोगों ने चिकित्सकीय परीक्षण कराया। उक्त चिकित्सा शिविर का आयोजन एडवोकेट अरुण पांडेय और गिरीश मिश्र के संयोजन में किया गया। बार अध्यक्ष अरविंद पांडेय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विद्याभूषण पांडेय, महासचिव आर्तमणि मिश्र ने आये हुए चिकित्सकों का आभार जताया।

श्रद्धाभाव — श्रद्धालुओं ने जगह-जगह भंडारा लगाकर पूड़ी-सब्जी का किया वितरण और पिलाया शर्बत

ज्येष्ठ माह के दूसरे मंगलवार को जिले भर में बही आस्था की बयार

संवाददाता, सुलतानपुर

धनपतगंज के हरौरा में शरबत वितरण किया गया। अमृत विचार

अमृत विचारः मंगलवार की सुबह जेठ महीने के दूसरे मंगल को दो मुहा चौराहे पर राहगीरों को कार्यकर्ताओं ने छोले का प्रसाद खिलाकर शरबत पिलाया। इससे पहले बजरंग बली जी के चित्र पर विधि विधान से पूजा पाठ कर जयघोष किया गया। बरुई के सौरभ तिवारी ने हनुमान जी के चित्र पर पूजा पाठ वैदिक मंत्रोचार के साथ किया। पं राम कृपाल मिश्र के द्वारा हनुमान जी की प्रतिमा पर विधि विधान से पूजा पाठ कर बजरंग बली का जयघोष लगाया गया। आयोजक सौरभ तिवारी बरुई, इन्द्र प्रताप सिंह, चुन्नू सिंह, बृजेश मणि त्रिपाठी, अंजनी कुमार दूबे, विनोद तिवारी, राजेश शर्मा, विजय यादव, हनुमान पांडेय व विपिन पांडेय आदि रहे।

परीक्षार्थियों को पिलाया गया शीतल शरबत

राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय में ज्येष्ठ मंगल के अवसर पर विद्यार्थियों हेतु शरबत वितरण का आयोजन किया गया। शुभारंभ महाविद्यालय के प्रबंधक बालचंद्र सिंह एडवोकेट एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो डीके त्रिपाठी द्वारा महाविद्यालय के निकट स्थित हनुमानजी के मंदिर में पूजन एवं भोग लगाने से हुआ। प्रबंधक बालचंद्र सिंह ने बताया कि इस समय विश्वविद्यालय की परीक्षा चल रही है। तीनों मीटिंग के परीक्षार्थियों हेतु शीतल शरबत की व्यवस्था की गई है। इस अवसर डॉ मंजू ठाकुर, डॉ नीतू सिंह, डॉ अंजना सिंह, डॉ हीरालाल यादव, डॉ संतोष अंश, मैडम शिवानी पाण्डेय, विनय सिंह, धीरेन्द्र मिश्रा, समर बहादुर सिंह, राम साल मिश्रा, राजेश शर्मा, राजेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

दीवानी में शर्बत और प्रसाद का किया गया वितरण

सुलतानपुर : दीवानी में मंगलवार को एक विशेष शरबत वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ एडवोकेट अरविंद सिंह राजा व मन्नू मिश्र ने किया। इस मौके पर हनुमान जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वकीलों व वादकारियों ने भाग लिया। वहीं, दीवानी चौराहे पर भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह, मदन सिंह, रणशेर सिंह, शैलेन्द्र कुमार यादव, संदीप सिंह, सौरभ गुप्ता, कपिल यादव, संतोष तिवारी, अंश सिंह, प्रदीप सिंह, प्रियेश सिंह मौजूद आदि रहे।

बाबा बालेश्वर महादेव में पिलाया गया शर्बत

धनपतगंज, सुलतानपुर : ज्येष्ठ मास के दूसरे मंगलवार को क्षेत्र के हरौरा बाजार में बाबा बालेश्वर महादेव पर शरबत पिलाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे अच्छे लाल दीक्षित, प्रहलाद तिवारी, राना पंडित, दीपू पंडित, बल्लू तिवारी, राघवराम, सोनू पांडेय, प्रेम गुप्ता, डा संजय सिंह, श्यामू तिवारी, गोरेलाल, गौरव पांडेय, वैभव एवं आयोजक अनुभव, अक्षत सोनू दीक्षित आदि मौजूद रहे।

40 साल बाद खुला कांग्रेस का खाता

इलाहाबाद सीट : उज्जवल रमण ने भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी को हराया

संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार : जिले के चर्चित इलाहाबाद लोकसभा सीट पर राजनीतिक सियासी में बड़ा उलट फेर देखने को मिला है। इलाहाबाद की इस सीट पर 40 साल बाद कांग्रेस का कब्जा जमाया है। कांग्रेस के प्रत्याशी उज्जवल रमण सिंह ने भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी को 58 हजार 352 मतों से कड़ी शिकस्त दी है। तीसरे स्थान पर बसपा का प्रत्याशी रमेश कुमार पटेल रहे है। उज्जवल रमण ने अपनी इस जीत को इसी सीट से दो बार सांसद रहे अपने पिता कुंवर रेवती रमण सिंह की जीत बताई है।

इलाहाबाद लोकसभा सीट में कांग्रेस ने धमाकेदार वापसी करते हुए भाजपा से यह सीट छीनकर अपने खाते में ली है। 40 साल पहले फिल्म स्टार अमिताभ बच्चन ने इसी सीट पर हेमवती बहुगुणा नंदन को करारी मात दी थी। जिसके बाद कांग्रेस के प्रत्याशी उज्जवल रमण सिंह ने यहां से भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी को 58 हजार 352 मतों से शिकस्त देते हुए 40 साल पुराने इतिहास को दोहराया है। उज्जवल को 4 लाख 61 हजार 135 मत मिले जबकि नीरज त्रिपाठी को 4 लाख दो हजार 783। तीसरे स्थान पर बसपा प्रत्याशी रमेश कुमार पटेल रहे हैं। जिन्हें 49026 मत मिले। उज्जवल ने इस जीत को अपनी पिता की मेहनत का नतीजा बताया है।

20वें राउंड की मतगणना के बाद ही इलाहाबाद सीट से भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी की पत्नी कविता यादव त्रिपाठी ने हार मान ली थी। उन्होंने फेसबुक पेज पर पोस्ट किया। लिखा- क्या हार में क्या जीत में, किंचित नहीं भयभीत में, संघर्ष पथ पर जो मिले यह भी सही.. वह भी सही।

जीत के बाद प्रमाण पत्र लेकर खुशी जाहिर करते उज्जवल रमण सिंह। अमृत विचार

अमिताभ बच्चन ने दर्ज कराई थी जीत

इस सीट पर कुल 945220 वैध गिने गए। जिसमें 9920 नोटा के मत हैं। कांग्रेस पार्टी को 40 साल बाद वापस से सीट मिली है। इसके पहले 1984 में फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन ने यहां से विजय हासिल की थी। इलाहाबाद लोक सभा सीट पर 40 साल बाद कांग्रेस प्रत्याशी ने यह जीत दर्ज की है। इससे पहले 1984 में मिलेनियम स्टार अमिताभ बच्चन ने इलाहाबाद सीट पर हेमवती नंदन बहुगुणा को हराकर जीत दर्ज की थी।

उज्जवल रमण की जीत ने कांग्रेसियों में भरा नया जोश

संवाददाता, नैनी

▸▸ यमुनापार इलाके में जगह जगह जश्न का माहौल

अमृत विचार : प्रयागराज संसदीय लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी उज्जवल रमण सिंह की जीत ने पार्टी कार्यकर्ताओं में एक नया जोश भर दिया है। यमुनापार के विभिन्न स्थानों पर कांग्रेस एवं सपा कार्यकर्ताओं ने जीत का जश्न मनाया। कहीं मिठाई बांटी गई तो कहीं ढोल ताशा की धुन पर कार्यकर्ताओं ने नृत्य किया। कुछ स्थानों पर आतिशबाजी भी की गई।

कांग्रेस के नैनी कार्यालय में कार्यकर्ताओं द्वारा एक दूसरे को बधाई दी गई। साथ ही मिष्ठान वितरण के साथ अबीर गुलाल लगाकर खुशियां मनाई गईं। इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह जीत सन 1984 के बाद अमिताभ बच्चन के जीत के बाद लगभग 40 वर्षों बाद कांग्रेस पार्टी की बहुत बड़ी जीत है। एक बार पुनः कांग्रेस का परचम लहराया है। इस मौके पर नयन कुशवाहा, राकेश श्रीवास्तव, विवेक पांडे, अंजुम नाज, राजकुमार कुशवाहा, प्रदीप वर्मा, वीरेंद्र शर्मा, शिवशंकर मिश्रा, मुन्ना जाफरी, निजामुद्दीन, ऊषा गौर, वीरेंद्र यादव, विजय कुशवाहा, इंदुबाला चौधरी, उर्मिला आदिवासी, धीरेंद्र यादव, अजय यादव, विनय जायसवाल, अजहर अली, मिराज अहमद, शहजाद, राजेश पटेलआदि लोग शामिल रहे।

इसी प्रकार करछना, मेजा, कोरांव, मांडा, भारतगंज, लेडियारी, खीरी आदि जगहों पर उज्ज्वल रमण की जीत में लोगों ने खुशी मनाई।

उज्जवल रमण की जीत पर खुशी मनाते कांग्रेस के कार्यकर्ता। अमृत विचार

फूलपुर सीट पर खिला कमल

भाजपा प्रत्याशी प्रवीण पटेल ने सपा प्रत्याशी को 4,332 मतों से हराया

संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार : देश को पहला प्रधानमंत्री देने वाली प्रयागराज की फूलपुर लोकसभा सीट पर भाजपा में अपना कब्जा बरकरार रखा है। भाजपा के प्रवीण पटेल ने सपा के अमरनाथ मौर्य को 4332 मतों से हराया है। भाजपा को कुल 452600 वोट मिले, जबकि सपा को 448268 मत मिले। बसपा के 82586 वोट मिले हैं। नोटा में 5460 मत पड़े हैं। कुल 10,14,824 वैध मत इस बार पड़े। इस बार का फूलपुर की मतगणना के विभिन्न चरणों में परिणाम के रुझानों ने दोनों प्रत्याशियों के दिलों की धड़कन रोक दी। प्रत्याशियों के समर्थक भी हर चरण के रुझान में दिल थाम कर देख सुन रहे थे। 34 चरणों की इस मतगणना ने दोनों प्रत्याशियों को पसीने-पसीने कर दिया। देशभर में चुनाव के नतीजों के बदलते मिजाज ने भी इसे और रोमांच से भर दिया। सोशल मीडिया में एक ही बात ट्रेंड करती रही कि नतीजा चाहे जो आए मतगणना के रुझान ने सभी को रोमांचित कर दिया। नतीजों के तेजी से बदलते रुझानों ने टी20 क्रिकेट वर्ल्ड कप के सुपर ओवर की याद दिला दी। इस सीट पर इसके पहले 2019 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा का कमल खिला था।

फूलपुर लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी ने लगातार दूसरी दफा जीत का परचम लहराया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में केशरी देवी पटेल को यहां की जनता ने प्रचंड बहुमत के साथ संसद भेजा था। वहीं 2024 के लोकसभा चुनाव में यहां के वर्तमान विधायक प्रवीण पटेल ने जीत दर्ज की। उनकी जीत का अंतर बेहद कम रहा। उन्होंने समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अमरनाथ मौर्य को 4784 मतों से शिकस्त दी है। प्रवीण पटेल फूलपुर विधानसभा से तीन बार विधायक रह चुके हैं। पहली दफे 2007 में उन्हें यहां की जनता ने बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर अपना विधायक चुनाव था। इसके बाद 2017 और 2022 में भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर वह विधायक चुने गए। अब जनता ने उन्हें लखनऊ विधानसभा से सीधे दिल्ली के संसद भवन भेजा है। फूलपुर की जनता से उन्हें काफी अपेक्षाएं हैं।

फूलपुर सीट जीतने के बाद समर्थकों के साथ भाजपा प्रत्याशी प्रवीण पटेल। अमृत विचार

तीन बार विधायक रह चुके हैं प्रवीण पटेल

जीत पर समर्थकों ने मनाया जश्न, बांटी मिठाई

प्रवीण पटेल की जीत पर समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने देर रात तक जश्न मनाया। मुंडेरा स्थित मतगणना स्थल से जीत का प्रमाण पत्र लेने के बाद रात तकरीबन नौ बजे प्रवीण पटेल अपने समर्थकों के साथ झूंसी के अंदावा स्थित कार्यालय पहुंचे। यहां पर पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों व पदाधिकारियों ने उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया। साथ ही जमकर पटाखे भी फोड़े। पत्नी गोल्डी पटेल ने सबसे पहले माला पहनाकर उनका स्वागत किया। कार्कर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी। इस मौके पर भाजपा गंगापार अध्यक्ष कविता पटेल, अनिरुद्ध पटेल,ब्लाक प्रमुख अरुणेंद्र यादव डब्बू, शशांक मिश्र, आशीष केसरवानी, राजेश प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

फूलपुर लोकसभा से महज 4784 मतों के अंतर से जीत दर्ज करने वाले भाजपा प्रत्याशी प्रवीण पटेल सियासत में खुद को स्थापित कर चुके हैं। प्रवीण पटेल को 451380 लाख वोट जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अमरनाथ मौर्य को 446596 लाख मत मिले। प्रवीण पटेल के पिता विधायक महेंद्र पटेल भी विधायक रहे चुके हैं। प्रवीण के पिता महेंद्र सिंह पटेल तीन बार विधायक रहे थे। उनके पिता झूंसी विधानसभा में कांग्रेस के टिकट पर 1984 में पहली बार विधायक बने। इसके बाद 1989, 1991 में वह जनता दल के टिकट पर इसी सीट से विधायक चुने गए। प्रवीण पटेल ने फूलपुर विधानसभा को अपना कर्मक्षेत्र बनाया। बसपा के टिकट पर पहली बार 2007 में विधायक बने। 2017 विधानसभा चुनाव के पूर्व उन्होंने भाजपा ज्वाइन की और निर्वाचित हुए। 2022 में भी भाजपा के टिकट पर उन्होंने फूलपुर का किला दोबारा फतेह किया और लखनऊ विधानसभा में पहुंचे। अब यहां की जनता ने उन्हें अपना सांसद चुना है।

किस प्रत्याशी ने हासिल किए कितने मत

फूलपुर लोकसभा ने इस बार 15 प्रत्याशी मैदान में थे। तीन प्रत्याशियों को छोड़कर सबकी जमानत जब्त हो गई। भाजपा और सपा के बाद सबसे अधिक मत बसपा प्रत्याशी पाल को 82586 मत मिले। जिला जीत भारतीय को 3299, प्रमोद भाई पटेल को 948, अपना दल के की महिमा पटेल को 4162, मुशीर अहमद सिद्दकी को 1506, योगेश कुशवाहा को 2771, लाला राम सरोज 1049, सुनील कुमार प्रजापति को 3048, संगीता यादव को 1290, संजीव मिश्रा को1679, अखिलेश त्रिपाठी को 2301, नफीस अहमद को 2143 और डॉक्टर नीरज को 1707 मत मिले हैं। फूलपुर से लगातार दूसरी बार भाजपा ने किला फतेह किया।

सर्वाधिक वोट पाने का रिकॉर्ड केशरी देवी के नाम

झूंसी। फूलपुर में सर्वाधिक मत पाने का रिकॉर्ड निवर्तमान सांसद केशरी देवी पटेल के पास ही है। उसके पहले यह रिकॉर्ड उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नाम था। 2014 के चुनाव में पहली बार केशव मौर्य ने पांच लाख का आंकड़ा पार करते हुए तीन लाख से ज्यादा मतों से सपा प्रत्याशी धर्मराज पटेल को शिकस्त दी थी। इसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में वर्तमान सांसद केशरी देवी पटेल ने 5.44 लाख मत हासिल किए। उनके मुकाबले केशव को वर्ष 2014 में 5.03 लाख ही मत मिले थे।

सार-संक्षेप

बच्चे की गला रेतकर हत्या, शव भूसे में छुपाया

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव, अमृत विचार : फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के गोंदरी गांव में निवासी दिनेश का चार वर्षीय पुत्र अक्षत उर्फ ढोलू सोमवार शाम घर के बाहर खेल रहा चार वर्ष का बच्चा रहस्यमय ढंग से लापता हो गया। परिजनों ने उसकी तलाश की तो उसका शव घर से कुछ दूर भूसे की बोरी में पड़ा मिला। उसके मुंह में कपड़ा ठूंसने के बाद धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या की गई थी। पुलिस ने जांच के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने शक के आधार पर कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। इसमें गांव की एक युवती भी शामिल थी। कड़ाई से हुई पूछताछ में युवती ने बच्चे की मां से खुन्नस में हत्या करने की बात कबूल कर ली। एसओ राजेश्वर प्रसाद त्रिपाठी ने बताया कि युवती को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है। आलाकत्ल चाकू बरामद किया गया है।

संदिग्ध हालात में गोली लगने से युवती की मौत

संवाददाता, निगोही, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव कटैया उदयपुर में सोमवार शाम एक युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से मौत हो गई। किसी ने पुलिस को गोली मारकर हत्या किए जाने की सूचना दी। जिसके बाद पुलिस के उच्च अधिकारी दौड़े। पुलिस ने मौके से तमंचा बरामद किया। पुलिस घटना को हत्या और आत्महत्या के बीच रख कर गहराई से जांच कर रही है। गांव कटैया उदयपुर निवासी नूर हसन ने बताया कि वह पत्नी निशादी के साथ शाहजहांपुर गए हुए थे, वहां से लौटते समय रास्ते में परिजनों ने फोन पर बताया कि सोनी (23) को गोली लग गई है। घटना के वक्त बड़ा बेटा चांद मिया खेत पर था और छोटा बेटा हसीब गांव के बाहर बच्चों के साथ क्रिकेट खेल रहा था। घर पर छोटी बेटी निशा(21) और पुत्रवधू शबाना बानो पत्नी चांद मिया घर पर थी। इसी दौरान सोनी ने कनपटी के पास खुद को गोली मार ली। उसे लहूलुहान हालत में सीएचसी से जिला अस्पताल भेज दिया गया लेकिन हालत में सुधार नहीं होने पर डॉक्टर ने बरेली रेफर कर दिया। बरेली ले जाते समय उसने रास्ते में दम तोड़ दिया।

संग्रहालय में प्रतिभागियों ने जानी डिजाइनिंग की बारीकियां

प्रयागराज, अमृत विचार : इलाहाबाद संग्रहालय में आयोजित पांच दिवसीय वस्त्र कलाकृतियों के संरक्षण पर केंद्रित कार्यशाला में मंगलवार को प्रतिभागियों ने प्रशिक्षित किया गया। संग्रहालय की ओर से इस विषय पर पहली बार आयोजित कार्यशाला में प्रशिक्षिका श्वेता सिंह ने पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से विषय वस्तु की जानकारी दी। उन्होंने प्रतिभागी बतााया कि समय के साथ वस्त्र तकनीक में निरंतर बदलाव हो रहा है। कपड़ों पर नई-नई डिजाइन की कलाकृतियां बनाई जा रही हैं। वहीं रमादेवी बालिका इंटर कॉलेज मीरापुर में ग्रीष्मकालीन ब्यूटीशियन कार्यशाला आयोजित की गयी। कार्यशाला की शुरुआत मुख्य अतिथि अजय कुमार मेहरोत्रा ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। संयोजिका ज्योति सिंह के अनुसार प्रतिभागियों को हेयर स्टाइल, हेयर कटिंग, हेयर कलर, फेशियल, मसाज, आइब्रो सेटिंग, अपर लिप्स, मेंहदी मोमबत्ती बनाना आदि का नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा।

आत्मनिर्भरता की मिसाल बनीं तीन बहनें

सिस्टर्स किचन के नाम से झूंसी में हैं मशहूर

झूंसी, प्रयागराज

अमृत विचार : जौनपुर-बादशाहपुर के एक छोटे से गांव टिकरा से तकरीबन छह माह पहले झूंसी आकर तीन सगी बहनें अपने पैरों पर खड़ी होने की जद्दोजहद कर रही हैं। अपने मुश्किल भरे इस सफर में ये तीनों बहनें काफी हद तक सफल होती भी दिखाई दे रही हैं। तीनों सगी बहनें उन लोगों के लिए एक मिसाल बनी हुई हैं, जो केवल सरकारी नौकरी या फिर सरकार से मिलने वाली सहायता के आसरे पर टिके रहते हैं।

तीनों बहनों ने झूंसी के अनवर मार्केट के इशरत काम्पेलक्स में सिस्टर्स किचन के नाम चाय की स्टॉल खोल रखी है। चाय के साथ-साथ तीनों बहनें फास्ट फूड भी बनाती हैं। तीनों बहनों की सिस्टर्स किचन शॉप पर सुबह से लेकर देर शाम तक ग्राहकों का आना-जाना लगा रहता है। अब ये परिवार के खर्च में भी अपना हाथ बंटा रही हैं।

परिवार झूंसी की आवास विकास कालोनी योजना में किराए के मकान में रहता है। पत्नी सुधा के साथ ही तीन बेटियां तनु (22), स्वाति (18) और श्रेया (16) हैं। परिवार की माली हालत को देखते हुए तीनों बहनों ने व्यापार करने का मन बनाया लेकिन पैसों की कमी के कारण वे सोच नहीं पा रही थीं कि आखिर कौन सा व्यापार किया जाए। तभी बड़ी बहन तनु के दिमाग में आया कि क्यों ने चाय की स्टॉल लगाई जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रभावित तनु ने झूंसी के अनवर मार्केट के इशरत काम्पेलक्स में तकरीबन छह माह पहले सिस्टरर्स किचन के नाम से चाय की स्टॉल शुरू की। कुछ दिनों में धंधा चल निकला तो तीनों बहनों ने इसे और आगे बढ़ाने की सोची। अब सिस्टरर्स किचन में चाय के साथ ही फास्ट फूड में कोल्ड काफी, सैंडवीच, बर्गर, मैगी, चाऊमीन, पाश्ता और पिज्जा भी मिलता है।

झूंसी में सिस्टरर्स किचन चलाने वाली तीनों बहनें। अमृत विचार

महज 20 हजार में शुरू किया था टी-स्टाल

तीनों बहनों ने सिस्टरर्स किचन महज 20 हजार रुपये की लागत से शुरू किया था। पिता से 20 हजार रुपये मांगे और अनवर मार्केट में टी स्टॉल खोल ली। बेहद ही कम दिनों में इनके मिट्टी के कुल्हड़ की चाय के दीवानों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

व्यापार के साथ कर रहीं पढ़ाई भी

सिस्टरर्स किचन संभालने के साथ ही तीनों बहने पढ़ाई भी कर रही हैं। तनु मिश्र एलएलबी प्रथम वर्ष की छात्रा हैं। स्वाति बीएससी तो श्रेया इंटरमीडिएट की छात्रा है। पढ़ाई बाधित न हो, इसके लिए तीनों बहनों ने दुकान आने का समय बांट रखा है। तनु सुबह नौ बजे दुकान खोलती है और दोपहर एक बजे तक रहती है। इसके बाद अन्य दोनों बहनें शाम तक रहती हैं। रात को दुकान बंद होने से पहले तनु दोबारा अपनी मां के साथ आ जाती है।

वर्ग पहेली-91

बाएं से दाएं

1. 1. जो दिखाई न दिया हो 2. जो देखा न गया हो।
3. 1. पिशाच का, पिशाच संबंधी 2. क्रूरतापूर्ण, घोर।
5. जनता के सामने, खुले बाज़ार में, लोगों के सामने।
6. 1. पानी में रहने वाला 2. जिसमें पानी मिला हो।
7. 1. प्रकट करने वाला 2. जताने वाला 3. भेद खोलने वाला 4. समझाने-बुझाने वाला, कहने या सुनने वाला 5. डाँटने-डपटने वाला।

ऊपर से नीचे

1. अधिकमास।
2. रात्रि में विचरण करने वाला, रात में निकलने वाला।
4. 1. जिसका भरोसा न किया जा सके, बात का कच्चा 2. निष्ठाहीन, विचलनशील 3. कच्ची तली या पेंदी का 4. ओछा, ढुलमुल।

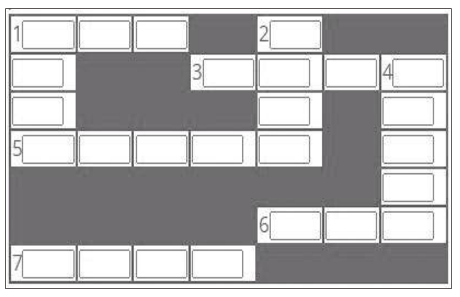

वर्ग पहेली -90 का हल

■	■	1 उ	2 प	गि	रि	■
■	3 खि	■	र	■	■	4 सों
5 ज़	रा	सी	म	■	■	टा
■	जी	■	6 पु	लि	या	■
■	भू	■	रु	■	■	7 टे
■	मि	■	ष	■	■	नि
■	■	■	■	8 पा	र	स

सुडोकू -4

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1		4					
4			8		2			
9		6	5			8	3	4
3		8			6			1
	9						2	
1		2				7		5
7	4	1			8	9		3
			1		5			8
					3		6	

सुडोकू -3 का हल

9	4	1	8	6	5	2	7	3
7	3	5	4	1	2	6	8	9
6	8	2	9	7	3	1	5	4
2	5	4	3	8	6	9	1	7
8	7	6	1	5	9	4	3	2
3	1	9	7	2	4	8	6	5
5	2	7	6	9	1	3	4	8
1	9	3	5	4	8	7	2	6
4	6	8	2	3	7	5	9	1

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 5 जून बुधवार 2024 संवत-2081,शक संवत 1946 मास-ज्येष्ठ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तिथि-चतुर्दशी 19.54 तक तत्पश्चात अमावस्या।

मेष – आज परिवार को लेकर आप कुछ परेशान हो सकते हैं। आप छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा कर सकते हैं, इसका प्रभाव आपके दांपत्य जीवन पर भी पड़ सकता है। यदि नए घर के निर्माण आदि में लगे हुए हैं, तो उसमें कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

वृष – आज आप आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। निर्णय लेने में जो आपको परेशानी हो रही थी, वह आज दूर होगी। कार्यक्षेत्र में आपका दबदबा बढ़ेगा। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी दूर होगी। विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे।

मिथुन – आज आंखों में समस्या होने की संभावना है। आप किसी बात को लेकर विचलित हो सकते हैं। मन कभी प्रसन्न, तो कभी बहुत उदास हो सकता है। आज किसी पर बहुत ज्यादा विश्वास न करें। महत्वपूर्ण कार्यों से आपको बचना चाहिए।

कर्क – आज कार्यक्षेत्र में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। विवाहादि कार्यों को लेकर समस्या दूर होगी। अपनी कार्यक्षमता को बढ़ा सकते हैं। सरकारी कार्यों को लेकर आपके मन में जो डर था, वह दूर होगा। उत्तम धन लाभ के योग बन रहे हैं। कड़वी भाषा का प्रयोग न करें।

सिंह – आज होटल और रेस्टोरेन्ट से जुड़े व्यवसाय में उत्तम लाभ होगा। अधिकारी वर्ग के लोग आपकी बातों को काफी महत्व देंगे। समाज सेवा में आपकी रुचि बढ़ सकती है। सेहत को लेकर लापरवाही न करें। अपनी कमियों में सुधार करने के लिए दिन बहुत अच्छा है।

कन्या – आज आपसे प्रेम भाव रखने वाले लोग आपसे नाराज हो सकते हैं। यात्राओं के लिए दिन अच्छा नहीं है। किसी भी डील को फाइनल करने से पहले, उसके विषय में बहुत अच्छी तरह से रीसर्च कर लें। परिवार में कलह का माहौल हो सकता है।

तुला – आज आप कई गुप्त रहस्यों को समझने में रुचि लेंगे। विवेकपूर्ण निर्णय लेने में आपको कठिनाई होगी। गलत लोगों की संगत से दूर रहें। कुछ लोग आपको बहकाने का प्रयास करेंगे। अध्यात्मिक चर्चाओं के प्रति आपका लगाव बढ़ेगा।

वृश्चिक – आज का दिन आपके लिए शुभ रहेगा। व्यवसाय में आप काफी फोकस रहेंगे। दांपत्य जीवन कुछ कलहपूर्ण हो सकता है। जीवनसाथी को आपको विशेष समय देना चाहिए। क्रोध कम से कम करें। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

धनु – आज आप अपने काम में कमी महसूस करेंगे। जिसको लेकर आपका मन असन्तुष्ट हो सकता है। शत्रुओं को लेकर आपको काफी सावधान रहना होगा। चलते हुए कार्यों में बाधा देखने को मिलेगी। दवाइयों के कारोबारियों की आय बढ़ सकती है।

मकर – आज वैवाहिक संबंधों में आपको बोरियत महसूस होगी। काम को लेकर भी काम काफी सुस्त हो सकते हैं। आज वही कार्य करें जिसको लेकर आप उत्सुकता महसूस कर रहे हैं। गर्भवती महिलाओं को अपनी सेहत का विशेष ध्यान देना होगा। किसी पर बहुत ज्यादा निर्भर न रहें।

कुंभ – आज व्यवसाय में आपको सहकर्मियों पर काफी ध्यान देना होगा। कुछ ऐसे कार्य होंगे, जो आपको जबरदस्ती करने पड़ेंगे। भोजन के प्रति अरुचि हो सकती है। आपको सम्मान प्राप्त हो सकता है। अनावश्यक कार्यों में समय बर्बाद न करें।

मीन – आज आप काफी अच्छे मूड में रहेंगे। पैतृक संपत्ति के लाभ होने के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में आप किसी नए प्रोजेक्ट की शुरुआत कर सकते हैं। अपनी सफलता को लेकर आत्मविश्वास से युक्त रहेंगे। सेहत की समस्याओं से जूझ रहे लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिल सकता है।

आज का पंचांग

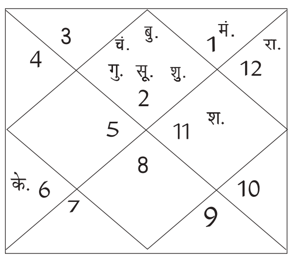

दिशाशूल-उत्तर। ऋतु-ग्रीष्म।
चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-कृत्तिका 21.16 तक तत्पश्चात रोहिणी।

आज की फिल्में

B4U Movies
अल्ला रक्खा — सुबह : 11.48
वन टू थी — शाम : 06.51

&pictures
यू टर्न — सुबह : 08.32
फितूर — रात : 08.00

Sony Pix
द मैकेनिक — दोपहर : 01.12
मैड मैक्स : फरी रोड — शाम : 06.28

Zee Cinema
रमैया वस्तावैया — सुबह : 08.40
गंगाजल — रात : 09.10

Colors Cineplex
अलादीन — सुबह : 11.52
प्यार का पंचनामा — रात : 09.00

आज की सुपरहिट फिल्म

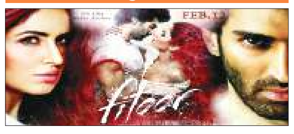

एंड पिक्चर्स पर रात : 08.00 बजे

जोक्स ऑफ द डे

डॉक्टर – आपका लड़का पागल कैसे हो गया?
पिता– वो पहले जनरल बोगी में सफर करता था।
डॉक्टर – तो इससे क्या?
पिता– लोग बोलते थे थोड़ा खिसको, थोड़ा खिसको, तभी से खिसक गया।
पिता की बात सुनकर डॉक्टर रह गया दंग!

टीचर– इरादे बुलन्द होने चाहिए, पत्थर से भी पानी निकाला जा सकता है
गप्पू– मैं तो लोहे से भी पानी निकाल सकता हूं
टीचर– कैसे
गप्पू– हैंड पम्प से
गप्पू का जवाब पढ़कर टीचर ने अपना माथा पीट लिया।

मैंथा बाजार भाव

रामपुर–शिवालिक 965 फ्लैग 1080 डीएमओ 850 बोल्ड 1140, **सम्भल-चन्दौसी**–शिवालिक 980 फ्लैग 1105 बोल्ड 1150 डीएमओ 860।

लखनऊ मंडी

अनाज (प्रति क्वि.)–

गेहूं (आरआर 21)	2360–2800
गेहूं (के 65)	3500–3800
बाजरा	2200–2300
मक्का	2700–2800
जौ	2900–3000
चावल (प्रति क्वि.)	
चावल सेल्हा	2800–3100
चावल बासमती	7000–8000
चावल मोटा	2800–3000
चावल मन्सूरी	3200–3500
चावल शक्कर चीनी	4800–5200
चावल गोल्डन सेल्हा	5600–8600
चावल राजरानी	7000–7500
दाल दलहन	
चना देशी	6800–7000
चना फार्मी	7200–7500
चना काबली	14500–17000
मटर हरा	6000–6200
मटर सफेद	6100–6500
दाल चना	8000–8400
दाल मटर	6400–6500
उड़द हरा	12000–12500
उड़द काला	9000–9500
दाल उड़द हरी	15500–16000
दाल उड़द काली	10500–11000
दाल उड़द धोवा	12000–12500
मूंग खड़ा	10000–10500
मूंग दाल	10500–11000
मूंग धोवा	12000–13000
मसूर	8800–9000
मलका	9000–9500
दाल अरहर फूल	16000–17000
दाल स्पेशल	13000–14000
राज्मा सफेद	13000–14000
राज्मा काला	11500–12500
मूंगफली का दाना	11000–12000
तेल तिलहन	
अलसी	5310–5510
लाही	4800–5200
काली सरसों	4900–5300
पीली सरसों	5600–5800 रुपये।

अडाणी समूह के शेयरों में भारी गिरावट

एग्जिट पोल की तुलना में भाजपा को नुकसान से बाजार पूंजीकरण 3.64 लाख करोड़ घटा

नई दिल्ली, एजेंसी

शेयर बाजार के मंगलवार को औंधे मुंह गिरने के साथ अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में जोरदार गिरावट आई और ज्यादातर निचली सर्किट सीमा पर आ गए। मंगलवार की चुनाव मतगणना और एग्जिट पोल की तुलना में भाजपा को नुकसान से शेयर बाजार में बड़ी गिरावट आई। समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 3.64 लाख करोड़ रुपये घट गया।

कारोबार समाप्त होने पर अडाणी पोर्ट्स का शेयर 21.26 प्रतिशत, अडाणी एनर्जी सोल्यूशंस 20 प्रतिशत, समूह की प्रमुख कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज 19.35 प्रतिशत, अडाणी ग्रीन एनर्जी ने 19.20 प्रतिशत का गोता लगाया। अडाणी टोटल गैस

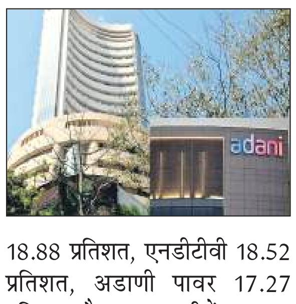

18.88 प्रतिशत, एनडीटीवी 18.52 प्रतिशत, अडाणी पावर 17.27 प्रतिशत और अम्बुजा सीमेंट 16.88 प्रतिशत नीचे आया। वहीं एसीसी का शेयर 14.71 प्रतिशत और अडाणी विल्मर 9.98 प्रतिशत नीचे आया। कारोबार के दौरान समूह की 10 कंपनियों में से आठ निचले सर्किट पर पहुंच गए थे। कारोबार के दौरान अडाणी एंटरप्राइजेज 25 प्रतिशत के निचले सर्किट पर पहुंच गया था। वहीं अडाणी पोर्ट्स 25 प्रतिशत और अम्बुजा सीमेंट्स 22.5 प्रतिशत लुढ़क कर सर्किट के निचले स्तर पर पहुंच गया था। अडाणी पावर 20%और अडाणी एनर्जी 20% लुढ़क कर निचले सर्किट सीमा पर पहुंच गया था। अडाणी ग्रीन 20% और अडाणी टोटल गैस 19.89 प्रतिशत नीचे आ गया। वहीं एनडीटीवी 19.98 और एसीसी 19.69% की गिरावट के साथ सर्किट के निचले स्तर पर पर पहुंच गया था। अडाणी विल्मर का शेयर भी 10% की गिरावट के साथ सर्किट के निचले स्तर पर आ गया था।

चुनावी नतीजों के चलते सोने-चांदी की कीमतों में तेजी

चुनावी नतीजों और वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में मजबूती के रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना 450 रुपये के उछाल के साथ 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर जा पहुंचा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी है। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 72,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके अतिरिक्त, चांदी की कीमत भी 200 रुपये बढ़कर 93,100 रुपये प्रति किलोग्राम हो गयी। पिछले कारोबारी सत्र में यह 92,900 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक-जिंस सौमिल गांधी ने कहा, दिल्ली के बाजारों में हाजिर सोने की कीमत (24 कैरेट) 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम रही, जो पिछले बंद भाव से 450 रुपये अधिक है। विदेशी बाजारों में, कॉमेक्स में हाजिर सोना 2,335 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद भाव से 15 डॉलर अधिक है। गांधी ने कहा कि मंगलवार को सोने में तेजी आई क्योंकि अमेरिका में विनिर्माण क्षेत्र के निराशाजनक आंकड़ों से उम्मीद जगी है कि फेडरल रिजर्व के पास इस साल उधारी लागत कम करने की गुंजाइश होगी।

देश में नई सरकार के गठन और उनकी आर्थिक नीतियों से तय होगा शेयर बाजार का भविष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारतीय बाजार के विशेषज्ञों ने जताई आशंका

आम चुनाव के नतीजों से सरकार के गठन को लेकर स्थिति स्पष्ट न होने के बीच बाजार के विशेषज्ञों ने मंगलवार को कहा कि शेयर बाजार का भविष्य नई सरकार की आर्थिक नीतियों पर निर्भर करता है जिसमें जीडीपी वृद्धि, मुद्रास्फीति और वैश्विक परिस्थितियां जैसे कारकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) चुनावी नतीजों के रुझानों में बहुमत से आगे दिख रहा है। लेकिन गठबंधन के सहयोगी दलों पर निर्भरता बढ़ने का असर सरकार की निर्णायक नीतियों पर पड़ने की संभावना को लेकर बाजार में चिंता नजर आने लगी है।

उन्होंने कहा कि शेयर बाजार में भारी गिरावट ने इस आशंका पर मुहर भी लगाने का काम किया।

बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों ही सूचकांक कारोबार के दौरान आठ प्रतिशत तक टूटने के बाद थोड़ा संभले लेकिन अंत में लगभग छह प्रतिशत के भारी नुकसान के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 4,389.73 अंक गिरकर 72,079.05 पर और निफ्टी 1,379.40 अंक गिरकर 21,884.50 पर बंद हुआ। हालांकि शनिवार को अंतिम चरण का मतदान होने के बाद विभिन्न समाचार चैनलों पर आए एग्जिट पोल में भाजपा की अगुवाई वाले राजग को भारी बहुमत मिलने की संभावना जताई गई थी।

स्टॉक्सबॉक्स के शोध प्रमुख मनीष चौधरी ने कहा कि राजग सरकार के पिछले दो कार्यकालों की खासियत रहा सुधारवादी दृष्टिकोण इसके तीसरे कार्यकाल में पीछे रह सकता है। इसकी वजह यह है कि भाजपा अपने दम पर बहुमत पाने की स्थिति में नहीं है और उसे सरकार चलाने के लिए अपने सहयोगी दलों पर निर्भर रहना होगा। अबान्स होल्डिंग्स में वरिष्ठ प्रबंधक (शोध एवं विश्लेषण) यशोवर्धन खेमका ने कहा-गठबंधन सरकार होने से महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लेने और मंत्रिमंडल में कुछ अहम पदों के लिए सहयोगियों पर निर्भरता बढ़ेगी, जिससे नीतिगत असमंजस और सरकार के कामकाज में अनिश्चितता पैदा होगी।

सर्राफा

कानपुर

चॉदी 999 (प्रति किलो)	92,050
चांदी सिक्का (प्रति सैकड़ा)	95,000
चांदी सिक्का (सैकड़ा) बिकवाल	100000
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	74,100
गिन्नी (प्रति नग)	55,225–55,425
लखनऊ	
सोना स्टैंडड (प्रति 10 ग्राम)	72,800
सोना रवा (प्रति 10 ग्राम)	72,650
गिन्नी (प्रति 10 नग)	42, 500
चांदी (999)	89,500
चांदी तैयार	89,600
चांदी का सिक्का (प्रति सैकड़ा)	80, 000
बरेली	
सोना जेवरात पक्के	72,900
सोना जेवरात गिन्नी	71,900
चांदी पक्की	895 (अनुमानित)
मुरादाबाद	
सोना 24 कैरेट	72,750
चांदी आभूषण	89,900।

रुपये पर पड़ी चुनावी नतीजों की मार

मुंबई। सत्तारूढ़ भाजपा को लोश चुनाव में अपने दम पर बहुमत मिलने की संभावना कम होने से शेयर बाजार में मचे हाहाकार के बीच रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 45 पैसे की भारी गिरावट के साथ 83.59 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर लुढ़क गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार में भारी बिकवाली और प्रमुख विदेशी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के मजबूत होने से निराशा और बढ़ गई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 83.25 पर कमजोरी के साथ खुला और कारोबार के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपया 83.23 के ऊपरी और 83.59 के निचले स्तर के बीच झूलता रहा।

सरकार ने गेहूं उत्पादन के अनुमान को संशोधित कर 11.29 करोड़ टन किया

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने अपने तीसरे अनुमान में फसल वर्ष 2023-24 (जुलाई-जून) के लिए गेहूं उत्पादन अनुमान को संशोधित कर रिकॉर्ड 11 करोड़ 29.2 लाख टन कर दिया है।

कृषि मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि उत्पादन, जिसे दूसरे अनुमान से 9.1 लाख टन ऊपर की ओर संशोधित किया गया है, वह फसल वर्ष 2022-23 में हासिल किए गए 11 करोड़ 5.5 लाख टन के पिछले रिकॉर्ड उच्च स्तर से भी अधिक है। मुख्य रबी (सर्दियों) की फसल गेहूं की कटाई हो चुकी है और केंद्र सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 2.6 करोड़ टन से अधिक की खरीद पहले ही की जा चुकी है। अपने तीसरे अनुमान में, कृषि मंत्रालय ने फसल वर्ष 2023-24 के लिए चावल उत्पादन में पिछले फसल वर्ष के 13 करोड़ 57.5 लाख टन से बढ़कर 13 करोड़ 67 लाख टन होने का अनुमान लगाया है। हालांकि, कुल खाद्यान्न उत्पादन वर्ष 2022-23 में प्राप्त स्तर की तुलना में थोड़ा कम यानी 32 करोड़ 88.5 लाख टन होने का अनुमान है।

सीबीआईसी लाएगा व्यापक आबकारी कानून

ना दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने मंगलवार को केंद्रीय उत्पाद शुल्क विधेयक, 2024 के मसौदे पर टिप्पणियां आमंत्रित कीं। यह दशकों पुराने केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की जगह लेगा।

वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि विधेयक का मकसद कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देने और पुराने तथा निरर्थक प्रावधानों को निरस्त करने के साथ ही एक व्यापक आधुनिक केंद्रीय उत्पाद शुल्क कानून बनाना है। विधेयक में 12 अध्याय, 114 धाराएं और दो अनुसूचियां शामिल हैं।

समाशोधन निगम के स्वामित्व, आर्थिक ढांचे की समीक्षा के लिए समिति का गठन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने समाशोधन निगमों के स्वामित्व और आर्थिक संरचना की समीक्षा के लिए एक समिति का गठन किया है।

इस पहल का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि समाशोधन निगम को मजबूत, स्वतंत्र और तटस्थ जोखिम प्रबंधकों के रूप में कार्य करें। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की पूर्व डिप्टी गवर्नर उषा थोराट तदर्थ समिति की अध्यक्ष होंगी। यह निर्णय हाल के वर्षों में भारतीय प्रतिभूति बाजारों में उल्लेखनीय वृद्धि और केंद्रीय जोखिम प्रबंधन संस्थानों के रूप में समाशोधन निगम के महत्व को देखते हुए लिया गया है। सेबी ने मंगलवार को बयान में कहा कि समिति को स्वामित्व संरचना के साथ-साथ समाशोधन निगमों के वित्त की समीक्षा करने का काम सौंपा गया है। समिति स्वामित्व संरचना के संबंध में व्यवहार्यता की जांच करेगी। साथ ही पात्र निवेशकों की सूची का विस्तार करेगी, जिन्हें एक समाशोधन निगम में हिस्सेदारी लेने की अनुमति है। इसके साथ उन निवेशकों की श्रेणियों का सुझाव देगी जो ऐसे निगमों में हिस्सेदारी हासिल कर सकते हैं।

राष्ट्रीय

प्रधानमंत्री की राजनीतिक और नैतिक हार हुई : खरगे

लोकसभा चुनाव के परिणाम को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन बोले-यह जनता और लोकतंत्र की जीत है

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि इस लोकसभा चुनाव का परिणाम जनता और लोकतंत्र की जीत है तथा यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक एवं नैतिक हार है। खरगे ने संवाददाताओं से कहा-यह जनता का परिणाम है। यह जनता की जीत है, लोकतंत्र की जीत है। हम पहले से कह रहे थे कि यह लड़ाई मोदी बनाम जनता थी।

उनका कहना था कि 18वीं लोकसभा के इस चुनाव में हमने विनम्रता से जनमत को स्वीकार किया है। इस बार जनता ने किसी एक दल को पूर्ण बहुमत नहीं दिया। खासकर सत्ताधारी भाजपा ने एक

व्यक्ति और एक चेहरे के नाम पर वोट मांगा था। खरगे ने कहा-यह प्रधानमंत्री की राजनीतिक और नैतिक हार है। यह उनकी बहुत बड़ी हार है।

चुनाव के नतीजे पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जनता ने नरेंद्र मोदी को पूरी तरीके से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि यह जनादेश मोदी के खिलाफ है। यह नरेंद्र मोदी की नैतिक हार है। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी की दोनों यात्राएं यानी कि भारत जोड़ो यात्रा और भारत छोड़ो न्याय यात्रा पूरी तरीके से सफल हुआ। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान हमें परेशान किया गया लेकिन हम हमेशा सकारात्मक मुद्दों पर अड़े रहे। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं पर भाजपा ने कब्जा करने की कोशिश की।

खरगे ने राहुल गांधी सोनिया गांधी प्रियंका गांधी जैसे तमाम पार्टी के नेताओं का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि इनकी वजह से हमें पूरे देश में प्रोत्साहन मिला और हम चुनाव जीतने में कामयाब रहे। उन्होंने कहा कि करोड़ो कार्यकर्ताओं ने हमारा साथ दिया। जिसकी वजह से हम इस चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करने में कामयाब र.हे उन्होंने दावा किया कि हमने यह चुनाव सिर्फ मुद्दों पर लड़ा है। हमारा कैंपेन पूरी तरीके से सकारात्मक रहा। इंडिया गठबंधन को लेकर उन्होंने कहा कि सभी ने मिलकर चुनाव लड़ा सकारात्मक प्रचार किया।

ममता ने मोदी और अमित शाह के इस्तीफे की मांग की

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिलने पर नैतिक आधार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से इस्तीफे की मांग की। सुश्री बनर्जी ने इंडिया समूह के सहयोगियों को धन्यवाद दिया और राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर एक बार फिर से भरोसा जताने के लिए जनता को बधाई दी। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि जैसा कि मैंने घोषणा की थी एग्जिट पोल को मोदी पोल बना दिया गया था और मेरी बात सच हो गई है, हालांकि राज्य में चुनाव में धांधली की कोशिशें हो रही हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी के अगली बैठक में इंडिया समूह का प्रतिनिधित्व करने की संभावना है। अभिषेक ने डायमंड हार्बर सीट रिकॉर्ड अंतर से जीती है। सुश्री बनर्जी ने कहा-मैं राज्य में व्यस्त रहूंगी,मैं राज्य को केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के हाथों में नहीं छोड़ सकती हूं।

कांग्रेस का धीमी मतगणना का आरोप, निर्वाचन आयोग से शिकायत की

नई दिल्ली। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव की मतगणना में गति धीमी होने का दावा करते हुए मंगलवार को निर्वाचन आयोग से शिकायत की। पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने आयोग से आग्रह किया कि हर चरण की मतगणना के आंकड़े वेबसाइट पर समयबद्ध तरीके से सार्वजनिक किए जाएंगे। इस प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस नेता अभिषेक सिंघवी और सलमान खुर्शीद शामिल थे। सिंघवी ने संवाददाताओं से कहा-हमें अपनी राज्य इकाइयों और उम्मीदवारों से रिपोर्ट मिली है कि चुनाव आयोग की वेबसाइट पर दोपहर 2:30 बजे के बाद मतगणना अपडेट मिलने में देरी हो रही है। हमने यह भी बताया कि संसदीय क्षेत्र के आधार पर कोई अपडेट नहीं है। हमने कोई आरोप नहीं लगाया है, हमने सिर्फ अपडेट देने के लिए कहा है।

चुनाव परिणाम ने साबित किया कि स्थिति बदलाव के लिए अनुकूल है

मुंबई, एजेंसी

- शरद पवार बोले-रणनीति तय करने के लिए आज करेंगे बैठक

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि लोकसभा चुनाव परिणामों ने दिखा दिया है कि देश में स्थिति राजनीतिक बदलाव के लिए अनुकूल है। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि आगे की रणनीति तय करने के लिए बुधवार को दिल्ली में इंडिया गठबंधन के नेताओं के बैठक करने की संभावना है।

हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी गठबंधन के केंद्र में सरकार बनाने की संभावना नहीं है। पवार ने कहा-मैंने (कांग्रेस अध्यक्ष) मल्लिकार्जुन खरगे और (माकपा महासचिव) सीताराम येचुरी से बात की है। इंडिया गठबंधन की बैठक बुधवार को दिल्ली में होने की संभावना है। आज शाम तक

अंतिम निर्णय लिये जाने की उम्मीद है। उसी के अनुसार, मैं दिल्ली जाऊंगा। यह पूछे जाने पर कि अगला प्रधानमंत्री कौन होगा, पवार ने कहा-हमने इस पर विचार नहीं किया है। उन्होंने कहा, '' इंडिया गठबंधन के सरकार बनाने को लेकर मैं आश्वत नहीं हूं। हम कल बैठक करेंगे और आगे की रणनीति पर निर्णय लेंगे। पवार ने कहा कि चुनाव में उनकी पार्टी और शिवसेना का स्ट्राइक रेट बहुत अच्छा है।

एक नजर

केजरीवाल के खिलाफ अदालत नौ जुलाई को पारित करेगी आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत आबकारी नीति से जुड़े कथित धन शोधन मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दाखिल पूरक आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के मुद्दे पर नौ जुलाई को आदेश पारित कर सकती है। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा को मंगलवार को आदेश पारित करना था, लेकिन उन्होंने इसे नौ जुलाई तक के लिए टाल दिया है।

सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की गिरफ्तारी के बाद न्यायिक हिरासत में जेल में बंद पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की अवकाशकालीन पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया। पीठ ने जमानत याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि वह इस मामले के गुण-दोष पर कुछ नहीं कह रही है।

सुखोई लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त दो पायलट सुरक्षित बाहर निकले

नासिक, एजेंसी

- विमान शिरसगांव गांव के पास एक खेत में हुआ दुर्घटनाग्रस्त
- दुर्घटना के बाद वायुसेना, सुरक्षा टीम ने किया निरीक्षण

भारतीय वायुसेना का एक सुखोई लड़ाकू विमान मंगलवार को महाराष्ट्र के नासिक जिले में क्रैश हो गया। नासिक रेंज के विशेष महानिरीक्षक डी आर कराले ने बताया कि सुखोई एसयू-30 एमकेआई विमान के पायलट और सह-पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए। विमान शिरसगांव गांव के पास एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हुआ है।

आईपीएस अधिकारी ने बताया कि सुखोई विमान शिरसगांव गांव के पास एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। लड़ाकू विमान को विंग कमांडर बोकिल और उनके दूसरे कमांडर बिस्वास उड़ा रहे थे। करीब दोपहर 1.20 बजे यह निफाड तहसील के शिरसगांव गांव के एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए और उन्हें मामूली चोटें आई हैं।

अधिकारियों ने बताया कि उन्हें एचएएल अस्पताल ले जाया गया है। दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद विमान में आग लग गई, जिसे बुझा दिया गया है। अधिकारी ने बताया

कि विमान के हिस्से अब 500 मीटर के दायरे में फैले हुए हैं। विमान दुर्घटना के बाद भारतीय वायुसेना, एचएएल सुरक्षा और एचएएल तकनीकी इकाई की टीमों ने घटनास्थल का दौरा किया।

जानिए सुखोई लड़ाकू विमान की खूबियां: रूसी सुखोई एसयु-30 एमकेआई भारतीय वायुसेना में सबसे ताकतवर लड़ाकू विमान माना जाता है। भारतीय वायुसेना के पास 272 सक्रिय सुखोई एसयु-30 एमकेआई हैं, इस एयरक्राफ्ट में दो इंजन हैं और दो चालको के बैठने की जगह है। इनमें से कुछ लड़ाकू विमान को सुपरसोनिक मिसाइल ब्रह्मोस को लॉन्च करने के लिए भी अपग्रेड किया गया है।

भाजपा को दी कड़ी टक्कर, लोगों ने नफरत के खिलाफ दिया वोट

नई दिल्ली, एजेंसी

- आप सांसद संजय सिंह ने भाजपा पर साधा निशाना

आप सांसद संजय सिंह ने मंगलवार को भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद इसके उम्मीदवारों ने दिल्ली में भाजपा को कड़ी टक्कर दी और साथ ही लोगों ने भाजपा की नफरत तथा तानाशाही की राजनीति के खिलाफ मतदान किया।

आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा-मैं देश के मतदाताओं के सामने सिर झुकाना चाहता हूं। आज चुनाव परिणाम आ रहे हैं। तस्वीर साफ होती जा रही है। उन्होंने कहा-यह चुनाव जनता के लिए एक संदेश है कि वह भाजपा के 10 साल के शासन से थक गई है और उसे बाहर करना चाहती है। लोग महंगाई से परेशान हो गए हैं। यह भारत के लोकतंत्र की सुंदरता है कि लोगों ने भाजपा को वापस जाने के लिए कहा है। भाजपा के 400 के बहुमत के आंकड़े से दूर दिखाई देने पर सिंह ने कहा-नतीजे भाजपा और उसकी नफरत तथा तानाशाही की राजनीति के लिए एक बड़ा सबक हैं। अगर पीएम मोदी में थोड़ी सी भी नैतिकता है, तो उन्हें ऐसी स्थिति में अपना पद छोड़ देना चाहिए।

इंदौर में नोटा ने 2.18 लाख वोटों के साथ बनाया नया रिकॉर्ड

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर में नोटा ने बिहार के गोपालगंज का पिछला कीर्तिमान ध्वस्त करते हुए 2,18,674 वोट हासिल किए और 14 में से 13 उम्मीदवारों को पटखनी देकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम किया। इंदौर, मतदाताओं की तादाद के लिहाज से सूबे में सबसे बड़ा लोकसभा क्षेत्र है जहां मुख्य चुनावी भिड़ंत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के बीच होती रही है, लेकिन इस बार सियासी समीकरण एकदम बदले हुए थे। कांग्रेस के घोषित प्रत्याशी अक्षय कांति बम पार्टी को तगड़ा झटका देते हुए नामांकन वापसी की आखिरी तारीख 29 अप्रैल को अपना पर्चा वापस लेकर तुरंत बाद भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए थे। नतीजतन इस सीट के 72 साल के इतिहास में कांग्रेस पहली बार चुनावी दौड़ से बाहर हो गई।

भाजपा मुख्यालय में जीत के शंखनाद की गूंज, कांग्रेस में जश्न

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा चुनाव के रुझान और नतीजे आने के बाद डीडीयू मार्ग स्थित भाजपा मुख्यालय में शंखनाद शुरू हो गया। भारत माता की जय और मोदी है तो मुमकिन है जैसे नारों गूंज सुनने को मिली। रुझानों में बढ़त देख भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ता गया। कार्यकर्ता ढोल नगाड़ों की थाप पर झूमते-थिरकते दिखे। दोपहर 12 बजे के करीब जब जीत स्पष्ट होने लगी तो वैसे ही कार्यकर्ताओं ने मिठाई खिलाकर एक-दूसरे का मुंह मीठा किया। वहीं देश के महाराष्ट्र, बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश व राजस्थान आदि में दोनों पार्टियों के

नई दिल्ली में पार्टी कार्यालय में पार्टी की बढ़त का जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता।

मुंबई में कांग्रेस समर्थकों ने पार्टी की बढ़त का जश्न मनाया। • एजेंसी

समर्थकों ने अपनी-अपनी जीता का जश्न अपने अंदाज में मनाया।

जश्न को लेकर सुबह से ही कार्यकर्ता अलग-अलग अंदाज में यहां पहुंचते नजर आए। कोई साइकिल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कटआउट, तो कोई मोदी की ड्रेस में व कुछ विजय शंख लेकर पहुंचे। जैसे-जैसे चुनावी नतीजे आ रहे थे, वैसे-वैसे कार्यकर्ताओं व समर्थकों में उत्साह बढ़ता जा रहा था। मुख्यालय के आस-पास का इलाका पूरा भगवा नजर आ रहा था। वहीं अकबर रोड स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के मुख्यालय में हर्ष का माहौल दिखा। कांग्रेस कार्यकर्ता ढोल की ताल पर झूमते नजर आए। यहां मौजूद कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह प्यार-मोहब्बत की जीत है।

खेल डायरी

बोपन्ना ने बालाजी को अपना जोड़ीदार चुना

नयी दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने फ्रेंच ओपन में अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने वाले एन श्रीराम बालाजी को पेरिस ओलंपिक के लिए अपना जोड़ीदार चुना है और अखिल भारतीय टेनिस महासंघ (एआईटीए) के इस अनुभवी खिलाड़ी की पसंद पर आपत्ति जताने की संभावना नहीं है। बोपन्ना ने एआईटीए को ईमेल लिखकर अपने फैसले की जानकारी दी। इस ईमेल को टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) को भी भेजा गया है। एआईटीए ने भी इसकी पुष्टि की है। बालाजी और मैक्सिको के उनके जोड़ीदार एमए रेयेस-वारेला मार्टिनेज को सोमवार को फ्रेंच ओपन के पुरुष युगल के तीसरे दौर में बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन को कड़ी चुनौती देने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा।

आशुतोष के चार गोल ईमी ने विक्ट्री को हराया

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्लेयर ऑफ द मैच आशुतोष थपलियाल के चार शानदार गोलों की मदद से डीएसए ए डिवीजन लीग में ईमी हीरोज ने विक्ट्री एफसी को 6-0 से रौंद दिया। ऐन गंबोई और राहुल ने एक-एक गोल किये। वहीं एक अन्य मुकाबले में मोहम्मद अयमान बिन के दो दर्शनीय गोलों की मदद से गुड विल एफसी ने हॉप्स एफसी को 2-1 से हराकर संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की। पिछले कुछ मुकाबलों में कड़ा संघर्ष करने वाली विक्ट्री को पहली जीत की तलाश है। मंगलवार को खेले गए मुकाबले में मजबूत प्रतिद्वंद्वी के विरुद्ध विक्ट्री की रक्षा पंक्ति दूसरे हाफ में टूट गई। जिसका फायदा उठाकर थपलियाल ने तिकड़ी सहित चार गोल दाग दिए।

म्यूनिख विश्व कप में ईशा छठे स्थान पर

म्यूनिख, एजेंसी। निशानेबाज ईशा सिंह म्यूनिख में चल रहे आईएसएसएफ विश्व कप की महिला 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में छठे स्थान पर रहीं। जिससे प्रतियोगिता में भारत का पहले पदक का इंतजार जारी रहा। ईशा ने फाइनल में 20 अंक जुटाए। फ्रांस की कैमिली जेद्रेवस्की ने स्वर्ण पदक जीता। कैमिली ने खिताब की दौड़ में जर्मनी की डोरीन वेनेकैंप को पछाड़ा। विजेता का फैसला करने के लिए दो शूट ऑफ का सहारा लेना पड़ा। दोनों निशानेबाज 10 सीरीज के बाद 40 अंक के साथ बराबर थीं। फाइनल्स की मौजूदा विश्व रिकॉर्ड धारक कोरिया की किम येजी 35 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। लगातार दूसरी स्पर्धा के फाइनल में निशानेबाज छठे स्थान पर रहीं।

एआईएफएफ ने कामत के निधन पर शोक जताया

नयी दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के सहायक महासचिव और प्रतियोगिता निदेशक अनिल कामत का मंगलवार को निधन हो गया। वह कुछ दिनों से बीमार थे। एआईएफएफ ने उनके निधन की जानकारी दी। गोवा के चिनचिनिम गांव के रहने वाले कामत लगभग 25 वर्षों से एआईएफएफ से जुड़े हुए थे। वह सीआरसी चिनचिनिम और सेलकेट फुटबॉल क्लब से अधिकारी के रूप में जुड़े हुए थे। वह गोवा फुटबॉल संघ में कार्यकारी समिति के सदस्य और संयुक्त सचिव भी रहे। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने उनके निधन पर शोक जताते हुए कहा, ''अनिल कामत के निधन से मैं बेहद दुखी हूं। अनिल के निधन से भारतीय फुटबॉल की संरचना ने एक ऐसा स्तंभ खो दिया है जिसकी भरपाई करना मुश्किल होगा।'' उन्होंने कहा, ''फुटबॉल और इसके प्रबंधन के बारे में उनका गहरा ज्ञान घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय फुटबॉल के लिए एक संपत्ति थी। दुख की इस घड़ी में मैं उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। ओम शांति।''

मिशन विश्व कप का आगाज करेगी टीम इंडिया

आयरलैंड के खिलाफ पहला मैच आज, बरसों से आईसीसी ट्रॉफी का सूखा दूर करने उतरेंगे खिलाड़ी

न्यूयॉर्क, एजेंसी

आलोचक भले ही उन्हें 'नयी बोतल में पुरानी शराब' कहें लेकिन भारत के सुपरस्टार क्रिकेटर बरसों से आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पाने का मलाल मिटाने में कोई कोर कसर बाकी नहीं रखना चाहेंगे और अपने इस मिशन की शुरूआत टी20 विश्व कप में बुधवार को आयरलैंड के खिलाफ पहले मैच के जरिये करेंगे।

भारतीय टीम में अभी भी कई अनसुलझे सवाल हैं मसलन यहां 'ड्रॉप इन' पिच पर टीम संयोजन क्या रहेगा। रोहित शर्मा और विराट कोहली तो विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रह चुके हैं लेकिन जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा जैसे 'दशकों में एक' माने जाने वाले क्रिकेटरों ने अभी तक खिताब नहीं जीता है। भारतीय क्रिकेट टीम 1982 और 1986 की ब्राजील फुटबॉल टीम की तरह नहीं बनना चाहती जब सुकरात, जिको, कारेका, फाल्काओ और अलेमाओ जैसे सितारे भी फीफा विश्व कप नहीं जीत सके थे। पिछले साल वनडे विश्व कप फाइनल के बाद नरेंद्र मोदी स्टेडियम के ड्रेसिंग रूम की सीढियां चढते हुए कप्तान रोहित शर्मा अपने आंसू नहीं छिपा सके थे। वहीं 765 रन बनाने वाले कोहली के चेहरे पर भी उदासी साफ देखी जा सकती थी। कई बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मिलकर सर्वश्रेष्ठ टीम नहीं बना पाते। भारत ने अपने अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है लेकिन यह नहीं भूलना चाहिये कि यही टीम कई बार आखिरी दो तिलिस्म नहीं तोड़ सकी है। सैतीस बरस के रोहित का यह आखिरी विश्व कप है और यह लगभग तय है कि वह भारत में होने वाले अगले टी20 विश्व कप और दक्षिण अफ्रीका में 2027 में होने वाले 50 ओवरों के विश्व कप तक नहीं खेलेंगे। दूसरी ओर आयरलैंड की टीम में पॉल स्टर्लिंग, जोश लिटिल, हैरी टेक्टर, एंडी बालबर्नी जैसे अच्छे टी20 क्रिकेटर हैं। नासाउ काउंटी मैदान की धीमी और औसत विकेट पर भारतीय टीम आयरलैंड के बायें हाथ के स्पिनर जॉर्ज डॉकरेल को कैसे खेलती है, यह देखना रोचक होगा। भारत को फायदा इस बात का है कि उसके पास आयरलैंड से बेहतर स्पिनर हैं हालांकि बुमराह के अलावा तेज गेंदबाजी आक्रमण थोड़ा कमजोर लग रहा है। कई बार बहुत ज्यादा विकल्प होना भी अच्छी स्थिति नहीं होती है और शीर्षक्रम पर भारत के साथ ऐसा ही हो रहा है। कप्तान रोहित और कोहली के लिये यशस्वी जायसवाल को बाहर रहना पड़ सकता है। ऋषभ पंत ने अभ्यास मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की और हार्दिक पंड्या ने अच्छी गेंदबाजी की। पंड्या ने अभ्यास सत्र में कोहली, सूर्यकुमार यादव और रोहित को अच्छी खासी गेंदबाजी की।

भारत
रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

आयरलैंड
पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, रॉस अडायर, एंड्रयू बालबर्नी, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, ग्राहम ह्यूम, जोश लिटिल, बैरी मैकार्थी, नील रॉक, हैरी टेक्टर, लोरकन टकर, बेन व्हाइट, क्रेग यंग।

अफगानिस्तान ने युगांडा को 125 रनों से रौंदा

फजलहक फारूकी

प्रोविडेंस (गुयाना), एजेंसी

- फारूकी के पांच विकेट, गुरबाज और जदरान की बल्लेबाजी से विश्व कप का पहला मैच जीता

तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी के पांच विकेट और रहमानुल्लाह गुरबाज तथा इब्राहिम जदरान के बीच पहले विकेट की शतकीय साझेदारी की मदद से अफगानिस्तान ने टी20 विश्व कप के पहले मैच में युगांडा को 125 रन से हराया। कोलकाता नाइट राइडर्स के सलामी बल्लेबाज गुरबाज ने 45 गेंद में 76 रन बनाये जबकि जदरान ने 46 गेंद में 70 रन की पारी खेली। दोनों ने पुरूषों के टी20 विश्व कप में पहले विकेट के लिये सर्वोच्च 154 रन की साझेदारी की जिसकी मदद से अफगानिस्तान ने पांच विकेट पर 183 रन बनाये। बायें हाथ के तेज गेंदबाज फारूकी ने चार ओवर में नौ रन देकर पांच विकेट लिये।

विश्व कप में पहली बार उतरी युगांडा की टीम 16 ओवर में 58 रन पर आउट हो गई। फारूकी दो बार हैट्रिक लेने के करीब पहुंचे थे। पहली गेंद पर चौका पड़ने के बाद उन्होंने बेहतरीन इनस्विंगर पर रौनक पटेल को आउट किया। इसके बाद रोजर मुकासा पगबाधा आउट हो गए। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिये खेल चुके फारूकी ने 13वें ओवर में तीन और विकेट लेकर टी20 क्रिकेट में कैरियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने रियाजत अली शाह को बोल्ड किया और युगांडा के कप्तान ब्रायन मसाबा को गुरबाज के हाथों लपकवाया। वह हैट्रिक से चूक गए लेकिन ओवर की आखिरी गेंद पर एक और विकेट लिया। इससे पहले अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाजों ने आक्रामक शुरूआत की। गुरबाज ने पारी की दूसरी ही गेंद पर छक्का जड़ा। जदरान ने दिनेश नकरानी के छठे ओवर में लगातार चार चौके लगाये। पावरप्ले के आखिर में अफगानस्तान ने 11 रन प्रति ओवर की दर से रन बना डाले थे। गुरबाज ने चार चौके और चार छक्के लगाये और अपना अर्धशतक सिर्फ 28 गेंद में पूरा किया। जदरान ने नौ चौके और एक छक्का जड़ा। ऐसा लग रहा था कि दोनों पूरे 20 ओवर खेल जायेंगे लेकिन युगांडा के गेंदबाजों ने वापसी की और उन्हें 200 रन के भीतर रोक दिया। अफगानिस्तान का सामना अब न्यूजीलैंड से होगा।

अफगानिस्तान : 183/5, ओवर : 20

गुरबाज का रियाजत बो रामजनी	76
इब्राहिम जदरान बो मसाबा	70
जदरान का नकरानी बो मसाबा	02
मोहम्मद नबी नाबाद	14
नईब का मसाबा बो क्येवूता	04
उमरजई का रामजनी बो क्येवूता	05
राशिद खान नाबाद	02

गेंदबाजी : अल्पेश 4-0-33-1, कॉसमास क्येवूता 4-0-25-2, दिनेश नकरानी 3-0-37-0, बिलाल हसन 2-0-34-0, हेनरी सेनयोंडो 2-0-19-0, रियाजत अली शाह 1-0-11-0, मसाबा 4-0-21-2

युगांडा : 58/10, ओवर : 16

रौनक बो फजलहक	04
साइमन का फजलहक बो मुजीब	04
मुकासा पगबाधा फजलहक	00
रियाजत बो फजलहक	11
दिनेश बो नवीन उल हक	06
अल्पेश का नईब बो नवीन उल हक	00
रॉबिंसन का गुरबाज बो फजलहक	14
मसाबा का गुरबाज बो फजलहक	00
बिलाल हसन पगबाधा राशिद	08
कॉसमास क्येवूता नाबाद	02
हेनरी सेनयोंडो बोल्ड राशिद	00

गेंदबाजी : फजलहक फारूकी 4-0-9-5, मुजीब उर रहमान 3-0-16-1, नवीन उल हक 2-0-4-2, अजमतउल्लाह उमरजई 2-0-7-0, राशिद खान 4-0-12-2, मोहम्मद नबी 1-0-8-0

स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के मैच में बारिश ने डाला खलल

ब्रिजटाउन (बारबाडोस), एजेंसी

गत चैंपियन इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के बीच टी20 विश्व कप मैच मंगलवार को बारिश और मैदान गीला होने के कारण देर से शुरू हुआ। केंसिंग्टन ओवल में टॉस के तुरंत बाद बारिश आ गई, जिसे स्कॉटलैंड के कप्तान रिची बेरिंगटन ने जीता। स्कॉटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बारिश के कारण मैच को 10-10 ओवरों का कर दिया गया। स्कॉटलैंड ने इंग्लैंड को जीत के लिए 91 रनों का लक्ष्य दिया है।

बारिश के कारण खेल की शुरूआत में लगभग 20 मिनट का विलंब हुआ। मैच के 7वें ओवर में दोबारा बारिश शुरू होने के कारण मैच को रोकना पड़ा। स्कॉटलैंड के खिलाड़ी जॉर्ज मोन्से 31 गेंदों पर 41 और माइकल जोंस 30 गेंदों पर 45 रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड और स्कॉटलैंड ऑस्ट्रेलिया, ओमान और नामीबिया के साथ ग्रुप बी में है।

जेब्युर की हार, कोको सेमीफाइनल में

पेरिस, एजेंसी। अमेरिका की कोको गॉफ ने पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए मंगलवार को फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में ओन्स जेब्युर को हराकर लगातार तीसरी बार ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पिछले साल सितंबर में अमेरिकी ओपन के रूप में पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाली गॉफ ने आठवीं वरीय जेब्युर को 4-6, 6-2, 6-3 से हराया। अमेरिकी ओपन के बाद गॉफ ने जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के भी अंतिम चार में जगह बनाई थी। गॉफ की सेमीफाइनल में भिड़ंत शीर्ष वरीय ईगा स्वियातेक से हो सकती है, जिन्होंने पेरिस में पिछले चार में से तीन खिताब जीते हैं।

नोवाक जोकोविच घुटने में चोट के कारण फ्रेंच ओपन से हटे

पेरिस, एजेंसी

नोवाक जोकोविच दाहिने घुटने में चोट के कारण मंगलवार को फ्रेंच ओपन से हट गए, जिससे खिताब के बचाव के मौके के साथ रैंकिंग में शीर्ष स्थान को भी गंवा देंगे। फ्रेंच ओपन के आयोजकों ने बताया कि 'जोकोविच के दाहिने घुटने के 'मीडियल मेनिस्कस' में चोट है। इस चोट की गंभीरता का पता एमआरआई जांच के दौरान चला।

जोकोविच को यह चोट विश्व रैंकिंग में 23वें स्थान के खिलाड़ी फ्रांसिस्को सेरुंडोलो के खिलाफ चौथे दौर में साढ़े चार घंटे से अधिक समय तक चले मैच के दौरान लगी थी। चौबीस बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन को बुधवार को क्वार्टर फाइनल में दो बार के फ्रेंच ओपन उपविजेता कैस्पर रुड से मुकाबला करना था। रूड को अब वॉकओवर मिल गया है और सेमीफाइनल में उनका सामना रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज अलेक्जेंडर ज्वेरेव या 11वें स्थान के खिलाड़ी एलेक्स डी मिनौर से होगा।

एलेक्जेंडर ज्वेरेव क्वार्टरफाइनल में

पेरिस, एजेंसी। जर्मनी के टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने डेनमार्क के होल्गर रूण को हराकर फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये हैं। मंगलवार को हुये मुकाबले में ज्वेरेव ने लगातार तीन सेट जीतकर फ्रेंच ओपन के क्वार्टरफाइनल में लगातार चौथी बार जगह बनाई है। उन्होंने चार घंटे और 11 मिनट में तक चले मुकाबले में रुण पर 4-6, 6-1, 5-7, 7-6(2), 6-2 से जीत दर्ज की। ज्वेरेव का अगले मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज एलेक्स डी मिनौर से होगा। डी मिनौर ने डेनियल मेदवेदेव को 4-6, 6-2, 6-1, 6-3 से हराकर क्वार्टरफाइनल में पहुंचे हैं।

राहुल द्रविड़ को लेकर भावुक हुए रोहित शर्मा

न्यूयॉर्क, एजेंसी

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मंगलवार को बताया कि उन्होंने निवर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को पिछले ढाई वर्षों में टीम में उनके व्यापक योगदान को स्वीकार करने के साथ इस जिम्मेदारी को जारी रखने के लिए मनाने की कोशिश की थी। द्रविड़ ने सोमवार को स्पष्ट कर दिया था कि टी20 विश्व कप भारतीय टीम के साथ उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा। रोहित इसके एक दिन बाद राष्ट्रीय टीम में अपने पहले कप्तान के बारे में बात करते हुए भावुक हो गए।

गौतम गंभीर को द्रविड़ के उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि उन्होंने इस पद के लिए आवेदन किया है या नहीं। रोहित ने टी20 विश्व कप में आयरलैंड के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा, ''मैंने उन्हें रोकने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन जाहिर तौर पर ऐसी कई चीजें हैं जिनका उन्हें ध्यान रखना होगा। मैंने व्यक्तिगत रूप से उसके साथ अपने समय का आनंद लिया।'' रोहित ने इस मौके पर अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण को याद करते हुए कहा कि उन्होंने राहुल की कप्तानी में अपना अंतरराष्ट्रीय करियर शुरू किया था। उन्होंने कहा, '' जब मैंने आयरलैंड में पदार्पण किया था तो वह मेरे पहले अंतरराष्ट्रीय कप्तान थे। जब मैं टेस्ट मैचों के लिए टीम में आया था तब मैंने उन्हें करीब से खेलते हुए देखा था। वह हम सभी के लिए इतने बड़े आदर्श रहे है।'' उन्होंने कहा, '' बड़े होते हुए, हमने उन्हें खेलते हुए देखा है और हम जानते हैं कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से एक खिलाड़ी के रूप में क्या हासिल किया है। हम पिछले कुछ वर्षों में टीम के लिए उनके योगदान की सराहना करते है।''

नीदरलैंड ने नेपाल को 106 रनों पर समेटा

डलास, एजेंसी। नीदरलैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप डी मैच में मंगलवार को नेपाल की पारी को 19.2 ओवर में 106 रन पर समेट दिया। नेपाल की ओर से कप्तान रोहित पौडेल ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाये। नीदरलैंड के लिए टिम प्रिंगल और लोगन वैन बीक ने तीन-तीन विकेट चटकाये।

ग्रांड प्रेरी स्टेडियम में मंगलवार को नेपाल और नीदरलैंड के बीच विश्वकप के खेले गए मैच में कप्तान रोहित पौडेल की जुझारू पारी की बदौलत नेपाल 100 रनों का आंकड़ा पार कर सकी। रोहित के अलावा नेपाल का कोई भी खिलाड़ी नीदरलैंड के गेंदबाजों के सामने ज्यादा समय तक नहीं टिक सका। नीदरलैंड के गेंदबाजों की सधी हुई गेंदबाजी के कारण नेपाल की टीम निर्धारित 20 ओवर भी नहीं खेल सकी।

शतरंज : प्रज्ञानानंदा ने डिंग लिरेन को हराया

स्टावेंजर (नॉर्वे), एजेंसी

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने विश्व चैम्पियन डिंग लिरेन के खिलाफ आर्मोगेडोन पर मिली हार का बदला चुकता करते हुए नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के सातवें दौर में जीत दर्ज की हालांकि इससे पहले चीनी खिलाड़ी ने मजबूत स्थिति में पहुंचकर खुद गलतियां की थी जो उन पर भारी पड़ी। पहला मुकाबला ड्रॉ रहा और प्रज्ञानानंदा ने आर्मागेडोन में बाजी मारी। नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन ने अमेरिका के हिकारू नकामूरा के खिलाफ धीमी शुरूआत की और आर्मागेडोन में हार गए। वहीं फ्रांस के फिरोजा अलीरजा ने अमेरिका के फेबियानो कारूआना को हराया। कार्लसन 13 अंक लेकर शीर्ष पर हैं। नकामूरा उनसे आधा अंक पीछे हैं। प्रज्ञानानंदा 11 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं जबकि अलीरजा उनसे डेढ अंक पीछे हैं। कारूआना पांचवें स्थान पर हैं और लिरेन सबसे नीचे हैं। महिला वर्ग में यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक ने चीन की विश्व चैम्पियन वेंजुन जू को हराकर एकल बढ़त हासिल की। जू उनसे आधा अंक ही पीछे हैं। कोनेरू हम्पी ने हमवतन आर वैशाली को हराया जो तीसरे स्थान पर हैं। चीन की तिंगजि लेइ ने स्वीडन की पिया क्रामलिंग को हराया।

ग्रैंडमास्टर अर्जुन विश्व में शीर्ष पांच में

नयी दिल्ली, एजेंसी। ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने फ्रेंच टीम शतरंज चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करके फिडे रेटिंग में पांचवां स्थान हासिल कर लिया और लाइव रेटिंग में वह सर्वोच्च रैंकिंग वाले भारतीय हैं। अर्जुन के ईएलओ रेटिंग अंक 2769 .7 हैं और उन्होंने इसमें 8 .7 अंक का इजाफा किया है। उनसे आगे नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन, अमेरिका के हिकारू नकामूरा और फेबियानो कारूआना और रूस के इयान नेपोम्नियाशि हैं। वह इस सप्ताह लाइव रेटिंग में 2771 .2 अंक तक पहुंचे और विश्वनाथन आनंद के बाद यहां तक पहुंचने वाले दूसरे भारतीय हैं।

लक्ष्य सेन दूसरे राउंड में पहुंचे

जकार्ता, एजेंसी

- इंडोनेशिया ओपन में प्रियांशु ने एचएस प्रणॉय को हराया

लक्ष्य सेन और प्रियांशु रजावत मंगलवार को इंडोनेशिया ओपन 2024 बैडमिंटन बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट के अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए दूसरे राउंड में पहुंच गये है। मंगलवार को पुरुष एकल मुकाबले में लक्ष्य सेन ने जापान के कांता त्सुनेयामा को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 21-12, 21-17 से हराया। राउंड ऑफ 16 में लक्ष्य का सामना जापान के केंटा निशिमोटो से होगा, जिन्होंने पहले राउंड में सातवीं वरीयता प्राप्त एंथोनी गिंटिंग को हराया है।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य ने पहले गेम में ही मजबूत शुरुआत करते हुए 10-4 से बड़ी बढ़त बनाई और उसके बाद उन्होंने पीछे मुड़ कर नहीं देखा और वह लगातार अंक अपने नाम करते रहे और आखिर में इस गेम को बड़ी आसानी से 21-12 से जीत लिया। कांता त्सुनेयामा को इस गेम में काफी संघर्ष करना पड़ा। दूसरे गेम में लक्ष्य शुरू से ही जापान के खिलाड़ी पर हावी रहे और 2-2 से स्कोर बराबर होने के बाद भारतीय शटलर ने 5-3 की बढ़त बनाई और शानदार प्रदर्शन करते हुए बढ़त बनाये रखा। जापानी खिलाड़ी ने गेम को आखिर तक ले जाने का प्रयास किया और स्कोर 17-14 कर दिया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने जापानी खिलाड़ी की उम्मीदों पर पानी फेरते हुए 21-17 से जीत दर्ज की। इसके अलावा दिन का एक और रोमांचक मुकाबले में एचएस प्रणॉय को पहले राउंड में हमवतन दुनिया के 34वें नंबर के खिलाड़ी प्रियांशु रजावत से 17-21, 11-21 से हार का सामना करना पड़ा। प्रणॉय की अपने जूनियर खिलाड़ी के खिलाफ चार मैचों में यह पहली हार थी। रजावत अगले राउंड में मौजूदा विश्व चैंपियन थाईलैंड के कुणालवुट विटिदसर्न से मुकाबला करेंगे। मिश्रित युगल जोड़ी बी सुमित रेड्डी और सिक्की रेड्डी ने भारतीय अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। भारतीय जोड़ी ने यूएसए के विसन चिउ-जेनी गाई को 18-21, 21-16, 21-17 से हारकर राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित।
संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, 0522-4008111 (कार्यालय), **ईमेल**-amritvicharlucknow@gmail.com **आर.एन.आई नं0**-50986/1989 **(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।**

बाढ़ बनी आफत

रेमल चक्रवात के बाद से गुवाहाटी में भारी बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव हो गया। इससे लोगों को पलायन करने पर मजबूर होना पड़ रहा है। लगातार हो रही बारिश और बाढ़ की वजह से कई लोग जान गवां चुके हैं।

चांद के अंधेरे हिस्से से निकाली दो किलो मिट्टी

बीजिंग, एजेंसी

- चीन का मून लैंडर चांग ई-6 धरती पर लौट रहा है, चीन अपने इस मिशन में कामयाब हुआ तो ऐसा करने वाला पहला देश होगा

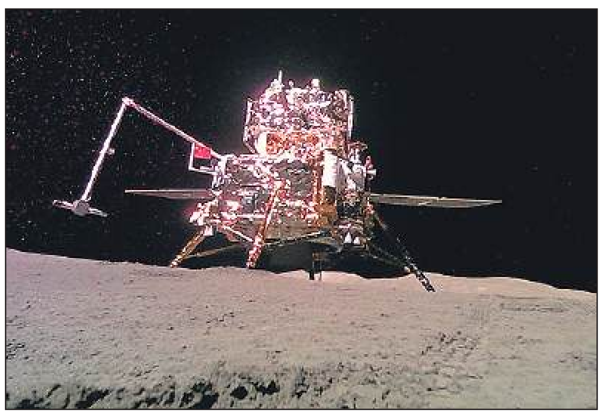

चीन ने पिछले महीने 3 मई को चांग ई-6 मून लैंडर लॉन्च किया था। अब इस मून लैंडर ने चांद के अंधेरे हिस्से से मिट्टी निकालने में कामयाबी हासिल कर ली है। ये जानकारी चीनी स्पेस मिशन ने दी है। न्यूज वेबसाइट अलजजीरा के मुताबिक चीन ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। चंद्रमा के दक्षिणी हिस्से से मिट्टी का सैंपल लेने के लिए मून लैंडर में ड्रिल कर खोदने और फिर मलबे को उठाने की मैकेनिकल आर्म लगाई गई थी।

चीन की अंतरिक्ष एजेंसी नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया कि इस सैंपल के विश्लेषण से अंतरिक्ष वैज्ञानिकों को चंद्रमा, पृथ्वी और सौर मंडल के बनने और उनका विकास होने से जुड़े सुराग मिल पाएंगे। इस डेटा का इस्तेमाल चीन के आने वाले मून मिशन्स में भी होगा।

पहली बार चांद के दक्षिणी हिस्से में फहराया चीनी झंडा : चांद से मिट्टी इकट्ठा करने के बाद चांग''ई-6 ने पहली बार चांद के दक्षिणी हिस्से में चीन का झंडा फहराया। चीनी स्टेट मीडिया के मुताबिक अब अपने मिशन को अंजाम देने के बाद मून लैंडर चांग''ई-6 वापस लौट रहा है।

25 जून को वापस लौटेगा चांग ई-6

चीनी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ ने चीनी स्पेस एजेंसी का हवाला देते हुए बताया कि चांग''ई-6 ने मंगलवार सुबह 7:38 बजे चांद से उड़ान भरी। चांग''ई-6 फिलहाल चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश कर चुका है। योजना के मुताबिक चांग''ई-6 चीन के इनर मंगोलिया इलाके के रेगिस्तान में करीब 25 जून के आसपास लैंड करेगा। इसे चीन का अब तक का सबसे मुश्किल मून मिशन बताया जा रहा है। अगर 25 जून को चीनी मून लैंडर वापस धरती पर सफलतापूर्वक उतरने में सफल होता है तो चीन के साथ-साथ ये पूरे मानवजाति के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी। इससे पहले बीते रविवार की सुबह चांग''ई-6 ने चांद के अंधेरे वाले हिस्से ऐटकेन बेसिन पर सफल लैंडिंग की थी।

चांद के सुदूर हिस्से तक पहुंचना क्यों मुश्किल?

चांद के इस हिस्से पर लैंडिंग दूसरे हिस्सों के मुकाबले ज्यादा मुश्किल है। इसकी वजह ये है कि चांद के इस हिस्से में अंधेरा होता है, ये उबड़-खाबड़ है। इसके चलते यहां संपर्क मुश्किल होता है और लैंडिंग में परेशानी आती हैं। चीन को 2030 तक चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों को भेजना है। चांद के दक्षिणी ध्रुव पर चीन एक रिसर्च बेस बनाना चाहता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक चांग''ई-6 लैंडर जो सैंपल लेकर आएगा उनसे चंद्रमा, पृथ्वी और सौर मंडल के बनने और उनका विकास होने से जुड़े सुराग मिल पाएंगे। इस डेटा का इस्तेमाल चीन के आने वाले मून मिशन्स में होगा।

एक नजर

पाकिस्तान में कोयला खदान में गैस रिसाव से 11 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के क्वेटा के पास एक कोयला खदान में गैस रिसाव के कारण नौ खनिकों सहित 11 लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तानी अखबार डॉन ने सोमवार को बलूचिस्तान के मुख्य खान निरीक्षक अब्दुल गनी के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। कोयला खदान क्वेटा से 40 किलोमीटर दूर स्थित है। इस घटना के बाद खदान बंद कर दी गई थी। अखबार ने कहा कि नौ खनिकों के अलावा, एक ठेकेदार और एक खदान प्रबंधक भी मृतकों में शामिल हैं।

300 से अधिक अफगान शरणार्थी परिवार घर लौटे

काबुल। पिछले कुछ दिनों में 300 से अधिक अफगान शरणार्थी परिवार पाकिस्तान और ईरान से स्वदेश लौट आए हैं। सरकारी बख्तर समाचार एजेंसी ने मंगलवार को बताया कि कुल 303 परिवार जो दोनों पड़ोसी देशों में वर्षों तक शरणार्थी के रूप में रहते थे, कुछ दिन पहले अपने वतन लौट आए। कथित तौर पर पिछले नवंबर से दोनों देशों से 10 लाख से अधिक अफगान शरणार्थी, जिनमें से अधिकांश बिना दस्तावेज वाले प्रवासी हैं, घर लौट आए हैं। अफगान की कार्यवाहक सरकार अफगान शरणार्थियों से विदेश में शरणार्थी के रूप में रहना बंद करने और युद्धग्रस्त मातृभूमि की पुनर्निर्माण प्रक्रिया में योगदान देने के लिए घर लौटने का आह्वान करती रही है।

कॉनिल ने ग्रहण किया प्रधानमंत्री का पदभार

पोर्ट-ओ-प्रिंस। हैती के अंतरिम प्रधानमंत्री गैरी कॉनिल ने आधिकारिक तौर पर पदभार ग्रहण कर लिया है। संक्रमणकालीन राष्ट्रपति परिषद ने मई के अंत में अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष (यूनिसेफ) के स्थानीय विभाग के निदेशक गैरी कॉनिल को चुना। श्री कॉनिल पहले ही 2011-2012 में प्रधानमंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर कहा, सोमवार को एक समारोह के दौरान प्रधानमंत्री डॉक्टर गैरी कॉनिल को संक्रमणकालीन राष्ट्रपति परिषद के अध्यक्ष एडगार्ड लेब्लांक फिल्स से संक्रमणकालीन सरकार के प्रमुख के रूप में उनकी नियुक्ति पर एक विस्तारित निर्णय प्राप्त हुआ। कार्यालय ने जारी बयान में कहा कि समारोह के दौरान प्रधानमंत्री ने प्रस्ताव दिया कि सभी इच्छुक पक्ष अपने विवादों को छोड़ दें।

भारत में हुए लोकसभा चुनाव के नतीजों पर वर्ल्ड मीडिया की रहीं नजरें

वॉशिंगटन पोस्ट ने कहा- मोदी पहली बार पूर्ण बहुमत से चूके

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा।

भारत में 2024 के लोकसभा चुनाव में वोटों की गिनती जारी है। बीजेपी की अगुआई वाले एनडीए गठबंधन को उम्मीद के मुताबिक सीटें मिलती नहीं दिख रहीं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नतीजों को न सिर्फ देश के लोग बल्कि पूरी दुनिया टकटकी लगाकर देख रही है। वॉशिंगटन पोस्ट ने कहा- मोदी पहली बार पूर्ण बहुमत से चूक गए। न्यूयॉर्क टाइम्स से लेकर ब्रिटेन का बीबीसी ने लाइव कवरेज किया। शुरुआती नतीजों को वर्ल्ड मीडिया अपने नजरिये से परख रहा है।

न्यूयॉर्क टाइम्स-10 साल के कार्यकाल का रेफरेंडम

न्यूयॉर्क टाइम्स ने नतीजों को प्रधानमंत्री मोदी के 10 साल के कार्यकाल पर रेफरेंडम बताया है। टाइम्स के मुताबिक, काफी हद तक नरेंद्र मोदी को तीसरा टर्म मिलेगा। भारत में नए बने विपक्षी गठबंधन ने मोदी की बंटवारे की राजनीति के खिलाफ वोट मांगा था। विपक्ष ने लोगों के मन में ये डर भरा था कि अगर बीजेपी सत्ता में आई तो संविधान बदल देगी।

- अलजजीरा ने लिखा- जीते तो भी पीठ नहीं थपथपा पाएंगे

द डेली स्टार-कमजोर भाजपा की सरकार बनेगी

बांगलादेशी अखबार द डेली स्टार ने लिखा- ऐसा लगता है कि इस बार कमजोर भाजपा की सरकार बनेगी। भारतीय शेयर बाजार को पीएम मोदी की भारी जीत की उम्मीद थी लेकिन शुरुआती परिणामों ने उसे डरा दिया है। यही वजह है कि शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। अखबार ने सीएम ममता बनर्जी की तारीफों के पुल भी बांधे हैं। अखबार लिखता है कि ममता बनर्जी ने बीजेपी को एक बार फिर से मात दी है।

रॉयटर्स-उम्मीद से उलट नतीजे

रॉयटर्स ने लिखा है कि शुरुआती रुझानों में पीएम मोदी की पार्टी और उनका गठबंधन आगे दिखाई दे रहा है। उम्मीद के उलट नतीजों की वजह से बाजार परेशान होकर लगातार गिरता जा रहा है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल ने लिखा विपक्ष ने दिया झटका

भारत के नरेंद्र मोदी बहुमत हासिल करने के लिए जूझ रहे हैं। शुरुआती रुझानों में उन्हें उम्मीद मुताबिक नतीजे नहीं मिल रहे। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने लिखा कि मोदी और उनकी हिंदू राष्ट्रवादी पार्टी को विपक्ष ने कड़ा झटका दिया है।

फ्रांस 24 ने लिखा-

भारत के चुनाव में विपक्ष उम्मीद से कड़ी टक्कर दे रहा है। 10 साल की सत्ता में नरेंद्र मोदी ने भारत की राजनीति के परिदृश्य को ही बदल दिया था। उनकी पॉपुलैरिटी ने उनकी पार्टी को पीछे छोड़ दिया। मोदी ने संसदीय चुनाव को राष्ट्रपति चुनाव जैसा बना दिया। नतीजा ये रहा कि बीजेपी चुनाव जीतने के लिए मोदी ब्रांड पर निर्भर रहती है।

उ. कोरिया के साथ सैन्य समझौता स्थगित करेगा द. कोरिया

सियोल। दक्षिण कोरिया की सरकार ने उत्तर कोरिया के साथ एक विवादास्पद सैन्य समझौते को निलंबित करने को मंजूरी दे दी है। यह एक ऐसा कदम है जिससे वह उत्तर कोरिया के उकसावे पर सख्त प्रतिक्रिया दे सकेगा।

- कचरे के गुब्बारे उड़ाने के मामले पर दोनों प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच दुश्मनी तेजी से बढ़ी

यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब हाल ही में दोनों प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच दुश्मनी तेजी से बढ़ी है। इससे पहले दक्षिण कोरिया द्वारा कुछ पर्चे भेजे जाने के जवाब में उत्तर कोरिया ने सीमा पार कचरा ले जाने वाले गुब्बारे उड़ाए थे। मंगलवार को दक्षिण कोरिया की कैबिनेट काउंसिल ने सीमा पर सैन्य तनाव को कम करने के लिए 2018 के अंतर-कोरियाई समझौते को निलंबित करने के उद्देश्य से एक प्रस्ताव पारित किया।

सरकारी अधिकारियों के अनुसार यह प्रस्ताव राष्ट्रपति यूं सूक येओल द्वारा हस्ताक्षर किए जाने के बाद औपचारिक रूप से प्रभावी होगा। वे संभवतः मंगलवार देर शाम तक इस पर हस्ताक्षर करेंगे।

टोक्यो में कार्गो विमान की कराई इमरजेंसी लैंडिंग

आपात लैंडिंग के बाद सुरक्षा कर्मियों ने विमान को घेर लिया।

टोक्यो, एजेंसी

- विमान में आग लगने के बाद करानी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

जापान में टोक्यो के नारिता हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ सेकंड बाद ही एक मालवाहक विमान में आग लगने की वजह से आपात स्थिति में उतारा गया।

राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। एनएचके द्वारा प्रसारित लाइव फुटेज में दिखाया गया कि विमान के दाहिने ओर की इंजन में आग लग गई। इसके बाद विमान ने आपातस्थिति में उतारने के लिए घोषणा की। हवाई अड्डे के अनुसार विमान को स्थानीय समयानुसार सुबह 11:20 बजे उतरना था। आपातकालीन लैंडिंग के बाद रनवे को बंद करने की कोई योजना नहीं है।

तुर्की में विमान दुर्घटना में दो सैनिकों की मौत

अंकारा। तुर्की के मध्य प्रांत काइसेरी में मंगलवार को सैन्य प्रशिक्षण के दौरान विमान दुर्घटना में दो सैनिकों की मौत हो गई। तुर्की रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा, हमारे वायु सेना कमान का एक एसएफ-260डी प्रकार का प्रशिक्षण विमान, जो प्रशिक्षण के लिए काइसेरी में 12वीं वायु परिवहन मुख्य बेस कमान से उड़ान भर रहा था, अज्ञात कारणों से दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान काइसेरी प्रांत के कोकासिनान जिले के हसन अर्पा इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

थ्यानमेन नरसंहार की वर्षगांठ पर चीन-हांगकांग में भारी सुरक्षा

बीजिंग, एजेंसी

- लोकतंत्र समर्थकों पर कार्रवाई का गवाह है थ्यानमेन चौक

थ्यानमेन नरसंहार की 35वीं बरसी पर चीन और हांगकांग में सुरक्षा के भारी बंदोबस्त किए गए। इस दौरान लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों पर खूनी कार्रवाई के गवाह रहे थ्यानमेन चौक को जाने वाली सड़कों पर पुलिस चौकियां और बख्तरबंद वाहनों की कतारें देखी गईं।

हांगकांग पुलिस ने भारी चौकसी बरतते हुए बरसी संबंधी किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम को रोकने के लिए सड़क से कम से कम दो लोगों को हटा दिया। चीन काफी समय पहले ही नरसंहार की उन सभी निशानियों को कुचल चुका है जब चीनी सरकार ने कम्युनिस्ट शासन को बनाए रखने और महीनों से चल रहे विरोध प्रदर्शनों को समाप्त करने के लिए सेना को कार्रवाई का आदेश दिया था। इस आदेश के बाद अनुमान है कि 180,000 सैनिक और सशस्त्र पुलिस बल टैंकों के साथ पहुंचे और थ्यानमेन चौक पर प्रदर्शनकारी छात्रों पर गोलियां बरसाईं। आज तक मरने वालों की संख्या का पता नहीं चल पाया है। ये माना जाता है कि हजारों नहीं तो सैकड़ों लोग इस अभियान में मारे गए थे जो कि एक रात पहले शुरू होकर 4 जून, 1989 की सुबह समाप्त हुआ था। यह नरसंहार आधुनिक चीनी इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। कम्युनिस्ट पार्टी के कट्टरपंथियों के पक्ष में संकट समाप्त हो गया जो राजनीतिक सुधारों की बजाय नियंत्रण का समर्थन करते थे।

सैन फ्रांसिस्को में इजराइली मिशन की इमारत से फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शनकारी गिरफ्तार

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी

प्रदर्शनकारियों को ले जाती पुलिस।

- सोमवार को दूतावास की इमारत में घुस गए थे प्रदर्शनकारी

सैन फ्रांसिस्को में इजराइली वाणिज्य दूतावास की इमारत की लॉबी में घुसे फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शनकारियों को सोमवार को पुलिस ने गिरफ्तार किया। हालांकि, यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि कितने लोगों को गिरफ्तार किया गया, लेकिन एसोसिएट प्रेस के संवाददातओं ने पुलिस को लगभग 50 लोगों को अपने साथ ले जाते हुए देखा। अधिकारी उन्हें पुलिस वैन में बैठाकर वहां से ले गए।

सोमवार को फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शनकारियों का एक समूह इमारत में घुस गया और कई घंटों तक वहां रहा। प्रदर्शनकारियों ने इमारत के मुख्य द्वार पर इजराइल-हमास युद्ध को रोकने का आह्वान करते हुए पोस्टर लगाए। सैन फ्रांसिस्को पुलिस विभाग ने कहा कि पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को कई बार चेतावनी दी और उन्हें वहां से चले जाने को कहा, लेकिन इसके बाद वे आगे बढ़ते रहे, जिसके बाद उन्हें हिरासत में लिया गया। इजराइल के महावाणिज्यदूत मार्को सेरमोनेटा ने कहा कि प्रदर्शनकारी सुबह करीब नौ बजे फाइनेंशियल डिस्ट्रिक की इमारत के पास एकजुट हुए, लेकिन वाणिज्य दूतावास के कार्यालयों में प्रवेश नहीं कर सके।

द. कोरिया ने की अफ्रीकी देशों संग पहले शिखर सम्मेलन की मेजबानी

सोल, एजेंसी

- 4 से 8 जून तक चीन की यात्रा पर हुए रवाना

दक्षिण कोरिया ने मंगलवार को अफ्रीकी देशों के साथ अपना पहला शिखर सम्मेलन आयोजित किया।

शिखर सम्मेलन सोमवार रात को शुरू हुआ और बुधवार को एक व्यापार शिखर सम्मेलन के साथ समाप्त होने वाला है, जिसमें राज्य और सरकार के प्रमुख और 48 अफ्रीकी देशों के प्रतिनिधिमंडल के प्रमुखों के साथ-साथ अफ्रीकी संघ और उसके संस्थानों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। संयुक्त घोषणा के तहत दोनों पक्षों ने यह विचार साझा किया कि द. कोरिया और अफ्रीका के बीच आपसी विश्वास, एकजुटता और समान ऐतिहासिक अनुभवों के आधार पर नए रणनीतिक सहयोग बनाने की आवश्यकता है। जलवायु परिवर्तन, संघर्ष, खाद्य असुरक्षा, स्वास्थ्य संकट, ऊर्जा संकट और आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान सहित जटिल चुनौतियों के उद्भव के बीच, दोनों पक्ष तीन स्तंभों के आसपास संरचित मजबूत और पारस्परिक रूप से लाभप्रद साझेदारी बनाने के लिए दृढ़ हैं। द. कोरिया और अफ्रीकी देशों ने 40 से अधिक व्यापार और निवेश संवर्धन ढांचे और आर्थिक विकास सहयोग निधि पर बुनियादी समझौते, साथ ही प्रमुख खनिज, बुनियादी ढांचे, गतिशीलता, कृषि, मत्स्य पालन पर समझौता ज्ञापन, चिकित्सा और स्वास्थ्य सहयोग जैसेएमओयू पर हस्ताक्षर किए।

बॉलीवुड हलचल

मिस्टर एंड मिसेज माही के गाना का वीडियो रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव और अभिनेत्री जान्हवी कपूर की आने वाल फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही का गाना तू ही तो का वीडियो रिलीज कर दिया गया है। राजकुमार राव और जान्हवी कपूर अभिनीत रोमांटिक ड्रामा मिस्टर एंड मिसेज माही लगातार लोगों का दिल जीत रही है। अपनी शानदार सिनेमाई रिलीज के बाद, फिल्म के निर्माताओं ने अब तू है तो नामक रोमांटिक गीत का आधिकारिक वीडियो जारी किया है। हनी एंड बनी द्वारा रचित, बनी और सागर द्वारा गाया गया, सागर के बोलों के साथ, तू है तो एक सूफी प्रेम गीत है। गाने के बारे में बात करते हुए, संगीतकार और गीतकार जानी ने साझा किया, तू है तो एक भावपूर्ण धुन है जो श्रोताओं को सूफी प्रेम गीतों के युग में वापस ले जाती है। यह व्यक्तिगत रूप से फिल्म के मेरे पसंदीदा गीतों में से एक है और मुझे लगता है कि हनी और बनी ने इसे अविश्वसनीय रूप से बेहतरीन तरीके से पेश किया है। मुझे खुशी है कि गाना आखिरकार अब रिलीज़ हो गया है।

पिता बने वरुण धवन पत्नी नताशा ने दिया बेटी को जन्म

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन और नताशा दलाल के घर बेटी का जन्म हुआ है। वरुण धवन के पिता और निर्देशक डेविड धवन ने सभी फैंस को बेबी गर्ल के जन्म की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नताशा ने बेटी को जन्म दिया है और वरुण बेटी के पिता बन गए हैं। यह खबर सुनकर फैंस काफी खुश हो रहे हैं। हर कोई वरुण को बधाई दे रहा है और साथ ही ढेर सारी शुभकामनाएं भी फैंस द्वारा दी जा रही है।

भारत के दो हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल कर रहे मालदीव के रक्षा कर्मी

माले। भारत के मालदीव से अपने सैनिकों को वापस बुलाने के बाद भी, भारत की ओर से मालदीव को दिए गए दो हेलीकॉप्टरों का नियमित रूप से संचालन किया जा रहा है।

अजाजू डॉट कॉम ने एक हवाईअड्डा अधिकारी के हवाले से कहा कि हेलीकॉप्टर उड़ाए जाने पर मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल (एमएनडीएफ) का एक सैनिक उनपर मौजूद रहता है। चीन समर्थक राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने पिछले साल सितंबर में सत्ता में आने पर अपने देश से सभी भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस भेजने का वादा किया था। 10 मई की तय समयसीमा तक 88 में से अंतिम भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस भेज दिया गया था। भारत की तरफ से उपहार में दिए गए दो हेलीकॉप्टर और एक डोर्नियर विमान का उपयोग मालदीव में सैकड़ों निकासी और मानवीय मिशनों के लिए किया गया है।

खगोल विज्ञान — चीनी विज्ञान अकादमी युन्नान वेधशाला के वैज्ञानिकों की खोज

बौनी आकाशगंगाओं में तारा निर्माण व विलय का खुलासा

संवाददाता, नैनीताल

बौनी आकाशगंगा की तस्वीर।

अमृत विचार : बौनी आकाशगंगाओं में तारों का निर्माण व उनके विलय का खुलासा वैज्ञानिकों ने किया है। बौनी आकाशगंगाओं में होने वाली भौतिक प्रक्रिया की यह पहली खोज है। जिस कारण इस खोज को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

चीनी विज्ञान अकादमी युन्नान वेधशाला के वैज्ञानिकों ने यह खोज की है। दरअसल बौनी आकाशगंगाओं के बारे में हमारी जानकारी अभी भी प्रयाप्त नही है। माना जाता था कि बौनी आकाशगंगाओं का ब्रह्मांड में सीमित स्थान है और उनमें बहुत कम प्रक्रिया होती होगी। मगर वास्तव में ऐसा नही है, बल्कि ब्रह्मांड में अपना खासा वर्चस्व रखती है।

चीनी विज्ञान अकादमी के वैज्ञानिकों ने बौनी आकाशगंगाओं में विलय और ज्वारीय अंतःक्रियाओं सहित आकाशगंगाओं के बीच अंतःक्रियाओं का बड़े पैमाने पर अध्ययन किया गया है। शोध में बताया है कि विशाल आकाशगंगाओं के बीच विलय से आकाशगंगाओं की आकृतियाँ बदल सकती हैं, तारों का निर्माण बढ़ सकता है और यहाँ तक कि तारों का विस्फोट भी हो सकता है। मगर बौनी आकाशगंगाओं के कमजोर गुरुत्वाकर्षण के कारण तारा निर्माण वितरण और घनत्व विलय और तारकीय नकारात्मक प्रतिक्रिया से अधिक आसानी से प्रभावित होते हैं। वैज्ञानिकों ने बौनी आकाशगंगा वीसीसी 322 का विश्लेषण किया। यह शोध द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ताओं ने आकाशगंगा का रंग और एकल तारकीय जनसंख्या मॉडल फिटिंग के आधार पर ज्वारीय धात्विकता और तारकीय आयु का अध्ययन किया। तब जाकर बौनी आकाशगंगा की भीतरी जानकारी सामने आ पाई।

बौनी आकाशगंगाओं पर अधिक शोध की जरूरत

बौनी आकाशगंगाओं को लेकर अधिक शोध की जरूरत है। भले ही यह पूर्णरूप से विकसित नही हो पाई हों, लेकिन ब्रह्मांड में इनके अस्तित्व को कम करके नही आंका जा सकता है। संभव है कि यह ब्रह्मांड के रहस्यों को उजागर करने में महत्वपूर्ण कड़ी की भूमिका निभा सके।